

## नाभिकर वे नकाक्ति PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 19]

्र **नई बिल्ली, श**निवार, जई 11, 1985/वेशाच 21, 1907 NEW DECHI, नA FURDAY, MAY 11, 1985/Vaisakha 21, 1907

इस जाग में जिला पुष्ठ संख्या दी चाती है जिससे कि वह अजन संख्यान के क्य में रक्षा का सबे Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

> भाग II—कण्ड 3—उप-कण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्राला को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालामें द्वारा आरी किए गए सांविधिक आवेग और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

## विस मंत्रालय

(राजम्य विभाग)

नर्ष दिल्ली, 28 मार्च, 1985 (आय-भर)

> [स 6180 (का. स 197/199/84-आ.का (नि -1)] आर. के तिवारी, अवर सन्दिक

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
New Delhi, the 28th Match, 1985
(INCOME-TAX)

S.O. 1944—In exercise of the powers conferred by subclause (v) of clause (23C) of Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bharatiya Vidya Bhavan" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1986-87 to 1988-89.

127 GI 85-- 1

[No 6180 (F. No. 197/199/84-IT(AI)] R. K. I EWARI, Under Secy नई दिल्ली, 10 श्रप्रैल, 1985

## ग्रायकर मंस्थापन

का. था. 1945, — प्रत्यंकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 9-5-83 की श्रिधमूचना मं. 5169 (फा. मं. 398/14/83-श्रा. क. (ब.) का श्रिधलंबन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतददारा श्री औ. पी. तंबर की जो केन्द्रीय सरकार के राजपवित श्रिधकारी हैं, उक्त श्रिधिनियम के अंतर्गत कर वसूली श्रिधकारी की सिक्तयों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह ग्राधिमूचना श्री ओ. पी. तंबर द्वारा कर बसूली ग्राधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की नारीखा से लागू होगी।

> [सं 6186 (फ़ा. स. 398/7/85-भ्रा.क. (ब)] बी ई. भ्रतीकोडर, श्रवर समिव

## New Delhi, the 10th April, 1985

## INCOME TAX ESTABLISHMENT

S.O. 1945.—In pursuance of sub-clause (ni) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5169 (F. No. 398| 14|83 IT(B) dated the 9.5-83, the Central Government hereby authorises Shri O. P. Tanwar, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise of the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri O. P. Tanwar takes over charge a Tax Recovery Officer.

[No. 6186 (F. No. 398]7[85-IT(B)] B. E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 श्रप्रैल, 1985

#### **धा**यकर

का. ग्रा. 1946 .--इम कार्यालय की दिनांक 1 मई 1974 की ग्रिधिन्चना संख्या 605 203/27/74-का .आ .नि. 🚻) के अधिक्रमण में सर्वसाधारण के लिए एनवद्वारा ग्र**धिसचित किया** जाता है कि विहित प्राधिकारी श्रर्थात सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई विल्ली लिखित मंस्था को आधकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित स्रायक्षर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपप्रारा (1) के खण्ड (ji) के प्रयोजनार्थ मामले पर पुनर्चार करने पर भारतीय विद्या मुक्त, बम्बई की "संगम" प्रवर्ग के प्रधीन निम्नलिखित शतौँ पर ग्रनुमोदन की ग्रव्रधि की 31-12-1985 तक सीमित किया है:---

- यह िक भारतीय विद्या भवन बम्बई वैज्ञानिक भनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- 2. यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक ग्रनुसंधान संबंधी कियाक लापों की वार्षिक विवरणी, विहिन प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 ग्रप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए ग्रधिकथित किया जाए और उसे सुचित किया जाए।
- 3. यह िक उक्त संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वाधिक लेखों की तथा अपनी परिसंपरितयां देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संवंधित आयकर श्रायुक्त को भेजेगी।

[सं. 6191 (फा सं. 203/31/85-ग्रा. क. नि-II] New Delhi, the 10th April, 1985

## INCOME-TAX

S.O. 1946.—In supersession of this Office Notification No. 605 (F. No. 203|27|74-ITA II) dated the 1st May, 1974, it is hereby notified for general information that the Secretary, Department of Science & Technology. New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read

with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 on a reconsideration of the case has restricted the period of approval to Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay in the category of "Institution" upto 31-12-1985, subject to the following conditions:—

- (i) That the Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institution will furnish annual rearns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their autited annual accounts showing their total income and expediture and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these doc ments to the concerned Commissioner of Income-tax

[No. 6191 (F. No. 203/31/85-IIA. II)]

## (आय-कर)

का ० आ ० 1947. — सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद-द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी प्रयांत विज्ञान और प्रौद्योगिक विमाग नई दिल्लों ने निम्नलिखित संस्था को भ्रायकर नियम 1962 के नियम 6 के माथ पठित भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (3) के प्रयोजनों के लिए संस्था प्रवर्ग के श्रधीन निम्नलिखन मतौं पर भ्रमुमोदिन किया है श्रथीत :——

- यह कि एशियन सेण्टर फ़ार ग्रागैन इजेशन रिसर्च एण्ड डिवलेपमेंट, नई दिल्ली वैज्ञानिक ग्रनुसधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- 2. यह कि उक्त संस्था ग्रापने वैज्ञानिक ग्रानुसंधान संबंधी कियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 ग्राप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए भ्राधिकथित किया जाए और उसे सुचित किया जाए।

यह कि उक्त संस्था अपनी कुल श्राय तथा व्यय दर्शित हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तिया, देनदारियां दर्शित हुए तुलन-पन्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्रधिकारी का प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित भ्राय का भ्रायक्त को भेजेगी।

### संस्था

"एश्वियन सेण्टर फार आर्गेनाइजेशन रिसर्च एण्ड डिवलेपमेट नर्ड दिल्ली"

यह म्रधिसूचना 20-11-1984 से 31 मार्च, 1986 तक के लिए प्रभावी है।

[सं. 6190 (फा.सं. 203/123/84-आ.क.नि.-II)]

#### INCOME-TAX

S.O. 1947.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved b Department of Science & Technology, New Delhi, the Pricribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-

tion (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the Asian Centre for Organisation Research and Development, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institution will fornish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

#### INSTITUTION

"Asian Centre for Organisation Research and Development, New Delhi".

This Notification is effective for a period from 20th November, 1984 to 31st March, 1986.

[No. 6190 (F. No. 203/123/84-ITA. II)]

नई दिल्ली, 19 भ्रप्रैल, 1985 (भ्रायकर)

का अा श 1948:—इस कार्यालय की विनांक 28/5/1983 की अधिसूनना सं. 5205 (फा.सं. 203/62/83-आ.क.नि. II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एसदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि बिहित प्रधिकारी अर्थात विज्ञान और गौद्यौगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ-पठित आयकर अविनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए संस्था प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शतों पर अनुमोदित किया है, अर्थात:—

- 1. यह कि विवेकानन्य आयुर्विशान संस्थान (रामकृष्ण भिशन सेवा प्रतिष्ठान), कलकत्ता वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा ।
- 2. यह कि उक्त संस्था प्रपने वैज्ञानिक धनुसंघान संबंधी कियाकलापों की वार्षिकी विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रत्येक विस्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 धप्रैल तक ऐसे प्रस्पुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किया जाए और उसे सुचित किया जाए।
- 3. यह कि संस्था भ्रपनी कुल भ्राय तथा व्यय दर्शाते हुए भ्रपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा भ्रपनी परिसंपत्तियां देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्न की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिचारी की प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित भ्रायकर भ्रायुक्त को भेजेगी।

#### संस्था

"रामकृष्ण मिशन प्रतिष्ठान, कलकत्ता का विवेकानन्द भ्रायु-विज्ञान संस्थान"

यह भ्रिधिसूचना 17/11/1984 से 31/3/1986 तक के लिए प्रभावी है।

[सं. 6200 (फा.स. 20335/85-मा.क.नि.-II)]

New Delhi, the 19th April, 1985

#### INCOME-TAX

S.O. 1948.—In continuation of this Office Notification No. 5205 (F. No. 203/62/83-ITA, II) dated 28-5-1983 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Incoms-tax Act, 1901 read with Rule 6 of the Incometax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the Vivekananda Institution of Medical Sciences of Rama Krishna Mission Seva Pratishthan, Calcutta will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets habilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax

#### INSTITUTION

"Vivekananda Institute of Medical Sciences of Rama Krishna Mission Seva Pratishthan, Calcutta". This Notification is effective for a period from 17th November, 1984 to 31st March, 1986.

[No. 6200 (F. No. 203/35/85-ITA, II)]

## (आय-कर)

का. शा. 1949: सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा स्रिधसूचित किया जाता है कि ख़ायकर स्रिधनियम, 1922 की धारा 10(2) (XIII) के प्रयोजनार्थ तत्काली विस्त विभाग द्वारा विनाक 23-11-1946 को जारी की गई स्रिधसूचना संख्या 34 से निम्नलिखित समितियों के नामो को 26/12/1984 से हटाया जाता है .—

- 1. इण्डियन सैन्ट्रल काटन कमिटी बम्बई.
- 2. इण्डियन सैन्ट्रल कोकोनट कमिटी, एणांकुलम ।
- 3. इण्डियन सैण्ट्रस जूट कमिटी ।
- 4. इण्डियन सैण्ट्ल भ्रायलसीडस कमिटी।
- इण्डियन सैन्ट्रल शूगर केन कामिटी, नई दिल्ली।
- 6. इण्डियन सैण्ट्रल टबैको कमिटी, बम्बई।

[सं. 6201 (फा.सं. 203/27/85-धा.क.नि-II)] गिरीभ दवे, अबर सिंध

#### INCOME-TAX

S.O. 1949.—It is hereby notified for general information that the names of the following Committees deleted with effect from 26-12-1984 from the Notification No. 34 of dated 23-11-1946 issued by the then Finance Department for the purposes of Section 10(2) (XIII) of the Indian Income-tax Act, 1922:—

- 1. Indian Central Cotton Committee, Bombay.
- 2. Indian Central Coconut Committee, Ernakulam.

- 3. Indian Central Jute Committee.
- 4 Indian Central Oilseeds Committee.
- 5. Indian Central Sugar-Cane Committee, New Delhi.
- 6. Indian Central Tobacco Committee, Bombay.

[No. 6201 (F. No. 203, 37/85-ITA, II)]

GIRISH DAVE, Under Socy.

नई दिल्ली, 20 मर्प्रेंल, 1985

## श्रादेश

#### स्टाम्प

का. ग्रा. 1950.—भारतीय स्टाम्प श्रिधिनियम 1899 (1899का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदल गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम, बम्बई को मान्न वो लाख बीस हजार रूपये की समेकित स्टाम्प शुल्क की श्रदा करने की श्रनुमति देती है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले दो करोड़ बीस लाख रूपये के अंकित मूल्य के प्रामिसरी नोटों के रूप में "8.75 प्रतिगत म. ओ.वि. नि. बंधपत्र 2000" पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 14/85-स्टाम्प-फा. सं. 33/66/84-बि. क.]

New Delhi, the 20th April, 1985

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1950.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act. 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra Industrial Development Corpolation, Bombay to pay consolidated stamp duty of runees two lakhs twenty thousand only, chargeable on account of the stamp duty on "8.75 per cent M.I.D.C. Bonds, 2000" in the form of promissory notes of the face value of runees two clores twenty lakhs to be issued by the said corporation.

JNo. 14/85-Stamps-F, No. 33/66/84-ST]

#### श्रादेश

#### स्टा स्व

का . या . 1951.— नारतीय स्टाम्प प्रधिनियम 1899, (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदल्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस गुरुक को माफ़ करती है जो कर्नीटक राज्य विस्ति निगम बंगलीर द्वारा जारी किएं जाने वाले मान्न तीन करोड़ सतावन लाख पचास हजार रुपये मूस्य के "32" संख्या वाले तथा "9 प्रतिभात बंधपत्र 2000" के रूप में विणित प्रामिसरी नीटों के रूप में बंधपत्रों पर उक्त प्रधिनियम के प्रन्तर्गत प्रभार्य है।

[मं, 15/85-स्टाम्प-फ़ा, सं, 33/8/85--बि, का.]

#### **ORDER**

## STAMPS

S.O. 1951.—In exercise of the powers conferred by clause, a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp

Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes bearing the number "32" and described as "9 per cent Bonds-2000" to the value of tupes. Three croses fifty Seven lakhs fifty thousand only to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, Bangalore are chargeable under the said Act.

[No. 15/85-Stamps---1, No. 33/8/85-ST]

म्रादेश

#### स्टाम्प

का. आ. 1952.— भारतीय स्टाम्प प्रधिनियम 1899 (1899 का 2) को धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रवल्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा उस गुल्क को माफ करती हैं जो पंजाब बिल्त निगम चडोगढ़ द्वारा किए जाने वाले मात एक सौ सैतीस लाख पचाम हजार रुपये मूल्य के ऋणपत्नों (27 वा निर्गम) के रूप में बधपत्रों पर उक्त ग्रिधिनियम के भन्तगंत प्रकृष हैं।

[सं. 16/85-स्टाम्प-फा. स. 33/12/85 - बि. क.]

#### ORDER

#### STAMPS

S.O. 1952.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby tensits the duty with which the bonds in the nature of Debentures (27th Issue) to the value of tupees One hundered thrity seven lakhs and fifty thousand only to be issued by the Puntab Financial Corporation, Chandigurh, are chargeable under the said Act.

[No. 16/85-Stamps-F No. 33/12|85-ST]

#### श्रादेश

## स्टाम्प

का. था. 1953.— गरतीय स्टाम्प प्रधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदल्त गिक्तमो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनददारा उस गुल्क की माफ करती है जो तिमलनाडू विद्युत बोर्ड द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र तेइस करोड़ छम्पन लाख बयामी हजार रुपये मूल्य के प्रोमिमरी नोटम [9 प्रतिशत तिमलनाडू विद्युत बोर्ड ऋण 1999 (दूसरी शृखला)] के रूप में बन्धपत्रो पर उक्त श्रिधनियम के श्रन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 17/85-स्ट)स्प-फ़ा, सं. 33/7/85-बि. क.ौ

## ORDER

## STAMPS

S.O. 1953.—In exercise of the powers conferred by clause (A) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes [9 per cent Tamil Nadu Electricity Board loan 1999 (Second Series)] to the value of rupees Twenty three croses fifty six lakes eighty two thousand only to be issued by the Tamil Nadu Electricity. Board are chargeable under the said Act.

[No. 17/85-Stamps-F. No. 33/7/85-ST]

ग्रादेश

#### स्टाम्प

का. श्रा. 1954. — भारताय स्ट म्य ब्राधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खड (ख) द्वारा प्रदल्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रोय सरकार एनद् द्वारा महाराष्ट्र राज्य किनीय निगम बम्बई को केवल तीन लाख नी हजार तीन भी पचहतर क्यें के उस नमें किन स्टारप शुल्क की श्रवान यगा करने की श्रवमित देतों है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने बाले केवल चार करोड बारह लाख पचाम हजार क्यें के अकित मूल्य के ऋणपत्रों के क्यम बन्धपत्रों (9 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य जिन्ताय निगम बन्धपत्रों (9 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य जिन्ताय निगम बन्धपत्रों 1999 श्रवाना 11) पर स्टास्य शत्रक के कारण प्रधार्य है।

[स. 18/85-स्टाम्प-फा. स. 33/11/85-बि. क ]

# ORDER

## STAMPS

S.O. 1954.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby retmits the Maharashtra State Financial Corporation. Bombay, to pay consolidated stamp duty of rupees Three lakhs nine thousand three hundred seventy five only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of Debentures 19 per cent Maharashtra State Financial Corporation Bonds 1999 (IIS)] of the face value of four crores twelve lakhs and fifty thousand rupees only to be issued by the said Corporation.

[No. 18/85-Stamps-F. No. 33/11/85-S1]

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1985

आंदेश

## स्टास्प

का. थ्रा. 1955.— ारतिय स्टास्प ग्राधितियम 1899 (1899 का. 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त ग्रावितयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद द्वारा में. ग्लैक्सो लेबरटीन (इडिया) लिमिटेड को मान्न एक लाख सनामी हुनार पाच भी रुपये के उस समेकित स्टास्प णुल्क की ग्रदायणी करने की ग्रनुमृति देती है जो उक्त कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले दो करोड पचास लाख रुपये के अकित मूल्य के ग्रहणपत्रों (प्रीत ऋणपत्त प्रदस्त राशि 100 रु. (प्रथम श्रंक्ता) 15 प्रतिणत मोचनीय भुरक्षित ऋणपत्र) के रूप में ब्रधपत्रों पर स्टास्प गुल्क के रूप में प्रभाव है।

[सं. 19/85 स्टाम्प-फा. सं. 33/4/85-बि क.]

New Delhi, the 22nd April, 1985

## ORDER

### **STAMPS**

S.O. 1955—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/S (clave 1 aboratories (India) 1 td. Pombay, to pay consolidated stamp duty of tupees One lakh eight seven thousand five hundred only chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of Debentures (amount

pand up per debenture Rs. 100 (First series) 15 per cent redeemable secured debentures) of the face value of Two Crores fifty lakks of rupees to be usued by the said commany.

[No. 19/85-Stamps-F. No. 33/+85 ST]

नई दिल्ला, 26 अप्रैस. 1985

#### आहेण

#### स्टाम्ब

का. आ. 1956.-- भारतीय स्टामा अधिनियम 1899, (1800 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खड (ख) हारा प्रदस्त प्रश्नियों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार एत्द्रहारा महाराष्ट्र राज्य बिस्स निगम बम्बर्ड की मान्न तीन राग्य नी हजार तीन सी प्रशहरत रुपये का समेकित स्टामा शृक्त अदी करने की अनुमित प्रदान करती है जो उक्त निगम दे। रा जारी किए जीने विने मान्न चार करोड बारह लाख प्रचास हजार रुपये के अकित मृत्य के ऋणपन्नों के रूप में "9 प्रतिशत म.रा.वि.नि. बन्धपन्न 1999' पर प्रभार्य है।

[स. 21/85-स्टाम्प-फा, म. 33/34/84-वि क.]

New Delhi, the 26th April, 1985

#### ORDER

## STAMPS

S.O. 1956.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra State Financial Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees three lakhs nine thousand three hundred seventy five only, chargeable on account of the stamp duty on "9% M.S.F.C. Bonds 1999" in the form of debentures of the face value of rupees four croies twelve lakhs fifty thousand only to be issued by the said corporat on.

[No. 21/85-Stamps-F. No. 33/34/84-ST.]

का.आ 1957.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त मिनत्यों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस गुल्क की माफ करती है जो भारतीय औद्योगिक पुनिर्माण निगम लिमिटेड, कलकल्या द्वारा जारी किए जाने बाल माल माल करीड़ पचहन्तर लाख कपये के मूल्य के प्रामिमरी नीटां (9 प्रतिगत-15 वर्ष आई. आर. सी. आई. बधपप्र-1989) 11 वीर्युक्षणा) के रूप में घषणक्रो पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 20/85-स्टास्प-फा.सं. 33/61/84-वि क.]

भगवान दास, अवर मधिव

S.O. 1957.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes [9%-15 years IRCI Bonds 1999 (11th Series)] to the value of rupees Seven crores Seventy five lakhs only to be issued by the Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., Calcutta, are chargeable under the said Act.

[No. 20/85-Stamps-F. No. 33/61/84-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secv.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 25 ग्रप्रैल, 1985

## श्द्धि-पन्न

भा. सा. 1958.—मारत भे राजपञ्च, शाग-2 खण्ड (3), उपखण्ड (ii) तारीख 5 जनवरी, 1985 के पृष्ठ 14

पर करन सरकार के विस्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की ग्राध्मूचना म का भा 22 (एफ 1) (21)-स्था H (क)/84 नारोख 14 दिसम्बर, 1984 द्वारा प्रकाशित नियमों में नियम 1 के उपनियम (1) में,

- (क) "दूसरा" के स्थान पर "पहला" पहें और
- (म्ब) "1984" के स्थान पर "1985" पहें।

[फा. सं 1(2) - सस्था  $H(\pi)/84$ ] ग्रार. एल. चौधरी, श्रवर सचिव

(Department of Expenditure) New Delhi, the 25th April, 1985

#### CORRIGENDUM

S.O. 1958—In the rules published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Expenditure), No. S. O. 22 (F. 1 (21)-E. II(A)/84), dated the 14th December, 1984, in the Gazette of India, Part II, Section (3), Sub-section (ii), dated the 5th January, 1985, at page 14, in rule 1, in sub-rule (1)—

- (a) for 'Second' read 'First', and
- (b) for '1984' read '1985'.

[No. F. 1(21)-E.  $II(\Lambda)/84$ ] R. L. CHAUDHRY, Under Secy.

(ग्राधिक कार्य विभाग) (बैकिंग प्रभाग)

गई दिल्ली, 19 ग्रप्रैल, 1985

का. म्रा. 1959. - - राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम 1981 (1981 के 61) को धारा 6 की उपधारा (1) के खड़ (ड) के उपबन्धों के मनुसरण में केन्द्रीय मरकार धारनीय रिवर्व बैंक के परामर्श से एतद् द्वारा कृषि और सहकारिता विद्याग कृषि और प्रामीण यिकास मलालय नई दिल्ली के सचिव को एम. सृष्ठह्मणयन को श्री एस.पी. मुखर्जी के स्थान पर राष्ट्रीय कृषि आर ग्रामीण विकास बैंक का निदेशक नियुक्त करती है।

[मं एफ. 7/10/85-को ओ. -1] एस एस. हसूरकर, निदेशकृ

(Department of Feonomic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 19th April, 1985

SO 1959—In pursuance of slause (c) of st b-section (1) of section 6 of the National Bank of Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government in consultation with Reserve Bank of India, hereby appoints Shri M. Subramanian, Secretary in the Department

of Agriculture and Co-operation, Ministry of Agriculture and Rural Development, New Delbi as the Director of the National Bank for Agriculture and Rural Development vice Shi S. P. Mukherjee.

[No. F. 7/10/85-B.O. 1]

S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्लो, 23 भ्रप्रैल 1985

का . शा. 1960. — बैक कारा वित्यम प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) को धारा 53 हारा प्रवत्त शिक्तयो क प्रयोग करते हुए केन्द्रोध सरकार कारतायार विवेक का सिफ़ रिशा पर एतद हारा यह घोषणा करता है कि अकत प्रधिनियम को तृतीय अनुसूचा मे फ़ार्म "क" के साथ संग्लन टिप्पणा (च) के उपबध निम्निलिखित बैंको पर कहा तक उनका सबध 31 दिसम्बर, 1984 की उनके तुलनपत्रों से है लागू नहीं होगे:

- 1 रत्नाकर बैक लि०
- 2. दि सागली बैंक लि.
- 3. लक्ष्मी कमशियल बैक लि.
- 4. इंडियन ओवरसाज बैंक
- 5. पजाब एण्ड सिध बैंक

[मख्या 15/1/85 बी. ओ.-III] एम. के. एम. कुट्ट, श्रवर सचिव

New Delhi, the 231d April, 1985

S.O. 1960.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the accommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Note (f) appended to the form 'A' in the Thad Schedule to the said Act shall not apply to the following banks, viz:—

- 1. The Ratnakar Bank Limited,
- 2. The Sangli Bank Limited,
- 3. The Lakshmi Commercial Bank Ltd.,
- 4. Indian Overseas Bank,
- 5. Punjab and Sind Bank,

in respect of their balance sheet as at the 31st December, 1984.

[No. 15/1/85 B.O.HI] M. K. M. KUTTY, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 11 मई, 1985

**सं०** 144/85- सीमाणुल्क

का॰ आ॰ 1961.— केन्द्र य उत्पादन गुल्क भौर सी माणुल्क बोर्ड सी माणुल्क आर्थितियम, 1962 (1962 का 52) को धारा 9 द्वारा प्रदल गक्तियों का प्रयोग करने हुए कर्नीटक राज्य में यक्षिण कन्नेड जिले में उदर्भ के समीप पुत्रुर याम को शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम बनाने के प्रयोजन के लिये भाण्डागार स्टेशन के रूप में धोषित करनी है।

[फा॰ स 473/17/85-सें ॰ शु॰ VII]

# CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 11th May, 1985

## NO. 144/85 CUSTOMS

S.O. 1961.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares village Puthur near Udupi in the Dakshina Kannada District in the State of Karnataka to be a warehousing station for the purposes of setting up hundred per cent export-oriented undertakings.

[F. No. 473/17/85-CUS. VII]

## सं॰ 145/85- से मागुल्क

काठ प्राठ 1962 — केन्द्रीय उत्पादन गुल्क श्रीर संमागुल्क बोर्ड सीमागल्क प्रधिनियम, 1932 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त गक्तियां का प्रयोग करने श्रुए, पांडेचेरा संग राज्य क्षेत्र में यानम (कार्क नाडा के समीप) की गतप्रतिशत निर्यातांन्मुख उपक्रम बनाने के प्रयोजन के लिये भाण्डागार स्टेशन के रूप में घोषित करती है।

[फा॰ सं॰ 473/214/85 सी॰ गु॰-VII] टी एच. के. गौरी, प्रवर सचिव

#### NO. 145/85-CUSTOMS

S.O. 1962.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Yanam (near Kakinada) in the Union territory of Pondicherry to be a warehousing station for the purposes of setting up of hundred percent export-oriented undertakings.

[F. No. 473|214|85-CUS. VII] T.H.K. GHAURI, Under Secy.

# केन्द्रीय उत्पाद शुन्क समाहतिलय, मध्य प्रदेश इन्दौर; 20 प्रप्रैल, 1985 प्रधिसूचना, सं. 5/85

का. थ्रा. 1963.— प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, समृह 'ख' के पद पर पदोन्नित होने पर निम्नलिखित निरीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क (च.श्रे) ने उनके नाम के भ्रागे दर्शाई गई तिथियों को भ्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समृह 'ख' के पद पर कार्य हार गहर कार्य हो सार ग्रहण कर लिये हैं।

ऋम अधिकारीका नाम मं०	तैनाती कार्यभार ग्रहण स्थान करनेकी तिथि
सर्वेश्री	
1. जी. एस. बोव्डे	रें ज−II,
	ग्रकोला 15-3- <b>8</b> 5
	समाहतसिय, (पूर्वान्ह)
	नागपुर
2. ए. बी. ठाकूर	ग्रघीक्षक 30—3-85
	(तकनीकी), (पूर्वान्ह्)
	मुख्य कार्यालय
	इन्दौर।

[फा. सं. II (3)7-गोप/85/2262] एस. के. धर, समाहर्ता

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: M.P.

Indore, the 20th April, 1985

## NOTILICATION NO. 5,85

S.O. 1963.—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (SG) have assumed their charges as Superintendent, Central Excise, Group 'B' with effect from the dates as shown against each:

S. Name of the No. officer	Place of Posting	Date of Assump- tion of charge
S/Shri		
1 G.S. Bobde	Range II Akola. Nagpur Colectorate	15-3-1985 (F.N)
2. A B. Thakur	Supdt. (Tech ) Hqis. Office, Indore.	30-3-1985 (F.N)

[C.No.II(3)7-Con/85/2262] S. K. DHAR, Collector

## वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1985

## रबंड कंट्रोल

का. त्रा. 1964.—केन्द्रीय सरकार, रवड़ नियम, 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के म.थ पाठन रवड़ प्रधिनियम, 1947 (1947 का 24) को धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (इ) हारा प्रदत्न गिवतयों का प्रयोग करते हुए, एनदहारा ग्रिधमूचित करनी है कि नर्वश्री दलीप सिंह भूरिया तथा जार्ज जोमफ भनडेक्ल, मंसद सदस्य, लोक सभा हारा रवड बोर्ड कोट्टायम के सदस्य के रूप में निर्वाचित किए, गए हैं और यह भी विनिद्धिट करनी है कि वे इस पद पर इस ग्रिधसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन को नारीख में तीन वर्ष की श्रवधि के लिए, या तव तक, जब तक कि बे सोक सन्त के सदस्य रहते है, इन दोनों में से जो भी पूर्वतर हो, पद धारण करेंगे

[फ़ा, सं. 12/1/84-प्लाट-बी] भ्रार. बद्री नाथ, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE New Delhi, the 23rd April, 1985

## (RUBBER CONTROL)

S.O. 1964.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act. 1947 (24 of 1947), read with sub rule (1) of rule 4 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby notifies that Sarvashri Dileep Singh Bhuria and George Joseph Mundackal Member of Parliament, have been elected by the House of the People to be members of the Rubber Board, Koltayam and further specifies that they shall hold office for a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette or for so long as they continue to be members of the House of the People, whichever is carlier.

[F. No. 12/1/84-Plant(B)] R. B'ADRINATH, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1985 (कक्षी नियंत्रण)

का. आ. 1965:— केन्द्रीय सरकार, काफी नियम, 1955 के नियम 3 और नियम 4 के उप-नियम (1) के स्थ पिटन काफ अधिनियम, 1942 (1942 का 7) की शहर 4 की उप-धारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त गतायों का प्रयोग करते हुए, श्री आर. अन्ना नाम्बी और श्री वी. एस. विश्वयराघवन, संसद सदस्य, लोक सभा के सरकारी राजपव में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख़ में तोन वर्षों की स्रवधि के लिए स्थवा तब तक के लिए अ तक वे लोकसभा के सदस्य रहते है जो भी पहले हो क फा बोर्ड के सदस्यों के हप में निर्वाचन को एतद्द्वारा स्रिध्मूचन करती है।

[फ़ाइल सं. 2/2/84-प्लाट (बी)] पवन चोपड़ा, संयुक्त सचिव

# New Delhi, the 23rd April, 1985 (COFFEE CONTROL)

S.O. 1965.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 4 of the Colleg Act, 1942 (7 of 1942) read with rule 3 and sub-rule (1) of rule 4 of the Coffee Rules, 1955, the Central Government hereby notifies the election of Shti R. Anna Nambi and Shri V. S. Vijayaraghavan, Members of Parliament, House of the People, to serve as members of Coffee Board for a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette or for so long as they continue to be members of the House of the People, whichever is earlier.

[F. No. 2/2/84-Plant(B)] PAWAN CHOPRA, Jt. Secy.

(रंयक्त मृष्य नियंत्रक आयान-नियान का कार्यालय)

मद्रास, 12 फरवरी, 1985 आदेण

का. अा. 1966- मर्नश्री ट्य्ब प्राप्तटम आफ इंडिया (एकक कोल्ट रोल मिल डिवीजन) म'लिक : र्युव इन्वेस्टमेन्ट आफ इंडिया लिमिटेड आवडी. मदाम-600054 को अप्रैल-84/मार्च-85 अविधि के लिए रुपये 7,30.556/- तक प्रतिबन्धित फालत पृजीं को आयात करने के लिए आयात लाइ सेंम मंख्या पी/डी/2248007/मी/एवमएक्म/94/एम/84 दिनांक 31-10-84 जीरी किया गया था। उपर्युक्त लाइमेंस की मुद्रा विनियम निपंत्रण तथा मोमाशुल्क प्रयोजनीर्थ प्रति की अनुलिप प्रतियां जारी करने के लिए लाइमेंसधारी ने इमलिए आवेदन किया है कि उप-

र्युक्त लाइमेंम किसी भी मीमाशल्क प्राधिकारी मे पंजीकृत करवाये बिना या उपयोग में लाये बिना खो दी गयी है ।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदन ने एक शपथ-पत्नं दाखिल किया है।
अधोहस्ताक्षरी इस बान से मंतुष्ट है कि उपर्यकृत लाइसेंस की मृद्रा
विनियम नियंत्रण तथा मीमाण्ट्र प्रयोजनार्थ प्रति की मल प्रतियां खो दी
गई है और आदेग देनी है कि उपर्यक्त लाइसेंस की मृद्रा विनियम नियंत्रण
तथा सीमाण्ट्रक प्रयोजनार्थ प्रतियों की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी
किया नाये। लाइसेंस की मृत प्रति एतद्दारी रद्द किया जाना है।

मीमाणुल्क प्रयोक्तेनार्थं तथा मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपि प्रतियां क्रमण मंख्या डी. 2464846 तथा डी. 2464847 दिनांक 1-2-82 अलग जारी किये जाते है।

> [मंख्या आईटीमी/आटोमेटिक/ 182/एएम 85/एयु. 1] मो. जी. फेरनन्डिज, उपमुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात ।

(Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports)

Madras, the 12th February, 1985

#### ORDER

S.O. 1966.—M/s. Tube Products of India (Unit: Cold Roll Mill Division) P10p.: Tube Investments of India Ltd., Avadi, Madras-600054 were granted import licence No. P/D/2248007/C/XX|93|M|84 dated 31-10-84 for restricted spares for a value of Rs. 7,30,556 for the period April 1984-March 1985. They have requested this office to issue duplicate exchange control copy and customs purpose copy of above mentioned licences which have been lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copies of the licence (Exchange Control copy and Customs Purp, se Copy) have been lost and directs that duplicates of the said licence (Exchange Control and Customs Purpose Copies) should be issued to them. The original copies of the licence is hereby cancelled.

Dupilcate licences (Customs & Exchange Copies) No. D. 2464846 and D. 2464847 dated 1-2-85 respectively have been issued separately.

[No. ITC/Automatic/182/AM85]AU.I]
C. G. FERNANDFZ, Dy. Chief Controller of
Imports & Exports

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1985

का. ग्रा. 1967—राजनियक एवं कोंसली ग्रिधिकारी (शपथ एवं शुल्क) ग्रिधिनियम, 1948 की धारा 2 के खंड (क) के ग्रनुपालम में केन्द्र सरकार इसके द्वारा, मस्कट स्थित बारतीय राजदूतावास में सहायक श्री के पी. ग्रार. मेनन को 1.3.1985 में कोंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[मं. टी-4330/1/**85]** बी ग्रार. घलयानी, उप-**सचिव** 

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 27th March, 1985

S.O. 1967.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri K. P. R. Menon, Assistant in the Embassy of India, Muscat to perform the duties of Consular Agent with effect from 1-3-85.

[No. T. 4330/1/85] B. R. GHULIANI, Dy. Secy.

(हन मैल)

नई दिल्ली. 22 ग्रप्रैल, 1985

का. थ्रा. 1968.—हज समिति नियम. 1959 (1959 का 51वां) की धारा 17 की उपधारा 2 के खंड "घ" और घारा 18 की उपधारा 1 के खंड "ग" के अन्मरण में केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा हज समिति, बम्बर्ड की 30 मार्च, 1985 को हुई बैठक में अध्यक्ष के रूप में श्री मुस्तफा फकीह और उपा-ध्यक्ष के रूप में श्री शहजादा शब्बीर शाई साहेब न्रह्दीम

के चुनाव को उनके पूर्वाधिक रियों क्रमशः श्रो ए.स. ए. खड़वानो और श्रो युमुफ हफीज का शेष ग्रवधि के लिए 24 ग्रगस्त, 1985 तक ग्रथवा हज समिति का पुनर्गठन होने तक इनमें में जो भी पहले हो, ग्रधिमूचत करती है।

[एम (हज) 118-1/15/80]

ग्रारिफ कमरैन, संयुक्त सचिव (अफ्रीका/हज)

## (Haj Cell)

## New Delhi, the 22nd April, 1985

S.O. 1968.—In pursuance of clause (d) of Sub-section 2 of Section 17 and clause C of Sub-section 1 of Section 12 of the Haj Committee Act, 1959 (51 of 1959), the Central Government hereby notify the election of Shri Mustafa Fakih as Chairman and Shri Shahzada Shabbir Bhai Saheb Nuruddin as Vice-Chairman of the Haj Committee. Bombay at its meeting held on 30th March, 1985 for the un-expired portion of the term of their predecessors namely Sh. M. A. Khandwani and Sh. Yusuf Hafiz respectively till 24th August 1985 or till the reconstitution of the Haj Committee, whichever is earlier.

[No. M(Haj)/118-1/15/80] ARIF QAMARAIN, Jt. Secy. (Afr./Haj)

# उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1985

का. आ. 1969—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित उपक्रमों के पंजीकरण के निरस्तीकरण को अधिसूचिन करती है जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत विलयन, समामेलन, राष्ट्रीयकरण और अधिग्रहण के कारण अब अस्तित्व में नहीं हैं।

उपक्रम का	काम प	जीकरण संख्या	निरस्तीकरण का कारण
1	2	3	4
(को <b>च</b> ि	ग टैनसटाइल्स न) लि० नायरन एण्ड	623/70	राष्ट्रीयकृत
अलाय	जिलि. जिलियर लि.	782/70 1038/75	परिसमापन में समामेलित
4. भे भिया	इट एण्ड कम्पनी ा)लि.	360/70	सरकार द्वारा अधिकार में ले ली गई।
5. कालटेक लि.	स (इंडिया)	22/70	—यथोपरि—
6. कालटैं	स्त आयल नग (इंडिया)	98/70	—यद्योपरि

1	2	3	4
	. कैम्पवेल एण्ड कम्पनी	1265/76	
7.	(साउथ इंडिया) लि.	1265/76	समामालत
8	. डी. सी. एम. इन्टर- नैशनल लि.	381/70	परिसमापन में
9	्रासमल् ।ल. . गोहपुर टी कम्पनीलि.	1157/75	समामेलित
	इन्टरनैशनल ट्रैक्टर्स	938/74	समामेलित
	कम्पनी आफ इंडिया	·	
	लि.	•	Δ.
	केरल लक्ष्मी मिल्स लि.	•	राष्ट्रीय <b>क्</b> त
	खटाऊ होल्डिग्स लि. इ.स. मैकी सम्बद्धीर	701/71	समामेलित
13,	कुलु बैली <b>डव</b> लपमेंट कम्मनी लि.	795/71	परिसमापन में
14.	एल. एण्ड. टी. ड्रिलिंग इक्सुपर्मेन्ट लि.	375/70	समामेलित
15.	एल. एण्ड टी. (मैनेज-	1116/75	परिसमापन
	मैन्ट) प्रा.लि.		
16.	मदुरा इन्सोरेंस कम्पनी लि.	599/70	राष्ट्रीयकृत
17.	मैसूर मैटल्स लि.	50/70	परिसमापन में
	न्यु असम वेली टी. कम्पनीलि.	116/70	समामेलित
19.	न्यू मनखुणी टी.	390/70	समामेलित
	कम्पनी लि.	•	
	पार्वती मिल्स लि.	620/70	राष्ट्रीयकृत
21.	श्री सादुल टैक्सटाइल्स लि.	802/71	विलयन
22-	श्री गारदा मिल्स लि.	614/70	राष्ट्री <b>यक्र</b> स
23.	स्टेन्डर्ड टायर प्रोडन्टस प्रा. लि.	1083/75	परिसमापन
24.	क्रिमूर्ति मिल्स लि.	785 75	समामेलित
	विजयमोहिनी मिल्स	565/70	राष्ट्रीयकृत
	लि.		· _
	बैस्ट बोकारो लि.	167/70	समामेलित
	नैशनल लाइफलेस लि,	531/70	समामेलित
	कर्लिंगा ट्यूब्स लि.	1488/80	ममामेलित
29.	बाली जुट कम्पनी सि.	913/73	समामेलित
30.	आयुर्वेदिक एण्ड बूनानी मैडीसन्स लि.	720/71	विजयन
31.	कमानी कादर्कप्रा. लि.	32/70	परिसमापन
32.	मध्य प्रदेश इन्डस्ट्रीज लि.	710/71	समामेलित
33.	श्रीगोपाल इन्डस्ट्रीज मि.	991/74	<b>बिलयन</b>

1	. 2:	3	4
34.	भुटीचिंगटी, कम्पनी लि,	46/70	समामेलित
35.	. युरोकोटा (इंडिया) लि.	13 <b>7</b> 4/78	समामेलित
36.	हिन्दुस्तान ट्रेक्टर्सलि.	236/70	सरकार द्वारा अधिकृत
37.	लिप्टन (इंडिया) लि.	1263/76	समामेलित
38.	नागरी फार्म टी कम्पनी लि	o 1156/75	समामेलित
39.	नैशनल पाइप्स एण्ड ट्यूड	9	परिसमापित
	कम्पनी लि.	831/72	
40.	एस. जी. केमीकरस एण्ड		
	फार्मोस्युटीकल्स लि.	811/71	समामेलित
41.	युनियन जुट कम्पनी	1118/75	सरकार द्वारा
	लि .		अधि <b>কृत</b>
42.	बसन्ती फाटन मिल्स लि.	1514/81	<b>ममामेलित</b>
43.	जै,के, कर्माशयल	655/70	ममामेलित
	कारपोरेशन लि०	•	
		[सं. 1	6/12/85-एम-3]

[स. 16/12/85-एम-3] वी. पी. गुप्ता, निदेशक

## MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 20th April, 1985

S.O. 1969.——In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the following undertakings which are no longer in existence on account of merger, amalgamation, nationalisation and take-over under the said Act;

Na	me of the Undertaking	Rogn. No.	Reasons for Cancellation			
1	2	3	4			
1.	Alagappa Textiles (Cochin) Limited.	623/70	Nationalised.			
2.	Atlas Iron & Alloys Limited.	782/ <b>7</b> 0	In Liquidation			
3.	Birla Gwalior Limited.	1038/75 amalgamate				
4.	Braitheaite & Co. (India) Ltd.	360/70	Take over by Govt.			
5.	Caltex (India) Limited.	22/70	•Do-			
6.	Caltex Oil Refining (India) Ltd.	98/70	-Do-			
7.	Campbell & Co. (South India) Ltd.	1265/76	Amalgamated			
8.	D.C.M. International Limited.	381/70	In Liquidation			
9.	Gohpur Tea Company Limited.	1157/75	Amalgamated			
10.	International Tractors Company of India Limited.	938/74	Amalgamated			
1.	Kerala Lakshmi Mills Limi- ted.	567/70	Nationalised			

1	2	3	4
12.	Khatau Holdings Limited.	701/71	Amalgamated
13.	Kulu Valley Development Co. Ltd.	795/71	In Liquidation
14.	L&T Drilling Equipment Ltd.	315/70	Amalgamated
15.	L&T (Management) Private Ltd.	1116/75	Liquidation
16.	Madura Insurance Co. Ltd.	599/70	Nationalised
17.	Mysore Metal Limited.	50/70	Liquidation
18.	New Assam Valley Tea Co. Ltd.	116/70	Amalgamated
19.	New Monkhooshi Tea Co. Ltd. f	390/70	Amalgamated
20.	Parvathi Mills Limited.	620/70	Nationalised
21.	Shree Sadul Textiles Ltd.	802/71	Merged
22.	Sri Sarada Mills Limited.	614/70	Nationalised
23.	Standard Tyre Products P. Ltd.	1083/75	Liquidation
24.	Tirumurti Mills Limited	785/75	Amalgamated
25.	Vijaymohini Mills Limited	565/70	Nationalised
26.	West Bokaro Limited	167/70	Amalgamated
27.	National Lifles Limited.	531/70	Amalgamated
28.	Kalinga Tubes Limited.	1488/80	Amalgamated
29.	Balley Jute Co. Ltd.	913/73	Amalgamated
30,	Ayurvedic & Unani Medicines Ltd.	720/71	Merged
31.	Kamani Brothers Pvt. Ltd.	32/70	Liquidation
32.	Madhya Pradesh Industries Ltd.	710/71	Amalgamated
33.	Shree Gopal Industries Ltd.	991/74	Merged
34.	Bhooteaching Tea Co. Ltd.	, 46/70	Amalgamated
35.	Burokota (India) Limited.	1374/78	Amalgamated
36.	Hindustan Tractors Limited.	236/70	Take over by Government.
37.	Lipton (India) Limited.	1263/76	Amalgamated
38.	Nagri Farm Tea Co. Ltd.	1156/75	Amalgamated
39.	National Pipes & Tubes Co. Ltd.	831/72	Liquidation
40.	S.G. Chemicals & Pharmaceuticals Ltd.	811/71	Amalgamated
41.	Union Jute Co. Ltd.	1118/75	Taken over by Government
42.	Basanti Cotton Mills Limited	1514/81	Amalgamated
43,	J.K. Commercial Corpn. Ltd.	655/70	Amalgamated

[No. 16/12/85—M.III] V.P. GUPTA, Director

# भारी उद्योग विभाग नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1985

का आं. 1970-- सरकारी स्थान (अप्रक्षिकृत अधिभौगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की घारा 3 द्वारा प्रदरत मित्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीम सरकार ए तद्वारा भारत के राजपक्ष भाग-2 खंड-3 उपखण्ड (ii), दिनांक 9 अगस्त, 1975 में प्रकाशित भारत सरकार, भारी उद्योग विभाग की अधिसूचना संख्या का. आ. 2553 दिनांक 28 जुलाई , 1975 में निम्निविद्यित संबोधन करती है, अर्थील्-:

उक्त अधिसूचना मे दी गई सारणी में, कालम (1) के अन्तर्गत दी गई प्रविष्टि में, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी" शब्दों के स्वान पर "उप-प्रबन्धक" शब्दों को रखा अभिगा ।

> [फाइस सं. 10-71/74-एक.ई.पी.. ]] एच ई पीन्]] महेन्द्र पास गुप्त, अवर सचिव

### (Department of Heavy Industry)

New Delbi, the 23rd April, 1985

S.O. 1970.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Heavy

Industry No. S.O. 2553, dated the 28th July, 1975, published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 9th August, 1975, namely :—

In the said notification, in the Table, in the entry under column (1), for the words "Senior Personnel Officer" the words "Deputy Manager" shall be substituted.

[File No. 10-71/74-HEP-II/HEP-I] M. P. GUPTA, Under Secy.

# पैद्रोलियम मंत्रालय

## नई बिल्ली, 22 अप्रैल, 1985

का. आ. 1971. च-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित मे यह आवश्यक है कि प्रा₂ितक गैम सरबराह के लिये नामरूप जिला डिब्रूगड़, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप III एक्सपैन्शन योजना के लिये ओ. एन. जी. सी. जी. जी. एस. न. एक (सी. टी. एफ.) लाक्षुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप सक पाइप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड दुलियाजान द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यत :यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार आँजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आध्रय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, उपायक्त शिवसागर, आक्षाम की कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्दिटः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची ओ. एन. जी. सी. जी. एस. नं! एक लाकुषा से हिन्दुस्तान उर्थरक निगम नामरूप तक गैस पाइप लाइन बिन्छाना

	~									तालुका⊸अभग 
हम 	गांब	Ч	ाटा नं.		दांग	· नं.	ŋ	(रिया		मन्त्र व्य
र्न <b>स</b> स्या							बी.	क.	ल.	
1	2		3			4		5		6
 1. मोहः		नं.)						·		<b></b>
-	•	107	नं.	मियादी	364			2	4	
		1	1)	**	495			2	11	
		1	"	21	367			1	3	
		17	7)	13	366			0	2	
		17	13	11	368		2	U	0	
				, ,	372		1	3	15	
		124	"							
		124 $54$	"	,,	505		يب للبيو	2	0	

					<del></del>	V.1. 10	
1 2	3		4		5		6
	54 ,,	11	512		3	4	
	54,,	,,,	506		1	8	
	54 ,,	71	507		2	8	
	9 ,,	1 2	509		2	8	
	54 ,,	3.3	510		1	2	
	54,,,	,,	515		0	7	
	15 ,,	,,	462		1	10	
	15 ,,	**	395		0	7	
	45 ,,	,,	475		0	7	
	15 ,,	,,	469		<del></del>	19	
	7 ,,	"	498		2	15	
	104 ,,	,,	499		1	2	
	54, ,,	*1	508		0	2	
	एकसना ,,	,,,	494	***	1	4	
	कुल <b>क्षेत्रफ</b> ल	<u></u>	<u></u>	10	3	14	فسين <sub>يس</sub> وحد است فحد ال <sup>ين م</sup> ن سيب الم <sup>حد</sup>

[सं. 0-12016/12/85 ओ. एन. जी.-डी 4]

Talisk . Abbassass

### MINISTRY OF ENERGY

#### New Delhi, the 22nd April, 1985

S.O. 1971.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public incress that for supply of natural gas for expansion Project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ANGC G.G. Sl. No. 1 (CTF) Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizers Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

# LAND SCHEDULE

State - Assam

Name of village	Patta No.	Dag No.		Arca	
	P.P. No. 107	364	0 <b>B</b>	2K	— 4L
	P.P. No. 1	495	$0\mathbf{B}$	2K	11L
	•	367	$0\mathbf{B}$	1K	3L
	Annual Patta	494	0B	1K	4L
	P.P. No. 17	366	0 <b>B</b>	0K	2L
		368	2B	0K	0L
Mohan Gaon	P.P. No. 124	372	1 <b>B</b>	4K	15L
Part II.	P.P. No. 54	505	$0\mathbf{B}$	2K	0L
		511	$0\mathbf{B}$	1 <b>K</b>	2L
		512	$0\mathbf{B}$	3 <b>K</b>	4L
		506	$0\mathbf{B}$	1 K	8L
		507	$0\mathbf{B}$	2K	8L
		510	$0\mathbf{B}$	1K	2L
		515	$0\mathbf{B}$	0 <b>K</b>	7L
		508	$0\mathbf{B}$	0K	2L
	P.P. No. 9	509	0B	2K	8L
	P.P. No. 15	462	0B	1 K	10L
		395	0B	0K	7L
		469	0В	2K	19L
	P.P. No. 45	475	$0\mathbf{B}$	0 <b>K</b>	7L
	P.P. No. 7	498	0B	2K	15L
	P.P. No. 104	499	0 <b>B</b>	1 <b>K</b>	2 L
		Total;	10B	3 <b>K</b>	14 <b>I</b>

[No. O-12016/12/85-ONG-D 4]

गा. आ. 1972.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आयश्यक है कि प्रार्टित में सरवराह के लिए नामरूप जिला डिश्रूगड़, असम में हिन्धुस्तान उर्वर निगम के नामरूप-III एक्सपन्शन योजना के लिये ओ. एन. जी सी. जी. एस. नं. एक (सी. टी. एक.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाईप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड दुलियाजान हारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के तिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेंट्रोलियम और खानिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग को अधिक, अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्रारा घोषिन किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी उपामुक्त शिवसागर, आसाम की कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर हुर पहेगा।

और ऐसा आक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि नया वह चाहता है कि उसकी सनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

अनुमूची ओ. एन. जी. सी. जी. एस नं. एक लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम तक नामरूप गैसपाइप लाइन बिछाना

राज्यआसाम			जिलाशिवसागर					अ <b>भ</b> यपुर		
ऋ∴ गांव संख्या		पा	पाटा नं.		दांग	रोग नं.	एरिया			मन्तम्य
							बी.	का.	ल.	
1		2	-		3		4	5	6	7
<ol> <li>ग्राण्ट नं. 288</li> <li>313 दी और तीन भाग</li> </ol>	288/ 313	नं.	मियादी	48		1			13	<u>-</u> -
	59	,,	"	54				4	15	
	87	,,	,,	55			1	1	1	
	39	2)	,,	57				2	15	
	6	<b>)</b> )	"	67				1	13	
							कुल क	 गेवफल		4017

[सं. ओ.-12016/10/85--ओ एन जी डी-4]

S.O. 1972.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Dullajan.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Seciton 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, . Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## LAND SCHEDULE

Name of village	Patta No.	Dag N	Dag No.		
	P.P. No. 313	48	0 <b>B</b>	0 <b>K</b>	13 <u>I</u>
	P.P. No. 5	54	0 <b>B</b>	4K	15 <b>L</b>
Grant No.	P.P. No. 8	55	1 B	۱ĸ	11
288/313	P.P. No. 3	57	0 <b>B</b>	2 <b>K</b>	15L
	P.P. No. 6	67	0B	١ĸ	13L

[No. O-12016/10/85-ONG-D4]

का. अ. 1973.— यत: केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरवराह के लिये नामरू, जिला डिकूगड़, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप-III एक्सपैन्शन योजना के लिये ओ. एन. जी. सी. जी. जी. एस. न. एक (सी. टी. एफ.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाईप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमि- टेड, दुलियाजान द्वारा विछाई जानी चाहिये।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शस्त्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग को अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रय एतदहारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, उपा-युक्त शिवसागर, आसाम की कार्यालय मे इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति बिनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची औ. एन. जी. सी. जी. एस. नं. एक लाकुशा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक गैस पाइप लाइन विछाना

राज्यआसार	ī			ি	नमा—शिवसागर				स	ालुकअ
<b>π</b> .	गांव	पा	टानं.		दाग नं.			एरिया		मातब्य
<b>सं</b> .							की.	奪.	ल.	
बराही	ग्राण्ट	147	   427 न	ं. मियादी		5	6	4	9	
पहला और	दूसरा भाग	1	नं.	चात्र मियादी		12	0	4	15	
		1	"	11		74	1	3	0	
		1	n	**		29	0	0	4	
		1	11	11		28	1	1	1	
		1	,,	11		30	0	0	6	
		1	,,	μ		32	0	0	15	
		1	"	***		76	0	1	15	
		1	1)	,,,		36	0	1	8	
		1	"	1)		41	0	0	3	
		1	"	1)		42	3	0	4	
		1	#1	,,		78	1	4	3	
		1	13	17		43	0	0	3	
		1	))	"		44	2	1	11	
		1	"	***		45	0	0	6	
		30	वर्ष	चाय						
		142	/426 मं	. मियादी		47	4	1	16	
<del></del>			, челого		कुल क्षेत्रफल		23	0	19	

S.O. 1973.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-ll1 of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl, Deputy Commissioner, Sibsagar Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

State : Assam		ND SCHI		Taluk	: <b>: A</b> b	hoypur
Name of village	Patta	No.	Dag No.		Area	
	P.P. No.	147 427	5	6 <b>B</b>	4K	9L
Borahi Grant No. I & II	T.P. No.	1	12 74	0B	4K 3K	15L 0L
			29 28	0B 1B	0K 1K	4L 1L
			30 32	OB OB	0K 0K	6L 15L
			76 36	0B 0B	1 K 1 K	15L 8L
			41 42 78	0B 3B	0K 0K	3L 4L
			43 44	1B 0B 2B	4K 0B 1K	3L 3L 11L
		142	45	õВ	0K	6L
	P.P.No.	426	<b>4</b> 7	4B	1 <b>K</b>	16L
		Total	<del></del>	23B	0K	19L

[No. O-12016/11/85-ONG-D4

का० अा० 1974—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरवराह के लिये नामरूप, जिला डिब्रूगड़, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप-III एक्सपैन्शन योजना के लिये ओ.एन.जी.सी.जी.एस.न. एक (सी.टी.एफ.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाईप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमीं को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वपावद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइम् (भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग को अधिकार अजित करने का अपना आशय एतददारा घोषित किया है।

बंधार्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कीई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए सक्षम अधिकारी, उपा-यक्त शिवसागर, आसाम की कार्यालय में इस अधिसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिग्रत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसुची

ओ. एन. जी. सी. जी. एस. नं, एक लाकुवा से हिस्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक गैस पाइपलाइन विद्याना जला—क्षित्रसागर तालक—सापेक

राज	पआसाम		जिलाशिवसागर			तालू	क—-सापेकाटी
<b>事</b> .	गुनि	पाटा नं, दाग नं.		एरिया			मन्तव्य
सं.				मी.	晒.	ल.	
1.	3 न , मेडलाफ्रान	30 समा 1 मं.					
	30 सना ग्राण्ट	(380/13-10)	1	15	4	6	
<del>-,</del> -		***	कुल क्षेत्रफल	15	4	6	

S.O. 1974.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assum pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Dulajan.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 2! days from the date of this notification object to the

laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically, whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### LAND SCHEDULE

State: Assa	m District:	Sibsag	ar -	Faluk	: Se	ipekhati
Nome of Vill	age Patta No.		Dag Ño		Area	_
Modela Jan No. 3	30 years P.P. (380/13/-10)	No. 1	1	15B	4K.	6L
	<del>-</del>	Tota	ıl	15 <b>B</b>	4K	6L
		- [No.	O-12010	5/15/8	35-ON	G-D41

का आ. 1975 — यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित मे यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैम सरवराइ के लिए नामरूप, जिला डिब्रूगढ़, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप III एक्सपैन्णन यीजना के लिये ओ. एन. जी. मी. जी. जी. एस. नं. एक (सी. टी. एफ.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाईप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड इंलियाजान द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेत्त मिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग को अधिकार अर्जित करने का अपना आगय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, उपायुक्त णिवसागर, आसाम की कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्ति-गत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूचीः औठ एने० जीऽ मी० मी० एमें नं० एक लाकुका से हिन्दुस्तान उर्वेटक निगम नामक्रप तक गैस पाईप लाइने बिछाना ।

राज्य : आसाम	জিলা	ाः शिवसागर			नालुक :	अभयपुर
क.सं. गांव	पाटा नं .	दाग नं.	<del> ए</del> 1	रया रिया		मन्तव्य
4,1			बी.	<b></b>	ल.	
1. टियक गांव	138 नं, मियादी	709	1	2	14	<b>-</b>
(तृतीय भाग)	199 ,, ,,	710		4	19	
	144 } ,,	886		1	4	
	213 ,, ,,	733	2	2	4	
	57,,,,,	8 3 1		2	10	
	94 ,, ,,	833	_	1	11	
	255 ,, ,,	834	2	2	2	
	58 ,, ,,	836		1	11	
	58 ,, ,,	838		0	18	
	5 <b>8 ,,</b> ,,	837	1	3	12	
	206 ,, ,,	857	<u></u>	0	9	
	238 ,, ,,	850		0	11	
	345,, ,,	853		2	11	
	238 ,, ,,	855		0	11	
	238 ,, ,,	854		2	11	
	1 ,, ,,	979	2	1	18	
	132 , ,	724		0	2	
	एकसना	856		3	10	

S.O. 1975.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliajan

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Name of village	Patta No.	Dag No.		Агеа	
Teok Gaon					
Part-III	P.P. No. 138	709	1 <b>B</b>	2K	14L
	P. P. No. 199	710	$0\mathbf{B}$	4K	19L
	P.P. No. 144	886	0 <b>B</b>	1K	4L
	P.P. No. 213	733	2B	2K	4L
	P.P. No. 57	831	0B	2K	10L
	P.P. No. 94	833	0 <b>B</b>	1 <b>K</b>	11L
	P.P. No. 245	834	2B	2K	2L
	P.P. No. 58	836	$0\mathbf{B}$	1 <b>K</b>	11L
		838	0B	0K	18L
		837	1B	3K	12L
	P.P. No. 206	857	0B	0K	9L
	P.P. No. 238	850	0B	0K	11L
	P.P. No. 345	853	$0\mathbf{B}$	2K	11L
	P.P. No. 238	855	$0\mathbf{B}$	0K	11L
		854	0B	2K.	11L
	P.P. No. 1	979	2B	1 <b>K</b>	18L
	P.P. No. 132	724	0B	0 <b>K</b>	2L
	Annual Patta	856	$0\mathbf{B}$	3 <b>K</b>	10L
		Total	15B	0 <b>K</b>	8L

[No. O-12016/16/85-ONG-D4]

का.आ.1976.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होना है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरबराह् के लिये नामरूप, जिला डिब्रूगढ़, असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप III एक्सपैन्शन योजना के लिये औ. एन.जी. सी. जी. प्स. नं. एक (सी. टी. एफ.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्विक निगम नामरूप तक पाईप लाइन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान द्वारा बिछाई जानी वाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग को अधिकार अर्जित करने का अपना आश्रय एतद् द्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, उपायुक्त शिवसागर, आसाम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टनः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगन हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसू**भ**ि

ं ओं. एन. जी. सी. जे एस. नं. एक लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्व**रक निगम नामरू**प तक **गैस** पा**इप लाइन बिछाना।** 

राज्य . आसाम	ाजला :	जिला: शिवसाग <b>र</b>			तालुकः शालाकुटी			
ऋस. गांव	पाटा नं .	चाग नं.	एरिया			मन्तव्य		
			बी. क.		ल.			
1. भलापथार					" <del>-</del> -			
	80 न . मियादी	79		0	7			
	58 " "	80		3	2			
	58 " "	82		0	15			
	7 " "	86		1	9			

····	कुल क्षेत्रफल	14	3	13
 36 " "	314	<b></b>	1	7
36 " "	313		1	1
32""	84		1	11
69 " "	395		1	13
11""" 69""	397 400		1 2	7 0
11	396		2	0
15	388	<del></del>	1	13
71 " "	387		0	8
40 " "	386	_	0	13
40 " "	363		0	9
40 " "	362	_	1	8
40 " "	354	1	0	5
40 " "	310		2	11
2 " "	311	_	1	13
14 " "	312		2	11
33 न. मियादी	344		0	18
n	83		2	8
एकसना	28		1	4
33 " "	301	—	1	7
19 " "	300		0	15
18 " "	318	_	1	6
18"""	225		3	8
17 " "	226		1	17
17 " "	199		2	4
30 " "	147		2	2
7 " "	148		1	2
25 " "	149		1	17
14""	150	_	0	18
23 " "	151		0	2
23 " "	188	_	1	2
3 " "	155	_	0	9
3 " "	162	_	0	9
18"""	163		1	1
21 " "	164	_	1	2
6 " "	166	_	0	7
6 "	115		1	9
17 " "	156	<u></u>	0	5
17""	161	<del></del>	0	10
24""	165		1	6
17 " "	109	-	1	11
13 " "	108	_	0	18
20 " "	74		1	13
10 " "	106		1	10
10 " "	7 2	_	1	2
35 " "	71	<del></del>	1	2
7 " "	87		1	13

S.O. 1976.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertulizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Seciton 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

LAND SCHEDULE

लिमिटेड दलियाजान द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Silakuti

Name of village	Patta No.	Dag No.		Are	a
			В	K	L
Chola Pathar	Annual Patta	28	0	1	4
	Annual Patta	83	0	2	8
	P.P. No. 80	79	0	0	7
	P.P. No. 58	80	0	3	2
	-do-	82	0	0	15
	P.P. No. 7	86	0	1	9
	-do-	85	0	1	13
	-do-	87	0	1	13
	P.P. No. 35	71	0	1	2
	P.P. No. 10	72	0	1	2
	-do-	106	0	1	10
	P.P. No. 20	74	0	1	13
	P.P. No. 13	108	0	0	18

P.P. No. 17	109		1	11
P.P. No. 24	165	0	1	6
P.P. No. 17	161	0	0	10
-do-	156	0	0	5
P.P. No. 6	115	0	1	9
-do-	166	0	0	7
P.P. No. 21	164	0	1	2
P.P. No. 18	163	0	1	1
P.P. No. 3	162	0	0	9
-do-	135	0	0	9
P.P. No. 23	188	0	1	2
-do-	151	0	0	2
P.P. No. 14	150	0	0	18
P.P. No. 25	149	0	1	17
P.P. No. 7	148	0	1	2
P.P. No. 30	147	0	2	2
P.P. No. 17	199	0	2	4
-do-	226	0	1	17
P.P. No. 18	225	0	3	8
-do-	318	0	1	6
P.P. No. 19	300	0	0	15
P.P. No. 33	301	0	1	7
-do-	344	0	0	18
P.P. No. 14	312	0	2	11
P.P. No. 2	311	0	1	13
P.P. No. 40	310	0	2	11
	354	1	0	5
	362	0	1	8
	363	0	0	9
	386	0	0	13
P.P. No. 71	387	0	0	8
P.P. No. 15	388	0	1	13
P.P. No. 11	396	0	2	0
	297	0	- 1	7

400 395

84

313

314

Total

Λ

[No. O-12016/134/84-ONG-D4]

1

13

11

1

7

13

का.आ. 1977.---मतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है है कि लोकहित में यह जावश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरबहराह के लिये नामरूप जिला डिब्रुगढ़ असम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामरूप III एक्सपैन्शन योजना के लिये जो. एन. जी. सी० जी. जी. एस. नं. एक (सी. टी. एफ.) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाइप लाइन आसाम गैस कम्पनी

P.P. No. 69

P.P. No. 32

P.P. No. 36

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइमों को बिकाने के प्रयोजन के सिवे एतद्पावद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप साइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदश्न मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग क अधिकार आजित करने का अपना आज्ञय एथवृह्यरा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हितंबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीने पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी उपायुक्त शिवसागर आसाम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहुता है कि उसकी सुनवाई व्यक्ति गत हो या किसी विधि व्यक्सामी की मार्फत।

## अनुसूची

ओ. एन.जी. सी. जी. एस. नं. एक लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक गैस पाइप लाइन बिछाना।

जिला: शिवसागर

का.सं. गॉव	पाटा नं ,	दाग नं .	एरिया			मन्तव्य
<b>-</b> -			——— बी.		<del></del> - ल.	
1. शीला चाय बगीजा	1 नं० चाय मियादी	63	3	1	1	
( 1. 2 আডে)	4 '' मियादी	60		0	10	
	1 '' चाय मियादी	72		0	18	
	1 " 30 सना मियादो	7 1	<b>'1</b>	4	18	
	एकसना —	74		0	15	

[सं. ओ-12016/135/84-ओ एन जी-डी4]

तालुक: शीलाकुटी

S.O. 1977.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertulizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such p peline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of Seciton 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 day from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar, District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## LAND SCHEDULE -

Name of Pa	tta No.	Dag No.	Arca			
			В	K.	L	
Chola Tea						
Estate PartI&II T.	P. No. 1	63	3	1	1	
	P No. 4	60	0	0	10	
P.:	PNo. 1	<b>ა.</b> 72;	0	0.	18	
	ys PP. No. 1	71	1	4	18	
	mual Patta	74	Ď.	. 0	15	
		Total	5	3	2	

का. आ. 1978:—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन मुमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-नियम 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम ावभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 4577 तारीख़ 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रम धोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भुमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया हैं।

अब उतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा धोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिं उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदस्त मिनत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अन्सूची

सोभासण-29 से सोभासण-17 तक पाईप लाईन बिछाने के लिये।

गोव	ब्लाक न.	हे.	एआर.	सें.
 कुकस	80	0	07	68
-	81	0	0.0	7.5
	78	0	09	36
	76	0	0 1	44

[सं, ओ-12016/119/84-ओ एन जी-श्री-4]

S.O. 1978.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4577 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said laratiin i nthe Oil & Natural Gas Commission free from hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## **SCHEDULE**

Pipe line from SOB-29 to SOB-15.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Villago	Block No.	Hecta- tare	Are	Cen- tiare
Kukas	80	0	07	68
	81	0	00	75
	78	0	09	36
	76	0	01	44

[No. O-12016/119/84-ONG-D4]

का० धा० 1979.—यत पेट्रालियंम धीर खानिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के घिकार का घर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घधी न भारन सरकार के पेट्रे लियम मंत्रासय की प्रधिस्त्रना का. था. सं 292 (12016/1/85-ओ.एन.जी:-बी-4) तार ख 26.1.85 द्वारा केन्द्रेय सरकार ने उस प्रधिस्त्रना से सलग्न धनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइप लाइन की बिछाने के प्रयोजन के निये धीजत करने का ग्रंपना ग्रांशय घोषत कर विया था।

और अन सक्षम प्राधिकारों ने उक्त ग्राधिनियम के धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रंथन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर भागे यत के दिया सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के प्रचाल इस मधिसूचना में सलग्न भन्सूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार भीजित करने का विनिश्चव किया है।

सब सत. उक्त सिवितियम क श्वारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदन्न सिविकारों का प्रयोग करते हुए केन्रिय सरकार एतव् द्वारा घोषित करति है, कि इस सिविद्यालता से सलग्न अनुसूचि। में विनिर्दिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का सिविकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एत - द्वारा सिजित किया जाता है।

पीर पागे उस धारा कः उपधारा (4) हारा प्रदल प्रधिकारो का प्रया करते हुए केन्द्रिय सरकार यह निवेण देशी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का पर्धिकार केन्द्र। सरकार में िहिल होने को बजाये हिल्दुस्तान पेट्रोलियम कापोरिशन लिमिटेड धंबई के क्षेत्र करण में सभी बाधायों से मक्त कप में इस घोषणा के प्रकाशन का लागु को निहित होगा।

भनुसूर्च/ पाइप साइन भावई गांव में, तालुका पनवले, जिला. रायगढ

महाराष्ट

गांव	खसरा मम्बर	हिस्सा	भेवफ्स		
		नम्बर	हेक्टर	ऐयर	
आवर्द	6 का भाग		. 00	01	
	114 "		00	05	
	115 "		00	09	
	116 "		0.0	07	
	117 "		00	52	
	125 "		0.0	09	
	126 "		00	03	
	127 "		0.0	22	
	128 "		0.0	11	
	129 "		0.0	01	

[सं. O-12016/1/85-फोएनर्जः-र्धः-4]

16

पा. के. राजगोपालन, बेस्क अधिकारी

S.O. 1979.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 292 (O-12016|2|85-ONG-D4) dated 26-1-85 under Sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the Lands specified in the schedule appended to that notification tor the purpose of laying pipeline.

131 "

And whereas the Competent Authority has under Subsection (I) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in ffic Lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power conferred by Subsection (I) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Subsection (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corp. Ltd. Bombay free from all encumbrances.

**SCHEDULE** 

Pipeline passing through village Adaec.

Taluka: Panvel, Dist.: Raigad, Maharashtra.

Village	Survey No./Gut	Hissa	AREA	1
•	No.	No.	Н	R
Adaoc	6Part		00	01
,,	114 Part	_	00	0.5
,,	115 Part	_	00	09
**	116 <b>Par</b> t	_	00	07
	117 Part		00	52
••	125 Part		00	09
	126 Part	_	00	03
,,	127 Part		00	22
,,	128 Part	_	00	11
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	129 Part		00	01
	131 Part	_	00	16

[No. O-12016/1/85-ONG-D4] P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 अप्रैल; 1985

का. अ. 1980.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम,
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना
का. आ. मं 3467 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय
सरकार ने उस अधिसूचना से संनग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट
भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने
के लिए अजित करने का अपना आमय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन संरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिब्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा घोषित करती है कि इस अधिभूषमा में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन किछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा अधिका किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) डारा प्रवस्त सिंहरों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार किर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के जजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

अन् सुची

हाजिरा बरेली जगदीश पुर पाइप लाइन प्रोजेकट

——— जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रक्षवा	विवरण
1	2	3	4	5	6
उन्नाव	उन्नाब	हडहा	टिक <i>री</i> पदमरा	50	0-0-10
				49	1-9-10
				48	0-7-4
				47	0-17-0
				45	0-18-0
				42	0-0-15
				36	<b>0-4-1</b> 1
				89	1-8-0
				24	0-3-4
				91	0-4-4
				92	0-0-16
				23	0-9-10
				22	0-5-16
				20	0-1-15
				18	0-13-5
				17	0-10-10
				16	0-4-0
				15	0-12-3
				14	0 <del>-</del> 7- 0
				8	3-11-16
				9	0-8-9
				97	0-8-9
				139	0-12-12
				141	0 <del>- 3-</del> 10

[सं. 14016 / 13/84 - जी पी]

## New Delhi, the 24th April, 1985

S.O. 1980.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3467 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification; Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Limited free from encumbrances

SCHEDULE

Hajira Barielly Jagdishpur Pipe line Project

						_	
Distt :	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area	Reg	uirec
1	2	3	4	5	6		
Unnao	Unnao	Hadha	Tikri	•			
			Padmara	50	0	0	10
				49	1	9	10
				48	0	7	4
				47	0	17	- (
				45	0.	18	(
				42	0	0	1.
				36	0	4	11
				89	1	8	(
				24	0	3	4
				91	0	4	4
				92	0	0	16
				23	0	9	10
				22	0	5	10
				20	0	1	15
				18	0	13	1
				17	0	10	10
				16	0	4	(
				15	0	12	
				14	0	7	(
				8	3	11	10
				9	0	8	9
				97	0	8	9
				139	0	12	12
				141	0	3	10

[No. O-14016/13/84-GP]

का. आ. 1981.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4108 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आगम घोषित कर विया या। और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उसत अधिनियम की

आर यत: सक्षम प्राप्तकारा न उक्त आधानयम का धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट वेदीहैं।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्दिन्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अणित करने का किनिश्चय किया है। अब अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा घोषित करतें है कि इस अधिसूचमा में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेकट। जिला तहसील परगना ग्राम का लियागया विवरण नाम रकसा 2 1 3 4 5 6 कानपर सजारी कानपुर कानपुर महर शहर शहर 14 0-4-18 22 1-4-4 23 0 - 6 - 924 0-1-0 27/32 - 6 - 180-0-10 29 0 - 2 - 120-11-18 91 0 - 12 - 792 0 - 4 - 160 - 2 - 894 0 - 1 - 1297 98 0 - 9 - 1699 0-2-0 0-2-0 100 101 0 - 2 - 8102 0-0-16

103

104

105

106/7

106/14

134

148

149 150 1-1-12

0-11-14

0 - 7 - 1

0-12-1

2 - 10 - 0

0 - 6 - 16

0-4-4 0-12-4

0 - 15 - 6

1 2 3 4 5	<del></del>	**************************************	₹ —		SCHEI	DULE	— <del></del>	-	= <del>==</del>
151	0-12-12	ĭ	<b>L</b> ajıra	Barcilly	Jagdishp	ur Pipe	Line Pr	oject	
152	1-4-3	 Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Are		
168	0-1-0			, 6	- ,	No.	Acqu		
169	0-2-12							_	
170	0-0-18		2	3	4				
171	<b>9</b> − 5− 0	Kanput City			ur Sajarı	1.4	0	4	10
172	0-2-8	Chy	City	City		14 22	Q 1	4 1	18 4
173	0- I- 1 5					23	0	6	9
174	0-6-0					24 27/3	0 <b>2</b>	1 6	0 18
175	0-2-8					29	0	0	10
180	0-0-10					86	0	2	12
181	0-2-5					90 91	0 0	11 12	18 7
218	0-0-16					92	0	4	16
219	0-7-0					94 97	0	2 1	8 12
220	0-5-11					98	Ô	9	16
221	0-12-3					99	0	2	0
222	0-2-0					100 101	0 0	2 2	0 8
224	0-3-12					102	0	0	16
227	0-0-12					103 104	1 0	1 11	12 14
228	0-6-0					105	0	7	1
229	0-6-14					106/7	0	12	1
230	0-0-5					106/14 134	2 0	10 6	0 16
233	0-3-0					148	0	4	4
246	0-2-8					149 150	0 0	12 15	4 6
247	0-10-0					151	0	12	12
248	0-0-8					152	1	4	3
249	0-4-0					168 169	0 0	1 2	0 12
250 305	0-2-12 0-1-0					170	0	0	18
306	1-5-0					171 172	0	5 2	0 8
~ _ <del> </del>						173	ő	ī	15
ू (सं.   अ१०-1ः,016   6   84 -	•					174 175	0 0	6 2	0 8
S.O. 1981.—Whereas by notification of the of India in the Ministry of Petroleum S.O.						180	0	ő	10
1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of and Minerals Pipelines (Acquisition of Righ	the Petroleum					181	0	2	5
Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Centra	d Government					218 219	0 0	0 7	16 0
declared its intention to acquire the right or lands specified in the schedule appended to the						220	0	5	11
for purpose of laying pipeline;						221 222	n 0	12 2	3 2
And whereas the Competent Authority has Section (1) of Section 6 of the said Act, sul						224	0	3	12
to the Government;						227	0	0	12
And further whereas the Central Governme considering the said report, decided to acquire						228 229	0 0	6 6	0 14
user in the lands specified in the schedule aprinotification;						230	0	0	5
Now, therefore, in exercise of the power	conferred by					233 246	0	3 2	0 8
sub-section (1) of the Section 6 of the said Ac Government hereby declares that the right of	t, the Central					247	0	10	0
said lands specified in the schedule appended	to this notifi-					248	0	0	8
cation hereby acquired for laying the pipelin  And further in exercise of power conferred						249 250	0	4 2	0 12
(4) of that section the Central Government di	irects that the					305	0	1	0
right of user in the said lands shall instead Central Government vests on this date of the	publication of		<u> </u>	-h — — —		306	1 	_ 5 	0
this declaration in the Gas Authority of India from encumbrances.	Limited free		_	_		[No. C	<b>→ 14</b> 016,	6/84-	GP]
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •									

का. आ. 1982. -- यत: पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) आंधिनयम 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3463 तारीख 31-11-84 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में विनिद्धित भूमियों के उपयोग के अधिकार-को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय धोषित कर वियाथा।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार कोरिपोर्ट देवी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विधार करने के पश्चात इस अधिमूचना से संसग्न अन्सूची में विनिद्धिट भुमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने। का विनिश्चय किया है।

अब अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन लक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत-द्वारा धोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में बिनिविंग्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्डपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एमद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीश पुर पाईप लाईन प्रोजेस्ट ।

जिला	- तहमील	— 'परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकवा	-— वित्ररण
1	2	3	4	5	6
 रापबरेमी	 माहर	 मे <b>म</b> रीमा	कक्केपुर		·
	गंज			139	0-3-8
				151	0-0-1
				153	0-1-0
				154	0-16-6
				155	1-8-15
				159	0-5-5
				165	0-0-17
				166	1-7-6
				167	0-0-4
				168	1-1-1
				169	0-0-8
				187	0-3-8

		_ '					
1	2	3	- 🖛	4	<del></del>	5	6
			-	_		188	0-8-2
						190	0-7-10
						191	0-16-0
						192	0-2-15
						193	0-1-15
						241	0-2-14
						242	0~5~3
						243	0-9-5
						244	0~0~4
						192/2	73 0-2-15
						57	0-12-6
						59	0-7-0
						60	0-6-8
						56	0-15-10
				• •		185	0-1-10

[सं. O-14016/9/84-जी पी]

S.O. 1982 —Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3463 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report  $t_0$  the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And forther in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area	Acrqu	ired
1	2	3	4	5		6	
Rae-	Mohar-	Semra-	 Kakkey				
Barcli	Ganj	auta	Pur	139	0	3	8
				151	0	0	1
				153	0	1	0
				154	0	16	6
				155	1	8	15
				159	0	5	5
				165	0	o	17
				168	1	7	đ

	6		5	4	3	2	1
4	0	0		167			
1	1	1		168			
6	0	0		169			
8	3	0		187			
2	8	0		188			
10	7	0		190			
0	16	. 0		191			
15	2	0		192			
15	1	0		193			
14	2	0		241			
3	5	0		242			
5	9	0		243			
4	0	0		244			
15	2	0	73	192/2			
6	12	0		57			
0	7	0		59			
8	6	0		60			
10	15	0		56			
10	1	0		185			

[No. O-14016/9/84-GP]

का. आ. 1983—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3464 तारीख 3-11-84 द्वारा
केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना से संलग्न अनुसूची में
विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों
को विछाने के लिए अजित करने का अपना आगय धोषित
कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत: उनत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त कित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनु सूचा							
हाजिरा	बरेली	जगदीश	पुर	पाइप	लाइन	प्रोजेक्ट	

जिला	तहसील	परगना	ग्रामा क नाम	ालिया ग रकवा	या विवरण
1	2	3	4	5	6
रायबरे	ना सीमहरा	न- सेमरीत	- ा गंगापुर		
	गंज			66	0-0-5
				68	0-7-0
				69	0 <del></del> 8 <del></del> 10
				70	0-3-0
				71	0-5-10
				72	0-1-5
				75	0-5-0
				76	0-0-15
				102	0-3-10
				107	0-5-5
				108	1-3-0

[सं. 14016 / 10 /84-जी पी]

S.O. 1983.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3464 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquire		
1	2	3	4	5	6		
Rae- Bareli	Mahara Gani	j Semra- uta	Ganga-	66	0	0	
Delon	Cia,	014	pui	68	Ö	7	0
				69	0	8	10
				70	0	3	0

1900

0-3-0

[भाग [[खा॰ड 3(	ii)] 		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<del></del>	भार	त का	राजपन्न : मई 11, 1985/वैशाच् 21,1907		237
		5			6				
		71		0	5	10			
		72 75		0	1	5		767	0-12-10
		76		0	5 0	0 15		769	0-5-15
		102		0	3	10		1723	
		107 108		0 1	5 3	5 0		1724	
			<del></del>	<del></del>			<b>-</b>	1725	
		[No	). O—14	Ю16/10	)/84	GPI		1726	
का. आ.	1984		•					1727	
	मेमें उप							1728	_
अधिनियम 1962	-		•					1729	0-9-10
उपधारा (1) के			•					1738 1739	0-15-10
की अधिसूचना व								1735	0-7-12 0-4-10
द्वारा केन्द्रीय सरका								1747	0-4-10
में विनिर्दिष्ट भूमिः								1748	0-11-10
बिछाने के लिए	आजत करन	ने कर अप	यना आध	गय घ	विषत	कर		1750	0-12-00
दियाथा।								1755	0-18-10
और यतःसध	भम प्राधिक	ारी ने उ	क्त अधि	नियम	कीध	गरा		1756	0-4-10
छ की उपधारा (1	) के अधीक	न सरकार	को वि	रपोर्ट	वे वी	है।		1764	0-14-5
और आगेय	पतः केन्द्रीय	। सरकार	. ने उ	स्त रि	.पोर्ट	पर		1793	0-5-5
विचार करने के '	पश्चात इस	अधिसूच	ना से	संलग्न	अन्स	पुची		1794	0-2-0
में विनिदिष्ट भूमिय								1797	0-3-0
विनिश्चय किया है								1798	0-7-5
अब अतः उन	त अधिनिय	सिकी धा	त्रा ६ वर्ष	ो ज्या	ar≠r (	11		1799	0-8-0
द्वारा प्रदत्त गक्ति								1800	0-6-0
द्वारा घोषित करती								1801	0-7-10
विनिर्दिष्ट उक्त भू								1802	0-2-0
विछाने के प्रयोजन	•				•	-		1829	0-6-10
		•				•		1830	0-8-0
और आगे उ								1831	0-5-10
शक्तियों का प्रयो								1832	0-16-0
कि उक्त भूमियों र निहित होने के								1833	0-5-0
ानाहत हान का सभी बाधाओं से						में रूप		1834	0-13-0
सारीख को निहिस		म वापण	() TO 219	काशन	का	ŔА		1867	0-7-0
arcisi in inga		<del>a.</del>						1869	0-7-0
	अनुसूच							1871	0-1-10
हाजिरा बरेली	जगवीशपू	र पाईप	लाईन	प्रोजेन	द ।			1872	0-8-0
तहसील	परगना	ग्रामीका	लिया	विष	नरण	_		1880	0-9-10
		नाम	गया					1881	0-11-10
1 2	3	4	5	<u>-</u>	6	_		1887 1888	0-9-10
रायबरेली महराज	सेमरौला	<u> </u>	<u>-</u>	···		_		1889	0-3-0
गंज	तन राला	जनरावा	CEE		۸۵	^		1890	0-9-1 0-1-15
-1 <del>-1</del>			655 656		09- -7-:			1891	0-1-15
			657		- /- : 16-1			1893	0-1-10
			662		1 0— 1 0— 1-			1895	0-2-10
			765		- 1- 1			1899	0-7-0
				v	1 - 1	. •			- , <b>v</b>

766

0-7-0

2380			EILE OI	INL	NA: MAY	1, 1963/ 17	(IOAKI)	~. Z1, 1907	74 40 -7-	Part II	-ore ⊃(II)
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			19	902	0-1-10					662	0-1-7
				04	0-5-10					765 766	0-1-10 0-7-0
										767	0-12-10
				905	0-13-0					769	0-5-15
				907	0-1-10					1723	0-11-0
			19	908	0-12-10					1724 1725	0-2-0 0-6-4
			19	910	0-2-5					1726	0-18-10
			19	14	0-10-10					1727	0-0-10
			19	915	0 0 1 <b>0</b>					1728	0.0.10
			19	16	0-8-10					1729 1738	0~9~10 0-15~10
				917	0-3-15					1739	0-7-12
				19	0-1-10					1747	0-4-10
										i 748	0-11-0
				28	0-4-10					17 <b>4</b> 9 1750	0-11-10
				929	0-8-0					1755	0-18-10
			19	931	0-2-1 <b>0</b>					1756	0-4-10
			19	32	0-0-13					1764	0-14-5
			19	9 <b>3</b> 3	0-11-10					1793 179 <del>4</del>	0+5-5 0-2-0
			1:	934	0-1-2					1797	0-2-0
				792	0-0-2					1798	0-7-5
				962	0-1-19					1799	0-8-0
					-					1800 1801	0-6-0
			1	<b>86</b> 6	0-0-2					1802	0-7-10 0-2-0
			1	7 <b>2</b> 2	0-1-0					1829	9-6-10
					/e.4 =fr =fr1					1830	0-8-0
		[4.4	71401	6/18	/84-जीपी]					1831	0-5 10
<b>S</b> .O. 1	984,—Wher	eas by no	tification o	of the	Government					1832 1833	0-16-0 0-5-0
					3469 dated he Petroleum					1834	0-3-0
					of User in					1867	0-7-0
					Government user in the					1869	0 -7-0
ands spe	cified in th	e schedule	appended		t notification					1871 1872	0-1-10 0-8-0
	ose of layin		•							1880	0-9-10
					under Sub- mitted report					1881	0-11-10
	Jovernment				manufur 101.011					1887	0-9-10
					nt has after					1888 1889	0-9-10 0-3-0
					the right of ended to this					1890	0-3-10
notificatio				* '	•					1891	0-1-10
					conferred by					1893	0-5-10
					the Central user in the					1895 1899	0-2-10
aid land	ls specified	in the scho	edule appe	nded t	o this not fi-					1900	0-70 0-3-0
	eroby acqui			-						1902	0-1-10
					y sub-section rects that the					1904	0-5-10
ight of	user in the	e said land	is shall in	stead o	of vesting in					1905 1907	0-13-0
					bublication of Limited free					1908	0-1-10 0-12-10
	cumbrances.	· · ·	, ***							1910	0-2-5
			DULE							1914	0-10-10
Hajira	: Bareilly Jo	deshpur Pi	peline <b>P</b> roj	cct.						1915	0-0-10
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Aica					1916	0-8-10
			_	No.	Acquired					1917	0-3-15
1	2	3	4	5	6					1919	0-1-10
Rae	Maharaj	Semaruta	a Jamusa	-						1928	0-4-10
Bareli	Ganj		wan	655	0-9-0					1929	0-8-0
				656						1931 1932	0-2-10 0-0-13
				657	7 0-16-10						

1	2	3	4	_ 5	G	 	5	6
				933	0-11-10	2.3	2 0-12	2-0
				934 792	0-1-2 0 0-2	2 7	8 0-1-	-10
				962	0-1-19	2.7	5 0-3	<b>3-</b> 0
				866	0-0-2	2 7	6 0-7	<b>7</b> – 0
			ا ۔	722 	0-1 0	27	7 1-3	2-2
		11	No. O—1	41016/.	15/84-G.P.]	2.7	9 1-1	1-0
का, आ.	1985 :-	यतः पेटुो	लियम अ	ीर ख	निज पाईप-	28	0 0-2	2-0
लाईन (भृमि में						2.8	34 0-0-	-10
1962 (1962	<b>क</b> ा 5	o) ক <b>ি</b> ঘ	ारा 3 व	ी उप	धारा (1)	28	35 0-6-	-10
के अधीन भार		•			की अधि-	28	6 0-	1-0
सचना का. आं.	गं. 34	१७० तारीस	<b>3</b> 3-11-	-84 ផ្ទា	रा केन्द्रीय	13	8 0-	1-0

[मं. 14016/16/84-जी: पी.]

सरकार ने उस अधिस्चना से संलग्न अनुसूची से विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था ।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की शारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

ओर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विधार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिदिष्ट भमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिम्बय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित करता है कि इस अधिसूचना में गंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उनन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शानितयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची क्षाजिरा बरेली जगदीणपुन पाईप लाईन प्रोजेक्ट।

 जिला	 त <b>ह</b> मील	 परगना	 ग्राम नाम	 का लिया रकवा	
1	2	3	4	5	6
राय	महाराज	समरौवां	हिलहा	133	0-2-0
वरेली	गंज			134	0-11-0
				135	0-11-0
				137	0-7-0
				139	0-17-5
				1.4.4	0-3-0
				147	1-3-10
	_			_	·

S.O. 1985.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3470 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the schedule appended to that petition on lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notifi-cation hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vestire in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Lin ed free from encumbrances.

**SCHEDULE** Hajira: Bareilly Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired
1	2	3	4		6
Rac-	Moharaj	Senauta	Hilha		
Bareli	Ganj			133	0-2-0
				134	0-11-0
				135	0-11-0
				137	0-7-0
				139	0-17-5
				144	0-3-0
				147	1-3-10
				232	0-12-0
				278	0-1-0
				275	0-3-0
				276	0-7-0
				277	1-2-2
				279	l -1 -0
				280	0-2-0
				284	0-0-10
				285	0.6-10
				286	()-1-()
				138	0-1-0
	-		No. O-	-14016/1	6/84-GP .]

का. आ. 1986: प्यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम
1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)
के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3458 तारीख 3-11-84 द्वारा
केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में
बिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों
को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्य धोषित
कर दियाथा।

और यत:सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से मंलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनूमूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परा	ाना ग्रामा	का लियाग	या विवरण
			नाम	रकवा	
1	2	3	4	5	6
रायबरेली	महराज-	हरदोई	पुरासी	110	0-10-10
	गंज			111	0-18-15
				127	0-15-0
				126	0-3-0
				134	0-11-5
				159	0-0-17
				160	0-3-0
				161	0-3-10
				162	0-2-10
				163	0-14-0
				178	0-0-2
				179	0-14-0
				181	0-5-6
				182	0-0-15

	180	0-0-9
	183	0-2-0
	184	0-0-1
	185	0-19-0
	187	0-0-5
	188	0-9-10
	190	0-3-5
	199	0-15-0
	200	0-4-0
	201	0-3-0
	202	0-2-0
	204	0-0-3
	205	0-3-0
	206	<b>0</b> – <b>4</b> – <b>0</b>
	210	0-0-10
	211	1-4-0
	212	0-13-0
	322	0-1-12
	327	0-6-16
	328	0-11-10
	329	1-2-0
	331	0-0-2
	332	0-0-2
	333	0-0-7
	354	0-16-0
	355	0-4-0
	365	0-7-0
	366	0-5-0
	367	0-6-15
	368	0-1-0
	370	0-6-0
	373	060
	374	0-7-0
	386	0-7-0
	387	0-2-10
	389	0-9-5
	166	0-0-18
	337	0-0-11
	338	0-0-10
[सं. O-4	016/21/8	4-जी. पी.]

S.O. 1986.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3458 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

Schedule
Hajıra Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Ha	roject				
Distt	Tehsil	Patagna	Village	Plot	Area
				No	Acquired
1	<u> </u>	3	4	5	
Ree-	Moharaj	Hardon	Purarı		
Barlı	Ganj			110	0-10-10
	_			111	0-18-15
				127	0-15-0
				126	0-3-0
				134	011-5
				159	0-0-17
				160	0-30
				161	0-3-10
				162	0-2-10
				163	0-14-0
				178	0-0-2
				179	0-14-0
				181	0-5-6
				182	0-0-15
				180	0-0-9
				183	0-2-0
				184	0-0-1
				185	0-19-0
				187	0-0-5
				188	0-9-10
				190	0-3-5
				199	0-15-0
				200	0-4-0
				201	0-3-0
				202	0-2-0
				204	0-0-3
				205	0-3-0
				206	0-4-0
				210	0-0-10
				211	1-4-0
				212	0-13-0
				322	0-1-12
				327	0-6-16
				328	0-11-10
				329	1-2-0
				331	0-0-2
				332	0-0-2
				333	0-0-7
				354	0-16-0
				355	0-4-0
				365	070
				366	0-5-0
				367	0-6-15
				368	0-1-0
				370	060
				373	0-6-0
				374	0-7-0
				386	0-7-0

1	 3	4	<u> </u>	6		
			387	0-2-10		
			389	0-9-5		
			166	0-0-18		
			337	0-0-11		
			338	0-0 10		
	 	[No	O-14016	/21/84-GP]		

का आ 1987 — यन पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ स. 3459 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना से सलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषित कर विया था।

और यत सक्षम प्राधिक।री ने उन्त अधिनियम की धार। 6 नी उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यत: किन्धीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विधार करने के पश्चात इस अधिसूचना के संलग्न अनूसूची मे विनिदिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत . उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदस शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट उन्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप-लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोजन करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनूसूची

		21.7.4	ı		
हाजि	रा बरेली	जगदीशप्	र पाईप	लाईन प्रोजेंब	ह्य ।
जिला	तहसील	परगना		लिया गया रक्षवा	विवरण
1	2	3	4	5	6
 रायबरेली	 म <b>हरा</b> ज	समरौली	कडरिय	τ .	
	गज			1	0-0-15
				4	0-1-10
				5	0-11-0
				6	0-15-0

1	6	5	4	3	2	ι
	0-1-2	31				
	0-2-0	32				
	0-0-9	33				
	0-9-10	34				
	0-17-0	35				
	0-13-0	40				
·· ·	0-4-16	41				
	0-9-10	44				
	1-6-0	48				
पाइप	0-0-6	49				
नियम	0-1-1	50				
(1)	0-18-0	5 1				
अधिर	0-1-16	52				
केन्द्रीः	0-1-10	53				

S.O. 1987.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3459 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

[मं. O-14016/22/84-जीपी]

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schadule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdeshpur Pipe Line Project

Distt.	Tchsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acguired
1	2	3	4	5	6
Rae- Bareli	Moharj Ganj	Semrauta	Kararia	1	0-0-15
Daren	<u>-</u>			4	0-1-10
				5	0-11-0
				6	0-15-0
				31	0-1-2
				32	0-2-0
				33	0-0-9
				34 35	0-9-10 0-17-0

3 3 6 **4**0 0-13-0 41 0-4-16 44 0-9-10 48 1-6-0 49 0 - 0 - 650 (1-1-1)51 0 - 18 - 052 0 - 1 - 160 - 1 - 1052 [No. O-14016/22/84-GP]

का. आ 1988 — यत: पेट्रोलियम और खिनिज पाइपताईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं. 3440 तारीख 3-11-84 ढारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आग्र्य चोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अबीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिण्चय किया है।

अब, अतः : उक्त अधिनियम की धारी त की उत्तारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों से उपयोग का अधिकार पाईपनाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिंहत होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बोधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अन्मूची

			2 41			
	हाजिरा	बरेली -	—जगदीशप्	र पर्दिप	लाईन प्रोजे	क्ट
 जिला	 तहसील	परगना	ग्राम	- गाटामं .	लिया	
			_		्गया रकव	Т
1	2	3	4	5	6	
इटावा	 औरया	- औरया	 फरीदपुर	 r		
				124	1-2	6
				126	0-0	6
				-		

1	2	3	4	5	6
			··	127	0-8 6
				129	1-1 5
				142	0-08
				143	0-1 6
				144	0-3 0

[सं॰ O-14016 / 39/84-जी.पी.]

S.O. 1988.—Whereas by notification of the Government of India in the M nistry of Petroleum S.O. 3440 dated 3-11-84 under sub-sect on (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec ded to acquire the right of user in the Lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Inda Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Barielly Jagdeshpur Pipe Line Project

Distt.	Tohsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	. 4	5	6
Etawah	Awraiya	Awraiya	Faridpur	124	1–26
				126	0-06
				127	0-86
				129	1-15
				142	0-08
				143	0-16
				144	0-30

[No. O-14016/39/84-GP]

का. आ. 1989—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि, में उपयोग के अधीकार का अर्जन (अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ स 3442 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आध्य धोपित कर दिया था।

और यत . सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हारि	जेरा — ब	रेली	जगदीशपुर	पाईप	लाईन प्रोजेक्ट
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा	लिया गया
				सं.	रकवा
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरया	औरया	भरतपुर	1	0—13
				4	0-58
				5	0-92
				7	0-03
				11	0-38
				62	0-73
				63	0-01
				64	0-01
				65	0-42
				66	0-55
				67	0-21
				68	0-03
				12	0-01
				17	0-01
				69	0-36

[सं. O-14016 /40/ 84-जी. पी.]

S.O. 1989.—Whereas by notilication of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3442 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report  $t_0$  the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

	Hajira Bare	illy Jagdis	hpur Pipe	Line	Project
Distt.	Tehsil	Рагдала	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Etawah	Awraiya	Awraiya	Bharatpu	лт 1	0-13
				4	0-58
				5	0-92
				7	0-03
				11	0-38
				62	0-73
				63	001
				64	0-01
				65	0-42
				66	0-55
				67	0-21
				68	003
				12	0-01
				17	0-01
				69	0-36

[No. O-14016/40/84-GP

का. आ. 1990:—यत : पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं. 3443 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का आपना आगय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चिय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची मैं विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप- लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाला है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख़ को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीण पर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

हारि	गरा–बरेली∙	-जगदीश	पुर पाईप	लाईन	प्राजिक्ट
जिला	तहसील	परगना	ग्रामा	गाटा स .	स्रिया गया रक्षवा
1	2	3	4	5	6
हटावा	ओरया	औरया			
				21	0-09
				17	1-94
				42	0-24
				44	0-15
				33	0-14
				54	0-11
				65	0-03
				66	0-78
				77	0-02
				83	0-59
				82	0-01
				84	0-23
				80	0-57
				79	0-35
				90	0-07
				91	0-86
				92	0-12
				133	0-03
				134	1-44
				142	0-01
				135	0-02
				143	0-19
				131	1-22
				148	0-13
				$1\overset{\circ}{2}4$	0-02
				123	0-53
				120	0-24
				121	0-21

[सं. O -14016 / 45 / 84 जी पी]

S.O. 1990.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3443 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred bf sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tohsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquire
1	2	3	4	5	6
Etawah	Auraiya	Auraiya	Kakha-	21	0-09
			wat	17	1-94
				42	0-24
				44	0-15
				33	0-14
				54	0-11
				65	0-03
				66	0-78
				77	0-02
				83	0-59
				82	001
				84	0-23
				80	057
				79	0-35
				90	0-07
				91	0-86
				92	0-12
				133	0-03
				134	1-44
				142	0-01
				135	0-02
				143	0-19
				131	1-22
				148	0-13
				124	0-02
				123	1-53
				120	0-24
				121	0-21

[No O-14016/45/84-GP]

का. आ. 1991:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की अधिसूचना का० आं० सं. 3747 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा–बरेली–जगदीषपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	ा परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरया	ओरया	शाहब	देया	
				49	0-01
				48	1-17
				46	0-48
				28	0-01
				29	0-35
				30	0-40
				31	0-15
				34	0-01
				35	0→01
				22	1-29
				104	0-01
				105	0-01
				106	0-10
				21	1-21
				114	0-01
				115	0-14
				20	0-05
				19	0-01
				118	0-01

_						
	1	2	3	4_	5	6
-					119	0-06
					120	1-09
					121	0-53
					122	0-18
					113	0-01
-						

[सं. O-14016/81/84-जी पी]

S.O. 1991.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3747 dated 17-11-84 under sub-sect on (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat.on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Paragana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Etawah	Awariya	Awariya	Shah-	49	0-01
•			badiya	48	1-17
				46	0-48
				28	0-01
				29	0-35
				30	0-40
				31	0–15
				34	0-01
				35	0-01
				22	1-29
				104	0-01
				105	0-01
				106	0-10
				21	1-21
				114	0-01
				115	014
				20	0-05
				19	0-01
				118	0-01
				119	0-06
				120	1-09
				121	0-53
				122	0-18
				113	0-01

[No. O-14016/81/84-GP]

क . आ. 1992. — यतः पैद्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैद्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3750 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आएय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में विनि-र्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनि-र्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछांने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजिरा---बरेली-जगदीमपुर पाइप लाइन प्रोजैक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया 'रकबा
1	2	3	4	5	6
इटावा	औरिया	औरया	.ब्रह्मपुर	6	1-55
				16	0-07
				36	0-12
				39	0-45
				51	0-10
				52	0-31
				53	0-02
				54	0-51

[सं. O-14016/84/84-जी.पी.]

S.O. 1992.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3750 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

	Hajıra Barel	lly Jagdish	pur Pipe L	ine Pro	joct
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Etawah	Awariya	Awariya	Brahmpur	6	1-55
				16	0-07
				36	0-12
				39	0-45
				51	0-10
				52	0-31
				53	002
				54	0-51

[No. O-14016/84/84-GP]

का. आ. 1993:—यतः पैट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं. 3481 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में विनिर्विद्य भूमियों के उपयोग के अधिकार पाइप लाइनों को विद्यान के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिभार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त निधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजम के लिए एतदद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भुमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्ठित होने के बजाए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनूसूची हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप ला**इन प्रौजेक्**ट

	हाजिरा-बरे	रेली-जगदी	शपुर पाइप	लाइन	प्रौ <b>जेक्</b> ट
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का	गाटा	लिया गया
			नाम	नं ०	रकवा
1	2	3	4	5	6
ত্তমৰ	उ <b>भव</b>	हरहा	हरहा	548	0-13-13
				549	0-1-4
				551	0-4-11
				552	0-3-12
				553	0-1-4
				555	2-11-0
				572	1-4-18
				576	0-0-12
				578	0-4-7
				580	0-18-10
				581	1-16-0
				614	0-3-12
				615	1-5-0
				621	0-6-10
				622	0-1-16
				623	0-10-12
				639	1-2-7
				640	0-6-10
				643	0-1-8
				6 <b>44</b>	1-1-5
				645	0-0-5
				646	0-0-10
				650	0-11-15
				655	0-0-5
				658	0-10-5
				659	0-2-10
				661	0→18-0
				662	0-8-0
				667	0-3-10
				672	0-18-6
				673	0-3-15
				675	1-0-8
				6 <b>85</b>	0-19-16
				686	1-2-16
				689	0-2-14
				728	0-3-0
				729	0-16-0
				731	0-1-0
				745	1-5-16
	<u> </u>			746	0-4-1

		2	4 5	6			SCHED	ULE		
1	2	3	4 5		Hajira	Bareilly Ja	ngdishpur	Pipe Line	Project	
			749	0-2-15	Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
			750	0-14-0	1 •		3	4	No. 5	Acquired 6
			1288	0-7-3	Unnao	Unnao	Harha	Harha	548	0-13-13
			1289	0-17-2	Chinto	Cildao	1101110	Hálum	549	0-1-4
			1295	0-10-16					551 552	0-4-11 0-3-12
			1296	0-3-0					553	0-3-12
			1298	0-2-8					555	2-11-0
									<b>572</b> 576	1-4-1 8 0-0-12
			1299	0-12-0					578	0-4-7
			1303	0-7-10					580 581	0-18-10 1-16-0
			1304	0-2-5					614	0-3-12
			1305	0-18-0					615 621	1-5-0 0-6-10
			1308	0-9-12					622	0-1-16
			1357	0-1-10					623 639	0–10–12 1–2–7
			1358	0-3-15					640	0-6-10
			1359	1-0-0					643	0-1-8
			1360	0-12-0					644 645	11-5 0-05
									646	0-0-10
			1361	0-3-10					650 655	0-11-15 0-0-5
			1362	1-3-2					658	0-10-5
			1365	1-0-8					659 661	0-2-10 0-18-0
			1366	0-4-1					662	0-16-0
			624	0-2-8					667 672	0-3-10
			550	1-3-0					672 673	0-18-6 0-3-15
			579	0-1-15					675	10-8
			647	0-0-10					685 686	0-19-16 1-2-16
			<del></del>						689	0-2-14
		सिं.	O-14016/93	/84-जी.पी.					728 729	0–3–0 0–1 <i>6</i> –0
		-	-						731	0-1-0
of India in	the Minis	try of P	etroleum S.O.	Government 3481 dated					745 746	1-5-16 0-4-1
3-11-84 under	r sub-section	on (1) of	Section 3 of tion of Right	the Petroleum					749	0-2-15
Land) Act,	1962 (50	of 1962	) the Centra	Government					750 1288	0-14-0 0-7-3
lands specific	d in the	schedule ap	opended to th	f user in the at notification					1289	0-7-3
for purpose		- •							1295	0-10-16
			Authority ha	mitted report					1296 1298	0-3-0 0-2-8
to the Gove	rnment;								1299	0-12-0
			ral Governme	ent has, after the right of					1303 1304	0-7-10 0-2-5
user in the l				ended to this					1305	0-18-0
notification;									1308 1357	0-9-12 0-1-10
			f the power of the said Ac						1358 1359	0-3-15 1-0-0
Government	hereby de	clares tha		user in the					1360 1361	0-12-0 0-3-10
cation hereby	y acquired	for layin	ig the pipelin	e;					1362	1-3-2
And forth	e in ava	den of -e-	·	hv					1365 1366	1-0-8 0-4-1
(4) of that s	section, the	Central (	Government d	by sub-section rects that the					624 550	0-2-8 1-3-0
Central Gove	rnment ve	ests on this	date of the	of vesting in publication of					579 <b>64</b> 7	0-1-1 <i>5</i> 0-0-10
this declarati	on in the	Gas Auth	ority of India	Limited free	<del></del>	<del> </del>		[No	o. O-1401	6/93/84-GP]
	-							-		

का. आ. 1994..यतः पैट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन की भूमि में उपयोग के अधिभार का अर्जन (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्चना का. आ. सं. 4106 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिस्चना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

ओर अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में थिनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्म अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्एद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

एच. बीं. जे॰ गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम कालाखुट तहसील झाबुआ जिला-साबुआ राज्य (मध्य प्रदेश)

		अन्सूची	
अनु० ऋ .	खासरा नं. 1	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)	
1	2	3	
1.	5 5	0-129	
2.	57	0-841	
3.	221	0-065	
4.	222	0-129	
5.	223	0-089	
6.	224	0-275	
7.	234	0-890	
8.	235	0-987	
9.	235	0-202	
10.	316	0-210	

1	2	3	
11.	317/3	0-462	 
	319	0-849	
13.	320	0-040	
14.	300	0-040	
-	योग कुल क्षेत्रफल:	5-208	 <del></del>

[सं. O-14016/203/84-जी.पी.]

S.O. 1994.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4166 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT
Village: Ralakhoot Tchril: Zabua Distt.: Zabua
SCHEDIJI F

St. Survey No.	Area to be
No.	Acquired for
	R.O.U. in
	Hectare
1. 55	0.129
2. 27 3. 221 4. 222 5. 223	0.841
3. 221	0.065
4. 222	0 129
	0.089
6. 224	0.275
7. 234	0.890
8. 235	0.987
9. 236	0 202
10. 316	0.210
11. 317/1	0.462
12. 319	0.849
13. 320	0.040
14. 300	0.040
Total Area	5.208

[No. O-14016/203/84-G.P.]

का आ. 1995 . यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 3719 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना में संलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनि-दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रबक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती हैं कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए भारतीय गैस प्राधिकरण नि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्राजेक्ट ग्राम रूपारेल तहसील प्रैटलावद जिला—झाबुआ राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु ऋ.	खसरा नं.	अनूसूची उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	2	0-235
	7	0-223
2.	3	0-235
3.	1	0-117
4.	4	0-008
5.	8	0-016
	योग कुल क्षेत्रफल :	0-834

[सं. O-14016/208/84-जी.पी.]

S.O. 1995.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3719 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification; Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind a Limited free from encumbrances.

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Ruparel Tchsil: Petlawad Distt.: Zabua SCHEDULE

SI. Surve, No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1. 2	0.235
2. 7	0.223
3	0.235
3. 1	0 117
4. 4	0 008
5. 8	0 016
Total Arca	0 834

[No. O-14016/208/84-GP]

का. आ. 1996:— यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पैट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 3899 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुभूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में मंलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चन किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

# अनुसूची

हाजिरा	बरेलीउ	गदीशपुर-	-–गैस पा	इप लाइन	न प्रोजैक्ट
जिला	तहसील	परगना			- कबा विवरण
1 ,	2	3	4	5	6 7
 उन्तांव	 उन्दर्भि	हड्हा	भौसई		-
		• •	कोयल	885	0-5-0
				886	0-3-6
				887	0-3-6
				888	1-9-0
				890	0-0-5
				891	0-11-8
				895	0-0-5
				905	0-19-4
				926	0-0-16
				927	0-3-10
				928	0 <del>-</del> 6 <del>-</del> 9.
				932	0-10-0
				929	0-8-7
				1071	0-13-16
				1072	0-0-12
				1073	0-12-12
				1074	0-1-15
				1075	0-3-0
				1076	0-5-0
				1978	0-0-16
				1079	0-8-8
				1085	0-6-0
				1086	0-3-10
				1159	1-0-0
				1176	0-10-10
				1177	0-5-2
				1178	0-3-0
				1179	0-2-0
				1181	0-10-10
				1183	0-0-10
				1184	0-0-15
				1185	0-7-4
				1193	0-0-16
				930	0-3-0
				1087	0-15-0
				1088	0-0-10

[सं. O-14016/237/84-जी.पी.]

S.O. 1996.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3899 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user 127 GI|85--6

in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hazira-Barcilly-Sagdishpur Gas pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village No	No.	Acquired Area
1	2	3	4		6
TUnnao	Unnao	Harha	Bhaisal Kocl	885 886 887 888 8890 891 895 905 926 927 928 932 929 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1177 1178 1177 1178 1179 1181 1183 1184 1185 1193	0-5-0 0-3-6 0-3-6 1-9-0 0-0-5 0-11-8 0-0-5 0-11-8 0-0-16 0-3-10 0-6-0 0-10-0 0-8-7 0-13-16 0-0-12 0-12-12 0-1-15 0-3-0 0-0-16 0-8-8 0-6-0 0-10-10 0-5-2 0-3-10 1-0-0 0-10-10 0-5-2 0-10-10 0-5-2 0-10-10 0-0-15 0-7-4 0-0-16
				930 1087	0-3-0 0-15-0
				1088	0010

[No O—14016/237/84—GP] का आ. 1997—यतः पेट्रोलियम और , खिनज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का आ. सं. 3905 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार उस अधिमूचना से संलग्न अनूसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनूसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एदत्दक्षारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनूसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्बारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने का समय होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच, बी, जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अनूसूची					
अनु ऋ	म 1 खसरानं.	उपयोग क्षेत्र	अधिकार (हैक्टर्स	अर्जन का में)	
1	2		3		
Ι.	146			0.010	
2.	150/1			0.486	
3.	150/3			0.121	
4.	154			0.162	
5.	150/2			0.283	
6.	151			0.040	
7.	149			0.040	
8.	127			0.056	
9.	147			0.324	
10.	145/2			0.081	
11.	1 4 5/1			0.040	
12.	145/4			0,262	
13.	145/3			0.324	
14.	145/162			0.040	
15.	155			0.008	
16.	157			0.024	

[सं. O-14016/243/84-जीपी]

S.O. 1997.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3905 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government leclared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Ind'a Limited free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Bhamarda	Tchsil : Zabua	Distt : Zabua
	SCHEDULE	
S. Survey No. No.		Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1. 146		0.010
2, 150/1		0.486
3. 150/3		0.121
4. 154		0.162
5. 150/2		0.283
6. 151		0.040
7. 149		0.040
8. 127		0.056
9, 147		0.324
10. 145/2		0.081
11. 145/1		0.040
12. 145/4		0,262
13. 145/3		0,324
14. 145/162		0,040
15. 155		0,008
16. 157		0,024
Total Area		2,301
	[No. O—1	4016/243/84—GP]

का.आ. 1998.—या: पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्थाना का. आ. सं. 3916 तारीख 24-11-84 द्वार केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंत्रान अनूसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिस्चना से संलग्न अनूसूची मे विनिद्धिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त आधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधि-कार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदाल गिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट ग्राम.सजेनिया तहसील पेटलाबद जिला:झाबुआ राज्य (मध्यप्रदेश)

#### अम्भूची अधिकार अर्जन का उपयोग खसरा नं. अन्ऋप (हैक्टर्भ में) 3 2 0.005 95 1. 0.097 94/1 2. 0.093125 3. 0.032 85 4. 0.413 93 5. 0.065 127 6. 0.020 7. 86 0.008 8. 87 0.09J9. 96 0.291 71 10. 0.218 72 11. 0.024 73 12. 0.004 74 13-0.319 75 14. 0.142 140 15. 0.020 77/1 16. 0.008 78/1 17. 0.032 77/2 18-0.024 78/2 19. 0.024 77/3 20. 0.065 78/3 21. 0.004 94/2 22. 0.016 70 23.

24-

126

0.214

1	2	3
25.	128	0,412
26.	134	0,016
27.	144	0.032
28.	147	0,004
29.	40/6	0,137
30.	151	0.097
31.	152	0,263
32	153	0.010
य	ाग कुल क्षेत्रफलः—	3.202

[सं. औ/14016/254/84-जी पी]

S.O. 1998.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3916 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Sajeliya	Tehsil : Petlawad SCHEDULE	Distt : Zabua
S. Survey No. No.		Area to be acquired for R.O U. in Hecture
1. 95		0.005
2. 94/1		0.097
3. 125		0.093
4, 85		0.032
5. 93		0.413 0 065
6. 127		0.020
7. 86		0.020
8, 87		0.093
9, 96		0.291
10. 71 11. 72		0.218
12, 73		0.024
13, 74		0.004
14, 75		0.319
15, 140		0.142
16, 77/1		0.020
17. 78/1		0.008
18. 77/2		0.032
1 · · · / -		36

1 2	3
19. 78/2	0.024
n ·/	0.024
21. 78/3	0,065
22. 9/42	.004
23. 70	0.016
24. 126	0,214
25. 128	0,412
26. 134	0.016
27. 144	0.032
28. 147	0.004
	0.137
30. 151	0.097
31, 152	0.263
32. 153	0.010
Total Area	3.202

[No. O-14016/254/84-GP]

का. मा. 1999. — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइक (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का घर्जन) घिंधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घिंधीन भारत सरकार पेट्रोलियम मंद्रालय प्रधिसूचना का. आ. सं. 3919 तारीं 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार को पाइपलाईनों को विछाने के लिए श्राजित करने का श्रपना घाश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिधिनियमं की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रिधीन सरकार को रिपोर्टा दे दी है।

और भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर क्षिकार करने के पश्चात इस भ्राधिस्चना से संलग्न भ्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का भ्रधिकार श्राजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधादा (1) द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है की इस श्रधिसूचना में संग्लन अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के रैंकिए एतद्वारा श्राजित किया जाता है 1

और म्रागे उस धारा क़ी उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मित्तियों का प्रयोग करने हुए केनीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधाओं में मनत रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख ां मा।

			भ्रनूसुची		
श्रनु	<b>零</b> ,	क्सरा नं.	उपयोग (ह <u>ै</u> क्ट		क्षेत्र
1	2		-	3	_
1.	59			0.032	
2.	61			0.640	
3.	5 5			0.291	
4.	53			0.500	
<b>5</b> .	56			0.065	
6.	54			0.005	
7.	57			0.025	

[सं० ओ-4016/ 257/84-जी पी]

S.O. 1999.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3919 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notificat on for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Gabba Pada Tehsil: Petlawad Distt,: Zabua

SCHEDULE		
S . Survey No. No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectrae	
1 2	3	
1, 59	0.032	
2. 61	0.640	
3, 55	0.291	
4. 53	0.500	
5. 56	0.065	
6. 54	0 005	
7. 57	0.025	
Total Area	1,558	

[No. O-14016/257/84-GP]

का०आं० 2000: — यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उत्थोग के श्रिधिकार का अर्जन) ग्रिधिनियम, 1962(1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिभूचना का. श्रा. स. 3938 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधिसूचना से संग्लय श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्रिजित करने का श्रीपना श्राणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पण्चात् इस ग्रधिमूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिन्टिट भूमियों मे उपयोग का श्रधिकार श्रजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) बारा प्रदेन मिका के प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ए दि बारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भुमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा श्रीजित किया जाता है ।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त प्रक्तियों का प्रयोगकते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिए में सभी बाधाओं से मूक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी. जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम लालपूरा तहनील येलबाद जिला झात्रुमा राज्य (मध्य-प्रदेश)

भ्रनुकः.	खसरा न.	उपयोग ग्रधिकार ग्रर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	40	0.117
2.	67	0.344
3.	68	0.170
4,	6 9.	0.170
5 -	70	0.231
6,	71	0.121
7.	77	0.032
8.	94	0.817
9.	96	0.093
10.	98	0.397
11.	161	0.024
12.	162	0.085

1	2	3	
13.	163	0.142	
14.	164	0.486	
15.	169	0.174	
16.	170	0.024	
17.	171	0.809	
18.	172	0.024	
19.	149/1	0.174	
20.	176	0.158	
21.	97	0.008	
 य 	 ाग कुल क्षेत्रफल :	4.600	

[स. ऑ-14016/266/84- जीपी]

S.O. 2000.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3928 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

'And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

## HBJ GAS PIPE LINF PROJECT

Village : Lalpura Tchsii : Petlawad Distt. : Zabua

### **SCHEDULE**

S. Survey No. No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hecture
1. 40	0.117
2. 67	0.344
3. 68	0.170
4. 69	0.170
5. 70	0.231
6, 71	0.121
7 77	0 032
8. 94	0.817
9. 96	0 093
10. 98	0 397
11, 161	0.024
12, 162	0.085
13. 163	0.142
14. 164	0.48

1 2	3
15. 169	0.174
16. 170	0.024
17. 171	0.809
18. 172	0.024
19. 149/1	0.174
20. 176	0.158
21. 97	0,008
Total Area	4 5))

]N >.--O. 14012/286'8 i---G.P.]

का. भा. — 2001 : यतः पेट्रोलियन और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधिशार का धर्जन) श्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्नालय की श्रिधितूचना का. भा. स. 3930 तारीख 24.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम श्रिधितूचना से संलग्न धन्मुची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार को पाइप लाइनों के बिछाने के लिए श्रिजत करने का श्रिपना श्राष्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम की धारा 6 के उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात इस अधिसूचना से संग्लन अनूसुकी में विनिध्दिष्ट भूमियों म उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिध्दय किया है।

श्रव श्रतः उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-हारा घोषित करती है की इस श्रधिसुचना में संलग्न श्रनुसुची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा श्रजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैंस प्राधिकरण जि० में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन का इस तारीख की निहित होगा।

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम झावलिया तहसील पेटलबाद जिला— झाब्धा राज्य (मध्य प्रदेश)

धनूस्चीं		
धनुक	. खसरानं.	उपयोग ग्रधिकार ग्रर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	391	0.364
2.	396	0.283
3.	390	0.121
4.	395	0.194
<b>5</b> .	414	0.032

1	2	3
6.	401/1	1.720
_7.	392	0.016
	योग कुल क्षेत्रफल	2.730
-		[

[स. आ 14016/268/84-जीपी]

S.O. 2001.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3930 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section 4() of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Itd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Tehnil: Petlawad Village : Zavalia Distt. : Zabu **SCHEDULE** Survey No. Area to be No. acquired for R.O.U. in Hecture 1 2 3 1. 0.364 391 396 0.283 2. 0.121 3. 290 0,194 395 0.032414 401/1 1.720 6. 0.016 392 2.730 Total Area [No. O-14016/268/84-GP]

का. या. 2003: — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रजेन) ग्रिधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की ग्रधिसुचना का 3935 तारीख 24.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिधिसुचना में संलग्न ग्रनसची में विनिर्दिष्ट भुमियों के उपयोग के ग्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए ग्रजित करने का अपना ग्रामय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्ष्म प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे थी है।

और भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विभार करने के पश्चात इस भ्रधिसूचना से संग्लन भ्रनुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार भ्रजित करने का विनि-ण्चय किया है।

श्रव अतः उक्त श्रधिनियम कं धारा 6की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना मे संग्लन श्रनुभूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्रजित किया जातः है।

और श्रागे उस धारा की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

एच. बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम बोड़ायता तहसील प्रेटलावद जिला-झाबूझा राज्य (मध्य-प्रदेश)

ਜਤਸ ਤੋਂ
<b>ग्र</b> नुसूर्च

		a4.84	7 31	
भनुत्र	ं खसरा	न ०	उपयोग ग्रधिकार श्रर्जन क्षेत्र (हैंक्टर्स में)	क∏ का
1	2		3	
1.	6		0.340	
2.	4		0.004	
3.	8		0.194	
4.	14		0.036	
5.	15		0.182	
6.	16		0.178	
7.	50		0.223	
8.	5 1		0.142	
	योग कुल	क्षेत्रफल :	1,299	

[मं. औ-14016/278/84-जीपी]

S.O. 2002.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3935 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 5 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village	e : Bodayata	Tehsil : Petlawad	Distt. : Zabua
		SCHEDULE	
S. No.	Survey No.		Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	6		0.340
2.	4		0.004
3.	8		0.194
4.	14		0.036
5.	15		0.182
6.	16		0.178
7.	50		0.223
8,	51	_	0.142
7	Total Area		1.299

[No. O-14016/278/84-GP]

का. भा. 2003:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का श्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3944 तार ख 24.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिल करने का श्राना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधित्यम की धारा 6 की उपधारा (1) के धधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और भ्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस म्राधिसूचना से संलग्न म्रानुसूची में विनि-विष्ट भूमियों में उपयोगका म्राधिकार म्राजित करने का विनि-श्चय किया है।

ग्रब भ्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत गक्ति का भ्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदश्चारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना में संलग्न ग्रनुसूची

मे विनिधिष्ट उक्त भूमियां मे उपयोग का श्रृधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदद्वारा श्राजित किया जाता है।

और ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन को इस तारीख को निहि। होगा।

्रांच, बी.जं. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्रामः बेगनवरडीः तहसीलः पेटलावदः जिला झाबुग्राः राज्य (ফ১ন प्रदेशः)

स्रन् खसरा नं . उपयोग स्रिधकार स्रर्जेट कि. श्रीत (हैनटर्स में)  1 2 3  1. 518/1 0.008  2. 520 0.218  3. 521/1 0.073  4. 521/2 0.073  5. 522/1 0.049  6. 523/1 0.008  7. 522/2 0.129  8. 527 0.235  9. 528 0.057  10. 529 0.097  11. 530 0.081  12. 531 0.097  13. 504/1 0.381  14. 561 0.235  15. 560 0.009  16. 562 0.041  17. 564 0.089  18. 568 0.032  19. 572/2 0.057  20. 567 0.226
1. $518/1$ 0.008         2. $520$ 0.218         3. $521/1$ 0.073         4. $521/2$ 0.073         5. $522/1$ 0.049         6. $523/1$ 0.008         7. $522/2$ 0.129         8. $527$ 0.235         9. $528$ 0.057         10. $529$ 0.097         11. $530$ 0.081         12. $531$ 0.097         13. $504/1$ 0.381         14. $561$ 0.235         15. $560$ 0.009         16. $562$ 0.041         17. $564$ 0.089         18. $568$ 0.032         19. $572/2$ 0.057
2. $520$ 0. 218         3. $521/1$ 0. 073         4. $521/2$ 0. 073         5. $522/1$ 0. 049         6. $523/1$ 0. 008         7. $522/2$ 0. 129         8. $527$ 0. 235         9. $528$ 0. 057         10. $529$ 0. 097         11. $530$ 0. 081         12. $531$ 0. 097         13. $504/1$ 0. 381         14. $561$ 0. 235         15. $560$ 0. 009         16. $562$ 0. 041         17. $564$ 0. 089         18. $568$ 0. 032         19. $572/2$ 0. 057
3. $521/1$ $0.073$ 4. $521/2$ $0.073$ 5. $522/1$ $0.049$ 6. $523/1$ $0.008$ 7. $522/2$ $0.129$ 8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
4. $521/2$ $0.073$ 5. $522/1$ $0.049$ 6. $523/1$ $0.008$ 7. $522/2$ $0.129$ 8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
5. $522/1$ $0.049$ 6. $523/1$ $0.008$ 7. $522/2$ $0.129$ 8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
6. $523/1$ $0.008$ 7. $522/2$ $0.129$ 8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
7. $522/2$ $0.129$ 8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
8. $527$ $0.235$ 9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
9. $528$ $0.057$ 10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
10. $529$ $0.097$ 11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
11. $530$ $0.081$ 12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
12. $531$ $0.097$ 13. $504/1$ $0.381$ 14. $561$ $0.235$ 15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
13. $504/1$ 0.38114. $561$ 0.23515. $560$ 0.00916. $562$ 0.04117. $564$ 0.08918. $568$ 0.03219. $572/2$ 0.057
14. $561$ $0.235$ $15.$ $560$ $0.009$ $16.$ $562$ $0.041$ $17.$ $564$ $0.089$ $18.$ $568$ $0.032$ $19.$ $572/2$ $0.057$
15. $560$ $0.009$ 16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
16. $562$ $0.041$ 17. $564$ $0.089$ 18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
17. $564$ $0.089$ $18.$ $568$ $0.032$ $19.$ $572/2$ $0.057$
18. $568$ $0.032$ 19. $572/2$ $0.057$
19. 572/2 0.057
·
20. 567 0.226
21. 569 0.202
22. 570 0.004
23. 571 0.145
24. 573 0.291
25. 574/1 0.178
कुल क्षेत्रफल 3.015

[सं अो--- 140 16/287/84-ज पें]

S.O. 2003.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3944 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act,

1962 \ 0 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT
Village: Began Baradi, Tohsil: Petlawad Distt.: Zabua
SCHEDULE

S.	Survey No.		Area to be
No.			Acquired for
			R.O.U. in
			Hectare
1.	518/1		0.008
2.	520		0.218
3.	521/1		0.073
4.	521/2		0 073
5.	522/1		0.049
6.	523/1		0 008
7.	522/2		0 129
8.	527		0 235
9.	528		0.057
10	529		0.097
11.	530		0.081
12	531		0 097
13.	504/1		0.381
14.	561		0.235
15.	560		0 009
16.	562		0.041
17.	564		0.089
18.	568		0 032
19,	572/2		0.057
20.	567		0.226
21.	569		0.202
22.	570		0.004
23.	571		0.145
24.	573		0.291
25.	574/1		0.178
		Total Area	3.015

[No. O-14016/287/84-GP]

का. पा 2004 — यत. पेट्रोलियम और खतिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजन) प्रधितियम 1962, (1962 का 50 का) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचताका अहि में० 4051 तारीख़ 1/12/84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संस्पन प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाइनो को बिछाने के लिए प्रजित करने का प्रपत्ता प्राणय घोषित कर दिया था।

	I - <b>- য</b> াষ	3(fi)]				(। रतकारामाप	<b>न</b> ः मर्द 11, 198	5/4 MIN 21	., 1907			24(
				उन्त ग्रधिनिय ो रिपोट देवी	पम की घारा	६ की उप-	1 :	2 3	4	5	6	7
ai (i	(1) •	भधान स	रकार क	। रिपाट ददा	1 6 1					1311787	0-1-0	
					ोर्ड पर विक					1427	0-8-0	
					में विनिर्दिष्ट ।	पूमियों में				1502	0-6-0	
पयोग	का मधि	कार मर्जि	त कर	का विनिश्च	य किया है।					1503	0-3-0	
			_	•	^ /					1536/1	1-15-0	
					गि उपघारा (					1536/3	0-13-0	
					(तद्द्वारा घोषित					1540	0-0-10	
	-,			44.50	नेदिष्ट उक्त प्	•				1541	0-4-0	
				विष्ठान के प्रय	ोजन के लिए	एतद्बारा				1542	0-1-0	
गजत	किया ज	ाता ह	t							1544	1-0-0	
म्रो	र मागे उ	स धारा	की उप	घारा (∡) ह	।।रा प्रदत्त गरि	क्तयों का				1545	0-5-0	
					कि उक्त क					1548	0-4-0	
	_				होने की बजाय	rs .				1549	0-1-10	
					प में घोषणा के					1556	0-9-0	
	तारीख									1560	0-1-10	
										1564年	0-2-0	
				नुसूची						1564 <b>e</b>	0-2-0	
	हाजि	रा बरेल	ो-जगदीय	पुर पाइपलाइ	त प्रोजेक्ट					1565	0-10-0	
~ <del>-</del>						0				1566	040	
ला	तहसाल	परगमा	ग्राम	गाटा सं ,	सिया गया	विवरण				1567	0-5-0 1-16-0	
					रकवा					15 <b>70 घ</b>	0-5-0	
	5	3	4	5	6	7				1570म 1570 <b>#</b>	0-17-0	
- 			<u> </u>		· <del></del>					1571/1	0-10-0	
नाष	पुरवा	पुरवा	वनि-							1571/1	0-1-0	
	+		गांव	1266	0-13-0					1571/3	0-2-0	
				1270	0-2-0					1571/4	0-9-0	
				1271	0-14-0					1571/5	0-9-0	
				1272	0-1-10					1571/6	0-4-0	
				1275	0~4~0					1295	0-6-10	
				1275	0-1-10					1551	0-1-0	
				1275	01-10		<u></u>					
				1276	0-0-10					[सं, घी-140	16/289/84-	y d
				1277	0-10-10							
				1279	0-1-0		S.O. 200	4,Where	eas by	notification of	f the Gove	ernm
				1283	1-1-0		of India	in the M	inistry	of Petroleum	, S.O. 4051	da trole
				1284	0-4-0		and Mriner	rals Pipeli	ines (A	l) of Section cquisition of	Right of U	User
				1285	0-2-0		Land) Act,	. 196 <b>2</b> (:	50 of 1	962), the $C$	entral Gove	ernm
				1287	0-8-0					equire the ri ule appended		
				1288	0-4-0		for purpose					
				1289	0~1~0		A 1	annos the	Comm	tant Authori	ty han unde	0
				1290	1-16-0		section (1	of Secti	ion 6 o	etent Authori f the said A	ct, submitted	i tei
				1300 n	0-2-0		to the Go				-	
				1302年	2-14-10		A-d for	-+hh	-aon the	Central Co.	varment La	
				1304	1-4-0		considering	the said	report,	Central Gor decided to a	equire the	right
				1305年	1-0-0		user in the	lands sp	ecified i	in the Schedu	le appended	to
				1 305 ग्	0−6→ 0		notification	· ;				
				1305 🕏	0-18-0		Now. th	erefore.	n exerc	ise of the p	owers confe	rred
				1306	0- 1-0		sub-section	(1) of th	ie Sectio	n 6 of the si	aid Act, the	Cen
				1307घ	0→15-0		Governmen said lands	nt hereby	declare in the	s that the ri Schedule app	ignt of user ended to th	in Nis p
				1308ष	0-5-0		fication he	reby acqu	ured for	laying the r	olpeline ;	-13 11
				1308 ग	1-0-0			_				
				1309年	0-3-0					f power confi Central Gove		
							(A) OL III	iai veciiOI				
				130947	0-4-0			of user ir	n the sa	id lands shall	l instead of	ves
				1309¶ 1310	0- 4-0 0- 5- 0		the right of the in Central	Governm	ent vest	id lands shall s on this date Gas Authority	e of the pul	blicat

Arca

Distt.

Tehsil

SCHEDULE							
Hajira-Bareilly-Jagdishpur	Plpe	line	Project				

Village

Plot

Pargana

				No.	Acquired
1	2	3	4	5	6
Unnao	Purva	Purva	Vanigaon	1266	0-13-0
				1270	0-2-0
				1271 1272	0-14-0 0-1-10
				1275	0-4-0
				1275	0-1-10
				1275	0-1-10
				1276	0-0-10
				1277 1279	0-10-10 0-1-0
				1283	1-1-0
				1284	0-4-0
				1285 1287	0-2-0 0-8-0
				1288	0-4-0
				1289	0-1-0
				1290	1-16-0
				1300 Ka	0-2-0
				1302 Ka	2-14-10
				1304 1305 Ka	1-4-0 1-0-0
				1305 Ga	0-6-0
				1305 Na	0-18-0
				1306	0-1-0
				1307 Gha 1308 Gha	
				1308 Ga	1-0-0
				1309 Ka	0-3-0
				1309 Kha	
				1310	0-5-0
				1311 Ka	0-1-0
				1311 Kha 1427	0-1-0 0-8-0
				1502	0-6-0
				1503	0-3-0
				1536/1	1-15-0
				1536/3	0130
				1540 1541	0-0-10 0-4-0
				1542	0-1-0
				1544	1-0-0
				1545	0-5-0
				1548	0-4-0
				1549	0-1-10
				1556 1560	0-9-0 0-1-10
				1564 Ka	0-2-0
				1564 Kha	ι 0–2–0
				1565	0100
				1566 1567	0-4-0
				1570 Gha	0-5-0 1-16-0
				1570 Ga	0-5-0
				1570 Jha	0-17-0
				1571/1	0-10-0
				1571/2 1571/3	0-1-0 0-2-0
				1571/4	0-2-0
				1571/5	ŏ-9-ŏ
				1571/6	0-4-0
				1295	0-6-10
			. <b></b>	1551	0-1-0
			[No. 0	D-14016/28	39/84-GP]

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भिन्नी सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

भौर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पत्रचात् इस प्रधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उप-योग का प्रधिकार धर्षित करने का वितिष्टय किया है।

मन, प्रतः उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में सलग्न धनुसूची में जिनिविष्ट उक्त भूमियो में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्वारा प्रजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उकत भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिस होने की बजाय भारतीय गीस प्राधिकरण लि, में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

मनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राभ का नाम	लिया गया रकवा	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
ভয়াৰ	पुरवा		भदनांग	978	0-0-5	
	-			977	0-3-6	
				$958^{I}4$	1-12-5	
				964	0-3-6	
				967	0-5-11	
				956/3	0-18-18	
				968	0-7-19	
				969	0-2-16	
				914 एम	0-5-5	
				912	0-1-0	
				913/2	0-1-13	
				911/1	0-5-8	
				924	0- 1-12	
				927	0- 1- 0	
				929	0-1-10	
				910	0-7-0	
				909	0- 3- 0	
				903	0~4~16	
				930	0-4-0	
				915/1	0-9-12	
				885	0- 0- 12	
				702/213	1-3-10	

1	2	3	4	5	6	1		2	3	4	5	5	<del></del>
			<u> </u>	703	0-13-19						854	1- 18-	10
				716	0-7-4						742	0- 0- 1	9
				722	0- 1- 0						454	0-4-0	
				717	0- 1- 19						440	0-2-1	6
				715	0- 4- 16						1286	0- 1- 0	
				736	0- 4- 10						1271	0- 2- 1	0
				735 एम	0-8-0			- <b></b>					
				734	0-11-10						[स॰ घा-1	4016/291	/84-जा पा]
				731	0- 6- 0	S.	0. 2	2005.—	-Whe	reas by n	otification	of the C	overnment:
				727	0- <b>0- 6</b>	of	India	in 1	he N	Amistry of	Petroleum of Section	a, S.O. 4	1053 dated
				740	1-6-9						uisition of		
				741	0-2-10	Lan	d, A	lct, 1	962	(50 of 19	62), the (	Central C	overnment
				743	0-2-19								ser in the notification
				453	0-8-0					ng pipeline		•	
				448	0-10-10						nt Author		
				449	0~ 18- 19			(1) of Povern			the said A	ct, submi	tted report
				445	0 2 0				_		0		16
				446	0- 4- 0						Central Go lecided to		
				<b>4</b> 0	0-0-5	user	in	the la			the Schedi		
				444	0-12-0	noti	ncati	on;					
				443	0→5-1 б								nferred by the Central
				441	O· 1- 6	Gov	ernn	nent h	ereby	declares	that the r	ight of u	ser in the
				439	0- 1- 15	said ficat	lan	ds spe	cified	in the So	chedule appaying the	pended to	this noti-
				438	0-2-10				_				
				442	0 3 8								sub-section lirects that
				429	0 8 0	the	righ	t of u	івег і	n the said	lands shal	I instead	of vesting
				428	0-6-5						on this dat s Authority		
				427	0- 1- 19			cumbra			o riumorni,	or mun	· Liu. IIu
				426	0-6-10								
				425	0-2-10					SCHE	DULE		
				1130/2	0-12-10			Hajira	– Bar	ielly—Jagdi	shpur Pipe	Line Pro	ject
				1131	0-19-16	D.						<del></del>	
				1132	0-11-19	Dis	itt.	Teh	(311	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
				1133	0-0-7		1		2	3	4		6
				1136	0-17-6	<del></del>							
				1182	0~3~10	Un	пао	Pu	'ua	Purva	Bhadnag	978 977	00-5 036
				1237/4	1~ 8- 0							958	1-12-5
				1244	2-6-0							964	0-3-6
				1246	0-1-0							967	0-5-11
				1268	0- 0- 10							956 968	0-18-18
				1269	0-1-7							968 969	0-7-19 0-2-16
				1270	0-2-10							914 M	0-5-5
				1274	0-16-0							912	0-1-0
				1275	0-0-16							913	0-1-13
				1277	0-12-10							911	0-5-8
				1284	0-18-0							924 927	0-1-12 0-1-0
				1285	0- 2- 0							929	0-1-10
				1287/1	0-12-0							910	0-7-0
				1287/2	0- 5- 0							909	0-3-0
				958/2	0-11-6							903 930	0-4-16 0-4-0
				958/3	0-3-0							915	0-9-12
				908	0-1-15							885	0-0-12
				907	0- 1- 9							702	1310
				886	0-0-10							703	0-13-19
				887	0- 0- 4							716	0-7-4

	2	3	4 5	6						54 तारी <b>ख</b> 1,	
			722	0-1-0						भनुसूची में वि	
			717	0-1-19						को बिछाने	के सि
			715	0-4-16	भजित व	करने का	भपना मा	शाय घोषि	त कर दिया	था।	
			736	0-4-10	Eñ:	र यतः स	अस पाचि	कारी ने	उक्त ग्राधित	यम की धारा	6 <del>s</del>
			735M	0-8-0 0-11-10					रिपोर्ट दे दी		0 1
			734 731	0-41-10 0-6-0						_	
			731 727	0-0-6						पर विचार व	
			740	1-6-9						विष्ट भूमियों	में उप
			741	0-2-10	योग का	मधिकार	ম্বির গ	करने का	विनिश्सय वि	ज्याहै।	
			734	0-2-19	THE STATE	गकः ज्य	र ग्राधिनिय	मा स्ट्री स्तारा	टर्माल	<b>धारा</b> (1)	बाटा ≢
			453	0-8-0						वारा (1 <i>)</i> तबुद्धारा घोषित	
			448	0-10-10							
			449 445	0-18-19 0-2-0						उक्त भूमियो में 	
			446	0-4-0				१७।न क	प्रयाजन क	लिए एतद्क्षारा	u
			450	0-0-5	ाक्या	जाता है	ı				
			444	0-12-0	म्रीर	मागे उस	धारा प	र्का उपधार	ा (4) द्वार	ा प्रवत्तः शक्ति	तयो व
			443	0-5-16						कि उक्त प	
			441	0-1-6						होने के बजाय	
			439	0-1-15						धार के ज्ञान पूमे चोषणाके	
			438	0-2-10		तारी <b>च</b> ्य			. 4 Jan 6	ં ં વાલાયા લ	न चुमारी
			442 429	0-3-8 0-8-0	-wi <b>4</b> 7	(II ( ) MI '	£	, <b>G</b> IIII I			
			428	065				ग्रस	<b>सू</b> ची		
			427	0-1-19				''	. n		
			<b>42</b> 6	0-6-10		ज्यारिक	रा-सरेम्बे ≓	जराजं भाग र	पाइप ला	ात प्रोजेस <del>-</del>	
			425	0-2-16		———— Ellos	VI-M V(1, -V	न नवासामु र	7194 VIII		
			1130/2	0-12-10	जिला	तहर्स≀स	परगना	ग्राम	गाटा सं०	लिया गया	विवर
			1131 1132	0-19-16 0-11-19						रकवा	
			1133	0-0-7	1	2	3	4	5	6	7
			1136	0-17-6					<del></del>		
			1182	0-3-10	उन्नाव	पुरवा	मोरावां	मोरावा	8 एम	0-10-0	
			1237/4	1-8-0					8एम	0-1-0	
			1244	2-6-0					33/2	0~1~0	
			1246	0-1-0					34	1- 7- 0	
				ቤ.ለ_1ለ							3
			1268	0-0-10 0-1-7					59	0-13-10	
			1268 1269	0-1-7					59 62	0-13-10 0-1-10	
			1268						62	0- 1- 10	
			1268 1269 1270 1274 1275	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16					62 63	0- 1- 10 0- 10- 4	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10					62 63 70	0 1 1 0 0 1 0 4 0 8 8	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0					62 63 70 71	0- 1- 10 0- 10- 4 0- 8- 8 1- 3- 8	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0					62 63 70 71 75	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0					62 63 70 71 75 76	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0					62 63 70 71 75 76	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0					62 63 70 71 75 76 77 80	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15					62 63 70 71 75 76 77 80 84	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908 907 886	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908 907 886 887	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908 907 886 887 854	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908 907 886 887	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 958 908 907 886 887 854	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454 440 1286	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16 0-1-0					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10	
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260 262	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10 0-14-6	)
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454 440 1286 2171	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16 0-1-0					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260 262 263	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10 0-14-6 0-0-16	)
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454 440 1286 2171	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16 0-1-0 0-2-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260 262 263 264	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10 0-14-6 0-0-16	)
*sī.	<b>VII</b> , 2006	s : यतः चेटो	1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454 440 1286 2171	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16 0-1-0 0-2-10 6/291/84-GP]					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260 262 263 264 2631	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10 0-14-6 0-0-16 0-10-10 1-4-0	)
			1268 1269 1270 1274 1275 1277 1284 1285 1287 1287 958 908 907 886 887 854 742 454 440 1286 2171	0-1-7 0-2-10 0-16-0 0-0-16 0-12-10 0-18-0 0-2-0 0-12-0 0-5-0 0-11-6 0-3-0 0-1-15 0-1-9 0-0-10 0-0-4 1-18-10 0-0-19 0-4-0 0-2-16 0-1-0 0-2-10					62 63 70 71 75 76 77 80 84 85 86 208 209 260 262 263 264 2631 2632	0-1-10 0-10-4 0-8-8 1-3-8 0-8-10 0-13-10 0-1-5 0-12-0 0-15-0 0-5-0 0-6-10 0-1-0 1-2-0 0-5-10 0-14-6 0-0-16 0-10-10 1-4-0 0-19-14	)

1	2	3	4	5	6	7	 1	2	3	4	5	6
	_			2644/2	<b>0- 2-</b> 0						80	0-12-0
				2646	0-0-6						84	0-15-0
				2647	0-14-8						85	0-5-0
				2648	0-2-2						86	0-6-10
											208	0-1-0
				2649	0-10-16						209	1-2-0
				2650	0- 15-0						260 262	0-5-10
				2651	1- 2- 15						263	0-14-6
				2652	0- 3- 0						264	0-0-16
				2653	0-16-5						2631	0-10-10 1-4-0
				2658	0- 2- 4						2632	0-19-14
				2659	0-10-4						2633	0-0-14
											2 6 4 1	1-1-16
				2660	0-0-12						2436	0-19-0
				2661	0-11-0						2 644	0-2-0
				261	0-1-10						3446	0-0-6
				265	0-0-5						2647	0-14-8
				2687	0-0-5						2648	0-2-2
				<del>_</del>							2649	0-10-1
			[-	स. ऋी-14⊍.	। 6/2 ⊬ / 84-जो	ां• पो०]					2650	0-15-0
						-					2651	1-2-15
											2652	0-3-0
					of the Gove						2653	0-16-5
					, S.O. 4054						2658	0-2-4
					3 of the Pet Right of U						2659	0-10-4
nd) A					ntral Gove						2661	0-11-0
clared	its in	tention to	o acqu	are the rig	tht of user	in the					261	0-1-10
					to that noti	tication					265	0-0-5
1 burb	OSC OI	layıng piş	ъетше '	•							2687	0-0-5

[No. O-14016/293/84-GP]

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira: Barielly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Unnao	Purva	Mauravan	Mauravar	3 8M	0-10-0
				8 <b>M</b>	0-1-0
				33	0-1-0
				34	1-7-0
				59	0-13-16
				62	0-1-10
				63	0-10-4
				70	0-8-8
				71	1-3-8
				75	0-8-10
				76	0-13-10
				<b>7</b> 7	0-1-5

का० आ० 2007: — यतः पैट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उप शेग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का अंग० अंग० सं० 4061 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अजित करने का अपना आणय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार ऑजत करने का विनिष्क्य किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतब्द्वारा अजित किया जाता है। और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकवा	
1	2	3	4	5	6
उन्नाव	पूरवा	मौरवा	करदहा	8	0-3-2
				9	0-9-0
				68	0-8-0
				69	0-4-4
				70	0-2-8
		 ]सं०	ओ-140	16/299/	84-जी०पी०

S.O. 2007.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4061 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

	Hajira	Baı	ielly	Jagdis	hpur	Pipe	line	Proj	ect
Distt.	Tehsi	1	Par	gana	Villa	ge	Plot	No.	Area Acquired
1		2		3	4			5	6
Unnao	Pur	va	M	auravar	ı Ka	rdaha	8		0-3-2
							9	,	0-9-0
							68		0-8-0
							69		0-4-4
							70		0-2-8
						[No.	0-140	16/2	99/84-GP]

का०आ०2008:—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० सं० 4410 तारीख 3-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलक्ष्म अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के लिये अजित करने का अपना आगय धोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी ही है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अणित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा पदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है की इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

अनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइन लाइन बिछाने के लिये राज्य-गुजरात जिला-पंचमहाल तालुका-हालोल

गांव	सर्वे नं०	हैक्टर	आर	सेंन्टीयर
अराद	30	0	20	00
	29/2	0	24	00
	32/1	0	26	00
	32/2	0	20	00
	32/3	0	22	00
	32/4	0	08	00
	33/1	0	00	50
	33/2 + 3 + 3	4 0	48	00
	34	0	03	00
	कार्ट ट्रेक	0	03	25
	20/1+2	0	38	00
	21/2	0	14	00
	19	0	24	00
	10/1	0	17	00
	10/2—A	0	23	00

[सं॰ ओ- 14016/375/84-जी पी]

S.O. 2008.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4410 dated 3-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances

SCHEDULF
Pipeline from Hazira to Barielly to Jagdishpur
State Gujarat, District Panchmahal Taluka Halel

Village	Survey	Hec- tare	Are	Cen-
≜rad	30	0	20	
	29/2	0	24	00
	32/1	0	26	00
	32/2	0	20	00
	32/3	0	22	00
	32/4	0	08	00
	33/1	0	00	50
	33/2 - 2 + 2 + 4	0	48	00
	34	0	03	00
	Cart track	0	03	25
	20/1 + 2	0	38	00
	21/2	0	14	00
	19	0	24	00
	10/1	0	17	00
	10/2-A	0	23	00

[No O-14016/375/84-GP]

का० आ० 2009. — यत पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मुमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मल्रालय की अधिसुचना का० आ० स० 4395, तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसुचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था,

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है.

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसुचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्विष्ट भुमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है,

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिमूचना से सलग्न अनूसूची मे विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है,

और आगे उस धारा की उपघारा (4) हारा प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मूक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा–बरेलो–जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

6
0-2-0
0-2-10
0-18-0
0-5-10

[सं॰ ओ-14016/409/84-जी पी]

SO 2009—Whereas by notification of the Government of India in the M nistry of Petroleum, SO 4395 dated 24-11 84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notlification hereby acquired for laying the pipeline

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances

Haiira —	Barielly—Ja		DULE Pipe Line	Project		1	2	3	4	5	6
Distt.	Tehsil	Pirgini	Village	Plot	Area-! Acqu red					841 842 843	0-6-0 0-0-7 0-6-0
1	2	3	4	5	6					845	0-3-12
Kanpur	Derapur	Derapur	Murra	<del></del>						844	0-7-0
Dehat	-			436	0-2-0					846	0-1-0
				440 <del>घ</del>	0-2-10					882	0-6-10
				448 441	0-18-0 0-5-10					883	0-6-0
				1 401 6146	0/04 (773					884	0-9-0
			[No. O	14016/40	19/84-GP]						
का०ः	आ० 2010	यतः पै	ट्रोलियम अ	ार खनिज प	ाइप <b>लाइ</b> न					885	0-6-10
(भमि	में उपयोग	के अधि	कार का	अस्त्रीच ।	<del></del>					887	0-0-12
			401 5 101	जजन) व	राधानयम,						
	(1962 ক									888	1-6-16
1962		T 50) की	ाधारा 3	की उपध	ारा (1)					888 889	1-6-16 0-2-4
1962 के अधी	(1962 क न भारतसर	T 50) की	r धारा 3 ोलियम मंद्र	की उपधा गलय की व	ारा (1) प्रधिसूचना					888 889 891	1-6-16 0-2-4 0-2-5
1962 के अधी का०आ	(1962 क न भारतसर ० सं० 45	ा 50) की कार के पैंट्रे 527 तारीय	ा धारा 3 ोलियम मंद्र ब 22-12	की उपध ालय की व -84 द्वार	ारा (1) अधिसूचना । केन्द्रीय					888 889	1-6-16 0-2-4
1962 के अधी का०आ सरकार	(1962 क न भारतसर > सं० 45 नेउस अर्ि	ा 50) की कार के पैंट्रे 527 तारीक धेसूचना से	ाधारा 3 ोलियम मंद्र ब 22-12 संलग्न अ	की उपध गलय की व -84 द्वार नुसूची में	रा (1) अधिसूचना केन्द्रीय विनिद्धिष्ट					888 889 891	1-6-16 0-2-4 0-2-5
1962 के अधी का०आ सरकार भूमियों	(1962 क न भारत सर ० सं० 45 ने उस अ मे उपयोग	ा 50) की कार के पैंट्रे 527 तारीक धेसूचना से के अधिका	ाधारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अ रको पाइप	की उपध गलय की व -84 द्वार नुसूची में गलाइनों क	ारा (1) अधिसूचना केन्द्रीय विनिद्धिष्ट जे बिछाने					888 889 891 893/1	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5
1962 के अधी का०आत सरकार भूमियों के लिये	(1962 क न भारतसर > सं० 45 नेउस अर्ि	ा 50) की कार के पैंट्रे 527 तारीक धेसूचना से के अधिका	ाधारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अ रको पाइप	की उपध गलय की व -84 द्वार नुसूची में गलाइनों क	ारा (1) अधिसूचना केन्द्रीय विनिद्धिष्ट जे बिछाने					888 889 891 893/1 895/1	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8
1962 के अधी का०आ सरकार भूमियों के लिये	(1962 क न भारतसर ० सं० 45 ने उस अ मे उपयोग े अजित क	ा 50) की कार के पैट्रे 527 तारीक धेसूचना से के अधिकार रने का अप	ाधारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अ र को पाइप ाना आगय	की उपधालय की व -84 द्वार नुसूची में लिएकों क घोषित क	त्रा (1) अधिसूचना किन्द्रीय विनिद्धिट जे बिछाने ज्य दिया					888 889 891 893/1 895/1 980	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8 0-18-1
1962 के अधी का०आ सरकार भूमियों के लिये था।	(1962 क न भारत सर > सं	ा 50) की कार के पैट्रे 527 तारीक धेसूचना से के अधिकार रने का अप	ा धारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अक र को पाइष ता आशय	की उपधा तलय की व -84 द्वार नुसूची में गलाइनों क घोषित क	त्रा (1) अधिसूचना त केन्द्रीय विनिर्दिष्ट जे बिछाने ज्य दिया					888 889 891 893/1 895/1 980 981	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8 0-18-1 0-18-1
1962 के अधी का०आ सरकार भूमियों के लिये था। औ	(1962 क न भारत सर न उस अ मे उपयोग े अजित क र यतः सक्ष 6 की उपध	ा 50) की कार के पैट्रे 527 तारीक धेसूचना से के अधिकार रने का अप	ा धारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अक र को पाइष ता आशय	की उपधा तलय की व -84 द्वार नुसूची में गलाइनों क घोषित क	त्रा (1) अधिसूचना त केन्द्रीय विनिर्दिष्ट जे बिछाने ज्य दिया					888 889 891 893/1 895/1 980 981 892/2	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8 0-18-1 0-18-1
1962 के अधी का०आ सरकार भूमियों के लिय था। औ धारा दे दी	(1962 क न भारत सर न सं० 45 ने उस अपि मे उपयोग े अजित क र यतः सध 6 की उपध	ा 50) की कार के पैट्रें 527 तारी के धेसूचना से के अधिकार रने का अप	ा धारा 3 ोलियम मंत्र ब 22-12 संलग्न अप र को पाइप ना आगाय गरी ने उ के अधीन	की उपधालय की व -84 द्वार -84 द्वार नुसूची में लाइनों क घोषित क क्त अधि सरकार व	रा (1) अधिसूचना किन्द्रीय विनिर्दिष्ट ने बिछाने नर दिया नेयम की					888 889 891 893/1 895/1 980 981 892/2 983	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8 0-18-1 0-18-1
1962 के अधी का॰आ का॰आ सरकार भूमियों के लिये था। औ धारा देदी	(1962 क न भारत सर न उस अ मे उपयोग े अजित क र यतः सक्ष 6 की उपध	ा 50) की कार के पैट्रें 527 तारील धेसूचना से के अधिकार रने का अप	ाधारा 3 ोलियम मंत्र ब्रा 22-12 संलग्न अप र को पाइण ना आगाय गरी ने उ के अधीन	की उपधालय की व -84 द्वार नुसूची में ग्रालाइनों क घोषित क क्त अधि सरकार क	ारा (1) अधिसूचना किन्द्रीय विनिद्धिन्द जो बिछाने जर दिया नियम की को रिपोर्ट					888 889 891 893/1 895/1 980 981 892/2 983	1-6-16 0-2-4 0-2-5 0-1-5 0-7-4 1-3-8 0-18-1 0-18-1 0-17-1 0-7-0

[सं० ओ-14016/415/84-जी पी]

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार
एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनूसूकी में
विनिद्धिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन
बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

विनिश्चय किया है

और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजीरा-अरेली-जगदीणपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

্রিলা ভিলা	प्तहमील	पर्गना	ग्राम	गाटा मं०	लिया गया रकवा
- <u>-</u> -		3	4	5	6
— कानपुर-		— देरपुर	<u>कु</u> दोली	838	0-1-0
देहात	,	_	मुडोली	839	0-8-10
			-	840	1-0-10

S.O. 2010.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4527 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

Hajsra ⊷]	Barnelly—Ja		HEDULE Pipe Linc	Project	
Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acqui- red
1	2	3	4	5	6
Kanpur	D-rapur	Dorapur	Kudauli		
Dehat			Marauli	838	0-1-0
				839	0-8-10
				840	1-0-10
				841	0-6-0
				842	0-0-7
				843	0-6-0
				845	0-3-12
				844	0-7-0
				846	0-1-0
				882	0-6-10
				883	0-6-0
				884	0-9-0
				885	0-6-10
				887	0-0-12
				888	1-6-16
				889	0-2-4
				891	0-2-5
				893/1	0-1-5
				895/1	0-7-4
				980	1-3-8
				981	0-18-17
				982/2	0-18-17
				983	0-17-15
				890	0-7-0
				820	0-0-19
				985/1	0-14-10
				378/1	0-0-5
			151- 0	1401614	- F/D 4 - C1 TO

]No C-14016/415/84-GP]

का०आ० 2011.—यत पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मन्नालय की अधिसूचना का०आ० स० 4521 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चास् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है ।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है। 127 GI/85—8

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाउ भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप लाइन प्राजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम		लिया गया
				स०	रकवा
1	2	3	4	5	6
———— कानपुर-	देरापुर	देरापुर	 जौरा	99	0-1-10
देहात	-	-		100	1-2-0
				104	0-2-0
				105	0-17-14
				110	0-2-0
				113/1	0-5-12
				118	0-2-10
				119	0-5-10
				210	2-13-0
				216	0-18-0
				217	0-14-0
				220	0-8-0
				36/2	1-0-0
				37	0-2-12
				38	0-10-0
				42	0-13-10
				43	0-8-14
				44	0-17-0
				45	0-5-10
				46	0-0-5
				49	0-0-19
				51	0-1-10
				52	1-0-0
				53	0-0-12
				215	0-0-5
				97	0-0-08
				56	0-1-13

[स॰ ओ-14016/416/84-जी पी]

SO 2011—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO 4521 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government, declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdeshpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Villago	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur-	Derapur	Derapur	Jaura	99	0-1-10
Dehat				100	1-2-0
				104	0-2-0
				105	0-17-14
				110	0-2-0
				113/1	0-5-12
				118	0-2-10
				119	0-5-10
				210	2-13-0
				216	0-18-0
				217	0-14-0
				220	0-8-0
				36/2	1-0-0
				37	0-2-12
				38	0-10-0
				42	0-13-10
				43	0-8-14
				44	0-17-0
				45	0-5-10
				46	005
				49	0-0-19
				51	0-1-10
				52	1-0-0
				53	0-0-12
				215	0-0-5
				97	0-0-08
				56	0-1-13

[No. O-14016/416/84-GP]

का०आ० 2012:—यतः पृँद्रोक्षिमम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पृँद्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का०आ० सं० 4522 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिशूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

अव, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा घोषित करतीं है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा–बरेली–जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

-	_				
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	लिया गया रक्षबा
1	2	3	4	5	6
कानपुर-	- देरापुर	देरापुर	विसोहा	961	0-15-0
देहात	•	ŭ		960	1-15-0
•				963	0-4-19
				267	0-11-0
				886	0-3-3
				884	3-6-0
				873	0-4-0
				543	0-13-16
				657	0-16-0
				883	0-2-0
				655	0-2-5
				656	0-8-15
				654	0-14-10
				659	0-3-5
				1104	0-3-0
				(पु०नं०	)
				661	0-7-4
				663	1-2-0
				669	0-6-0
				670	0-17-0
				185	0-0-13
				668 ক	7 0-8-10
				686	2-17-0
				.687	02-10
				_	

5 6	5 6
	1104 0-3-0
171	(old No )
210 [	661 0-7-4
330	663 1-2-0
1113 0-3-18	669 0-6-0
1159	670 0-17-0
	185 0-0-13
1196	668ka 0–8–10
$962 \qquad 0-1-0$	686 2–17–0
887 0-3-0	687 0-2-10
	171
630 0-0-10	210 330
884 0-0-10	1113 \ 0-3-18
	1159
[स॰ O+14016/417/84-जी०पी०]	1196 ∫
[" O Liviol Illion and the f	962 0-1-0
SO 2012—Whereas by notification of the Government	887 0 3-0
of India in the Ministry of Petroleum, S O 4522 dated	630 0-0-10
22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum	884 0-0-10

[No O-14016/417/84-GP]

SO 2012—Whereas by notification of the Covernment of India in the Ministry of Petroleum, SO 4522 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Ministrals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power confeired by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

SCHEDULE

Hajira Barıçlıy-Jagdeshpur Pipeline Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Каприт-	Derapur	Derapur	Visoha	961	0-15-0
Dehat	•	•		960	1-15-0
				963	0-4 19
				267	0-11-0
				886	0-3-3
				884	3-6-0
				873	0-4-0
				543	0-13-16
				657	0-16-0
				883	0-2-0
				655	0-2-5
				656	0-8-15
				654	0-14-10
				659	0-3-5

का आ 2013.—यम पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिवार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मत्रालय की अधिसूचना का आ स 4529 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यत नेन्द्रीय संग्कार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद् द्वारा घोषित करते हैं कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भाग्तीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

	अनुसूची								
	बरेली	जगदीशपुर	पाइपला	इन प्रोजे	क्ट				
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकवा				
1	2	3	4	5	6				
- कानपुर	देरापुर	देरापुर	भन्देमऊ	398	0-1-6				
देहात				1	2-3-1				
				2	0-7-19				
				3	1-11-10				
				4	0-9-15				
		[सं.	O-14	016/42	4/84जीपी]				

S.O.2013.—Whereas by notification of the Government of India in the Minustry of Petroleum. S.O. 4140 dated 22-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, afterconsidering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdeshpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur	Derapur	Derapur	Bhanday-	398	0-1-6
Dehat			mau	1	2-3-1
				2	0-7-19
				3	1-11-10
				4	0-9-15

[No. O-14016/424/84--GP]

का. आ. 2014-चतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4396 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संसग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार

को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्ण्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करते है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरी बरेली जगवीशपुर पाइपलाइन प्रोजैक्ट

जिला	जेला तहसील		ग्राम	गाटा सं	लिया गया रकवा
1	2	3	4	5	в
कानपुर-	<u>वेरापुर</u>	देरापुर	 खुजुरा	1	0-0-15
देहात				183	0-17-5
				182	0-1-2
				180	1-11-0
				181	0-0-15
				177	0-1-0
				175	0-2-15
				174	0-6-0
				173	0-8-10
				172	0-6-12
				171	0-6-12
				170	0-0-13
				169	0-12-10
				93	0 - 1 - 2
				39	0-4-10
				40	0-0-12
				49	0-5-0
				48	0-6-0
				47	0-6-0

1	2	3	4 4	5 6	 5	6
			<del></del>		175	0-2-15
			46	0-5-5	174	0-6-0
			45	0-1-3	173	0-8-10
				1-9-0	172	0-6-12
			44	1-9-0	171	0-6-12
			58	0-1-0	170	0-0-13
			50	0-0-14	169	0-12-1
					93	0-1-2
			57	1-4-5	39	0-4-10
			55	0-3-3	40 49	0-0-12
			56	1-5-5	48	0-5-0 0-6-0
			53	0-2-0	47	0-6-0
					46	0-5-5
			54	0-0-11	45	0-1-3
			60	0-0-13	44	1-9-0
			71	0-0-10	58	0-1-0
					50	0-0-14
			69	0-1-10	57	1-4-5
			72	2-16-10	55	0-3-3
			73	0-0-15	56	155
					53	0-2-0
			74	1-5-15	54	0-0-11
			51	0-1-10	60	0-0-13
				<del></del>	71	0-0-10
		ľ <del>zi</del> (	14016/49	27/84जी पी]	69 72	0-1-10
		Γα. ,	14010/42	77 04 - AL AL	72 73	2-16-1
<b>O</b> 20	14.—Wher	eas by n	otification of	the Government	73 74	0-0-15
o. 20 India	in the M	finistry of	f Petroleum.	S.O. 4396 dated	51	1-5-15
				of the Petroleum	51	0-1-

[No. O-14016/427/84--GP]

S.O. 2014.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4396 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in he lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this noti fleation hereby a quired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vestion in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE Hajira-Barielly-Jagdeshpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Villago	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur-	Derapur	Derapur	Khajurra	1	0-0-15
Dohat				183	0-17-5
				182	0-1-2
				180	1110
				181	0-0-15
				177	0-1-0

का. आ 2015.--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (1962 का 50) की धारा 3 की अधिनियम, 1962 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंता-लय की अधिसूक्ता का. आ. सं. 4397 तारीख 15-12-84 केन्द्रीय सरकार ने द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यनः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिग्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विक्राने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपूर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	 परगना	ग्राम	गाटा सं .	लिया गया रकवा
1 _	2	3	4	5	6
कानपुर	देरापुर	देरापुर	महुवा	414	1-02-0
				415	0-14-0
				416	0-02-02
				417	0-03-10
		<del></del>			

[सं. O-14016/428/84-जी पी]

S.O. 2015.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4397 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipchnes (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Cenual Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laving pipeline. for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notificat on ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vest in Central Government vests on this date of the publication. of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

**SCHEDULE** Hajira-Bareilly-Jagdeshpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur- Dehat	Derapur	Drapur	Mahuwa	414 415	1-02-0 0-14-0
				416 417	0-02-02 0-03-10

[No. O-14016/428/84-GP]

पेट्रोलियम और खनिज का. आ. 2016:--यत: पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधि-

नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 120 तारीख 2-1-85 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

आर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसुचना से संलग्न अन-मूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषिन करती है कि इस अधि-सूचना में संलग्त अनुसूची में बिनिर्दिष्ट उक्स भमियो में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस जारी तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य-गु	जरात	जिला-पंचमह	्ल त	ालुका⊸क	लोल
गांव	सर्वे नं .	सर्वे न .	हेक्टर	आर	सेन्टीयर
मुखी		212/1/P	0	00	32
		213/1	0	20	00
		213/2	0	10	00
		313	0	05	00
		311/1	0	11	00
		311/2	0	13	00
		311/3	0	01	00
		316/1	0	07	50
		316/2	0	06	0.0
		318/2	0	14	00
		318/3	0	02	00
		319	0	02	00

[संO.-14016/513/84-जी पी]

S.O. 2016.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 120 dated 2-1-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelincs (Acquisition of Right of User in

Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And whereas the Competent Authority has under Subconsidering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publicat on of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline From Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State ; Gurarat District : Panchmahal Taluka ; Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi- are	
Bhukhi	212/1/P	0	00	32	
	213/1	0	20	00	
	213/2	0	10	00	
	313	0	05	00	
	311/1	0	11	00	
	311/2	0	13	00	
	311/3	0	01	00	
	316/1	0	07	50	
	316/2	0	06	00	
	318/2	0	14	00	
	318/3	0	02		
	319	0	02	00	

[No. O-14016/513/84—GP]

का. आ. 2017. ---- यतः पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रा-लय की अधिसूचना का. आ. सं. 4104 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप-लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आशय घोषित कर विया था।

और यत्तः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है। अत्र, अतः उत्रत अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करते है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के खजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

हाजिरा-बरला-जगदीशपुर		पुर पाइप	र लाइन	लाइन प्राजिक्ट		
 जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया ग रकवा	या विवरण	
1	2	3	4	5	6	
- कानपुर	कानपुर	कानपुर	जाना	218	0-4-2	
शहर	शहर	शहर		219	0-3-10	
				220	0-7-15	
				221	0-13-7	
				222	0-11-8	
				223	0-9-16	
				224	0-3-12	
				226	0-5-4	
				227	0-9-4	
				228	0-9-5	
				229	0-14-14	
				230	0-14-12	
				231	0-0-6	
				238	0-7-10	
				237	0-9-6	
				239	0-0-18	
				245	0-1-19	
				269	0-7-4	
				270	0-6-0	
				271	0-10-9	
				272	0-11-12	
				328	0-13-13	
				346	3-4-4	
				347	3-7-12	
				349	1-4-12	
				356	2-8-6	
				357	0-9-18	
				390	0-5-2	
				391	0-7-11	

_1 _2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
			392	0-0-15					237	0-9-6
			409	0-0-8					239	0-0-18
			410	0-12-13					245	0-1-19
			411	0-0-15					269	0-7-4
									270	0-6-0
			415	0-4-11					271	0-10-9
			416	0-14-14					272	0-11-12
			418	0-11-08					328	0-13-13
			420	0-0-02					346	3-4-4
			421	0-9-15					347	3-7-12
			422	0-12-12					349	1-4-12
									356	2-8-6
			426	0-3-11					357	0-9-18
	 सिं	O_1	4016/6/8	84—जी. पी]					390	0- 5-2
	L		1010 0	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·					391	0-7-11
S.O. 2017.—W				e Government					392	0-0-15
of India in the 1-12-84 under st	Ministry of	f Petrol	eum, S.O.	4104 dated					409	0-0-8
and Minerals P	pelines (Ac	quisition	of Righ	it of User in					410	0-12-13
Land) Act, 196									411	0-0-15
declarød its inte Jands specified ir									415	0-4-11
for purpose of la									416	0-14-14
And whereas	the Compet	ent Au	thority be	as under Sub-					418	0-11-08
section (1) of S	Section 6 of								420	0-0-02
to the Governme	ent;								421	0-9-15
And further v	vhereas the	Central	Governm	nent has, after					423	0-12-12
considering the user in the lands notification :								,,,,,,,,,	426	0-3-11

[No. O-14016/6/84—GP]

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the light of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanhur	Kanpur	Каприг	Jana	218	0-4-2
City	City	City		219	0-3-10
•	-			220	0-7-15
				221	0-13-7
				222	0-11-8
				223	0-9-16
				224	0-3-12
				226	0-5-4
				227	0-9-4
				228	0-9-5
				229	0-14-14
				230	0-14-12
				231	0-0-6
				238	0-7-10

का.प्रा 2018.-- यतः पेट्रोलियम श्रौर खितिज पाइपलाइत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) के धारा 3 की उपधारा (1) के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम मजालय की अधिसूचना का. आ. सं 4104 तार ख 1-12-84 द्वारा केर्न्द्र य सरकार ने उस अधिसूचना से संख्या अनुसूच में विनि-दिच्छ भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

भीर यत. सक्षम प्राधित हर्र ने उक्त अधिनियम क धारा 6 की उप-धारा (1) के अर्धान सरकार को रिपोर्ट दे दा है।

भीर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करसे के पक्ष्यात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भृमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिष्णय किया है।

श्रव अतः जक्त अश्वितियम का धारा 6 का उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त प्रक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार एतवद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट जक्त भूमियों में जपयोग का अधिकार पाइपलाइन निष्ठाने के प्रयोजन के लिए एनवद्वारा अजित किया जाता है।

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिक्नवों का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार निर्देश देत हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्र य सरकार में निहित होने के बजाय भारत य गैस प्राधिकरण लि में सभा बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तार ख को निहित होगा।

अनुसूर्य'

जिला	त <b>हम</b> ःस	परग <b>ना</b>	ग्राम का नाम	लिया गर्गा रक्षा		विवरण
1	2	3	4	5	6	7
का <b>ल</b> पूर	कानपुर	कानपुर	विनगांवा	5 <b>७ ४</b> ण्म	0- 16- 18	
<u> मिटी</u>	<b>मि</b> ट	निदं।		567	0-10-08	
				566	0-11-14	
				565	0- 0- 01	
				564	0-7-03	
				571	0~ 7- 03	
				597	0-7-02	
				590	05 155 05	
				600	0-11-10	
				601	n-3-14	
				596	0-3-03	
				602	0-3-11	
				605	0 · 5 · 0 5	
				5 5 5	(- 7- 13	
				554	(F 7- 06	
				556	0- 1- 18 0- 5- 13	
				553 606	0- 10- 08	
				631	0-16-2	
				630	0-18-04	
				633	<b>6-17-1</b> 7	
				634	<del>6-</del> 17- 03	
				646	0 <del>-</del> 1- 07	
				647	<b>6- 1-</b> 61	
				652	0- 7- 68	
				653	0-3-05	
				650	6- 6- 17	
				657	0~9~14	
				958	O <del>I</del> ()	
				954	0~ 1~ 0	
				957	0 9 19	
				960	n~ 3— 1 J	
				955	0~ 2 1 1	
				956	0~ <del>6</del> - ()	
				9 17	0-7-18	
				946	0-5-04	
				943	()→ <del>()</del> → ()	
				940 941	0~ <b>1~ 4</b> 0~ 13~ 0	
				938	0-0-12	
				937	0-12-7-	
				935	() 4 A	
				902	1 1 5 0	
				903	0-0-€	
				900	0-3-12	
				899	0~ <b>9</b> ~0	
				898	()-0-9	

S.O. 2018.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4104 dated 1-12 84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appeaded to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

**SCHEDULE** 

Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipeline Project.

	majira-ma	irielly-Jagdi	supur Pipen	ne Projec	τ.
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2'	3	4	5	6
Канриг	Kanpur	Калри	Bingawa	568m	0-16-18
City	City	City		567	0-10-08
				566	0-11-19
				565	0-0-01
				564	0-7-03
				571	0-7-03
				597	0-7-02
				599	0-15-05
				600	0-11-10
				601	0-8-14
				596	0-3-06
				602	0311
				605	0 -5-05
				555	0-7-15
				554	0-7-06
				556	0 - 1 - 18
				553	0-5-13
				606	0-10-08
				631	0-16-2
				630	0-18-04
				633	0-17-17
				634	0-17-03
				646	0-1-07
				647	0-1-01
				652	0-7-08
				653	0 -3-05
				650	0-6-17
				657	0-9-14
				958	0-5-0
				954	0-1-0
				957	0-9-0
				960	0-3-13
				955	0-2-11
				956	0-6-0

<u> </u>	1 A	A GAZE		L MADI	A:MAIII,	1982/41/1	NAKDA	21, 19	U / ———	[F/	KI II—SFC. 5(II)]
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
				947	0-7-18						
				946	0-5-04					493	2-1-0
				943 940	0-6-0 0-1-4					466	0-7-0
				941	0-13-0					465	9-15-0
				938	0-0-12					463	1-8-0
				937	0-12-7					461	0-1-16
				935	0-4-0 115-0					462	0-1-0
				902 903	0-0-9					460	1~3~0
				900	0-3-12					507	0 0 4
				899	0-9-0					508	0-5-12
				898	-0-0-9					515	1-6-0
			INO. O	-14016/6	/84—GPI					519	1-10-0
										522	0-0-15
	2019 यतः	-			**					514	0-2-17
	ं <del>के अ</del> धिका									513	0-2-8
	3 की उपधारा									520	0-1-12
_	अधिसूचनाका									521	1-14-0
	उस अधिसूचना									509	0~ 1~ 1
	अधिकार को			ने के लिए	अजित करने					510	0- 0- 8
का अपना	आश्य घोषित क	र दियाया	l							1054	0-3-18
भौर र	यतः सक्षम प्राधि	कारी ते अ	स्य अधिकि	नेयम की	भारा ६ की					1055	0-10-4
	1) के अर्धान स				410 0 10					1058	0- 5- 0
,	•			-						1059	1-4-10
	आगे यतः केन्द्री									1065	0- 5- 12
	इस अधिसूचना				ष्ट भूमियों में					1064	0-15-12
उपयोग का	अधिकार अर्जिक	त करने का	विनिश्चय	किया है।						1082	0-17-0
3 <b>778</b> . 3	भरः उक्त अधि	सियस की स	frt a s	हो अववा	er (1) Mer					1081	0-4-11
	त का प्रयोग ने									1083	2-7-18
	∾ अधिमूचना में									1297	0-1-7
	अधिकार पा <b>इ</b> पः									1296	0-11-4
	गालन्तर स्रा गाजनता है।	1141 1401	1 17 21-	11411 11 1	ad dudan					1298	2-7-0
	11 41/41 & 1									1299	1-2-0
भौर स	आगे उस द्वारा	की उपधारा	(4) 5	ारा प्रदत्त	शक्तियों का					1287	0-9-0
प्र <mark>योग कर</mark> ते	ो <mark>हुए के</mark> न्द्रीय स	रकार निर्देश	देती है	कि उप	त भूमियों में					1286	0-9-15
उपयोग का	अधिकार केन्द्रीय	र सरकार मे	ं निहित	होने के ब	ाजाय <sup>े</sup> भारतीय					1284	0-12-12
	ण लि० में सर्भ									1281	0-7-12
के इस ता	रेख को निहित	होगा ।	*							1276	1-2-0
		ware	r							1277	0-1-10
		अनुसूची 		>->						1313	0-7-15
	हाजिरा-बरेली-	जनवा <b>शपुर</b> प	<b>ाइप ला</b> ।	र्ग प्राजेक्ट	<del>.</del>					1315	0-1-10
जिला. त	हसंल परगना	प्रामका रि	नथा गया							1319	0: 1-19
	•		रकवा							1320	0-8-6
	2 2	···-								1321	0-8-0
1	2 3	4	5		• 					1329	0-9-0
कानपुर क	ानपुर कानपुर	सेन पूरवा	411	0 3-	12					1327	0-5-14
	हर शहर		427	0- 7 <del>-</del>						1330	0-16-8
•			450	0 <b>~</b> 1~						1331	2-6-0
			428	0-1:						1332	1117-14
			438	0-10							
			439	0-1						[सं	O-14016/6/84-जीव
				-							

440

441

442

451

452

453

0-1-0

0-9-0

0- **4-** 0

0-5-0

2- 1- 0

0-15-10

S.O. 2019.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroluem and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent	Authority	has under Sub-
section (1) of Section 6 of the	said Act,	submitted report
to the Government;		•

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

SCHEDULE

Haiira Bareilly Jogdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	
1		3	4	5	6	
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Senpurat	411	0-3-12	
Ckty	City	City	Para	427	0-7-10	
-tr)	,	•		450	0-1-12	
				428	0-12-0	
				438	0-10-0	
				439	0-11-0	
				440	0-1-0	
				441	0-9-0	
				442	0-4-0	
				451	0-5-0	
				452	0-15-10	
				453	2-1-0	
				493	2-1-0	
				466	070	
				465	9-15-0	
				463	1-8-0	
				461	0-1-16	
				462	0-1-0	
				460	1-3-0	
				507	0-0-4	
				508	0-5-12	
				515	1-6-0	
				519	1-10-0	
				522	0-0-15	
				514	0-2-17	
				513	0-2-8	
				520	0-1-12	
				521	1-14-0	
				509	0-1-1	
				510	0-0-8	
				1054	0-3-18	
				1055	0-10-4	
				1058	0-5-0	
				1059	1-4-10	
				1965	0-5-12	
				1064	0-15-12	
				1082	0-17-0	
				1081	0-4-11	
				1083	2-7-18	
				1297	0-1-7	
				1296	0-11-4	

1 2 3 4 5 6  1298 2-7-0 1299 1-2-0 1287 0-9-0 1286 0-9-15 1284 0-12-12 1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0 1332 1-17-14	<del></del> -	, · · · · · · · · · · · · · ·				,
1299 1-2-0 1287 (1-9-0 1286 0-9-15 1284 0-12-12 1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0	1	2	3	4	5	6
1287 (1-9-0) 1286 0-9-15 1284 0-12-12 1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1298	2-7-0
1286 0-9-15 1284 0-12-12 1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1299	1-2-0
1284 0-12-12 1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1287	(\ <del>-</del> 9 <b>-0</b>
1281 0-3-12 1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1286	0-9-15
1276 1-2-0 1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1284	0-12-12
1277 0-1-10 1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1281	0-3-12
1313 0-7-15 1315 0-1-10 1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1 <b>2</b> 76	1-2-0
1315					1277	0-1-10
1319 0-1-19 1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1313	0-7-15
1320 0-8-6 1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1315	0-1-10
1321 0-8-0 1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1319	0-1-19
1329 0-9-0 1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1320	086
1327 0-5-14 1330 0-16-8 1331 2-6-0					1321	0-8-0
1330 0–16-8 1331 2–6–0					1329	0-9-0
1331 2-6-0					1327	0-5-14
					1330	0-16-8
1332 1-17-14					1331	26-0
					1332	1-17-14

[No. O-14016/6/84-G.P.]

कां.आ. 2020—यतः पेट्रोलियम धीर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन धारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. से. 4104 तारीज 1-12-84 धारा केन्द्रोम सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपभारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

भौर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार रूरने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूनियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवज्ञारा विश्वित भरती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमिशों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवडारा अजित किया जाता है।

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय मारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ में सभी बाधायां से मुक्त रूप में बोबगा के प्रकानन की इस तारीक को निहित होगा।

अनुसूची हाजिरा बरेली जगदीयपुर पाइप साइन प्रोजेस्ट।

ज़िला	तहसीन	-प्रस्पना	ग्राम का नाम	गाटा सं	लिया गया. रकवा
1	2	3	4	5	6
— कानपुर	कानपुर	कानपुर	सोना	1379	. D- O- 10
महर,	<b>मह</b> र	गहर		1378	0-0-16
				1372	1-2-0
				1377	1-9-0
				1376	0-18-10

2 3 4		i .a≘. <del></del> ``a 6
	1333	0-15-5
	1335	0-15-17
	1334	(1-3-7
	1331	1-15-2
	1329	0-1-5
	1327	<b>6-6-8</b>
	1323	0-0-13
	1322	0-11-14
	1327	(Jen 9-n ()
	1320	0-16-13
	1314	9-13-16
	1315	0-14-0
	1313	0-8-15
	1299	1-0-0
	1293	0-0-13
	1294	0-13-10
	1288	0-9-15
	1095	1-7-15
	1097	0 <b>-4-</b> -15
	1098	<b>2-</b> 1-5
	1084	()— <b>8 —</b> ()
	1085	0-6-12
	1079	<b>3-4-</b> 0
	1069	u-7 <del>-10</del>
	1068	1-1-10
	1066	1-7:5
	1064	1-2-5
	1063	0 1 0 ()
	755	<b>9-19-4</b>
	757	0-8-5
	756	0-0-13
	754	015θ
	1087	0-0-6
	131€	0-0-5
	10.86	<b>A-</b> 0-7
	761	0-11-2
	758	0-1-15

S.O. 2020.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4529 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notfication hereby acquired for laying the pipeline; And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

**SCHEDULE** 

Hajira Baroilly Jagdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Pargena	Village	Plot No.	Area Acquired
l	2	3	4	5	6
Каприг	Kanpur	Kanpur	Sona	1379	0-0-10
City	City	City		1378	0-0-16
				1372	1-2-0
				1377	1-9-0
				1376	0-18-10
				1333	0-155
				1335	0-15-17
				1334	0-3-7
				1331	1-15-2
				1329	0-1-5
				1327	0-6-0
				1323	0-0-13
				1322	0-11-1
				1321	0-9-0
				1320	0-16-1.
				1314	0-13-1
				1315	0-14-0
				1313	0-8-15
				1299	1-0-0
				1295	0-0-13
				1294	0-13-1
				1288	0-9-15
				1095	1-7-15
				1097	0-4-15
				1098	2-1-5
				1084	0-8-0
				1085	0-6-12
				1070 1069	2-4-0 0-7-10
				1068	1-1-10
				1066	1-7-5
				1064	1-2-5
				1063	0-10-0
				755 757	0-19-0
				757 7 <b>5</b> 6	0-8-5 0- <b>0-1</b> 3
				754	0-15-0
				1087	0-0-6
				1316	0-0-5
				1086	0-0-7
				761	0-0-7
				758	0-1-15

[No. O-14016/6/84-G.P.1

का.आ. 20.21. → बतः पेट्रोनियम बौर बतित पाइपलाइत (भूमि) कैं धपनांग के अजिकार का अर्जन) अजिनियम, 1962 (1962 का 50) की जारा 3 की उपभारा (३) के अजीन भारत सरकार के पेट्रोनियम मंजालम की अधिभूषना का आ. सं. 4104 नारीख 1-12-84 द्वारा कैन्द्रीय सरकार ने उस अधिम्चना में संलग्न अनुसूची में जिनिदिष्ट भूमियों के इसमोग के अधिकार को पाइप लाइनों को जिलाने के लिए अजिन करने का अपना आव्य बोधिन कर दिया था।

अजिम किया जाता है।

1

3

4

6

भ्रौर यत सक्षम प्राधिकारी न उक्त अधिनियम की धारा ७ की
उपधारा (1) के अर्धान सरकार का रिपार्ट द दी है।
<b>औ</b> र आगे येन केल्बीय सरकार ने उक्त रिपोर्टपर विकार करते
के पश्चात इस अधिस्वना से सनग्र अनुसूची में निनिदिन्ट भूमिया भ उपयोग

अस, अतः उक्त अधिनियम की धारों 6 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्न शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा धाणित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में धिनिदिष्ट उक्त भृमियों से उपयोग को अधिकार पाक्षणलोइन अिष्ठाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा

का अधिकार अजिन करने का वितिश्वय किया है।

ग्रीर आगे उस धारा की उपश्रारा (4) द्वारा प्रदेश शिनवा का प्रजीग करस हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में एपथोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिए में सभी बाधायों से सुकत रूप में घोषणा के प्रकाणन के इस नारीख को निहित होगा।

अनुसूर्या हाजिया अयंत्री जगदीशपुर पाष्ट्रप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिला	ं नहसील	परगना	ग्राम का	गाटा म	लिया गया
			नाम		रकश
 1	2	3	4	- - 5	6
क्र कर व	 कानपुर	कानपुर	मनिगना	152	1 () 8
कानपुर शहर	महरू	गहर •	*****	162	0-18-0
-1 16 ··	4162	-110		165	0-13-12
				107	0-7-14
				168	0-11-4
				169	( <del></del> ( <del></del> 8
				189	0-10-4
				190	0-5-3
				191	()-4-()
				192	0-1-1-6
				193	0-0-12
				195	0-2-16
				240	0-0-15
				241	0-1-15
				242	() 1 4 ()
				243	0-2-8
				245	0-7-14
				217	0-6-6
				248	0-3-3
				249	0-3-3
				252	0-2-0
				257	0 1 7 4
				267	0-6-1
				268	0-9-18
				269	()-3-0
				270	0-0-12
				271	1-9-1
				730	0-0-16
				732	0-0-16
				890	() <del>-</del> 9-7
				891	0→10
				17.43.43	A A 1.5

992

0 - 9 - 1.5

894/2	1-10-0	
895	0-8-0	
896	0-18-14	
935	0-19-19	1
936	1-2-9	
937	0-6-0	
044	()~ I~4	
945	0-7-16	
9 17	0-16-0	
465	()-7-16	
966	0-6-2	
1010	0-2-14	
1011	0-2-3	
1012	0-1-10	
1013	0-17-14	
1011	0 ← 8 ← 0	
1018	() 6- ()	
1019	0-10-9	
1020	0-0-12	
1021	0-5-16	
1022	0-2-0	
1023	0-3-0	
1034	0-10-8	
1029	()-4()	

[म O 14016/6/84 जीपी

0-1-0

S.O. 2021.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Pettoleum, S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

1078

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot N	lo. Area Acquired
		3	4		6
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Soni	152	1-0-8
City	City	City	Gawan	162 165	0-18-0 0-13-12
				167	0-7-14
				168	0-11-4
				169	0-0-8
				189	0-10-4
				190	0-5-3
				191	0-4-0
				192	0-1-16 0-0-12
				193 195	0-0-12
				240	0-0-15
				241	0-1-15
				242	0-14-0
				243	0-2-8
				245	0-7-14
				247	0-6-6 0-3-3
				248 249	0-3-3 <del>0</del> -3-3
				252	0-2-0
				<b>2</b> 57	0-17-4
				267	0-6-4
				268	0-9-18
				269	0-3-0
				270	0-0-12
				271 730	194 00-16
				732	0-0-16
				890	0-9-7
				891	0-1-0
				892	0-915
				894/2	1-10-0
				895	0-8-0
				896 935	0-18-14 0-19-19
				936	1-2-9
				937	0-6-0
				944	0-1-4
				945	0-7-16
				947	0-16-0
				965 966	0–7–16 0–6–2
				900 1010	0-6-2 0-2-14
				1011	0-2-14
				1012	0-1-10
				1013	0-17-14
				1014	0-8-0
				1018	0-6-0
				1019 1020	0-10-9 0-0-12
				1020	0-0-12 0-5-16
				1022	0-2-0
				1023	0-2-0
				1023	0-3-0
				1024	0-10-8
				1029 1078	0-4-0 0-4-0

का. आ. 2022.---यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ. मं. 4104 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची से विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अभित करने का अपना आक्र्य घोषित कर दिसा था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपभारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार ऑजित करने का विनिय्चय किया है।

अब, अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एलब्द्वारा घोषित करती है कि इ.स. अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसबुद्धारा अजिन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारों प्रवस्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उपन भूमियों में जपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा

अन्सूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट ।

जिला	तहमीस	परगना	ग्राम कानाम		निया गया रक्तवा
1	2	3	4	5	6
कानपुर	—-— ः कानपुर	कॉनपुर	 भैरम-	54	0-4-17
सिटी	सिटी	सिटी	पुर	55	1-5-17
			_	57	0-3-0
				63	0-5-6
				64	0-5-1
				65	0-10-4
				66	1-6-0
				70	1-16-0
				76	1-2-1
				77	0-5-5
				78	0-13-0
				84	0-0-1
				87/3	0-3-2
				87/4	1 <del>-</del> 5-0
				87/2	0-10-0
				90	0-11-11
				91	1-6-10
				92	1-1-10
				98	0-16-0
				99	1-4-8) 1-2-4 } 2-6
					_
				100	0-1-1

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6
			11	4	0-0-8	<del></del>				<del>-</del>	84	0-0-1
				56	0-0-7						87/3	0-3-2
				58	0~10~1						87/4	1-5-0
				59	0-0-10						87/2	0-10-0
				67	0-5-0						90	0-11-11
				68	0-0-10						91	1-6-10
				71	0-2-10						92	1-1-10
				72	1-4-0						98	0-16-0
				88	0-7-10						99	1-4-8,
				90	0-5-0							1-2-4
				91	0-17-0							2-6-12
				092	1-3-0						100	0-1-1
				097	3-15-0						114	0-0-6
				098	1- 1- 15						1056	0-0-7
			7.		0-3-0						1058	0-10-1
											1059	0-0-10
			ſ₹	т. <b>О</b> -	14016/6/84-	जीवी]					1067	0-5-0
											1068	0-0-10
					of the Gov 1, S.O. 4104						1071	0-2-10
1-12-84	under	sub-secti	ion (1) of	Section	n 3 of the Pe	etroleum					1072	1-4-0
and Mri	inerals	Pipeline	es (Acquisi	ition o	f Right of	User in					1088	0-7-10
declared	its it	ntention	to acquire	the	Central Gov right of use	in the					1090	0-5-0
lands sp	pecified	in the	Schedule a		d to that no						1091	0-17-0
ror pur	pose of	iaying [	pipeline ;								1092	1-3-0
					ity has unc						1097	3150
	(1) of Govern		o or the	said A	Act, submitte	а героп					1098	1-1-15
••		•	as the Cen								73	0-3-0

[No. O→14016/6/84—G.P.]

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

SCHEDULE
Hajira Barielly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village .	Plot No	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur City	Kanpur City Sadar	Kanpur City	Bhairam pur	54 55 57 63 64 65 66 70 76 77 78	0-4-17 1-5-17 0-3-0 0-5-6 0-5-1 0-10-4 1-6-0 1-16-0 1-2-1 0-5-5 0-13-0

का. अा. 2023: —यन. पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारन सरकार के पेट्रो-लियम मंत्रालय की अधिसूचना का आ. मं. 4104 तारीख 1-12-84 ब्रारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विद्य भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आगय थोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार ऑजित करने का विनिष्टय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारों 6 की उपधारों (1) द्वारा प्रदत्त गरित को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अजिस किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिवनकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मृक्त कप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

# अनुसूर्चाः

क्षित्र क्रेंग्रंट बाकी कार लागा जाय <del>- लेलीका</del>

		<del>-</del>			श्विप्रोजेक्ट ──ःर्ट्र—
जला	तङ्गसील	गरगना	ग्राम —	गटा म	लिया गया
_			कानीम —		रक्तवी
1 	2	3	4	5	6
जॉनपुर मे <b>टी</b>	कानपुर मिटी	कानपुर सिटी	कैंधा	479	0-4-0
•		,		495	1-13-18
				496	0-3-8
				498	4-8-15
				499	0-9-15
				500	0-0-16
				520	0-2-17
				521	0-2-15
				<b>52</b> 2	0-11-5
				525	0-6-15
				527	0→9→15
				528	0-8-15
				534	0-7-15
				538	1- 11-0
				539	0-8-15
				5 1 2	0-0-13
				602	O-15-10
				603	0-10-13
				604	0-12-12
				606	0- 9-0
				609	1- 5-0
				610	0-0-13
				618	1 - 0-0
				620	2-0-10
				621	0-0-13
				628	1-9-0
				630	0 → 9 → 1.4
				634	0 → 1 – 16
				640	1-0-5
				641 एस	()—12-10]
					<b>}</b> 1-5-0
				ग्म 646	0-12-10∫ 0-19-5
				647	0-1-5
				654	0-2-10
				655	0-19-0
				656	0-8-5
				657	0-2-10
				6 <b>6</b> 0	0- <b>0</b> - 15
				718	(r 15- ()
				730	0- 15- 0 0- <b>5</b> - 5
				1078	0-11-3
				1078	0 <b>5</b> 15
				1074	4-0-1
				1084	1-1-10
				1085	0-8-11
				חרטו	v= Ø 11

2023.—Whereas by notification of the Government of Inda in the Ministry of Petroleum, S.O. 41001 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land. Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline; 

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Coa Authority of India Lat. for of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances,

#### **SCHEDULE**

Hajira Berelly Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Teshil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur	Kanpur	Каприг	Kaindha	479	0-4-0
City	City	City		495	1-13-18
				496	0-3-8
				498	4-8-15
				499	0 9-15
				500	0 0 16
				520	0.2-17
				521	0-2-15
				522	0-11-5
				525	0-6-15
				257	0-9-15
				528	0-8-15
				534	0-7-15
				538	1-11-0
				539	0-8-15
				542	0-0-13
				602	0-15-10
				603	0-10-13
				604	0-12-12
				606	0-9-0
				609	1-5-0
				610	0-0-13
				618	1-0-0-0
				620	2-0-01
				621	0-0-13
				628	1-0-9
				630	0-9-14
				634	0-1-16
				640	1-0-5
				641m	0-12-10
					12-10 1-5
				646	0-19-5
				647	0-1-5
				654	0-2-10
				655	0-19-0

	\/a				-1100 111 01-141 112 113 115	23/44(A 21, 190)	2423
1	2	3	4	5	6		<del></del>
				656	0-8-5		
				657	0-2-10	233 1-2-	3
				660	0-0-15	235 0-3-	10
				718 730	0-15-0 0-5-5	234 0-0-	12
				1078	0-11-3	216 0-13	-19
				1079 1084	0- <b>5-</b> 15 <del>4-0-</del> 1	239 0-4-	0
				1085	1-1-10	215 0-14	-6
				1086	0-8-11	214 0-16	-19
			[No O	-14016/	6/84— G.P]	243 0-0-	5
		. ــمحـد	-36		( 5	212 0-18	<b>→</b> 0
	. 1034:यतः के अधिकार का					165 0-1-	0
	गरा 3 की उप					166 0-16	<b>-</b> 0
पेट्रोलियम मंह	।।लय की अधिसूच	नाका. आ	ा. सं. 410	)4 नारीर	T 1-12-84	162 0-3-	0
	य सरकार ने					167 0-8-	11
	मियों के उपयोग					161 0-1-	10
के लिए और	त करने का अ	पना आणय	मोषित क	ार. विथा	था।	153 1-4-1	10
और य	· मक्षम प्राधिक	ारी ने उप	ग अधिनिया	न की अ	ारा <b>6 की</b>	156 0~5~0	)
उपघारा (1	) के अधीन सर	क़ार को वि	रेपोर्ट दे दी	है।		155 0-6-5	5
और आ	गे यतः के <b>न्द्री</b> य स	ारकार ने उ	तन <b>रि</b> पोर्ट	पर विच	ार करने के	154 0~4~1	10
पश्चात् इस अ	क्षिम्चना से संल	ग्न अनुमुची	में विनिविद	ट भूमियों	में उपयोग	147 2-7-6	)
का अधिकार	अजिम करने का	विनिष्णय	किया है।	•		107 0-14-	· 9
#াস, এ:	: उक्त अधिनिय	ाम की बा	रा 6 की	उपघारा	(1) কাব	106 0-16-	0

[मं. O-14016/6/84-जींo-पींo]

0~1~0

प्रदश्त गिक्त का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुनुषी में विनिर्दिष्ट उक्त भमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतप्रदारा अजिम किया भाता है।

और आने उस घारा की उपवारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केर्न्द्राय सरकार निर्देश देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग जा अधिकार केन्द्रीय मरकार में निहित होने के बजाय भारतीय रीम प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से सकत रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अत्मृची हाजिरा बर्रेली अगदीलपुर पाइप साइन प्रोजेस्ट

जिला	<b>त्रहर्म</b> ेल	पर्मना	ग्राम कानाम	ताटा मं०	लिया गया र <sub>क्तवा</sub>
i	2	3	4	5	6
कानपुर सिटी	कानपुर विटी	कानपुर मिटी	नौचाक- पुर	286	0-13-7
				287	0-11-16
				295	0-6-0
				294	0-8-5
				297	0-15-8
				281	0-2-10
				252	0-1-0
				280	0-10-1
				278	0-0-1
				279	0-12-16
				230	0→6→10

S.O. 2013.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to a quite the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

109

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	No.	Area Acquired
1		3	4		5	6
Kaupur	Kanpur	Kanpur	Tauchhak	286		0-13-7
City	City	City	Pur	287		0-11-16
				295		0-6-0
				294		0-8-5
				297		0-15-8
				281		0-2-10
				282		0-4-0
				280		0-10-1
				278		0-0-1
				279		0-12-16
				230		0-6-10
				233		1-2-3
				235		0-3-20
				234		0-0-12
				216		0-13-19
				239		0-4-0
				215		0-14-6
				214		0~16-19
				243		005
				212		0~18-0
				165		0-1-0
				166		0-16-6
				162		030
				167		08-11
				161		0-1-10
				153		1-4-10
				156		0-5-0
				155		0-6-5
				154		0-4-10
				147		27-0
				107		0-14-9
				106		0-16-0
				109		0-1-0

[No.--O-14016/6/84-G.P.)

का आ. 2025: ---पतः पेट्रोलियम और खिनक पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अक्षिमूचना का. आ . मं. 4.104 तारीख 1-12-84 इतरा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संतस्त अनुभूची में विनिर्दिद्ध भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषिन कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपन्नारा (1) के अधीन मरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमुक्षना से संनग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिश्चय किया है।

भव, अतः उक्त अधिमियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त र्जास्त का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एसवृद्धारा घोषित करती है इस अधिमुचना में संलग्ध अनुमुत्री में विनिद्धिट उस्त भूमियों ने अपयान का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवुद्वारा कोजत फिया जाता है।

और आगे उस घारा की उपघारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है। कि उनत भूमियो में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बधाय भारतीय गैम प्राधिकरण लि. में सभी भाषाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख की निहिन होगा।

हाजिश-अरेली-जगबीशपूर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	त <b>हसील</b>	परगमा	ग्राम का नाग	गाटा सं	लिया गया रक्षमा
ı	2	3	4	5	6
कानपुर	कानपुर	कानपुर	गदन	1	0-5-0
मिटी	सिटी	ਜ਼ਿਣੀ	खेड़ा		
				191	2-2-0
				192	0-1-0
				193	0-0-14
				194	1-13-0
				195	<b>0</b> → t → 0
				196	G <b>-1</b> 8-0
				201	0-0-14
				201/250	0-14-0
				202	0-0-14
				204	1-1-0
				205	1-8-0
				206	0→ 5→ 0

S.O. 2025.—Whereas by notificatin of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the sald report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publicat on of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances

	S	CHEDULE	<del></del> -			1	2	3	4	5	6	
<del>-</del>	ајіга Ватеі	lly Jagdishl	hpur Pipe	Line Pro	ject					490	0-9-0	
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area					492	0-13-0	
				No.	Acquired					493	0-14-2	
1	2	3	4	5	6					494	0-5-0	
<del></del>				<del></del> _						797	0-0-5	
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Gadan Kheda	1 191	0-5-0 2-2-0					503	0-5-0	
City	City	City	Kingua	191	2-2-0 0-1-0						0-5-0	
				192	0-1-0					504	0-12-0	
				194	1-13-0					505	0-12-0	
				195	0-1-0					601	1-1-0	
				196	0-18-0							
				201	0-0-14					606	0-1-0	
				201	0-14-0					603	0-3-0	
				250						609	0-17-0	
				202	0-0-14					610	0-14-0	
				204 205	1-1 <b>-</b> 0 1-8 <b>-</b> 0					•		
				205	0-5-0					611	0-4-0	
					<del></del>					619	0-3-0	
			[No	O-1401	6/6/84-GP]					621	0-11-0	
		১-১		-						622	0-12-0	
	शा. 2026— ———े-	•		र खनिअ। \ कर्नाज्य	पाइपलाइन					623	0-1-0	
	उपयोग के 150) को ध				त्यम, 1962 च भारतसर-					624	0-14-0	
\	ोलियम मंत्रा		,							660	0-17-13	
	12-84 बार		*1							661	0-4-10	
					पाइय लाइनों					785	0-5-0	
	केलिए अ	ज्ञात करने स	ता अपना अ	ाशय घोषि	त कर दिया					787	0-6-0	
रा ।										988	0-7-0	
अपेर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देधी है।					ारा 6 की					810	0-0-0	

[सं. O-14016/6/84-की पी]

अरि आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस अधिमूचना से संलग्म अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विभिन्दय किया है।

अब, अतः उनते अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार एनव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संजभ्न अनुमूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोक्तन के लिए एनव्दारा अकित किया आसा है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त पार्वितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग कर अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बकाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारोबा को निहिन होगा।

भनुसूर्च हाकिरा बरेलो जगयोशपुर पाइप लाइन प्रोजेस्ट

<b>जि</b> ला	मह् <b>सं</b> !ल	परगना	ग्राम~ क(नाम	लिया र <b>कवा</b>	गया	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
	कानपुर सिटी		<b>ग्रोय</b> पुर	478	0-0-4	
	• • • •	•		489	0-0-1	

S.O. 2026.—Whereas by notification of tre Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that rotification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bare'lly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Shekhan	478	0-0-4
City	City	city		489	0-0-4
				490	0-9-0
				492	0130
				493	0-14-2
				494	0-5-0
				797	0-0-5
				503	0-5-0
				504	0-12-0
				505	0-12-0
				601	1-1-0
				606	0-1-0
				608	0-3-0
				609	0-17-0
				610	0-14-0
				611	0-4-0
				619	0-3-0
				621	0-11-8
				622	0-12-0
				623	0-1-0
				624	0-14-0
				660	0-17-13
				661	0-4-10
				785	0-5-0
				787	0-6-0
				988	0-7-0
				810	0-9-0

[No. O-14016/6/84-G.P.]

नई विल्ली, 1 मई, 1985

का ०आ० 2027—यतः कैन्द्रीय सरकार हको प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रवेश में हुशीरा-बरेली-जगवीशपुर तक में ट्रोलियम के परिबहुन के लिये पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यत प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिये रृतर्पाबद अनुसूची मे विणित भूमि मे उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मस्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आंग्रय एतद्द्वारा चोषित किया है ।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितंबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचें पाइप लाईन बिछाने के लिये अक्षिप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ बी-58/बी, जलांगंज, लखनऊ-226020 यू०पी॰ को इस व्यक्षिस्चना की सारीख से 21 दिन के भीसर कर सकेगा।

त्रीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुभवाई व्यक्तिगत रूप से हो वा किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः

अनुसूची हाजिरा-बरेलीं-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहमील	परगना	ग्राम	गीटी	क्षेत्रफ	ल	
				संख्या	र्वाघा	विस्वा	विस्वासी
हरदीई इरदीई	बिलग्राम	कदियारी	<b>ग</b> यामपुर	190	2	5	
				169/89	0	4	
				169		12	
				170		9	
				186		1	
				185		5	
				221	2		
				222	1		
				223		6	10
				226		2	1
				228	1		
				229	1		
				230	<b>~</b> -	8	
				231		11	
				232		19	
				233		12	
				234		16	
				235		15	
				236		19	-
				237		9	
				238		6	
				216मि	To 3	2	
				217मि	ro	5	_
				345	1		_
				355	1	3	_
				354		15	
				353			1
				352	1		_
				350	2	7	

[सं॰ आ-14016/306/85-जी॰पी॰]

New Delhi, the 1st May, 1985

S.O. 2027.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly-Iagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India, Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Gas	Pipe Li	ne From	Hajira-	Bareilly-	Jagdisl	ipur I	Project
District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	A Bihga	R E Biswa	
1	2	3	4	5		6	7
Hardoi l	Bilgram	Katiyari	Shyam-	190	2	5	
	•	*	риг	169/860	_	4	
			-	169	_	12	
				170	_	9	-
				186	_	1	
				185		5	
				184	1	5	
				221	2		
				222	1	_	_
				223		6	10
				226		2	10
				228	1		_
				229	1		_
				230		8	_
				231		11	_
				232	-	19	
				233	_	12	_
				234		16	
				235		15	
				236		19	
				237	_	9	
				238	_	6	_
				216m.	3	2	_
				217m.	_	5	_
				345	_	_	_
				<b>35</b> 5	1	3	
				354	_	15	
				353		_	10
				352	1	_	
				350	2	7	_ <b>_</b>

[No. O-14016/306/85-G.P.]

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी, कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि ध्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एच०बी०जे० गैंस पाइप लाइन प्रोजेस्ट
ग्राम-बेबा तहसील-भाण्डेर जिला-ग्वालियर राज्य(मध्य प्रदेश)

अनु ० ऋ०	खसरा नं ०	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1. 21	मी०	0.428
2. 22		0.366
3. 18		0.031
4. 3		0.261
<b>5.</b> 11		0.210
6. 12		0.031
<b>7.</b> 10		0,240
8. 9		0,062
9. 8		0,209
10.62		0.157
11. 12	l	0.031
12. 12	2	0.732
13. 12	8	0.123
14. 12	7/2	0.208
15. 12	7/1	0,261
16. 13	1	0.512
17. 13	2	0.324
18. 13	3	0.209
19. 21	म्।०	0.002
20. 12	6	0,002
21. 146	2	0.031

[स॰ O-14016/307/85-जी॰पी॰]

का आं 2028- - यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से अगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि भारतीय गैस प्राधिकरण की ऐसी जाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्याबद्ध अनुसूची मे विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खिनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 को उपवास (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आंक्षेप सक्षम प्राधिकारी , सेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग एच जी० पे० पाइप लाइन 45, सुभाष नगर सांबेर रोड, उक्जीन (म०प्र) 456001 को इस अधिमूक्ता की नारील के 21 बिनों के भोकर कर मकेगा।

S.O. 2028.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareily to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sagwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

## HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Baida	Tehsil: Bhander	Distt Gwalier
S. Survey No.		quired for lectare
1. 21M	0,428	
2. 22	0.366	
3, 18	0.031	
4. 3	0.261	
5. 11	0.210	
6. 12	0,031	
7. 10	0.240	
8. 9	0.062	
9. 8	0.209	
10. 62	0.157	
11. 121	0.031	
12. 122	0.732	
13. 128	0.123	
14. 127/2	0.208	
15. 127/1	0.261	
16. 131	0.512	
17. 132]	0.324	
18. 133	0.209 0.002	
19. 21 M	0,002	
20. 126 21. 192	0.031	
TOTAL AREA	4.430	

[No. O-14016/307/85-G.P.]

का०आ० 2029—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली में जगदीशापुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन मारतीय ग्रैम प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जामी चाहिये।

'और यतः यह प्रदीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एनद्पाधक्क अनुसूची में वर्णिन सूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अनः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962(1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिनितयों का प्रयोग करते हुए केर्जाय मरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणय एनद्वारा घोषित किया है ।

बणतें कि उनन भूमि में हिनकद कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइन विछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल नया प्राकृतिक गैस आयोग, एच०बी०ने० पाइप लाइन 45, सुभाष नगर, सौबेर रोड, उज्जैन (म०प्र०) 456001 को इस अधिमूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेपकरने बाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।

असम्बी

एच०बी०जे० ग्रैस पाइप लाइम प्रोजेंक्ट ग्राम-नोवई तहसील भाण्डेर जिला-ग्वालियर राज्य(मध्य प्रदेश)

				···	<del></del>
अनु त्र	, . 	खसरा न	उपयोग अधिकार ———	. अजन काक्षत्र	(हैक्टर्स) में
_ 1	<sup>2</sup>		3 		
1.	313	0.	794		
2.	312	0	810		
3.	310/2	0	784		
4.	320		710		
5	319		074		
6. 7.	321 322		005 107		
8.	323		020		
9.	296		465		
10	291		157		
11	293		010		
12	292		052		
13.	290		021		
14.	289		120		
15.	297		168		
16	284		010		
17	283		030		
18.	285		303		
19.	364		010		
20.	363	0.	188		
21.	361	0.	157		
22.	373	0.	032		
23.	372	0,	180		
24.	374	0.	700		
25	375/1		020		
26.	375/2		031		
27	375/3	0.	120		
28.	378		314		
29.	388		145		
30	387 389		115		
31. 32.	432		070 365		
33.	431		05?		
34.	430		105		
35.	429		052		
36	419	0	815		
37	418	0.	105		
38.	420	0.	272		
39.	416	0.	052		
40.	96	0.	031		
41-	9 <b>5</b>		795		
42	282		147		
43.	288		005		
44.	310/1		136		
45.	325		005		
46	384		021		
47-	415		031		
48.	379		010		
49,	439		052		
	गेग: कुरू	<b>ा अंत्र</b> फल ————————————————————————————————————	9.773		

[स॰ O-14016/308/85-जी ब्पी॰]

S.O. 2029.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by or by legal practitioner.

SCHEDULF

HBI GAS PIPE LINE PROJECT

Vill	age :	Newai	Tehsil	:	Bhander	Dis	tt. :	Gwal	icr
SI.		vey No.			Area to R.O.U	be J. in		uired ctor	fo
1.	313				0.794				
2.	312				0.810				
3.	310/2				0.784				
4.	320				0.710				
5,	319				0 074				
6.	321				0.005 0.107				
7.	322				0.107				
8.	323 296				0.465				
9. 10.	290 291				0.403				
11.	293				0-010				
11.	292				0.052				
13.	290				0.021				
14.	289				0.120				
15.	287				0.168				
16.	284				0.010				
17.	283				0.030				
18.	285				0.303				
19.	364				0,010				
20.	363				0.188				
21.	361				0.157				
22.	373				0.032				
23.	372				0.180				
24.	374				0,700				
25.	375/1				0.020				
26.	375/2				0.031				
27.	375/3				0.120				
28.	378				0.314				
29.	388				0.145				
30.	387				0 115				
31.	389				0.070				
32.	432				0.365				
33.	431				0.052 0.105				
34.	430				0.103				
35.	429				0.815				
36.	419				0.105				
37.	418				0.103				

_ 1	2	3	
38.	420	0.272	
39.	416	0.052	
40.	96	0.031	
41.	95	0.795	
42.	282	0.147	
43.	288	0 005	
44	310/1	0.136	
45.	325	0.005	
46.	384	0.021	
<b>4</b> 7.	415	0.031	
48.	379	0 010	
49.	439	0 052	
	TOTAL AREA	9.773	

[No. O-14016/308/85-G.P.]

का जा जा जा जा जा जा कि की सारकार को सह प्रतान होता है कि लोक-हित से यह आवश्यक है कि सध्य प्रदेश राज्य में हुजंग से बरेल से जगदाशपुर तक पेट्रोलियम ने परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लिंक द्वारा बिछाई जॉन चाहिये।

और यह प्रतात होता है कि ऐसा लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के नियं एतद्पाश्रद्ध अनुसूच में बणित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आषण्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का जर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्र य सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अधिकार करने का अपना आभय एतद्दारा षोषिन किया है।

बज़र्ते कि उक्त भीम में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भीम के न चे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एव० ब० जे पाइप लाइन, 45, मुभाष नगर, सांबेर रोड उक्कीत-456001 (प०प०) का इस अधिसूबना के नारीख, से 21 दिनो के भीनर कर सकेगा।

और ऐसा शक्षिप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः सह भ कयन करेगा कि क्या वह सह चाहता है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगत कप से हो या किस विधि व्यवसाय की मार्फन।

श्रृमुचः एख०ब,०प्रेट गैस पाइप लाइन प्राज्ञेक्ट ग्राम−मनियर तहस.ल∸पिछोर जिला~शिवपुर, राज्य-(भ्रष्ट्य प्रदेश)

अनु० अन्	ख्यारा न०	उन्याय अधिकार अर्जन क क्षेत्र (हैक्टर्समें)
1.	1	0,125
2.	30	0.178
3.	31	0.240
4	3 2	0.042
5	29	0.042
6	28	0,272
7	2 1	0.115
8	25	0.303
q	106	0.209
10.	104	0 230
11	105	0.0.1

1	2	3
1 2.	109	0.084
1 3.	108	0.209
14	122	0.010
15	123	0.031
16.	124	0.010
17	125	0.010
18.	128	0.084
19.	126	0.178
20	127	0,052
21.	131	0.010
<b>22</b> .	132	0.052
23.	133	0.105
24.	141	0,031
25	139	0.105
26.	140	0.010
27.	162	0.072
	योग कुल क्षेत्रफल	2,840

[सं॰ O-14016/309/85-जी॰पः॰]

S.O. 2030.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barcilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authorny of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBI Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Glagge Maniver Tebril Pichore Diett Shiyengi

SI.	Survey No.	Area to be Acquired	for
No.		R.O.U. in Hectare	
1.	1	0.125	
2.	30	0.178	
3.	31	0.240	
4.	32	0.042	
5.	29	0.042	
б.	28	0.272	
7.	24	0.115	
8.	25	0.303	
9.	106	0.209	
10.	104	0 230	
11.	105	0.031	
12.	109	0.084	
13.	108	0,209	
14.	122	0.010	
15.	123	0.031	
16.	124	0 010	
17.	125	0.010	

1 2	3
18. 128	0.084
19. 126	0.178
20. 127	0.052
21. 131	0.010
22. 132	0.052
23. 133	0.105
24. 141	0.031
25. 139	0.105
26, 140	0.010
27. 162	0.072
TOTAL AREA	2.840
	[No. O-14016/309/85-G.P.]

कां अा • 2031 : — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है ति लोक-हित में यह आवश्यक कि मध्यप्रदेश राज्य में हजारा से बरेला से जगद शपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारत य गैस प्राधिकरण लि॰ द्वारा बिछाई जानो चाहिये।

और यतः यह प्रतोत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अत अत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपयार (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्त्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आश्रय एतपुंडारा घोषित किया है।

बणात कि उक्त भूभि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूभि के नचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, नेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच-बा०के० पाइप लाइन, 45, गुभाव नगर, सांबेर रोष्ट्र उज्ञीन-456001 (सरप्र) को इस अधिसूचना क: नारीख में 21 दिनों के मतर कर सकेंगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टन । यह भ, कथन करेगा कि क्या वह यह चाएना है कि उसक सुनवाई व्यक्तिगत रूप से को सा किस विधि व्यवसाय का मार्फन।

अनुभूषः गम्बब्दः ब्लोट गैस पाइच लाइन प्रीजेक्ट

प्राम-	पिपारा	तहस म~पिछोर	जिला-शिवपुरः राज्य (सध्य प्रदेश)
अन् o	अनु कर खसरा ने ०		त्रायान अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2		3
1	287		0.052
<b>'</b> 2	282		0.022
3.	283		0.116
4.	284		0.105
5-	295		0.084
6	297		υ. 073
7.	298		0 105
8.	299		0.021
9.	300		0.073
10.	302		0.043
11.	303		0.136
1 2.	309		0.031
13.	310		0 418
1 1	311		0.041

0.010

0.042

1 2	ಪ್ರಕರ್ಷ ಮುಂದು ಪ್ರಶಿಷ್ಠ ವಿ. 3		= == (50 of 1962	= 2) the Centra		 nent hereby	declare:
15 312			tention to ac				
15 312 16 317	0.010		vided, that				
17 320	0 021		n 21 days fr aying of the				
18 321	0 021 0 010	Autho	ority, Oil &	Natural Gas	Commiss	ion, HBJ (	ius Pipe
19 225	0.010		45, Subhash				
20 227			d every perso ically whethe				
21 229	0.261		practitioner.	t tie wisites	to the inc	at in person	, or by
23 231	0 200						
1 224	0 115			SCHFI	DUI F		
24 219	0 251 0,004		нВJ	GAS PIPE	LINE PR	OJECT	
25 218	0.335						
26 217	0.021	Villag	ge Pipara	Tehsil:	Pichhore	Distt. : S	hiypuri
27 160	0.021	S. S	lurvey No.			Area to be	ac-
28 319	0 021	No.				quired for I	R.O.U.
29 113	0 042					in Hector	
30 117	0 105	 I.	287		~		0 052
31 118	0 261	2.	282				0.022
32. 119	0 178	3.	283				0.116
33 156	0 042	4 5.	284 295				0.105 0.084
34. 158	0 209	6.	297				0.073
35 155	0 103	7.	298				0.105
36. 620	0 261	8.	299				0.021
7 687	0 282	9.	300				0.073
8 688	0 057	30 11	302 303				0.043 0.136
9 689	0.073	12	309				0 031
0 683	0.065	13	310				0.418
1. 677	0.470	14	311				0.041
2. 698	0 157	15, 16,	312 317				0.010 0.021
3 700	0 335	17.	320				0.021
4 701	0 240	18.	321				0.010
5 699	0.209	19,	225				0 010
6 674	0.010	20. <b>2</b> 1.	227 239				0,261 0,200
7. 678	0,010	22.	231				0.200
8 230	0.042	23.	224				0.251
9. 285	0 073	24.	`219				0 094
0 486	0 042	25.	218				0.335
1. 313 2 314	0 031	26 <b>2</b> 7.	217				0.021
2 314 3 316	0.157	47. 28.	16 <b>0</b> 31 <b>9</b>				0.021 0.021
3. 316 4. 611	0.010	29.	113				0.042
5. 621	0 042	30.	117				0.105
	0 010	31.	118				0.261
6 676 7 682	0 042	32. 33.	11 <b>9</b> 156				0.17 <b>8</b> 0. <b>042</b>
~~ <del></del>	0 021	34.	158				0.209
योग कुल धौद्यफल	9.772	35.	155				0.105
	[#a O	36.	52 <b>0</b>				0.261
	[स• O - 1 4 0 1 6/3 1 0/8 5जा(•पी•]	37. 38.	68 <b>7</b> 68 <b>8</b>				0.282
S.O. 2031Whereas it	appears to the Central Government	39.	68 <b>9</b>				0.057 0.07 <b>3</b>
L IL IS DESESSARY IN THE	Dublic interest what for the transport	40.	683				0.073 0.065
dean State pipeline sho	a-Barcilly to Jagdishpur in Madhyu uld be laid by the Gas Authority of	41.	67 <b>7</b>				0.470
ia Limited.	of the town Attendity of	42.	698				0.157
And whereas, it appears	that for the purpose of laying such	43. 44.	700 701				0,335
eline, it is necessary to d described in the sche	o acquire the right of over in the	45.	69 <b>9</b>				0,240 ), <b>209</b>
Now therefore is	·	46.	674				0.010

**4**7,

48.

678

230

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 127 GI[85—11

3	2	1
0.073	285	49,
0.042	286	50.
0.031	313	51.
0.157	314	<b>52</b> .
0.010	316	53.
0.042	611	54.
0.010	621	55.
0.042	676	56.
0.021	682	57.
9.772	Total Area	
[No. O-14016/310/85-GP]		_

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग मक्षिकार मंजित करना मावश्यक है।

भतः सब पेट्रोलियम भीर खनिल पाइप शाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) भक्षिमियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का मधिकार मिलत करने का भपना माम्यय एतद्वारा भोषित किया है।

बशर्स कि उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए घाडोप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, एव वी जे पाइप लाइन, 45, सुभाष नगर, सांवेर रोड, उज्जैन-456001 (म.प्र.) को इस श्रविसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

स्रीर ऐसा स्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफर्त।

ग्राम : पिपरोबाकला तहसील : भाण्डेर जिला : ग्वालियर राज्य (मध्य प्रदेश)

धनुसूची एख की खे**ु गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट** 

धनु० ऋ०	खासरा नं०	उपयोग ध्रधिकार मर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्समें)
1	2	3
1.	1036	0.039
2.	1035	0.005
3.	1034	0.879
4.	1037	<del></del>
5.	909	0.178
6.	903	0.005
7.	908	0.031
8.	907	0.015
9.	899	0.052
10.	886	0.132
11.	887	0.197

1	2	3
12. 13.	888	0.014
	894	0.031
14 15	896 <sub>-</sub> 895	0.351
16.	832	<del></del>
17.	833	0.035
18.	811	0.217
19.	809	0.177
20.	808	
21.	805	0.311
22-	805/3249	
23.	912	0.021
24.	806	0.032
25.	911	0.031
26.	807	0.032
27.	799	0.597
28.	798	0,031
29.	797	0.032
30.	69 <b>Q</b>	0,404
31.	691	0,313
32.	692	0,155
33.	693	0,199
34.	695,	0.083
35.	696	0.166
36.	622	0.025
37.	623	0.207
38.	620	0.716 0.020
39.	559	0.032
30.	618	0.541
41. 42.	564 566	0.032
43.	569 569	0.726
44.	568	
45.	571.	
46.	572	
47.	573	<del></del>
48.	570	0.170
49.	590	0.035
50.	587	0.022
51.	588	0.020
52-	589	0.002
53.	591	0.330
54	596	<del></del>
55.	594	<del></del>
56.	595	<del>-</del>
57.	597	<del></del>
58.	585	0.166
59.	586	
60.	582	, <del></del>
61.	583	<del></del>
62.	584	<del></del>
63.	586/275	0.473
64.	592	<del>-</del>
65.	593_	<del></del>

1	2	3
66.	211	0.055
67.	158	0.132
68.	159_	
69.	161,	
70.	162.	
71.	163	<del></del>
72.	164,	
73.	168	0.093
74.	157_	0.282
75.	156	0.032
76.	151	0.005
77.	150	0.409
78.	148/2	0.051
79.	149/2	
80 -	910	0,015
	योगकुल श्रोतक ल	9.359

[स॰ O-14016/311/85--जी पी]

S.O. 2032.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petrolcum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBI Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Village: Piprowakala

## **SCHEDULE**

# HBJ GAS PIPE LINE PROJECT Tehsil: Bhander

Distt.: Gwalior

Survey Area to be Acquired S. or R.O.U. in Hector No. No. 2 3 1036 0.039 1. 2. 1035 0.005 3. 1034 0.879 1037 909 5. 0.178 6. 903 0.005908 7. 0.031 907 8. 0.015 899 0.052 10. 886 0.132 11. 887 0.197 888 12. 894 13. 0.014 14. 896 0.031 15. 895 0.354 16. 832 17. 833 0.035 18. 311 0.217

1	2		3
19.	809		0 177
20.	808		
21. 22.	805 805/3249		0 311
23.	912		0 021
24.	806		0.032
25.	911		0.031
26.	807		0.032
27. 28.	799 798		0,597 0,031
29.	797		0.032
30.	690		0.404
31.	691		0,313
32. 33.	692 693		0.155
34.	695		0.199 0.083
35.	696		0.166
36.	622	-	0.025
37.	623		0.207
38.	620 650		0.716
39. 40.	559 618		0.020 0.032
41.	564		0,541
42.	566		0,032
43.	569		0.726
44.	568		_
45. 46.	571 572		
47.	573		_
48.	570		0.170
49.	590		0.035
50. 51.	587 588		0.022
52.	589		0.020 0.002
53.	591		0,330
54.	596		
55.	594		
56. 57.	595 597		
58.	585		0.166
59.	586		_
60.	582		
61. 62.	583 584		
63.	586/3275		0.473
64.	592		
65.	593		_
66.	211		0.055
67.	158 i) 159		0.132
68.	161		
69.	162		
70.	163		
71. 72.	164 168		
73.	157		0.093 0.282
74.	156		0.032
75.	151		0.005
76.	150 148/2		0.409
77. 78.	148/2 149/2		0.051
79.	910		0.015
	TOTAL	AREA	9.359
		[No. O-14	4016/311/85-GP]

का. भा. २०६३ --- वत केन्द्रीन सरकार का बहु प्रतीत होता है कि लोफहित ने मह भागकाम है कि मध्यप्रदेश राज्य में हुंजीरा से बरेसी से जगदीसपुर तक पेट्रोलिस के परिवहत के सिये बाइप बाइन भारतीय गैस प्राचित्रकार लि॰ इत्ता मिछाई जाती साहिए।

भीर कर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईना का विद्याने के प्रयाजन के सिये एतद्पावस सनसूत्री ने विद्यात सूत्रि में उपयोग का सम्निकार सजित करना सामासक है।

भनः भन पेट्रालिकम भीर चनित्र पाइप लाइन (चूमि में उपयोग के सधिकार का भर्जन) अधिनिज्ञन, 1942 (1941 का 50) की औरा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त कमिनवी का प्रयोग करने हुए केर्द्रीय सरकार ने असने उपयोग का सधिकार भजित करने का अपना सामव एनद्वारा भोषित किया है।

बकरों कि उनन भूनि न हिनवज कोई कानितः उस भूमि के नीचे पाइप जावन विकान के जिए बाक्षेप सक्षम ब्राधिकारी, नेज नथा प्राकृतिक मैंस बायोग, एवं.बी.जे नाइप लाइन 45, नुभाष नगर सावेर रोड़, उज्जीन (न.प्र.) 456001 का इस ब्राबिन्चना की नारीका से 21 दिनों के भीतर कर नकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने बाला हर व्यक्ति बिनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या यह बाहता है कि उनकी कुनवाई व्यक्तिगत रूप से दो या किसी बिधि व्यवसारी की सार्यक्ष ।

भनुनूची		46.	697	0.024
एथ. मी. मे. गैस पाउच साइन प्राजेमट		47	701	0.251
	्त्रा, मा, य. गुप्त गाका पाक्ष आधाद		702/14f.	-
ग्राम कनाव तहनील दतिवा	जिला-दितिया राज्य	49	703	ngga.ee
	(सम्य-प्रदेश)	50.	714	•
भेनुक, समरान.	उपयोग का प्रधिकार	51.	70 2/ 1 मी.	0.004
and the same of th	मर्जन का क्षेत्र	5 <b>2</b> .	713	0.170
	(हैन्टर्स मे)	53	714	0.113
	- <del>-</del>	54	715	0.202
1 2	3	5 5	1639	0.065
1. 346	0.016	5 <b>6</b> .	164I	0.081
2. 349	0.008	5 <b>7</b> .	1642	0 - 227
3. 350/2	0.041	5\$-	1643	0.105
4. 353	0.332	5 <b>9</b>	1647	0.041
5. 357	0.105	∺0.	1648	0.040
6. 358	0,137	61.	1649	0.097
<b>7</b> . 375	0.065	6 <b>2</b> .	1654	0.041
8. 377	0.041	6 <b>3</b> -	1660	0 • 162
9. 378	0.137	64.	1661/2	0.186
10. 379	0,041	65.	1663	0.065
11- 380	0.041	6€	1669	0.008
12. 381	0.024	6 <b>7</b>	1671	0.218
13- 384	0.024	68.	1703	0.016
14 385/1	0.113	69.	1973	0.097
15. 385/2	<del></del>	7 <b>0.</b>	1976	0.162
16. 389	0.049	71.	1977	0,057
17. 390	0.137	72	1978	0,064
18. 391/1	0.267	7 <b>3</b> .	1979	0.145
19. 391/2	<del></del>	74	1980	0.049
20. 501	0.081	75.	1985	0.162
21. 502	0.081	76.	1988	0.170
22. 522	0.145	7 <b>7</b>	2003/2	0.008
23. 523/1	0.113	78-	2005	0,121
24 523/3		78-	2006/1	0.105

		707 [[ ART 14SEC. 5(1])
1	· = = 2	3
2 5	<b>5</b> 26	0.097
2 🦸	528	0.016
2 <b>7</b> .	529	0,097
28	546	0.057
29	<b>5</b> 47	0.032
3 <b>0</b>	548	0.041
34-	<b>5</b> 49	0,016
3 <b>2</b>	<b>5</b> 50	0.210
3 <b>3</b> .	<b>5</b> 5 1	0.008
34.	617	0.348
3 <b>5</b> .	618	0.057
3 🚱	642	0.221
3 <b>7</b> .	644	0.081
3 8	645	0.041
<b>39</b> .	646	0.145
40.	647	0.016
41-	674	0.105
42	671	0.061
43.	673	0.301
44.	675	0.129
45	696	0.237
46.	697	0.024
47	701	0.251
48.	702/14ff.	-
49	<b>7</b> 03	-
<b>50</b> .	714	- Marie
51.	<b>7</b> 02/1≇r.	0.004
5 <b>2</b> .	713	0.170
53	714	0 - 113
54	715	0.202
5 5	1639	0.065
5 <b>6</b> .	164I	0.081
5 <b>7</b> .	1642	0 - 227
58-	1643	0.105
5 <b>9</b>	1647	0.041
∺Q.	1648	0.040
61.	1649	0.097
6 <b>2</b> .	1654	0.041
6 <b>3</b> -	1660	0 • 162
64.	1661/2	0.186
65.	1662	0.065
6€	1669	0_008

<b>ว</b> 4	2	7
∠⊶	J	,

0.081 0.081 0.145 0.143

0 041

0 016

0 210

0 008

0.348

0.057

0.221

0 081

0 041

0 145

0.016

0.105

0.061

0.101

0.129

0 237

0.024

0 251

0.004

0 170

0.113

0 202

0 065

0.081

3

30

31.

32. 33.

34.

34.

36.

37.

38.

30

40

41

42.

43

44

45.

46

47.

48.

49.

50.

51.

52.

53.

54

55.

56.

548

549

550

551

617

618

642

644

645

646

647

674

671

673

675

696

697

701

703

714

713

714

715

1639

1641

702 L M

702/1 M

- î	<u> i i -</u> -		±		-			-
l	3		3	1		2	_	
80	2007/1	0	227	7	375			
81	2010/1	0	121	8.	377			
8.2	2011	I)	145	9	378			
83	2013		073	10.	379			
				11	380			
84	520		. 021	12.	181			
8.5	60១	0	0.3.1	13,	384			
86	641	0	020	14.	385/1			
87	527	U	005	15.	385/2			
85	530	n	0.40	16	389			
				17.	390			
8 4	374		0.10	[8,	391/1			
90	1989	()	.020	19,	391/2			
91	1674	()	010	20	<b>5</b> 01			
92	2050	0	390	21.	502			
93	2046		020	22	522			
				23.	523/6			
94	2047		0.50	24	523/2			
9 5	2048	0	020	25.	526			
96	1995	0	010	26	528			
- ਸੌਸ	<i></i>	<del></del>	892	27.	529			
		·	072	28.	546			
		[# O total	ப்பில்கள் பி	1 29.	547			

[म **O**-14016|312|85 जी पी ]

S.O. 2033.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum. Itom Hazira Barilly to lagdishpui in Madbya Pradesh State pipeline should be laid by the Cras Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land). Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBI Gas Pipe Line, 45. Subhash Nagar, Sanwei Road Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## **SCHEDULE**

## HBJ GAS PIPELINE PROJECT

ra D.	J CIAS FUE	CONE PROJECT	57.	1642	0 227
	<del></del>		58.	1643	0.105
Village	: : Unnava;	Tehsil: Datia; Distt: Datia (M P)	59.	1647	0 041
		<del></del>	60.	1648	0 040
	Survey No.	Area to be acquired for	61	1649	0 097
No.		R.O. U in hectare	62.	1654	0.041
			63,	1660	0.162
1		<del></del>	64.	1661/2	0 186
٠.	246	<del></del>	65	1662	0 065
1,	346	0 016	66.	1669	0 008
2.	349	0.008	67,	1671	0 218
3.	350′2	0 041	68.	1703	0 016
4.	353.	0 332	69	1973	0 097
5.	357	0 105	70.	1976	0 162
6.	358	0 137	71.	1977	0 057

	<del></del>		<del></del>
1	2		3
72.	1978		0.064
73.	1979		0.145
74.	1980		0 049
75.	1985		0.162
76.	1988		0.170
77.	2003/2		0.008
78.	2005		0.121
79.	2006/1		0.105
80.	2007/1		0.227
81.	2010/1		0.121
82.	2011		0.145
83.	2013		0.073
84.	520		0.021
85.	605		0.031
86.	641		0.020
87.	<b>5</b> 27		0.005
88.	530		0.040
89.	374		0.010
90.	1989		0.020
91.	1674		0.010
92.	2050		0.390
93.	2046		0.020
94.	2047		0.050
95,	2048		0.020
96.	1995		0.010
	TOTAL ARI	ΕΛ	7.892

[No: O-14016/312/85-GP]

20.

21.

136

135

138

योगः कुल क्षेत्रफल

का. भा. 2034.--यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रशीत हाता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रालियम के परियहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाबद्ध अनुसूची में बर्णित भृमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना श्रोबण्यक है ;

भत श्रव पेट्रोलियम भीर खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भिक्षकार का श्रवंन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधकार श्रवित करने का श्रपना श्राणय एतद्वारा घोषित किया है;

बगतें कि उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, एच. बी. जे. पाइप लाइन 45, सुभाप नगर माबेर रोड, उज्जैन (म. प्र.) 456001 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वट यह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफर्स।

		भगुभूषा				
	एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रो <del>जेक्ट</del>					
- ग्राम	 म : बाजना तहसील	——— । बिछोर जिला		राज्य : मध्यप्रदेश		
भनु.	क. खसरा न.			उपयाग का भ्रम्निकार धर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)		
1	1 46			0.105		
2.	147			0.345		
3	143			0.031		
1.	54			0.596		
5	55			0,251		
6.	7.5			0.021		
7.	91			0.387		
8.	92			0.272		
9.	94			0.262		
10.	96			0.240		
11.	97			0,015		
12.	84			8.481		
13	104			0,021		
1 4.	103			0.658		
I 5.	109 मी.			0.554		
16.	117			0.251		
17.	119			0.136		
18.	120			0.052		
19.	137			0.094		

ग्रनसूची

[सं. O-14016/ 313/ 85-जी. पी.]

0.512

0.125

0.021

S.O. 2034.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specificially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## **SCHEDULE**

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Bajana;		Tehsil:	Picchore;	Distt : Shivpuri
S. Na.	Survey No.			Area to be acquired for R O.U. in Hector
1.	146			0.105
2.	147			0.345
3.	143			0.031
4.	51			0.596
5.	<b>55</b>			0.251
6.	75			0.021
7.	91			0.387
8.	92			0.272
9.	94			0.262
10.	96			0.240
11.	97			0.015
12.	84			0.481
13.	104			0.021
14.	103			0.658
15.	109			0.554
16.	117			0.253
17.	119			0.136
18.	120			0.052
19.	137			0.094
20.	136			0.512
21.	135			0,123
22.	138			0.021
	TOTAL A	REA		5,430
			[N ).C	D-14016/313/85 GP

का. भा. 3035——या: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह श्रावण्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य मे हजीरा से बण्ली मे जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप साइम भारतीय गैंस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये;

श्रीर यतः यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनद्पाबद्ध ग्रनुसूची में वर्णित भृमि में उपयोग प्रधिकार भ्रजित करना ग्रावण्यक है;

भ्रतः श्रव पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के ब्राधिकार का श्रजम) श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन णिक्सों ब्रा प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्राजित करने का भ्रपना श्राणय एतबुढारा घोषिन किया है;

बगतें कि उकत भूमि में हिनवा कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीजे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, एख. बी. जे. पाइप लाइन 45, सुभाध नगर, साचेर रोड, उज्जैन-456001 (म. प्र.) को इस प्रधिमुखना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा;

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर ध्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किमी विधि व्यवसायी की माफर्त।

# धन्सूची

एच. बी. जे. गैम पाइप लाउन प्रोजेक्ट

यनुक.	- <del></del>	
•		का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	831	0 143
2.	844	0 470
3	832	0 042
4	8 4 1	0.136
5.	842	0.010
6.	843	0.386
7.	839	0.052
8	439/890	0.188
9	811	0 031
10	853	0.073
11.	854	0 324
$1\ 2\cdot$	855	0.251
13-	856	n. 491
14.	700	0,073
1 5.	701	0.157
16.	702	0.240
17-	747	0 240
18-	748	0.073
19.	659	0.188
20	660	0.157
21.	666	0.021
22.	667	0.470
23.	668	0 052
24.	677	0.188
25.	679	0.293
26.	680	0.884
27.	840	0 021
28.	676	0.010

[स. O-14016 / 314 / 85-जी. पी.]

S.O. 2035.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the I and) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specificially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Pahara Khurd; Tehsil: Pichbore: Distr.: Shivpuri

S. Survey No. Area to be Acquired R.O.U. in hector

No.		R.O.U. in hector
	<del></del>	
1.	831	0.143
2.	844	0.470
3.	832	0.042
4.	841	0 136
5	842	0.010
6.	843	0 386
7.	839	0.052
8.	439/890	0.188
9.	811	0.031
10.	853	0 073
11.	854	0.324
12.	855	0.251
13.	856	0.491
14.	700	0.073
15.	701	0 157
16.	702	0 240
17.	747	0 240
18.	748	0 073
19.	659	0.188
20	660	0.157
21.	666	0.021
22.	667	0 470
23.	668	0 052
24	677	0 188
25.	679	0.293
26.	680	0.084
27	840	0.021
28.	676	0.010
	TOTAL AREA	4.864

[No. O-14016'314/85-GP]

कार्क्या २ 2036 - - यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लाक हित्त में यह प्राविध्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध प्रमुखी में विणित भूमि में उपयोग प्रक्षिकार प्रजित करना प्रावश्यक है।

भत. श्रव पेट्रोलियम और खनिज पहिए लाइन (भृमि मे उपयोग के भ्रधिकार का श्रजीन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त णिक्तयो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसे उपयोग का स्थिकार श्रजित करने का श्रपना भागय एसच्छारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग, एच०बी०जे० पाइप लाइन 45, सुभाव नगर साबेर रोड, उज्जैन-456001 (म०प्र०) को इस प्रधिसूचना की नारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेसा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्दिन यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह बाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हा या किसी विजि व्यक्सायी की मार्कत।

प्रन<u>ु</u>मूर्ग

एअ०ओ०जे० गैस पाइप लाइम प्रोजेक्ट

प्रसृ	नाम् <b>ध</b> स्रात्०	उपयोग भक्षिकार भर्जन का क्षेत्र (हैस्टर्स मे)
- <sub>I</sub> .		3.640
2	114	0.010
3.	5	0.637
4	8	0.656
5	4	0.857
6	1 0 5	0.418
7.	104	0.031
8	84	0.052
θ,	80	0.194
10	83	0.261
11.	91	0.136
12	90	0.062
. 3	98	0 135
4.	97	0.063
1.5	81	0.010
6.	96	0.031
7	128	0.021
8-	101	0 - 115
4	173	0.157
20	124	0.146
2 1	127	0.021
22.	126	0.240
23	125	0.105,
24	138	0.324
25	137	0 219
26	135	0. 197
27.	134	0.294
28	141	0.052
29.	7	0.334
	योगः फुल क्षेत्र	फ <b>ल</b> 9,623

[म॰ O-14016/315/85-जी॰पी॰]

S.O. 2036.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers confetred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the I and). Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specificially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner,

SCHEDULE
HBJ Pipe Line Project

Village: Ghapaura Tehsil: Pichhore Distt: Shivpuri

S.No	. Survey	No.	Area	to	be	Acquired in	io <sup>r</sup> R.O.U.
1.	1			_			3.640
2.	114						0.010
₹.	5						0.637
4.	8						0,656
5.	9						0.857
6.	105						0.418
7.	104						0.031
8.	84						0.052
9.	80						0.199
10.	83						0.261
11.	91						0.136
12.	90						0.062
13.	98						0.135
14.	97						0.063
15.	81						0.010
16.	96						0.031
17.	128						0.021
18.	101						0.115
19.	173						0.157
20.	124						0.146
21.	127						0.021
22.	126						0.240
23.	125						0.105
24.	138						0.324
25.	137						0.219
26.	135						0.397
27.	134						0.294
28.	143						0.052
29.	7						0.334
	TOTA	LAREA					9.623

[No.-O-14016/315/85-GP]

का ग्रा० २०37—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह ग्रावण्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीगपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की विछाने के प्रणो जन के लिये एत्रवृषाबद्ध भनुभूत्री में वर्णित भूमि मे उपयोग का श्रीक्रकार भजित करना ग्रावश्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रांलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के श्रिधकार का श्रर्जन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की छारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का श्रिधकार श्रिजन करने का श्रपना श्रामण एनइद्वारा धोषिन किया है।

बणतें कि उक्स भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, एचव्बीव्जेव पाइप लाईन, 45, सुभाष नगर सावेर रोइ, उज्जैन-456001 (मव्पव) को इस ग्रधिसूचना की तारीख ने 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किमी विश्रि व्यक्तायी की मार्फत।

127 GI/85--12

# ग्र**नु**सुवी

# एच०बी०जे० गैस पाइप साइन प्रोजेक्ट

प्राप्त श्रैजापारा नहमील भाग्धेर जिला:ग्वालियर राज्य (मध्य प्रदेश)

ঘৰ্ত	क० खसरा मं०	उपयोग ध्रधिकार ग्रर्जंस
·		का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	250	0.774
2	251/1	0.052
3.	249	0.157
4.	156	0.002
5	254	0.105
6	255	0.344
7.	256	0.408
8.	257	0.209
9.	242	0.042
10.	244	0.261
11.	241	0.344
12.	268	0.105
1 3.	188	0.177
1 4	186	0.533
1 5.	191	0.291
16.	177	0.052
17.	176	0.072
8.	175	0.229
l 9.	174	0.072
20	151/1	0.177
21.	172	0.147
2 2.	173	0.020
23	171	0.324
24.	169	0.030
25.	170	0.209
26.	167	0.020
27.	166	0.314
28.	164	0,177
29.	165	0.053
30.	77	. 0 5 2
31.	80	0.314
32	81	5 910
33	74	0.030
	कल क्षेत्रफल	6,095

[ম. O-14016/316/85--মতি দী০]

S.O. 2037.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (MP).

And every person making such an objection shall also state specificially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project

Village: Bejapara Tchsil: Bhander Disti: Gwalior

S No	Survey No	Area to be Acquired	for R.O U Hector
	250		0 774
2	251/1		0 052
3	249		0 157
4	156		0 002
5	254		0 105
6.	255		0 344
7	256		0 408
8	257		0 209
9	242		0 042
10.	244		0 261
11	241		0 344
12.	268		0 105
13	188		0 177
14	186		0 533
15	191		0 291
16.	177		0 052
17	176		0 072
18	175		0 229
19.	174		0 072
20	151/1		0 1 <b>7</b> 7
21	172		0 147
22	173		0 020
23	171		0 324
24	169		0.030
25	170		0 209
26	167		0 020
27	166		0 314
28	164		0 177
29	165		0 052
30.	77		0.052
31.	80		0 314
32	81		0.010
33	74		0 020
	TOTAL AREA	<del></del>	6 09:

का प्रा — 2038 यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह प्रावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगशीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहत के लिये पाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण लि बारा बिछाई जानी चाहिये।

[No O-14016/316/85-GP]

भीर यस यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबच धनुसूबी मे वर्णित भूमि मे उपयोग का ग्रिधिकार धर्वित करना धर्विषयक है।

भत भव पेट्रोलियम भीर खिमिल पाँछप लाइन (भूमि में उपयोग ने भिक्षिकार का भर्जन) भ्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार ने उसमें उपयोग का भिधिकार भीजत करने का भपना भागय एनदृद्धारा घोषित किया है।

बसर्त कि उनत भूमि म हितबाई कोई व्यक्ति उस भीम के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिये भारतेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम भ्रायाग एच की जे पाइप लाइन, 45, मुभाष नगर साथेर रोड, उज्जैत-456001 (म प्र.) को इस भ्रधिस्चना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टत। यह भी कथ्यन करेगा कि क्या वड यह श्राहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत क्य से से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्थत।

ध्रनुमूचा

एक ती जे गैस पाइप लाइन प्राजेक्ट

गम तेहरी तरसील पिछार जिला शिवधरी राज्य (सध्य प्रदेश)

प्रन् . -	ক <b>ড</b>	।सरा मं <i> </i> 	उपयोग —	श्रिष्ठिकार —	मर्जन — —	का	क्षेत्र (हैं <del>ग</del> टसंम ——
1		2					3
I	85						0 408
2	87						0 010
3	80						0 240
4	109						0 052
5	79						0 073
6	103						0 209
7	102						0 105
8	105						0.084
9	104						0 146
10	106						0 418
11	123						0 010
12	142						0 021
13	91						0 010
14	141						0 188
15	138						0 094
16	139						0 334
17	140						0 136
18	126						0 125
19	129						0 199
20	447						0 021
21	496						0 262
22	127						0 167
23	125						0 105
2.1	125						0 397
25	121						0 543
26	111						0 428
27	213						0 052
28	430						0 115
29	416						0 512
30	447						0 240
31	434						0 240
3.2	411						0 146
33	450						
34	451						0 167 0 426
35	452						0 031
36	503						0 282
37	499						0 449
38	498	,					0 272

39.	504					SCHEDULE
40.	500	0.178			HBJ (	GAS PIPE LINE PROJECT
41.	522	0.387 0.010	Vi	llago	Tehari	Tehsil: Pichhore, Distt: Shivpari
42.	4भ3	0.011	<b>S.</b> 1	No.	Survey No.	Area to be acquired for
43	194	0.053			- 40 - 101	R.O.U in Hector
44.	536	0.031	1		2.	3
5.	495	0.188	1.	8.5		0.408
46	492	0.555	2.	87		0.010
47	611	0.052	3. 4.	80 10		0.240
48	610	0.199	5.	79		0.052 0.073
49. 50.	613	0,387	6.	10		0.209
5 I.	617 615	0.314	7.	10		0.105
52.	616	0.157	8, 9,	10 10		0.084
3.	682	0.418	10.	10		0.146 0.418
4	701	0.157	11,	12	3	0.010
5.	702	0.010 0.042	12.	14		0.021
6.	703	0.042	13. 14.	91 14		0.010
7.	698	0.136	15.	13		0.188 0.094
8.	691	0.157	16.	13	9	0.334
9.	694	0.094	17.	14		0.136
٥.	684	0.997	18. 19.	12 12		0.125
1.	685	0.687	20.	49		0.199 0.021
2.	706	0.125	21.	49		0,262
3.	707	0.053	22.	12		0,167
4.	109	0.021	23. 24.	12. 12		0.105
5	712	0.418	25.	12		0,397 0,543
6.	693	0.105	26.	11		0.428
7.	692	0.272	27.	213		0.052
3.	683	0.345	28. 29.	430 440		0.115 0.512
9	445	0,052	30.	44		0.312
Ų	ोग :~ कुल क्षेत्रफल	14.362	31.	434		0.251
			32. 33.	444 450		0.146
	[4	. O-1401 / 317/85 जी-मी]	34.	451		0.167 0.428
			35.	452		0.031
5.0.	2038Whereas it appears	to the Central Government	36.	503 499		0.282
ıt it	is necessary in the public in	terest that for the transport	37. 38.	499		0.449 0.272
	roleum from Hazira-Barilly h State pipeline should be la		39.	504		0.178
	Limited.		40.	500		0.387
			41.	522 493		0.010
	whereas, it appears that for		42. 43.	493		0.011 0.053
	e, it is necessary to acquire escribed in the schedule anno		44.	536		0.031
			45.	495		0.188
,	.T. C 1		46.	492		0.555
	<li>therefore, in exercise of tion (1) of the Section 3 of t</li>		47. 48.	611 610		0.052
b-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,		User in the Land) Act,	40. 49.	613		0.199 0,387
	50 of 1962) the Central G ntion to acquire the right of		50.	617		0.314
			<b>5</b> 1.	615		0.157
rov:	ided, that any person intere-	sted in the said land may,	52. 53.	616 682		0.418 0.157
	21 days from the date of ing of the pipeline under the		54.	701		0.137
hori	ity, Oll & Natural Gas Cot	nmission, HBJ Gas Pipe	55.	702		0.042
. 4:	5, Subhash Nagar, Sanwer R	oad, Ujjain (M.P.).	56.	703		0.021
			57.	698		0.136
	every person making such as	n objection shall also state	58.	691		0.130

3	2	1
0.094	694	59.
0.997	684	60.
0.687	685	61.
0.125	706	<b>52</b> .
0.053	707	53.
0.021	109	54.
0.418	712	55.
0.105	693	56.
0.272	692	57.
0.345	683	58.
0.052	445	59.
14.362	TOTAL AREA	_

[No. O 1416/317/85GP]

का. था. 20 39.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक— हिस में यह आवश्यक है कि मध्यप्रयेग राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीशपुर तक पेट्रीलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई कानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत हीता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोक्तम के लिये एतद्यावद्य अनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोगका अधिकार अज्ञित करना जावश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार भा अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्थित करने का अपना आह्म एसवृद्वारा घोषित किया है।

बसर्ते कि उक्त मूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीचे पाइप लाइन विकाने के लिये आक्षेप संसम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एव. की. जे. पाईप लाइन 45, सुमाध नगर सावेर रोक, उज्जैन-456001 (म.प्र.) इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथम करेगा कि क्या वह यह पाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची एव. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेस्ट

<b>अम्</b> .	क. वासरानं.	उपयोगका अधिक। र अर्थन का क्षेत्र (हैक्टर्स में
1	2	3
1.	71	0.031
2.	64	0.560
3.	67	0.167
4.	143	0.002
5.	68	0.042
6-	66	0.031
7-	96	0.084
8.	144	0.042
٠.	145	0.062
10.	146	0.002
11	147	0.228

_1	2		3
1 2-	158	<del></del>	0.178
13.	14		0.035
14.	159		0.031
15.	162		0.199
16.	167	•	0.188
1 7.	118		0.020
18.	169		0.199
19.	170		0.052
20.	171		0.157
21.	32		0.115
22.	34		0.103
23.	33		0.072
2+	10		0.073
25.	28		0.010
26.	27		
27.	24		0.209
28.	13		0.229
29.	1		0.293
30.	36		0,115
31.	157		0,002
		<del></del>	0.005
4	गिकुल क्षेत्रफल		3,550
		Iti O Mandandar	-66.2

[सं. O-14016/318/85- जीपी]

S.O. 2039.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gag Authority of India Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided, that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specificially whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Salon (Bharoli)	Tehsil: Bhander Distt. Gwalior
S.No. Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. 1n Hectare
1 2	3
1. 71	0.031
2. 64	0.560
3. 67	0.167
4. 143	0.002
5. 68	0.042
6. 66	0.031
7. 96	0.084
8. 144	0.042
9. 145	0.062

1	2	3
10.	146	0.229
11.	147	0.031
12.	158	0.178
13.	14	0.035
14.	159	0.031
15.	162	0.199
16.	1 67	0.188
17.	168	0.020
18.	169	0.199
Đ.	17)	0 .052
20.	171	0.157
21.	32	0.115
22.	34	0.002
23.	33	0.073
24.	10	0.157
25.	28	0.010
26.	27	0.209
27.	24	0 229
28.	13	0 293
29.	1	0,115
30.	36	0.002
31.	157	0.005
	TOTAL AREA	3.550

No. O-14016/318/85-GP]

का. आ. 1040.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित से यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीनपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइन लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावक अनुसूची मे वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अत. अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवेत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का जपना आशय एतदद्वारा घोषित किया है।

बंशतें कि उक्त भूमि में हितब के कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैंस आयोग, एच.बी.जे. पाइप लाइन 45, सुभाष नगर मंत्रिर रोड, उज्जैन-456001 (म.प्र.) को इम अधिमूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर ब्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची ए**च**्डीं ० जें० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

प्रामः वर्ष	रा तहसील : पिछोर	जिला शिवपुरी	राज्य (मध्य प्रदेश)
अनु.क. खसरा नं.		उपयोग अधि	धकार अर्जन काक्षेत्र
			(हैक्टर्सं) में
1.	16	0.784	
2.	3	0,142	
3.	2	0,052	
4.	1	0.548	
5.	17	0.167	
	योगः क्षेत्रफल	1.693	
		[rf O-1401	हो ३ 1 १/ ८ इ-जी प

[सं. O-14016/319/85-जी पी]

S.O. 2040.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Auhority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ, Gas Pipe Line, 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Badera Tehsil Pic	Tehsil Pichhore Distt. Shivpuri			
S.No. Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare			
1. 16	0.784			
2, 3	0.142			
3. 2	0.052			
4. 1	0.548			
5, 17	0.167			
. TOTAL AREA	1.893			

[No. 14016/319/85-GP]

का.आ. 3041.—पनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि 8 हारों विछाई जानी चाहिए।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबस अनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैद्रोलियम और खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उनधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतदद्वारा धोषिन किया है।

बगतें कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए अक्षिप सक्षम प्राधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक तैन आयोग, एच.बी.जे. पाइप लाइन, 45, मुभाष नगर सबिर रोड, उज्जीन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेया।

और ऐसा अक्षिप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन यह भी क्या करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किमी विधि व्यवसायी की मार्फता

अनुसूची

एच , बी , जे , गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम . भव	वरहार तहसीलः पिछोर जिल्ला.शिवपुरी राज्य (मध्यप्रवे	
अन्. त्र/	 खासरा न	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
	5	0.031
2.	4	1 097
3.	6	0.219
4.	10	0.136
5-	11	0,010
6	12	0.178
7.	13	0.188
8.	38	0.094
9.	37	0.157
10.	39	0.031
11	40	0.188
1 2.	41	0.115
13.	32	0.031
14.	33	0.251
<b>15</b> .	27	0.585
16.	436	0,136
17.	386	0.021
18.	437	0.031
19.	438	0.084
20.	440	0,063
21.	441	0.010
22.	442	0.513
23.	443	0.105
24.	444	0.125
25.	5 5 2	0.418
26.	553 मी <sup>र</sup> .	0,209
	गोगः कुल क्षेत्र	াদল 5.026
		मि 14016/320/85-जीकी

मिं. 14016/320/85-जीपी]

S.O. 2041.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of pertoleum from Hazira-Barielly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ, Gas Pipe Line. 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village E	hanwarhar	Tehsil	Pichhore	Distt.	Shivpuri
S.No S	Survey No.	<u> </u>		for	be Acquired R.O.U. 111 octare
1. 5					0.031
2. 4					1.097
3. 6					0.219
4. 10					0.136
5. 11					0.010
6. 12					0.178
7. 13					0.188
8. 38					0.094
9. 37					0.157
10. 39					0.031
11. 40					0.188
12. 41					0.115
13. 32					0.031
14. 33					0.251
15. 27					0.585
16. 436					0.136
17. 386					0.021
18. 437					0.031
19. 438					0.084
20. 440					0.063
21. 441					0.010
22. 442					0.513
23. 443					0.105
24. 444					0.125
25. 552	_				0.418
26. 553	M.				0.209
TOTA	L AREA				5,026

[No.-14016/320/85-GP]

का. भा. 2042.—यत. केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हुओरा से बरेलों मे जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहत के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

श्रीर यतः यह प्रकोत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध श्रनुसूची में विणित भूमि मे उपयोग श्रधिकार प्रिजित करना श्रावश्यक है।

मनः श्रव पैट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा पदत्त सम्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिष्ठकार श्रजित करने का श्रपना शाणय एतदहारा घोषित किया है।

बशरों कि उनत भूमि में हितवद कोई व्यक्ति, उस भूमि के तिथे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप मजम प्राधिकारा, नेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच बो.जे. पाइप लाइन 45, सुआय नगर मांबेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस अधिमूचना को नारीख से 21 दिनों के भानर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टम यह भी कथम करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृत्याई व्यक्तिगत रूप से हो या किसा विधि व्यवसायी की मार्फत।

# **प्र**नुसूर्चाः

एच बी, जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

<b>प्र</b> नुक	खसरान	उपयोग प्रधिकार घर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्समे)
1	1	0 042
2	2	0 136
3.	3	0 240
4	4	0 261
5	5	0 115
6	6	0 105
7	20	0 094
	योग कुल क्षेत्रप	<del></del> कल 0.993

[स. 4016/321/85-जापः]

S.O. 2042.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagd shpur in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Auhority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ, Gas Pipe Line, 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Uljain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

# SCHEDULE HBJ GAS PIPELINE PROJECT,

Village: Nimghana Tehsil: Pichhore Distt.: Shivpuri

	•
S.No. Survey No.	Area to be Acquired for ROU in Hector
1. 1	0 042
2. 2	0 136
3. 3	0 240
4 4	0.261
5 5	0.115
6. 6	0 105
7. 20	0 094
TOTAL AREA	0 993
	14016/321/85-GP]

का आ 2045—यन केन्द्रीय सरकार का यह प्रतेत होता है कि जाकहित में यह आवण्यक है कि मध्य प्रदेण राज्य हजारा में बरेला से जगवीशपुर तक पैट्रोलियम व परिवहस के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण हारा बिलाई जोना चोहिए। भीर यत यह प्रतान होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदपायद अनुस्ता में विणय भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजिन करना प्रावश्यक है।

श्रत अब पैट्रालियम श्रीर खिनक पाइप लाइन (भूमि म उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्थन) अधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा ,3 का उपधारा (1) ब्रारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रीजित करने का अपना आश्रय एनदद्वारा श्रीपित किया है।

बगर्ने कि उक्त भृमि म हितब इ कोई व्यक्ति, उस भृमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए झाक्षेप सक्षम प्राधिकारः, तेल तथा प्राकृतिक गैस झायोग एच वी को पाइप लाइन 15, सुभाष नगर, साबेर रोड़ उजीन 456001 (स प्र ) का इस झिंधसूचना के तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सबेगा।

स्रीर ऐसा स्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टत यह भा कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को सार्फता

ध्रनुसूची एच बी जे गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम	सेमरो घ	मागढ	<b>त्रहर्म</b> ।ल	पिछोर	সিল	ा शिवपुरी	गज्य	मध्य	— प्रदेश
म्रनु	क खसर	 ग न		 उपय		— प्रधिकार हैक्टर्समे)	 म्रर्जन	— — का	- क्षेत्र
1	8.9		-				_ <u>_</u>	 178	
2	86						0	084	
3	89						0	084	
4.	102						0	010	
5	103						0	157	
6	104						0	073	
7	105						0	178	
8	107						0	010	
4	77						0	575	
10	111						0	021	
11	130						0	<b>461</b>	
12	131						0	031	
1 3	132							073	
14	133							031	
15	140							021	
16	135							105	
17	136							091	
18	137							073	
10	138						Ú	115	
20	139							052	
21	162							272	
2.2.	164	l						157	
23	16 /	<b>{</b>						094	
24	173							031	
25.	174/	t							
26	174/						0	157	
2 <b>7</b>	23							178 042	

[म - 1401(/322/8=/जे भी]

S.O. 2043.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagd shpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Auhority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ, Gas Pipe Line, 45, Subash Nagar. Sanwer Road, Uijain (M.P.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Semari 	 Teshil Picchore Distt. Shivpuri  Area to be Acquired
	for R,O,U, in
	Hector
1. 88	 0.178
2. 86	0 084
3, 89	0.084
4. 102	0.010
5. 103	0.157
6. 104	0.073
7. 105	0.178
8, 107	0.010
9 77	0.575
10 111	0.021
11. 130	0.261
12. 131	0.031
13. 132	0.073
14. 133	0.031
15 140	0 021
16. 135 17. 136	0.105
18 137	0.094 0.07
19, 138	0.113
20, 139	0.113
21. 162	0 272
22. 163/1	0.157
23. 163/3	0.094
24. 173	0 031
25. 174/4	0.157
26. 174/1	0 178
27. 23	0 042
TOTAL ARI	 3 157

[No.-14016/322/85 GP]

का. आ 104 1---पत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आयंक्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हकीर। से बरेल, अगदोशपुर तक पैट्रालियम के परिषद्ध के निग पादित लोहन भारतीय गैम पाबिकरण जि. प्रांग विकार जोनी हाहिए। और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के निए एनदगाबद अन्यूची से वर्णिन मूमि से उपयोग के अधिकार अफिन करना आवश्यक है।

अन अब मैट्रोनियम और खनिक पाइप लाइन (भूमि से उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्वारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एनद्राग घोषित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिटाने के लिए अक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक नैस आधाग, एख बी जे पाइपलाइन, 15, सुभाष नगर सांवेर रोड, उज्जीन 456001 (म प्र ) को इस अधिसूचना की तारीख मैं 21 दिनों के मीलर कर सक्या।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन यह भी कथन नरेगा कि क्यां वह यह चार्डना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी: विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची एक बीठजेठ गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

अনুক	खमरा न	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षे <b>ज्ञ</b> (हैक्टर्स में)
	2	3
1	2046	0.031
<b>2</b>	2053	0 188
3	2057	0.366
4	2058	0,261
5	2059	0 167
6.	2292	1 000
7	2070	0 170
8	2291	0 031
9	2294	0.082
10	2124	0.648
11.	2123	0 209
12	2121	0 230
1 3-	2175	0 031
14	2176	0 292
15	2147	0 366
16	2150	0 240
17.	2151	0 324
18	2269	0 021
19	2268	0 010
20	2270	0 042
21.	2371	0 261
22	.283	0 021
23	2145	0 355
24	2221	0 116
25.	2223	0 073
26	2225	0 063
27	2227	0 115
24	2328	0 115
29	2019	0 073
30	2261	0.010

1	2	3	
31.	2265	0.209	
3 <b>2</b> .	2277	0.314	
33.	2278	0,105	
34.	2281	0 105	
35.	2296	0 063	
36.	2297	0.031	
37	2295	0.031	
38.	2054	0.052	
39.	2064	0.021	
40.	2226	0.010	
	योगः कुल क्षेत्रफल	7.182	

[मं. 14016/323/85-जी पी]

Tehsil Pichhore Distt. Shivpuri

0.240

0.021

0.010

0.042

S.O. 2044.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagd'shpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Auhority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ, Gas Pipe Line, 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Mohaba Darmone

S.No. Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1 2	3
1. 2046	0.031
2. 2053	0.188
3. 2057	0.366
4. 2058	0.261
5. 2059	0.167
6, 2292	1,000
7. 2070	0.470
8. 2291	0.031
9. 2294	0.082
10. 2124	0.648
11. 2123	0.209
12. 2121	0.230
13. 2175	0.031
<b>14. 2</b> 176	0.292
15. 2147	0.366

1	2	3
21.	2271	0.261
22.	2283	0.021
23.	2148	0.355
24.	2224	0.146
25.	2223	0.073
26.	2225	0.063
<b>2</b> 7.	2,227	0.115
28.	2228	0.115
<b>2</b> 9.	2229	0.073
30.	2264	0.010
31.	2265	0.209
32.	2277	0.314
33.	2278	0.105
34.	2281	0.105
35.	2296	0.063
36.	2297	0.031
37.	2295	0.031
38.	2054	0.052
39.	2064	0.021
40.	2226	0.010
	TOTAL AREA	7.182

[No. 14016/323/85-GP]

का.आ. 2045.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में म्हजीरा से धरेली से जगवीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ द्वारा बिछाई जानो चाहिये।

भौर यतः यह प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोक्त जन के लिये एतव्याबद्ध अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अत पेट्रोलियम घीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रोय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आगय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आगोग एच.का.जो.पाइप लाइन 45, सुभाष नगर सांबेर रोड़ उज्जैन-456001 (म.प्र.) को इस अधिमूजना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

प्रोर ऐसा आक्षेप फरने बाला हर व्यक्ति विनिधिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफर्त।

16. 2150

19. 2268 20. 2270

2151

2269

er for \_\_\_\_\_verrerat

Village-Bha

अनुसूची एच. बी. **पो.** गैस पा**इ**पलाइन प्रोज्ञ<del>ीन</del>ट

न्यार्क न किस्तेन विकास विकास र प्राप्त प्राप्त प्राप्त

न्/क	. खसरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र(हेक्टर्स में)
1	5	0.261
2.	6	0 909
3	9	0.533
4.	10	0.355
5.	11	0.334
6	1 2	0.533
7.	21	0.460
8.	26	0.679
9.	26/48	0.105
10.	23	0.052
11.	24	0.084
12.	1	0,021
		4,326

सि. 14016/324/85~जी पी

S.O. 2045.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of Inida Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBI Gas Pipeline, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

**SCHEDULE** 

нвл	GAS	PIPELINE	PROJECT
wargarh	Tehs	sil- Pichhore	Distt.—Shivpuri

S.No	. Survey No.	for	to be acquired R.O.U, in Hector
- <u>ī</u> .			0.261
2.	6		0.909
3.	9		0.533
4.	10		0.355
5.	11		0.334
6.	12		0.533
7.	21		0.460
8.	26		0.679
9.	26/48		0.105
10.	23		0.052
11.	24		0.084
2.	1		0.021
		TOTAL AREA	4.326
	<del></del>	[No. 140	16/324/85-GPJ

का. आ., 2046. — यत नेस्क्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि लोकहित में यह आवण्यक कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीश से बरेली ते जगदी सपुरी तक पेट्रोजियम के परिवहन के लिये पाइपल। इन आरतीय गैस प्राधिकरण थि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

ग्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भृमि में उपयोग अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रॉलियम धौर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 की 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिल करने का अपना आगय एनद्रद्वारा घोषिन किया है।

बंशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच.र्था.जे. पाइपलाइन 45, सुभाष नगर, सबिर रोड, उर्जीन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की नारीख से 21 बिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भो कयन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उमकी सूनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसार्या की मार्फत।

अनुसूची एच. बी. जे. गैंस पाइपलाइन प्रोजैक्ट

ग्राम : पगरा तहस्रोल: पिछोर जिला : शिवपुरी राज्य , मध्य प्रदेश

अनु. ऋ.	चमरानं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स मे)
1.	75	0.092
2	233	0.021
3.	76	0,941
4.	71	0.502
5.	64	0.063
6	63	0.084
7	66	0 021
8	57	0,021
9	62	0.449
10.	185	0.021
11.	186	0.031
12	187	0.021
13.	222	0.031
14	227	0.105
15.	234	0.021
16.	228	0.084
17.	232	0.084
18.	230	0.031
19	231	0.136
20.	242	0.084
21.	239	0 072
22	243	0 021
23	247	0.240
24	246	0.355
25.	248	0.042
26	270	0 063
27.	210	0.177

1 .	3	ł	1 9
28 2	u9	0,219	25. 248
29 2	03	0,219	26. 270
30 2	06	0.261	27. 210 28. 209
3 I. 2	74	0.586	29. 208
32. 2	73	0.125	30. 206
<b>33</b> 6	0	0.031	31. 274
	योग :		- 32. 273 33. 60
		Ola O 1401/1225195 C	

[No. O-14016]325[85-G.P.]

S.O. 2046.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for Hazira—Bareilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of Inida Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas, Commissioner, HBJ Gas Pipeline, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village—Pagara	Tehsil—Pichhore	Distt. Shivpuri
Sr. Survey No. No.		Area to be acquired for R. O. U. in Hector
1. 75		0.092
2. 233		0.021
3, 76		0.941
4. 71		0.502
5. 64		0.063
6. 63		0.084
7. 66		0.021
8. 57		0.021
9. 62		0,449
10. 185		0.021
11. 186		0.031
12. 187		0.021
13. 222		0.031
14. 227		0.105
15. 234		0.021
16. 228 °		0.084
17. 232		0.084
18. 230		0.031
19. 23 l		0.136
20. 242		0.084
21. 239		0.072
22. 243		0.021
23. 247		0.240
24. 246		0.355

			 	-	
1	3				3
25.	248		-	_	0.042
26.	270				0.063
27.	210				0.177
28.	209				0.219
29.	298				0.219
30.	206				0.261
31.	274				0.586
32.	273				0.125
33.	60				0.031
r	OTAL ARI	 E <b>A</b>			5.254

[No. O-14016/325/85-GP]

का.आ .2047 :— यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लाकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्ज रा से बरेली से जगरिशयपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन भारतीय गैस प्राकृतिक गैस प्राधिकरण लि द्वारा विछाई आने। चाहिये।

श्रार यत यह प्रतिति होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एटदुवाबद अनुसूची में बर्णित भिम में उपयोग का अधिकार अजित करना आवण्यक 'है।

अतः अब पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवेल्त यक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रोय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आशय एनदुद्वारा प्राप्ति किया है।

बसर्ने कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारा, नेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच.बी.जी. पाइपलाइन 45, सुभाष नगर, सबिर रोड, उफ्जैन (म.प्र) 456001 को इस अधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीरत कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने ५ ला हर व्यक्ति किनिर्दिष्टता. यह भी नचन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसार्या की मार्फत।

अनुसूचे।

# एच०बी०जी० गैस पाइपलइ।स प्रोजैस्ट

ग्राम−धिलोदरा नहसं।ल⊸पिछोर जिला-शिवपूरी राज्य-मध्य प्रदेश

 अनु. क.	- <u>-</u> स्वसरा न .	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर्स मे)
1.	145	0 690
योग :		0.690
		मिं. O-14016/326/85-जीपी]

S.O. 2047.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareilly to Jadishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of Inida Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipeline 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heatd in person or by leval practitioner.

#### **SCHEDULE**

#### HBJ GAS PIPELINE PROJECT

н	B) GAS PIPELINE	PROJECT
Village—Ghilodra	Tehsil—Picchore	Distt.—Shivpuri
S.No. Survey No.		Area to be acquired for R.O.U. in Hector
1. 145		0.690
<u></u>	TOTAL AREA	0.690
<u> </u>	[No	O-14046/326/85-GP]
	2.0	

का. आ. 2048. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आंवश्यक है कि मध्य प्रवेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीगापुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपनाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतपुराबद अनुष्वी में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम भीर खनिज पाइँपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदर्त सक्तियों क प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आग्रय एतद्-द्वारा धोयित किया है।

त्रप्तिं कि उपल भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचें पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एच.बी.जे. पाइपलाइन 45, सुभाष नगर, सबिर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीच 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी भयनं करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुमूची

एच , बी , जें , गैस पाइपलाइन प्रोजेश्ट

प्राम-पहाँका कला तहसील-पिछोर जिला- पिश्वपुरी राज्य-मध्य प्रदेश

अनु० क.	षसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1-	459	0.532
2.	465	0.125
3.	466	0.209
4.	467	0.261
5.	447	0.157
6.	448	0.011
7.	578	0.156
8.	579	0.324
9.	588	0.355
10	590	0,146
11.	591	0.125

1.	2	3
12.	592	0.064
13.	593	0.199
14.	632	0.387
15.	634	0,627
16.	633	0.063
17.	643	0,166
18.	644	0.240
19,	635/3	0.063
20.	572	0.010
21.	635/4	0.219
22.	642/11	0.282
23,	642/1	0.314
24.	642/2	0.105
25.	642/3	0.073
26.	642/4	0.115
27.	60	0.084
28.	635/5	0.042
29.	642 5	0.021
-	योग: — भुल क्षेत्रफल	5.475

सि. O-14016/327/85--जी.पी]

S.O. 2048.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagd shpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of Inida Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipeline 45, Subash Nagar, Sanwer Road, Ujlain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by leval practitioner.

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village-Pahara Kala Tehsil-Pichoro Distt.-Shivpuri

S.No.	Survey No.	Area to be Aqluired for R.O.U. in Hector
1,	459	0.532
2.	465	0.125
3.	466	0.200
4.	467	0.261
5,	<b>44</b> 7	0.157
6.	448	0.011
7.	578	0.156
8.	579	0.324
9.	588	0.355
10.	<b>5</b> 90	0.146
11.	591	0.125

2

3

4

221

443

220

1

в

0- 1- 0

0 - 0 - 15

0--9--0

1	2	3
12.	592	0.064
13.	593	0.199
14.	632	0.387
15.	634	0.627
16.	633	0.063
17.	643	0.166
18.	644	0.240
19.	635/3	0.063
20.	572	0.010
21.	635/4	0.219
22.	642/11	0.282
23.	642/1	0.314
24.	642/2	0.105
25.	642/3	0.073
26.	642/4	0.115
27.	60	0.084
28.	635/5	0.042
29.	642/5	0.021
	TOTAL AREA	5 .475

[No 14016/327/85 G.P.1

## नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1985

का. आ. १ 049.---यतः पेट्रोलियम भौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत भरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसुचना का. आ. सं. 3740 तारीख 17.11.84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने इस अधिस्चना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछोने के लिए अजित करने का अपना आंशय घोषित कर दिया या:

मौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है;

मीर आगे यतः केम्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसचना से संग्लन अनुमुची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है;

अब, अस: उक्त अधिनियम की उपधारा 6 की उपधारा (1) बारा प्रदत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसचना में संग्लन अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन्नत भूमियो में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनददारा अजिल किया जाता है:

धौर आगे उस धारा की उपवारा (4) द्वारा प्रवत शनितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है। कि उक्त मूमियों मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. मे सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को मिहित होगा।

अनुसूचा हाजिरा धरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना	ग्राम का नाम	प्साट नं.	लिया गया रक्ष्या	
1	2	3	4	5	6	_
उन्नीव	पुरवा	पुरवा	भूलेम 3	218/1 219	0-810- 0-2-0	

224 1→10**-**0 372 0-14-0 229 0 - 11 - 5389 0 - 6 - 0230 0 - 2 - 10241 0-4-15 239 0-1-0 243 0 - 14 - 0240 0-1-0 357 0-0-10 365 0 - 10 - 10367 0 - 3 - 5396 0 - 1 - 0381 kha 0 - 6 - 0363 0 - 1 = 0366 0-3-5 371 0-15-10 381/ka 0-3-10 834 0-10-0 838 0 - 2 - 0839 0 - 6 - 0380 0-6-0 387 0-11-10 388 0 - 2 - 0390 0 - 7 - 0391 0 - 15 - 10444 0- 2- 0 447 1-11-0 0 - 13 - 10448 0 - 9 - 0840 0 - 12 - 0842 0-3-15 845 0 - 4 - 0843 0 - 6 - 00-2-10 386 0-0-10 New Delhi, the 29th April, 1985

सिं. O 14016/53/84-जी पी]

S.O. 2049.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3740 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Hajira	Barrielly	Jogdeshpur	Pipe I	Line Projec	t
Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Required
1	2	3	4	5	6
Unnav	Purva	Purva	Bhulamou	218/1	0-8-10
				219	0-2-0
				221	0-1-0
				443	0-0-15
				220	0-9-0
				224	1-10-0
				372	0-14-0
				229	0-11-5
				389	0-6-0
				230	0-2-10
				241	0-4-15
				239	0-1-0
				243	0-14-0
				240 357	0-1-0
				365	0-0-10
					0-10-10
				367 396	0-3-5
				396 381/Kha	0-1-0
				363	
				366	0-1-() 0-3-5
				371	0-15-10
				381/Kha	0-3-10
				834	0-10-0
				838	0-2-0
				839	0-6-0
				380	0-6-0
				<b>38</b> 7	0-11-10
				388	0-2-0
				390	0-7-0
				391	0-15-10
				444	0-2-0
				447	1-11-0
				448	0-13-10
				449	0-9-0
				840	0-12-0
				842	0-3-15
				845	0-4-0
				843	0-6-0
				844	0~2-10
				386	0-0-10
_ <del>-</del> _		<del>·</del> _	(N). O 1	4016/53/8	

[N >. O 14016/53/84—G.P]

का द्वा. 2050 — यत. पेट्रेलियम धौर खितिज पाइन्ताहर (मूमि में उपयोग के अधिकार का प्रजान) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय की धिस्चना का. था. स. 3453 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संनग्न धनुमूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइलाइनों को बिछाने के लिए प्रजित करने का प्रपा प्राथय घोषिन कर दिया था;

और यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधितियम की बारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन मरकारको रिपोर्ट दे वी है;

भीर भागे यस केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपार्ट पर विचार करने के पश्चास् इस भ्रधिसूचना से संलग्न ध्रनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार श्रजित करने का विनिश्चय किया है:

श्रव, ग्रत उक्त प्रश्चितियम की धारा 6 की उपबारा (1) द्वारा प्रकल णिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित है कि इस ग्रिश्चित्वता में सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का भिधकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा धार्जित किया जाता है;

भौर थागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग क। प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाया में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिस बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

्याचा वर्षा वरा वर्षा वर								
जिला	त <b>ह</b> मी <b>न</b> ्,	परगना	ग्राम का नाम	प्ताट सं.	लिया गया रकवा			
1	2	3	4	5	6			
 उन्नाव	उस्ताव	हड़हा	बेहट(	797	1-0-10			
				795	0 = 6 = 10			
				798	0-9-17			
				796	0-7-16			
				808	0-13-0			
				804	0-2-5			
				829	0-12-7			
				830	0-15-12			
				835/1	0-19-5			
				836	0-9-15			
				837	0-4-16			
				839	0-7-13			
				840	0-2-0			
				841	0-1-10			
				986	0-7-5			
				988	0-7-0			
				991/4,5	0-13-5			
				1029	0-3-0			
				1024	0-3-10			
				1028	()161()			
				1027	0-3-8			
				1026	0-0-10			
				1025	0-10-15			
				806	0-0-10			
				788	0-0-5			
				8 2 7	0-0-5			
				992	0-1-16			

[म O-14016/56/41--जी पी.]

S.O. 2050.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3453 dated 3-11-84 under sub-sect on (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared

its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

177		

Hajira	Barrielly	Jogde	shpur	Pipe	line	Project
Distt	Tehsil	Pargana	Village		Plot No	Area Required
1	2	3	4		5	6
Unnav	Unnav	Hadha	Behta		797 795 798 796 808 804 829 833 836 837 839 840 841 986 988 991/4, 5 1029 1024 1028 1027 1026 1025 806 788 827 992	1-010 0-610 0-917 0-716 0-130 0-25 0-127 0-1512 0-195 0-915 0-416 0-713 0-20 0-110 0-75 0-30 0-135 0-30 0-1610 0-38 0-0-10 0-1015 0-05 0-0-5 0-0-5 0-116
-			<u>[N</u>	o. O -	-14016/ <u>5</u>	6/84-GP]

का. प्रा. 2051 — यतः पेट्रोलियम और खनिज पाहालाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा उ की उपधारा (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम मतालय की अधिसूचना का था. म उ 98 तारीख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिसूचना से मलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के लिए, अर्जित करने का अपना आधार घोषिस कर दियाथा, भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उस्त मधिनियम की बारा 6 की उपदारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है,

भीर भागे यक्तः कंन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रक्षिसूचना से संलग्न श्रनुभूची मे विनिधिष्ट भूमियों मे उपयोग का श्रक्षिकार ग्राजिन करने का विनिष्ठय किया है।

प्रव घत. उसत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वाराप्रवन्त्र सिन्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एनदृद्वारा पोधिन करती है कि इस अधिसूचना में मंनरन प्रनृसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्वारा प्रक्रित किया जाता है और धारों उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश वेती है, कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण थि. में सभी बाधाओं में मुक्त कर में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख को निहिन होगा।

श्चनुसूची हाजिरा बरेली अगरीणपुर पाइप लाइन प्राजेक्ट

जिला	नहसील	परगना	ग्राम का नाम	<sup>ट्</sup> नाट	लिया गयः। रकवा
1	2	3	4	5	6
उम्नाष	उन्नाव	<b>ह</b> डहा	इटौली	185	I-16-13
		·		192	0-18-0
				193	0-7-18
				194	0-2-0
				195	0-3-12
				196	1-2-16
				199	0-3-0
				201	0-5-0
				218	0-4-0
				219	0-2-15
				222	0-1-6
				223	0-10-10
				2 <b>2 4</b>	0-5-2
				225	0-0-5
				288	0-0-12
				300	0-14-10
				301	0-6-0
				300	0-15-0
				311	0-9-18
				317	1-2-3
				318	0-1-5
				320	0-1-12
				321	() 2 <del></del> 5
				322	0-10-15
				323	0-1-0
				336	() () 5
				337	0-6-18
				338	0-10-10
				339	1-3-11
				343	0~7~1
				1047	0-0-18
				1053	0-7-16

1073	1	2	3	4	5	6	7			SCHEE	ULE		
1050						0-9-0		Најіга	Barellly J	Jagdish Pipe	lino P	roject	
1059   6-P-12   103   1-2-14   1 2 3 4 5 6 6 1								Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot	Area
1064   0-0-12   1										_			Acquired
1068   0-0-2   Unnao Unnao Harapa   Ituali   153   1-16-13   1073   0-18   1073   0-18   1075   0-17-14   104   0-2-0   1077   0-1-4   1077   0-1-4   1077   0-1-4   1077   0-1-4   1078   0-7-16   1079   0-7-16   1079   0-2-16   1079   0								1	2	3	4	5	6
1073   0-0-18   192   0-1-4   194   0-2-4   195   0-3-12   1075   0-17-14   195   0-3-12   1075   0-7-16   195   0-3-12   1078   0-7-16   195   0-3-12   1078   0-7-16   195   0-3-12   1090   0-7-4   218   0-0-6   1144   0-6-6   219   0-2-15   1145   1-19-0   222   0-10-10   1145   1-19-0   222   0-10-10   1145   0-10-10   1158   0-5-17   224   0-5-2   1160   0-0-10   225   0-10-10   1158   0-5-17   1160   0-0-10   225   0-10-10   1164   2-1-0   300   0-4-10   1164   2-1-0   300   0-4-10   1164   2-5-11   1176   0-8-8   318   0-1-15   1176   0-8-8   318   0-1-15   1176   0-8-8   318   0-1-15   1176   0-8-8   318   0-1-15   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188   0-5-8   1188								Unnao	Unnao	Нагара	Itauli	185	1–16–13
1075   0-17-14   194   0-2-15   195   0-2-15   196   0-2-15   196   0-2-15   197   0-11-4   193   0-2-15   197   0-11-4   193   0-2-15   197   0-11-4   198   0-2-15   197   0-11-4   198   0-2-15   197   0-2-15   19												192	0-18-0
1077   0-1-4   195   0-3-12   196   1-2-16   196   1-2-16   197   0-3-16   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   1199   0-3-0   1199   0-3-0   1199   0-3-0   1114   0-6-0   218   0-4-0   218   0-4-0   1114   0-6-0   219   0-3-15   1145   1-19-0   222   0-10-10   1155   0-5-17   224   0-2-15   1160   0-0-10   225   0-3-0   1160   0-0-10   225   0-3-0   1160   0-0-10   1164   2-10   300   0-10-16   300   0-													
1978   0-7-16   196   1-2-16   196   1-2-16   196   1-2-16   197   0-3-0   198   1-2-16   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   199   0-3-0   1144   0-6-0   219   0-3-15   1145   1-19-0   222   0-16-10   1155   0-5-17   223   0-5-2   1160   0-0-10   225   0-5-5   162   0-6-0   238   0-4-12   1160   0-0-10   225   0-6-5   1162   0-6-0   238   0-4-12   1173   0-10-16   300   0-14-10   1173   0-11-0   300   0-14-10   1173   0-11-0   300   0-15-0   1173   0-11-0   301   0-5-5   1179   1-2-5   320   0-15-10   1176   0-8-8   311   0-3-18   1176   0-8-8   311   0-3-18   1176   0-8-8   312   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1185   0-5-8   313   0-10-15   1179   0-0-10   1077   0-0-10													
1083 2-1-18   201 0.5-20   10-10													
1090   0-7-4   218   0-4-6   1144   0-6-0   219   0-2-15   0-1-6   1144   0-6-0   222   0-1-6   0-16   1145   1-10-0   223   0-10-10   1158   0-5-17   224   0-5-2   0-16   0-16   0-5-17   224   0-5-2   0-16   0-16   0-5-18   0-16   0-16   0-5-18   0-16													0-3-0
1144   n-6-0   219   0-2-15   0-1-6   0-16   0-16   0-16   0-17   0-16												<b>2</b> 01	0-5-0
1145   1-19-0   222   0-10-10													0-2-15
1158													0-1-6
1160   0-0-10   228   0-0-12													
1162													
1163   0-10-16   300   0-14-10   1164   2-1-0   300   0-15-0   1173   0-11-0   310   0-6-0   1173   0-11-0   311   0-9-18   1161   2-5-11   317   1-2-3   1176   0-8-8   318   0-1-5   321   0-2-5   321   0-2-5   1184   0-0-12   322   0-10-15   1185   2-4-5   323   0-1-0   1188   0-5-8   336   0-0-5   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   338   0-10-10   344   0-0-5   339   1-3-14   0-6-5   339   1-3-14   0-6-5   339   0-7-16   0-6-10   0-													
1164   2-1-0   300   0.5-0     1173   0-11-0   311   0.9-18     1161   2-5-11   317   1-2-3     1176   0-8-8   318   0-1-5     1177   1-2-5   320   0-1-12     1184   0-0-12   322   0-2-5     1185   2-4-5   323   0.1-0     1188   0-5-8   336   0-0-5     1188   0-5-8   337   0.6-18     344   0-0-5   339   1-3-14     344   0-0-5   339   1-3-14     1079   0-0-10   343   0.7-4     1079   0-0-10   1063   0.7-16     1178   0-0-5   1053   0.7-16     1178   0-0-5   1053   0.7-16     1074   0-10   1075   0.9-10     1075   0-10   1075   0.9-10     1076   0-10   1077   0.1-14     1079   0-10   1077   0.1-14     1079   0-0-10   1077   0.9-10     1070   0-10   1077   0.9-10     1071   0-0-10   1077   0.9-10     1072   0-10   1077   0.9-10     1073   0-10   1077   0.9-10     1074   0-10   1077   0.9-10     1075   0-10   1077   0.9-10     1076   0-10   1077   0.9-10     1077   0-1-4   1077													0-14-10
1173													0-6-0
1161   2-5-11   317   1-2-3   1176   0-8-8   318   0-1-5   320   0-1-12   1179   1-2-5   321   0-2-5   321   0-2-5   322   0-10-15   1184   0-0-12   322   0-10-15   1185   2-4-5   333   0-1-0   333   0-1-0   334   0-0-5   339   0-1-0   338   0-10-0   338   0-10-0   338   0-10-0   339   0-1-0													
1176   0-8-8   318   0-1-12   320   0-1-12   321   0-2-5   321   0-2-5   321   0-2-5   321   0-2-5   321   0-2-5   322   0-10-15   323   0-1-0   323   0-1-0   323   0-1-0   324   0-6-8   336   0-0-5   337   0-6-18   337   0-6-18   338   0-10-10   344   0-0-5   339   1-3-14   338   0-10-10   344   0-0-5   339   1-3-14   1079   0-0-10   1047   0-0-10   1079   0-0-5   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1079   0-0-5   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1079   0-0-10													
1179   1-2-5   321   0-2-5   1184   0-0-12   322   0-10-15   1185   0-4-5   323   0-10-15   1188   0-5-8   336   0-0-5   1188   0-5-8   336   0-0-5   1188   0-5-8   337   0-6-18   337   0-6-18   338   0-10-10   334   0-0-5   339   1-3-14   1044   0-0-10   343   0-7-4   1079   0-0-10   1047   0-0-10   1047   0-0-10   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1059   0-9-12													
1184   0-0-12   .322   0-10-15   .332   0-10-15   .332   .0-10-15   .333   .0-10-16   .333   .0-10-16   .333   .0-10-16   .333   .0-10-18   .337   .0-6-18   .337   .0-6-18   .337   .0-6-18   .338   .0-10-10   .339   .0-10-18   .339   .339   .0-10-18   .339   .339   .0-10-18   .3												320	0-1-12
1185   2-4-5   323   0-1-0     1188   0-5-8   336   0-0-5     1146   1-0-14   338   0-10-10     344   0-0-5   339   1-3-14     1044   0-0-10   343   0-7-4     1079   0-0-10   1047   0-0-10     1178   0-0-5   1053   0-7-16     1054   0-9-0     1079   0-0-10   1047   0-0-10     1178   0-0-5   1053   0-7-16     1054   0-9-10   1058   0-1-5     1054   0-9-10   1059   0-1-12     S.O. 2051.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated   1063   1-3-14     of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated   1064   0-0-12     24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum   1068   0-0-2     and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land,   1073   0-0-18     Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;   1075   0-17-14     Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;   1145   0-7-16     And further whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;   1145   0-10-0     And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;   1176   0-8-8     Now, therefore, in exercise of the power confetred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;   1186   0-10-16    And Purther in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vest-in the side lands of the section of this declaration in the Gas Authority of India													
1188   0-5-8   336   0-0-5   337   0-6-18   337   0-6-18   337   0-6-18   338   0-10-10   344   0-0-5   339   1-3-14   1044   0-0-10   343   0-7-4   1079   0-0-10   1047   0-0-10   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1055   0-7-16   1055   0-7-16   1055   0-7-16   1055   0-1-5   1055   1055   0-1-5   1055													
1146   1-0-14   338   0-10-10   344   0-0-5   339   1-3-14   1044   0-0-10   1047   0-0-10   1047   0-0-10   1079   0-0-10   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1054   0-9-0   1055   0-1-5   1055   0-9-12   1059   1059													0-0-5
344 0-0-5   339 1-3-14   1044 0-0-10   343 0-7-4   1079 0-0-10   1077 0-0-10   1077 0-0-10   1077 0-0-10   1078 0-0-5   1053 0-7-16   1053 0-7-16   1054 0-9-0   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1059 0-9-12   1063 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1073 1-3-14   1077 1													0-6-18
1044   0-0-10   343   0-7-4   1079   0-0-10   1047   0-0-10   1053   0-7-10   1078   0-0-8   1054   0-9-0   1055   0-1-5   1055   0-1-5   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   105													
1079   0-0-10   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1053   0-7-16   1054   0-9-0   1058   0-1-5   1058   0-1-5   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1059   0-9-12   1064   0-0-12   1064   1064   0-0-12   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1064   1065   10													
1178   0-0-5   1054   0-9-0													
[d O→14016/236/84—drift] 1058 0-1-5  S.O. 2051.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated 1064 0-0-12  24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum 1068 0-0-2 and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land, 1073 0-0-18 Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared 1075 0-17-14 its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline; 1077 0-1-4  And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; 1145 1-19-0  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification; 1160 0-0-10  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline; 1186 0-8-8  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication in the Gas Authority of India Declaration in the Gas Autho													0-7-16
S.O. 2051.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum 1068 0-0-12 and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline; 1078 0-7-16 1083 2-1-18 And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; 1144 0-6-0 to the Government; 1158 0-5-17 1159 1165 0-0-10 11					11/8	<u> </u>							0-9-0
S.O. 2051.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline; 1078 0-7-14 for the Government, and whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government; 1145 0-6-0 to the Government; 1145 0-6-10 to the Government declared in the schedule appended to the notification; 1160 0-0-10 considering the said report, decladed to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification; 1179 0-1-4 for the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline; 1185 0-5-17 for the Section 6 of the said Act, the Central 1179 1-2-5 for the Section 6 of the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India				[सं C	14016	/2 36/ 84—जीर्प	ነ]						
of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3898 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline; 1078 0-7-16 (1978 0-7-16) 1078 0-7-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-10-16 (1979 0-1-4) 1079 0-1-16 (1979 0-1-4) 1079				-	-	•	-						
24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;  And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	S.O. 2	2051\	Whereas Minis	by not	otification	of the Gove	ernment						
Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;  And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vest-ing in Central Government hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vest-ing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	24-11-84	under s	ub-sectio	on (1)	of Section	n 3 of the Pe	troleum						0-0-2
its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;  And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-section of this declaration in the Gas Authority of India	and Mine	rals Pip	elines (.	Acquis	ition of R	ght of User in	n Land,						0-0-18
fied in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;  And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest-one in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	its intent	ion to	acquire	the ri	ght of use	er in the land	s speci-						
And whereas the Competent Authority has under Sub- Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  Now, therefore, in exercise of the power confetred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub- section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest- ing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	fied in t	he sche	edule ar	pende									
And whereas the Competent Authority has under Sub- Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;  1144 0-6-0 1158 0-5-17 1158 0-5-17 1158 0-5-17 1159 0-5-17 1160 0-0-10 1160 0-0-10 1161 0-0-10 1162 0-6-0 1163 0-10-16 1164 2-1-0 1165 1-16-16 1166 1-16-16 1167 0-8-8 1168 1-17-0 1169 1-160 1160 0-0-10 1160 0-0-10 1160 0-0-10 1161 0-10-16 1161 0-10-16 1162 0-6-0 1163 0-10-16 1164 0-10-16 1165 0-10-16 1166 1-16-16 1179 1-2-5 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1188 0-5-8 1189 0-5-8 1189 0-5-8 1180 0-0-10 1180 0-0-10 1180 0-0-10 1180 0-0-10 1181 0-0-10 1181 0-0-10 1182 0-0-10 1183 0-0-10 1184 0-0-10 1185 0-0-10 1186 0-0-10 1187 0-0-10 1188 0-0-10 1189 0-0-10	pose of 1	laying p	orbenne;	i									2-1-18
to the Government;  1145 1-19-0  1158 0-5-17  And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1162 0-6-0 user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1163 0-10-16 2-10  1173 0-11-0  1173 0-11-0  1174 2-1-0  1175 0-8-8  1177 0-8-8  1178 0-0-12  1179 1-2-5  1179 1-2-5  1179 1-2-5  1179 1-2-5  1179 1-2-5  1170 1-185 2-4-5  1170 1-185 1-185  1170 1-185 1-188  11													0–7–4
And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1162 0-6-0 user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1163 0-10-16 notification;  1164 2-1-0  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  1185 2-4-5 fication hereby acquired for laying the pipeline;  1186 0-5-8 And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India				6 OI (	ne said A	vei, submitted	report						
And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1163 0-10-16 164 2-1-0 173 0-11-0 173 0-11-0 174 175 0-8-8 175 175 175 175 175 175 175 175 175 175	•		•										
considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;  1163 0-10-16 1164 2-1-0 1165 1167 0-11-0 1166 1167 1167 0-11-0 1166 1167 1167 0-11-0 1167 0-1-0 11	And fo	urther	wherens	the C	Central G	overnment ha	a After						0-0-10
notification;  1164 2-1-0 1173 0-11-0 1161 2-5-1  Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	considerii	ng the	said rep	ort, d	ecided to	acquire the	right of					1162	0-6-0
Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India			ls specif	led in	the sched	ule appended	to this						
Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	nomeane	JII ,										1173	0-11-0
sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this noti- fication hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by sub- section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest- ing in Central Government vests on this date of the publi- cation of this declaration in the Gas Authority of India	Now	therefor	en in a	versis	a of the	nower confe	rad by						2-5-11
Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;  And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	sub-section	on (1)	of the S	Section	6 of the	said Act, the	Central						
fication hereby acquired for laying the pipeline;  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1188 0-5-8  1189 0-5-8  1180 0-5-8  118	Governm	ent her	eby dec	clares	that the	right of user	in the						0-0-12
And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India							is nou-						2-4-5
And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India  344 0-0-5 1079 0-0-10 1178 0-0-5 1178 0-0-5		_	_										
section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vest- ing in Central Government vests on this date of the publi- cation of this declaration in the Gas Authority of India	And F	urther	in exer	cise	of power	conferred 1	by sub-						0-0-5
ing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India	section (	(4) of	that sec	tion, t	he Centra	1 Government	directs						0-0-10
cation of this declaration in the Gas Authority of India	ing in C	right of entral (	r user n Governm	n the : nent ve	said lands ests on th	snai instead is date of the	or vest- e publi-						
Limited tree from encumbrances.	cation of	f this	declarati	ion in	the Gas					· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	fNo		
	1.mited	tice itc	om encu	mbran	ces.						1,10.	O-1401(	, 450/0TOF]

# नई विल्ली, 26 समैल, 1985

का. आ. 2052:—यतः पैट्रोलियम और खर्निण पाइपलाइन (भूजि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिवित्रम, 1962 (1962 का 50) की आर. 3 की उपछार (1) के अधीन भारक सरकार के पैट्रोलियम संज्ञालय की अधिसूचना का आ. सं. 3710,त.रीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संनग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ण सूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप वाइनो को विकार के लिए अजित करने का अपना आह्म बोधित कर विमा वा ।

भीर वतः सक्षत्र प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की भारा 6 की उप-भारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

ग्रीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त निर्पार्ट पर विस्थार करने के पश्चाद इस प्रशिन्नमा से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ठ भूजियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्यत किया है।

चन, चल: उनत चित्रितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त नित्त का प्रवीग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा चोवित करती है कि इन अधिसूचना ते संस्थान अमृतूची में जिनिचिट उनत भूमिक्षां से उपयोग का अधिकार पाइपलाइत विकान के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा अधिका का अधिकार पाइपलाइत विकान के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा

भीए आने उस बारा की उपधारा (4) बारा भवन ककितमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार निर्देश देती है कि उक्त अधिकार केन्द्रीय संस्कार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण कि. में सभी बाधाओं से सुकत रूप में, बीचणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

धनुसूची एच. की. जे. गैन वाहप नाइन प्रोजेस्ट

बनुक.	थसरा नं.	उपयोग अधिकार अ (हैक्टर्समें	र्जन का क्षेस )
1.	13	0-016	
2.	14	0-026	
3.	16	0-194	
4.	15	0-040	
5.	17	0-344	
6.	18·	0-065	
7.	19	0-053	
8.	23	<b>0</b> → 0 <b>2</b> 1	
9,	24	0-045	
10.	25	0-186	
11.	26	0-016	
1 2.	30	0-219	
13.	27	0-105	
1 4.	31	0-291	
15.	32	0-154	
16.	89	0-018	
17.	90	<b>0</b> -061	
1 8.	92/2	0-142	
19.	91	0-251	
20.	97	. 0-324	
		- 2-569	<del>_</del>

[मं. O-14016/172/84-शी.पी.]

# New Delhi, the 26th April, 1985

. S.O. 2052.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3710 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Naı	me of Village—Pitol Khurd	Tehsil—Zabua Distt.—Zabua
S.N	Io. Survey No.	Area to be Acq. for R. O. U in Hectares
- <del>1</del> .	13	0.016.
2,	14	0.026
3.	16	0.194
4.	15	0.040
5.	17	0,344
6.	18	0.065
7.	19	0.053
8.	23	0.021
9.	24	0.045
10.	25	0.0186
11.	26	0.016
12.	30	0.219
13.	27	0.105
14.	31	0.291
15.	32	0.154
16.	89	0.016
17.	90	0.061
18.	92/2	0.142
19.	91	0.251
20.	97	0.324
7	TOTAL AREA	. 569
		[No. O-14016/172/84-GP]
		[No. O-14016/172/84-G

नई बिल्ली, 29 भन्नेल, 1985

का. था. 2053 ----यतः पैट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के मिश्रकार का भजेन), मिश्रिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) के भिश्रीन भारत सरकार के वैद्रोलियम मंत्रकाय की मिश्रमुजना का. था. सं. 3809 तारीक 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मिश्रमुजना से संसन्त भनुमूची में दिनिविष्ट भूमियों में उपयोग के मिश्रमुजन को पाइपलाइनों को बिछाने के खिए ग्राजित करने का भएमा भारय भीवित कर विद्या था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनत मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस शक्षिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार मर्जित करने का विभिन्चय किया है।

मल, मतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वाराप्रदक्ष भिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा घोषित है कि इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा मजित किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केश्वीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण क्षि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीक को निहित होगा।

मनुसूची हाजिरा-सरेली-जगवीशपूर पाइपलाइन प्रोजैन्ड

<b>जिला</b>	तहसील	परगमा	ग्राम का		क्रिया गया
			नाम	प्लाट	रकता
				सं०	
ज <b>नपुर</b>	ग्रकंबर-	मकबर-	प्रसंस्य,	90	0-1-4
रेहात	पुर	पुर		91	0-10-10
		•		89	0-6-0
				88	0-9-0
				87	0-14-0
				86	0-5-10
				82	2-2-0
				83	0-7-0
				71	0-1-0
				78	6-14-0
				187	2-11-0
				190	16-0
				212	0-0-13
				213	0-1-7
				241	01910
				231	0- 2- 10
				232	1-10-0
				230	1- 12- 10
				296	0~ 5-0
				223	0-0-17
				224	0- 9- 2
				297	3- 16- 0
				299	1 19 0
				392	0- 0- 13

[सं. O-14016/194/84-जी.पी.]

# New Delhi, the 29th April, 1985

S.O. 2053.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3802 dated 17-11-P4 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

SCHEDULE

Hasira-Barlelly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Required
Kanpur	Akbarpur	Akbarpur	Asanda	90	0-1~4
Dehat				91	0-10-10
				89	0-6-0
				88	0-9-0
				87	0-14-0
				86	0-5-10
				82	2-2-0
				83	0-7-0
				71	0-1-0
				78	6-14-0
				187	2-11-0
				190	1–6–0
				212	0-0-13
				213	0-1-7
				241	01910
				231	0-2~10
				232	1-10-0
				230	1-12-10
				296	0-5-0
				223	00-17
				224	0-9-2
				297	3160
				299	1-19-0
				392	0-0-13

[No. O-14016/194/84-GP]

का० भा० 2054: --- यतः पैट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भिन्नित का ग्रार्जन) मिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम मंद्रालय की भिन्नित्त का० मा० सं० 3803 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भिन्नित्त से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के भिन्नित को पाइप लाइनों को विछाने के लिए प्रजित करने का भ्रथमा ग्राह्मय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्तं प्रधिनियम की धारा 6 की छपक्षारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर भागे यतः केग्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्टय किया है। भव, भ्रतः उक्त भिधिनियम का धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा भ्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भौषित करती है कि इस भिधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा भीजत किया जाता है।

श्रीर माने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाद्याभों से मुक्त क्य में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहर्स₁ल	परगना	भ्राम	गाटा सं०	लिया गया क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
जनपुर हात	मक्दर- पुर	मकबर- पुर	मुवारक- पुर लाटा	1046	2
				1042 1041	~ - 5 मि2-
				1040	1- 12-
				1038 103 <del>9</del>	- 5- - 2 5
				1032 1030	5 - 5-
				1029 1028	- 2· - 17 <del>-</del>

[सं. O- 14016/195/84-जीपी]

S.O. 2054.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3803 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minirals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

		SCHE	DULE		
Hajira—	Barielly—J	agdishpur	Pipe Line	Proje	ct
Dist.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acqui- red
1	2	3	4	5	6
Kanpur Dehat	Akbar- pur	Akbar- pur	Muwarak pur Laca	1046 1042 1041 1040 1038 1039 1032 1030 1029 1028	2 M. 2- 1-1-2 - 55 -5 -217-

[No. O-14016/195/84-GP]

का. मा 2055: --यतः पेट्रोलियम मौर खनिज पाइएलाइन (भूमि में उपयोग के मिन्निर का मर्जन) मिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मर्धःन मारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की मिन्निर का मारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की मिन्निर का मारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की मिन्निर का मारत से 3804 तार का 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मिन्निर का संलग्न मनुसूर्व में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के मिन्निर को पाइए लाइनों को विद्यान के लिए मजित करने का मपना मान्य मोपित कर दिया था।

भौर यतः सक्तम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

गौर मागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिधिष्ट भूमि में उपयोग का मधिकार मर्जिस करने का विनिश्चय किया है।

प्रव, मतः जनत प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा वाषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न भनुसूची में विनिविष्ट जनत भूमियों में जपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्धारा मजित किया जाता है।

भौर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेंग देती है कि उक्त भूमियों उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतिय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूर्या हाजिरा बरेली जगर्वाशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिसा	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं.	लिया गया रकवा
1	2	3	4	5	6
ानपुर हात	मकवर- पुर	मकन् ५- पुर	करमक	933	1- 5- 0
-	_	_		937	0-0-4
				948	1- 0- 0
				949	0-14-0
				950	1- 5- 0
				780	0- 4- 5
				781	0- 6- 0
				782	0- 17- 15

[t. O- 14016/196/84- जीपं]

S.O. 2055.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3804 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Contral Government has, after considering tre said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs hat the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances,

SCHEDULE

	Hajira	Barielly	Jagdishpur	Pipe	Line	Project
--	--------	----------	------------	------	------	---------

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No,	Area Acquired
1	2	3	4	5	6
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Karbak	933	1~5~0
Dohat	pur	pur		937	0-0-4
	•	-		948	1-0-0
				949	0-14-0
				950	1-5-0
				780	044-5
				781	0-6-0
				782	0-17-15

[No. O-14016/196/84---GP]

# मई दिल्ली, 26 अप्रैस, 1985

का, बा 2055: -- बतः पेट्रोक्रियम और बानिज पाइपकाइन , (क्सि में उत्तयोग के समिकार का अर्जन) अर्क्शनियम, 1962 (1962 का 50) का सारा 3 की उपवारा (1) के क्योंन भारत सरकार के वेट्रोलियम मंत्रासव की मधिसूचना का० ग्रा० सं० 3712 शारीवा 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संख्यन प्रमुखी ने विनिधिक्त भूमियों के उपयोग के भूजिकार को पाइप लाइन को विकान के लिए प्रजित करने का अपना ग्रामय प्रोमित कर दिशा था।

बौर क्तः सक्षम प्राविकारी ने उन्त प्रविनियम की क्वारा 6 की उपवारा (1) के धर्वान सरकार को रिपोर्ट वे वी हैं।

और भाते; यतः केन्द्रीय नरकार ने उक्त रिपॉट पर विचार करने के पश्चात इस मुखिलूबना से संसन्त मनुसूची में विनिर्विष्ट मुनियों में उपयोग का अधिकार मर्जित करने का विनिक्षम किया है।

धव, घतः उस्त मधिनियम की घारा 6 की उपवास (1) द्वास प्रवत्त क्रक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार एतव्हारा चौचित करती है कि इस प्रविसूचना में संसन्त धनुसूचा में विविधिष्ठ उक्त चूमियों में उपयोग का सविकार पाइपलाइन विकान के प्रयोजन के लिए एतदुद्वारा सर्जित किया जाता है।

भौर भागे उस धारा को उपभारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैत प्राधिकरण जि. में "सर्फा बाह्याओं से मुक्त कप में, कोबमा के प्रकाबन की इस तारीक को निहित होगा।

धन्मूमी

## एष० बी० जै० गैस पाइपलाइन प्रोजेस्ट

गाम	बान हैं।	तहसास	बेटलावद	त्रिसा	भावका	राज्य (	(मध्य-प्रदेश)	,
M 1 *1	414.01	1100 00110	10.4144	1 44 44 4	वरा भूजार	(1 - A )	an	ı

<b>म</b> न्	■सरा	सपमोग <b>व्यक्ति</b> कार सर्ज
<b>事</b> .	नं०	का क्षेत्र (हैक्टर्क मे
1	2	3
1.	840	0-150
2	841	0-344
3	843	0-016
4.	1 <b>8 4 4</b>	0-032
5.	847/1	0-219
	, 846/1	
G.	847/3	9-150
	846/2	
7.	845	0-049
E.	855	0-275
9.	856	0-243
10.	848	0-008
11.	884	0-356
12.	886	0-281
1 3.	927	0-101
14	928	0-024
15	882/3	0-332
16	882/2	0-010
17.	981	0-004
18.	982	0-263
19.	885	<b>9</b> - 0 2 <b>0</b>
20.	934	0- 08 5
	935	
21.	936	0-037
<b>2</b> 2.	938	0-405
23.	<b>945</b>	9-004
24.	947	0-332
25.	948	0-032
26.	953	0-020
27.	954	0~126
28-	939/2	0-016
<b>29</b> .	887	0-008
30.	949	0-340
31.	459/2	0-004
32.	615	0-194
<b>3</b> 3.	647	0-008
34.	321	0-040
35.	592	0-178
36.	<b>6</b> 00	0-080
37-	<b>59</b> 3	0-154
	595	0-032
38.	507	0-016
39.	506	0~008
40.	<b>§</b> 10	0-073
41.	513	0-032
42.	512	0-170
43.	508	0-024

3

1

	कोगकुल क्षेत्रफल	7-808
63.		0-291
62.	401	0-316
61.	397	0 ← 0 1 6
60	400	0-040
59.	405/1	0-275
58	420	0-186
57-	421	<b>0</b> 0 1 2
56	462/2	0-028
55.	505	0-028
54.	461	0-028
53	474	0-016
52.	457	0-032
5 1·	464	0-028
50	460	0-486
49	475	0-210
48.	477	0-008
47	883	0-040
<b>4</b> b.	588	0-040
45.	476	0-210
44	451	0-243
1		3

[म. O-14016/200/84-जोपी]

#### New Delhi, the 26th April, 1985

S.O. 2056.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3712 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Governments directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Tehsil: Petlwabad

Distt : Zabua

#### HBJ GAJ PIPE LINE PROJECT

Village : Bawadi

S. No.	Survey No.	Acquired for R O.U. in Hectare
1	2	3
1.	840	0.150
2.	841	0,344
3.	843	0 016
4.	844	7.032
5.	847/1	0,219

6.	846/1	
	847/2	0 150
-7	846/2	0.040
7. 8.	845 855	0.049 0.275
9.	856	0.243
10.	848	0.008
11.	884	0.356
12.	886	0.291
13.	927	0.101
14.	928	0.024
15.	882/3	0.332
16. 17.	882/2 931	0.010
18.	932	0.004 0.283
19.	885	0.020
20.	934	0.085
	935	-1
21.	936	0.037
22.	938	0.405
23.	945	0.004
24.	947	0,332
25. 26.	948	0.032
20. 27.	953 9 <b>54</b>	0.020 0.126
28.	939/2	0.016
<b>2</b> 9.	557	0 008
30.	949	0.340
31.	459/2	0.004
32.	615	0.194
33.	647	0.008
34.	321	0.040
35.	592	0.178
36. 37.	600 593	0.030
57.	595	0.154 0.032
38.	507	<b>0</b> 016
39.	506	0.008
	510	<b>0</b> 073
40.	513	0.032
41.	512	<b>0</b> .170
42.	508	0.024
43.	451	0.243
44. 45.	476 588	0.210
46.	883	0.040 0.040
47.	477	0.008
48.	475	0,210
49.	460	0.486
50.	464 -	0.028
51.	457	0.032
52.	474	0.016
53.	461	0.028
54.	505 460/2	0.028
55. 56.	462/2 421	0.028 0.012
57.	420	0.186
58.	405/1	0.275
59.	400	0.040
60.	397	0.016
61.	401	0.316
62.	398	0.291
	Total Area	7,808

[No. O-14016/200/84-GP]

का. था. 2057. — यतः पेट्रोलियम और सिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रधिसुचना का. था. सं. 3714 तःरीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसुचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिए धार्जात करने का धपना प्राथय घोषित कर विया या।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उनत मिन्नियम की धारा 6 की उपन्नारा (1) के भन्नीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

भौर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्वात् इस मधिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार श्रवित करने का विनिश्चय किया है।

चन, चतः उक्त चिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस मधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनवृद्वारा चिज्ञत किया,जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस मितनों कर प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारी का निहित होगा।

भगुपूषा एच . बी . जे . गैस पादप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम का नाम—गोसरकला तहसीस—काबुझा जिला–काबुझा राज्य--(मध्य-प्रदेश)

मनु-	<b>ब</b> सरा	उपयोग ग्रधिकार भ्रजी	
<b>有</b> .	नं .	का <b>क्षेत्र</b> (हैक्टर्स में)	
1	2	3	
1.	15	0-364	
2.	14	0-121	
3.	13	0-024	
4.	10	0-081	
5.	4	0-040	
6.	55	0-162	
7.	11	0-302	
8.	54	0-324	
9.	59	0-065	
10.	72	0-283	
11.	74 1	0-709	
12.	83	0-364	
13.	84	0-162	
14.	86	0-162	
15.	85	0-040	
16.	91	0-097	
17.	94	0-024	
18.	99	0-121	
19.	100	0-526	
20.	104	0-283	
21.	103	0-202	
22.	101	0-008	
23.	102	0-024	
	कुल खेळफल	4.488	

S.O. 2057.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3714 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to the notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

# SCHEDULE HBJ Gas Pipe Line Project

S. Survey No.		to be
No.	•	ired for
	R.O. Hect	U. in
	nec	.uic
1. 15		0,364
2. 14		0.121
3, 13		0.024
4. 10		0.081
5, 4		0.040
6. 55		0.162
7. 11		0.302
8. 54		0,324
9. 59		0.065
10. 72		0.283
11. 74/1		0.709
12, 83		0.364
13. 84		0.162
14, 86		0.162
15. 85		0.040
16. 91		0.097
17. 94		0.024
18. 99		0.121
19, 100		0,526
20, 104		0.283
21. 103		0.202
22, 101		0.008
23. 102		0.024

Total Area

4.488

Village : Soyala

का. भा. 2058.—यतः पेट्रोलियम भौर खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अज्ञीन भारन सरकार के पेट्रोलियम मल्लालय की प्रधिसूचना का. भा. सं. 3718 तारीज 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को जिछाने के लिए अर्जित करने का अपना भ्राणय घोषित कर दिया भा।

भीर यतः वक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रिक्षिनियम की घारा 6 की उपघारा (1) के ग्राधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भौर भागे, यतः केन्नीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रक्षिसूचना से सलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट मूमियों से उपयोग का मधिकार भाजत करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की बारा 6 की उपधारा (1) द्वारण्य प्रवस सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा विधिन करती है कि इस अविस्तवना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विद्याने के प्रयोगन के लिए एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

श्रीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मे निष्टित होने के बजाय मारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाभी से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निष्टित होगा।

धन् सूची एक. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम-सोयला तहसील-पेटलावद	जिला–झाबुमा राज्य (मध्य-प्रदेश
भनुक-मांक <b>धा</b> सरा र्न.	उपयोग अक्षिकार धर्जन
•	का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1 2	3
1. 24	0-089
2. 26	0-138
25	0-142
127	0-299
32	0-016
3. 33	0-267
'46	0-324
4. 208	0-036
<b>5. 3</b> 5	0-016
139	0-421
6. 36	0-202
7. 37	0-105
8. 40	0-024
42	0-210
9. 41	0-413
10. 43	0-162
48	0-049
11. 44	0299
12. 34	0-020
<b>[4</b> 5	0-008
47	0-032
38	0-008
207	0-020
-  गोगः कुल क्षेत्रफल	3-300

[सं. O-14016/207/84- जीपी]

S.O. 2058.—Whoreas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3718 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of use; in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

# SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project
Tehsil: Petlawad Distt.: Zabua

Survey No. Area to be No. acquired for R.O.U. in Hecture 1. 24 0.089 2. 26 0.13825 0.142 27 0.29932 0.016 3. 33 0.267 46 0.324 4, 208 0.036 5. 35 0.016 39 0.4216. 36 0.202 7, 37 0.105 8, 40 0.02442 0.210 9 41 0.413 10, 43 0.162 0.049 48 0.29911. 44 0.020 12. 34 45 0.008 47 0.032 38 0.008207 0.0203.300 Total Area

[No. O-14016/207/84—GP]

का. आ. 2059 --- यतः पेट्रोलियम भीर खितिज पाइपलाइल (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिस्वता का आ. सं. 3770 तारीख 17/1:1/84 द्वारा केखीय सरकार ने उस अधिस्वता से संग्लत अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को निष्ठाने के लिए अजित करने का अपना आस्थ घोषित कर विया या।

भीर यतः सक्तम प्राधिकारी न उन्त अधिनियम की धारा 5 की उपबार। (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देदी हैं।

भौर अभी यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचन। से संग्लन अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों से उपयोग का अधिकार आजत करने का विनिश्चय किया है।

अब अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उन्त्रारा (1) द्वारा प्रदत् मिलन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा धोषिन करती है कि इस अधिसूधना में सम्बन अनुसूधी में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोगका अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्द्वारा अजित किया जाता है।

भीर कागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियां का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होते के अजाय भारतीय गैस प्राधिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में कोषणा के प्रकाणन को इस तारीक की निहित होगा।

अनुसूजी

एक. की जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम सामाहिया सहसील पेटलाबाद जिला- झाकआ राज्य (भट्ट प्रदेश)

भनु	ऋम्.	1	चसरा व	नं .	1	उपयोग अधिकार अर्जन
-						का भीता (हैनटर्म में)

1	2	3
1.	702	0-016
2.	275	0-413
3.	303	0-032
4,	305	0-372
5.	306	0-121
6.	320/2	0-129
7.	326	0-291
	345	0-388
	346	0-057
8.	334	0-170
9.	336	0-194
	329	0-251
	340	0-599
10.	344	0-283
11.	454	0-202
12.	467	0-190
13.	474/3	0-186
14.	474/7	0-202
15.	474/5	0-008
16,	475	0-283
17.	335	0-016
18.	452	0-008
19.	156	0-053
20.	273	0-008
21.	274.	0-113
22.	278	0(162
23.	304	0-028
24.	276	0-041
<b>25</b> .	319	0-105

1	2	3
26.	321	0-040
27.	3 2 2	0-081
28.	281	0-049
29.	328	0-057
30.	455	0-316
31.	465	0-210
32.	468	0-081
31.	469	0-073
34.	471	0-575
35,	474/1	0-170
36.	476	0-053
37,	453	0-010
	योग कुल क्षेत्रफल :	6-636
		<i></i>

[मं0 O-11016/209/84 अधि]

Distt. Zabua.

S.O. 2059,—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3770 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Village: Sagadia

# HBJ GAS PIPE LINE PROJECT adia Tehsil : Petlawad Disti

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hec- ture
1	2	3
ī.	702	0.016
2.	275	0.413
3.	303	0.032
4.	305	0.372
5.	306	0.121
6.	320/2	0.129
7.	326	0.291
	345	0.388
	346	0.057

1 2	3	अन्'	सूची
8. 334	0.170	एच० बी० जे० गैस प	इप लाइन प्रोज्ञेक्ट
9. 336	0.194	ग्राम खेड़ी तहसील झाबुआ जिला	धानभा अस्य (तथा धकेन)
329	0,251	भारत असे राष्ट्रवान सार्जना जिला	यान्या राज्य (मध्य अवस)
340	0,599	अनुऋ खसरानं,	उपयोग अधिकार अ <b>जै</b> न
10, 344	0.283	•	का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
11. 454	0.202	<del>-</del>	m wa (8130 1)
12. 467	0.190	1 2	3
13, 474/3	0.186	1 055	
14, 474/7	0.202	1. 355	0~065
15, 474/5	0.008	2. 354	0-040
16, 475	0.283	3. 58	0-364
17. 335	0.016	4. 77	0-202
18. 452	0.008	5. 78	0-526
19, 156	0.053	6. 80	0-065
20. 273	0.008		
21. 274	0,113	7. 81	0-024
72. 278	0.162	8. 82	0-081
23. 304	0.028	9. 83	0-121
24. 276	0.041	10. 94	0-024
25, 319	0.105	11. 84	0-048
26. 321	0.040	12. 145	0-073
27, 322	0.081		
28. 281 29. 328	0.049	13, 144	0-510
30, 455	0.057	14. 138	0-243
31, 465	0.316 0.210	15. 139	0-024
32. 468	0.210	16. 140	0-010
33. 469	0.001	17. 132 मी.	0-567
34. 471	0.073	18. 126/2	0-324
35, 474/1	0.373	19, 119	0-024
36. 476	0.053		
37, 453	0.010	20. 120	0-267
	<del></del>	21. 122/2	0-421
Total Area	6.636	22.  122/1	0-024
[No. O-14016/2	09/84-GP]	23. 123/1	0-162
		24.  123/2	0-170
मई विल्ली, 29 अप्रैल, 1985		26, 110	0-186

[सं. O-14016/251/84-जीपी]

4-565

# मर्द विल्ला, 29 अप्रैल, 1985

का . आ . 2060 - यतः पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्नालय की अधिसूचना का. आ. मं. 3711 तारीख 17/11/84 धारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसुचना में संग्लन अनुसूची में विनिदिष्ट भमियों का उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए ऑग्निट करने का अपना भाशय घोषित कर दिया था।

भीर यतः प्राधिकारी ने उक्त आंधनियम की धारा 6 की उपधारा(1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर आगे, यत; केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सम्लन अनुसूची मे विनिविष्ट भूमियों से उपयोग का अधिकार अजित करने का विनियचय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम को धारा 6 को उपप्रारा (1) द्वारा प्रवत णिवनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संग्लन अनु सुधी में विनिविष्ट उक्त भमियो में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के शिए एतद्वारा अजित किया जाना है।

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत शक्तियों का करते हुय केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से उनत रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

# New Delhi, the 29th April, 1985

योग कुल क्षेत्रफल :----

S.O. 2060.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3711 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specific its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by sub--section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

#### SCHEDULE

# HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

S. Survey No.  NO.  Acquired for R.O.U. in Hecture  1. 355 2. 354 3. 58 4. 77 3. 202 5. 78 6. 80 7. 81 9. 83 9. 83 9. 83 9. 83 9. 83 9. 83 10.121 10. 94 11. 84 12. 145 10. 94 11. 84 12. 145 13. 144 14. 138 15. 135 15. 135 16. 140 17. 132M 17. 132M 18. 126/2 19. 119 19. 0.024 20. 120 20. 120 20. 120 21. 122/2 22. 122/1 23. 123/1 24. 123/2 25. 110  Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture  1. 355 0.065 2. 354 0.040 0.020 2.021 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.024 0.0160 0.0160	Villa	ge: Khedi	Tehsil : Zabua	Distt.: Zabua
2.       354       0.040         3.       58       0.364         4.       77       0.202         5.       78       0.526         6.       80       0.065         7.       81       0.024         8.       82       0.081         9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       139       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170		Survey No.		Acquired for R.O.U. in
2.       354       0.040         3.       58       0.364         4.       77       0.202         5.       78       0.526         6.       80       0.065         7.       81       0.024         8.       82       0.081         9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	1,	355		0.065
3. 58       0.364         4. 77       0.202         5. 78       0.526         6. 80       0.065         7. 81       0.024         8. 82       0.081         9. 83       0.121         10. 94       0.024         11. 84       0.048         12. 145       0.073         13. 144       0.510         14. 138       6.243         15 135       0.024         16. 140       0.010         17. 132M       0.567         18. 126/2       0.324         19. 119       0.024         20. 120       0.267         21. 122/2       0.421         22. 122/1       0.024         23. 123/1       0.162         24. 123/2       0.170	2.	354		
4.       77       0.202         5.       78       0.526         6.       80       0.065         7.       81       0.024         8.       82       0.081         9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15       135       0.024         16.       140       0.004         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	3.	58		
5. 78       0.526         6. 80       0.065         7. 81       0.024         8. 82       0.081         9. 83       0.121         10. 94       0.024         11. 84       0.048         12. 145       0.073         13. 144       0.510         14. 138       6.243         15 135       0.024         16. 140       0.010         17. 132M       0.567         18. 126/2       0.324         19. 119       0.024         20. 120       0.267         21. 122/2       0.421         22. 122/1       0.024         23. 123/1       0.162         24. 123/2       0.170	4.	77		
7.       81       0.024         8.       82       0.081         9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       139       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	5.	78		0.526
8.       82       0.081         9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       139       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	6.	80		0.065
9.       83       0.121         10.       94       0.024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	7.	81		0.024
10.       94       0 024         11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0 010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170	8.	82		0.081
11.       84       0.048         12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0.121
12.       145       0.073         13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170		94		0 024
13.       144       0.510         14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0.048
14.       138       6.243         15.       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0.073
15       135       0.024         16.       140       0.010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0.510
16.       140       0 010         17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				6.243
17.       132M       0.567         18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0.024
18.       126/2       0.324         19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				0 010
19.       119       0.024         20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170				
20.       120       0.267         21.       122/2       0.421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0.162         24.       123/2       0.170		•		
21.       122/2       0 421         22.       122/1       0.024         23.       123/1       0 162         24.       123/2       0.170				
22.     122/1     0.024       23.     123/1     0.162       24.     123/2     0.170				
23. 123/1 0 162 24. 123/2 0.170				
24. 123/2 0.170				
25. 110 0,186				
	25.			0,186

[No. O-14016/251/84-GP]

4.565

# म**र्द** दिल्ली, 1 म**र्द**, 1985

Total Area

का० ग्रा० 2061— यत पैट्रोलियम श्रीर खिनिज पाइवलाइन (भूमि में उपयोग के श्रीधकार का श्राज्यंन) श्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्राधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्राक्षय की ग्रीधनुबना का० ग्रा०स 3926 तारीख 24-11-44 बारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमृजना में मन्त्रन अनुमूची में विनिर्विष्ट मूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों वा बिछाने के लिए अजित करने का अपना आग्राय घोषिन कर विद्या था,

भीर यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दो हैं,

भीर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, इस अधिमृचनः से संग्लन अनमूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिम्भय किया है,

अब अत उक्त अधिनियम की धारा 6की उपधारा (1) होरा प्रवत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदहारा वाक्ति करती है की इस अधिस्वता में सलका अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों से उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयाजन के लिए एतद्दार। अजित किया जाना है,

भीर आगे उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मस्तियों का प्रयोग भारते हुए केन्द्रीय सरकार ने निहित होते के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण ति, में सभी बाधाओं से मुक्त अप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहिस होगा।

अनुसूर्च)

एच. वी जी. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम सहुई। पाड्या तहसील पेटलावोद जिला-झासआ, राज्य (मध्य प्रदेश)

अनु.ऋ	श्चसरान्,	उपयोग अधिकार अर्जन काक्षील (हैक्टर्म मे)
1.	2	ş
- 1.	7	0.028
2.	9	0.628
3.	18	0.405
4	8	0 129
5	19	0,061
6.	59	1 202
7	63	0.247
8	60	0.008
-	— -— मोग कृल क्षैत्रफल	2.708

[स. O-14016/264/84- जीपी]

#### New Delhi, the 1st May, 1985

S.O. 2061.—Whereas by notification by the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3926 dated 24-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the Sa'd lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

# SCHEDULE

# HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Ville	ige Mahudi Pada	Tehsil: Petlawad	Distt. : Zabua
S. No.	Survey No.		Area to be Acquired for
			R.O.U.i 1
			Hecti.re
1.			0.028
2.	9		0.628
3.	18		0.405
4.	8		0.129
5.	19		0,061
6.	59		1.202
7.	63		0.247
8.	60		0.008
	Total	<del></del>	2.708

[No. O-14016/264/84-GP]

का०आ० 2062 --- यन. पेट्रालियम और खानिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्री-लियम मत्रालय की अधिमूचना का०आ० सं० 4052 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भमिया में उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनो को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आशय घोषित कर विया याः

और या: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है;

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है;

अब, अनः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित कहती है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनवृद्धारा अजिल किया जाता है,

और आरो उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्ब्रोय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभा बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख की निहित्र होगा।

अनसूची हाजिरा-बरेल-जगदशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जि <b>मा</b>	तहसः(ल	परगना	ग्रीम का न(म	गाटा स०	लियागया स्कबः	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	_पुरवा	पुरवा	टोक र	3	0-1-10	_
	_		कला	4	0-1-0	
				5	0-17-0	
				7	1-0-0	
				8	0-15-0	
				24	1-16-0	
				24	0 5 <b>-</b> - 0	
				29	0 0 1 0	
				33	0-1-0	
				34	0-9-0	
				35	0-10-0	
				3 5	0100	
				35	0-10-0	
				35	0→ 5~ 0	
				54	0 6-0	
				54	0-1-0	
				56	0 1 0	
				58	<b>0</b> →1 1 <b>−</b> 0	
				60	0-0-10	
				215	0-12-0	
				217	01-0	
				218	0-18-0	
				219	0-0-2	
				261	0 1 5 <del></del> 0	
				262	0180	

		वा:मधाः । ।, । — — —	985/वशा 	Wa [2], ] ———————————————————————————————————	1907 — -			Z407 —-
— — — न.पेट्रालियम और	खानिक पाइपलाईन (भृमि	1	2	3	4	5	6	 7
	नियम 1962 (1962 का					- 2 n 5/2	0-· 0-· 1 0	
	र्धीन मारम सरकार के पेट्री-					266	0010	
**	० 4052 तारीख 1-12-84					247	0 0 10	
•	ान <sup>र</sup> न अनुसूची में विनिर्दिष्ट					2	002	
	नाइनो को अन्छ।ने के लिए					267		
राशय घोषित कर	दय( या;					268	0-16-0	
सकत्त्री से प्रकाश	धिनियम को धःरा 6 की					279	0 3 0 0 5 0	
अस्तर को रिपार्ट						287	0 5 ()	
						288		
	रिपोर्ट पर विचार करने के						0-2-0	
सलग्न अनुसूची में 1	वैनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग					289	0 2- 0	
का विनिध्चय किय	行 <b>责</b> ;					291	0-5-0	
विकास की शासा <b>व</b>	को उपधारा (1) द्वारा					356	0-2-0	
	प्तद्द्वारा <b>घोषित कहती है</b>					358	1-17-0	
•	वनिर्विष्ट उक्त भूमियो मे					360	0-6-0	
<b>U</b> -1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·					361	0-3-0	
লাহন 1499/ন ক	प्रयोजन के लिए एनव्ह्वरा					362	0 5- 0	
						363	0 6 0	
के उपधारा (4)	द्वारा प्रवत्त शक्तियों का					364	0-1-0	
	क उक्त भूमियों में उपयोग					365	0-5-15	
	के बजार्यभारतीय गैस					367	0-3-0	
	प में घोषणा के प्रकाशन					404	0-16-0	
। होगा ।						405	0-12-0	
. 4						407	090	
अनुसूची						408	0 5 0	
ादशापुर पाइप लाः।	er uldur					600	0-4-0	
गदशायुर पाइप ला	इत अ।ज्ञुष्ट					601	0-11-0	
 मिका गाडास०	 लियागया विवरण					603	0 3 0	
न्। नाम	स्थात्। भूषार्थः स्थाप्					604	0- 7-0	
						606	0-11-0	
4 5	6 7					607	0-0-10	
—————————————————————————————————————	011.0					609	0-15-0	
	0-1-10					610	0-0-10	
कर्ना 4	0-1-0					612	0-17-0	
5	0-17-0					613	1-1-0	
7	1-0-0					614	0-3-0	
8	0-15-0					1	0-0-10	
24	1-16-0					55	0-0-15	
24	0-5-0					60	0-2-15	
29	0-0-10					· ·	4016/290/84-	னிரி 1
33	0-1-0					[n. <b>Q-</b> 1	*010 290 84~	4 J
34	0 9 <del></del> 0							

S.O. 2062.—Whereas by notification of the Government of India n the Ministry of Petroleum S.O. 4052 dated 1-12-84 under sco-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of R ght of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the sa d report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

1

Remarks

7

Area in

B.B.B.

6

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances

**SCHEDULE** 

No.

5

Mazira-	Rareilly-	Jagdishpur	Gas	Pineline

District Tahsıl Pargana Village Plot Acquired

Unnao	Purva	Purva	Tikar	3	0-1-10
			Kalan	4	0-1-0
				5	0-17-0
				7	1-0-0
				8	0-15-0
				24	1-16-0
				24	0-5-0
				29	0-0-10
				33	0-1-0
				34	0-9-0
				35	0-10-0
				35	0-10-0
				35	0-10-0
				35	0-5-0
				54	0-6-0
				54	0-1-0
				56	0-1-0
				58	0-11-0
				60	0-0-10
				215	0-12-0
				217	0-1-0
				218	0-18-0
				219	0-0-2
				261	0-15-0
				262	0180
				265	0-0-10
				266	0-0-10
				247	0-0-5
				2	0-0-2
				267	0-16-0
				268	0-3-0
				279	0-5-0
				287	0-5-0
				288	0-2-0
				289	0-2-0
				291	0-5-0
				356	0-2-0
				358	1-17-0
				360	0-6-0
				361	0-3-0
				362	0-5-0
				363	0-6-0
				364	0-1-0
				365	0-5-15
				367	0-3-0
				404	0-16-0
				405	0-12-0
				407	0-9-0
				408	0-5-0
				600	0-4-0
				601	0-11-0
				603	0-3-0
					<del></del>

1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purva	Purva	Tikar	604	0-7-0	
				606	0-11-0	
				607	0-0-10	
				609	0-15-10	
				610	0-0-10	
				612	0-17-0	
				613	1-1-0	
				614	0-3-0	
				1	0-0-10	
				55	0-0-15	
				602	0-2-15	
<del></del>				[No.	O-14016/29	0/84-GP1

का. था. 2063 — यतः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भिधिकार का अर्जन) ग्रांधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की ग्रिधसूचना का. था. सं. 4056 तारी खा 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रिधसूचना से संलग्न ग्रमसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के भ्रधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के लिए भ्रजित करने का भ्रपना ग्रागय ग्रांपित कर विया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ध्रिधिनियम की धारा 6 की उपधार। (1) के ध्रिधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और भागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परवाल इस भिक्षित्वना से संलग्न भनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का भिक्षकार भाजित करने का विनिश्चय किया है;

श्रव, भ्रतः उनत भ्रधिनियम की द्यारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त ग्राम्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूत्रना में सलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियो में उपयोग कः श्रिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजना के लिए एनव्द्वारा श्रिका किया जाता है;

और घागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रियोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं। कि अकन भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख को निहित होगा।

धनुसूची हाजिरा बरेली कगदीमपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	Guara	4 (())	जानाबास हर	1141	A11 6-1	माश्वद	
<u> </u>	तहसील	परगना	ग्राम कानीम	लिया र <b>कवा</b>	गया		विवरण विवरण
1	2	3	4	5		6	7
उन्नाव	उन्नाव	<b>इंड</b> हा	मैसई चतुर	8	<del></del> _	0-7-0	-
			_	9		0-8-8	
				10		0-2-8	
				12		0 <b>→13</b> -0	
				20		0-3-10	
				21		0-15-0	
				24		0-8-0	
				26		0-6-8	
				27		0-8-10	
				28		0-6-0	
				30		0-4-4	
				31		0-6-12	
				32		0-1-16	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
 इन्नाव	जन्नाध	हड़हा	मैसई चतुर	35	0-0-4	Unnav	Unnav	Hrraha	Bhaisay Chatur	12	0-13-0
				36	0-10-0					20	0-3-10
				37	0-5-2					21	0-15-0
				56	1-11-0					24	0-8-9
				67	0-0-6					26	0-6-18
				84	0~8~0					27	0-8-10
										28 30	0-6-0 0-4-4
				85	0-2-4					31	0-6-12
				89	0-12-12					32	0-1-16
				92	1-4-12					35	0-0-4
				93	0-5-0					36	0-10-0
				96	0~7-4					37	0-5-2
				106	2-3-8					56	1-11-0
				38	0 → 0 → 5					67	0-0-6
				113	1-3-8					84	0-8-0
				116	0-13-6					85	0-2-4
				117	0-0-5					89	0-12-
										92	1-4-12
				128	0-11-15					93 106	0-5-0 2-3-8
				205	0-15-0					113	1-3-8
				206	0-13-0					116	0-13-6
				291	0-12-0					117	0-0-5
				25	0~9~0					128	0-11-1
				107	0-5-10					205	0-15-0
				108	0-0-10					206	0-13-0
				109	0-1-10					291	0-12-0
					·					25	0-9-0
				[स, O−1∞	4016/294/84 <b>-जी</b> ०पी०]					107	0-5-10
										108	0-0-10

S.O. 2063.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4056 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And Further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Barcilly to Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
		3	4	5	
Unnav	Unnav	Harha	Bhaisay	8	0-7-0
<b>G</b>			Chatar	9	0-8-8
				10	0-2-8

का. था. 2064:—यतः पैट्रोलियम भीर खिनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रर्जन) श्रिधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय की श्रिधमूजना का० श्रा० म० 4057 तारीख 1-12-84 झारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधमूचना से सलग्न श्रनुसूची मं विनिद्ष्ट भूमियों के उपयोग के श्रिष्ठकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए श्राजित करने का श्रपना श्रीणय घोषित कर दिया था।

INo. O-14016/294/84-GP1

प्रीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ब्राधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

श्रीर ध्रागे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस ग्रिधिसूचना से सलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों मे उन्नो। का ग्रिधिकार ग्रीजित करने का विनिष्चय किया है।

श्रव, श्रव. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्त का प्रयोग करते हुए, केन्दीय सरकार एतद्हारा घोषित करती है कि इस प्रश्निमूचना में सलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्दारा अजित किया जाता है।

भीर प्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त णिक्तमों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के खजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे धोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित ोगा।

			प्रनुसूची			1 2 3 4 5 6
	हाजिरा-क	'ली जगवी	शपर पत	इतन।इन प्रापेक्ट		उन्नाव पुरवा भौगंवा महारान खेळ। 511/10 0-2-8
— - जिला	 ਸ਼ਰਸ਼ੀਲ	— — परगना	 ग्राम		— -—	511/11 0-2-4
	16.41	11 .   1	אוק	(भागा गुपा	र जाजा ।	211/13 0-8-0
						511/12 0-4-0
1	2	3	4	5	e	511/17 0-1-0
- उन्नाव	— – प्रवा	1	——— अक्टनबी	 खेडा 28/1	0-0-10	511 1-13-12
211114	2,41	111141	พหูรเกเ	28/.	0-0-10	$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$
				33	0-0-5	579 0-1-16
				34	1-0-0	539 0-4-0
				35	0-3-5	45 0-0-15
				31	0-0-5	243 0-1-0
				32	0-6-0	584 0-1-10
				46/1	0-15-0	600
				46/2	0-5-0	[7. 0
				5 1	0-1-10	[# O 14016/295/84 সাংগ্ৰা
				49	0-1-16	S O. 2064 —Whereas by notification of the Government of
				47/1	0~1-10	India in the Ministry of Petroleum SO, 4057 dated 1 12-84
				47/2	0-1-5	under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquis on of Right of User in Land)
				18	0-3-17	Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared
				22 <i>2</i> 233	0 4 1 6 0 1 4 0	its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of
				236	0-14-0	laying pipeline,
				239	0-2-8	And whereas the Competent Authority has under Sub-
				235	0-1-0	section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report
				241	0-16-6	to the Government;
				240	0-2-0	And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of
				212	0-4-0	user in the lands specified in the schedule appended to this
				307	0-13-0	notification,
				589	0-1-0	Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central
				588	0-1-0	Government hereby declares that the right of user in the
				590/1	0-10-0	said lands specified in the schedule appended to this notifica- tion hereby acquired for laying the pipeline,
				590/2 587	0-3-0 0-18-0	And further in exercise of power conferred by sub-section
				593/1	0-10-0	(4) of that section, the Central Government directs that the
				592	0-1-0	right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication
				595	0-9-0	of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free
				598	0-7-4	from encumbrances
				597	0-0-18	
				599	0-3-0	SCHEDULE
				563	0-4-4	Hujira Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project
				564/1	0-1-0	Distt T:hs'l Pargana Village Plot Area No Acquired
				564/2	0-3-0	$\frac{1}{1}$ $\frac{2}{2}$ $\frac{3}{3}$ $\frac{4}{4}$ $\frac{1804}{5}$
				578	0-9-16	
				565 573	020 21-16	Unnao Purva Mauran- Mahatani 28/1 0-0-10 van Khede 28/2 0-0-10
				538	0-13-0	33 0-0-5
				540	0-12-0	34 1-0-0
				541	0-14-3	35 0-3-5 31 0-0-5
				542	0-1-0	32 0-9-0
				543	0-3-3	46/1 0–15–0
				517/15	0-2-10	46/2 0-5-0 51 0-1-10
				517/16	0-3-0	51 0-1-10 49 0-1-16
				517/17	0-8-0	47,1 0-1-10
				516/1	0-1-0	47/2 0-1-5
				515 <b>/</b> 1	0-12-0	48 0-3-17

_ <del></del> 1	2	3	4	5		\	क्षात - जनक	— — r arferf∋		ं <i>ध</i> ार्टी चन्त∞सः	 स (।) द्वारा
Unnao		Mauran-	Maharani		0-4-16						रा (।) कारा ।।राघोषितकस्ती
Omao	Fuiva	van	Kheda	233	0-14-0				•		
		4011	Telloau	236	0-10-16						उक्त <b>भू</b> मियो म
				239	0-2-8				इन । बछान	क प्रयाजन क	निए एनद्वारा
				235	0-1-0	श्रजित कि	या ज(ना	है।			
				241	0-16-6	श्रार ग्रा	ने उसधा	रा <b>की उ</b> प	खा <i>नः</i> (4)	द्धाः प्रदत्त स	वित्रयोका प्रयाग
				240	0-2-0						मियों में उपयोग
				242	0-4-0						भारतीय गैस
				307	0-13-0						कं प्रकाशन की
				589 588	0-1-0 0-1-0	इस सारीख				-1 -1 -1(4-1)	V 440414 10
				590/1	0-10-0	ציויווי דיא	( अंश स्त्रा	્યા છુવા	1		
				590/2	0-3-0			97.	नुमुखो		
				587	0-18-0						
				593/1	0-10-0		हाजिग-ब	रेप्स-अगर्दा	व्यपुर पाइप	ग≀६न प्रोजेकट।	
				592	0-1-0				_		
				595	0-9-0	जिला	तहसी न	परगना	श्रान का	निकास	₹ ह4(
				598	0-7-4				नाम		
				597 599	0-0-18 0-3-0						
				563	0-4-4	1	2	3	4	5	6
				564/l	0-1-0				 		
				564/2	0-3-0	उन्नाय	पुरवा	पुरधा	ऊनेव गाव		0-2-10
				578	0-8-16					26	0-7-0
				565	0–2 -0					27	0-1-0
				573	2-1-16					28	0-2-0
				538	0-13-0					29	0-11-0
				540 541	0-12-0 0-14-8					30	0-0-10
				542	0-1-0					31	0 - 1 - 0
				543	0-3-3					3.2	0 <b> 7 0</b>
				517/15	0-2-10					33	0-2-0
				517/16	0-3-0					34	1-0-0
				517/17	0-8-0					35	0-18-0
				516/1	0-1-0					39	0-5-0
				515/1	0-12-0					41	0-7-0
				511/10 511/11	0-2-8 0-2-4					42	
				511/13	0-8-0						0-14-0
				511/12	0-4-0					44	0-2-10
				511/17	0 - 1 - 0					109	0-0-5
				511	1-13-12					110	1-8-0
				583	0-0-10					111	0-2-0
				583	0-2-16					120	0-8-0
				579 520	0-1-16					121	0-4-0
				539 45	0-4-0 0-0-15					133	0-2-0
				243	0-1-0					135	0-4-0
				584	0-1-10					136	0-1-0
				600	0-3-0					137	0 – 7 – u
			—	14016/	295/84-G P					139	0-4-0
			[No. C	J-14010/	293/04-U I					140	0-9-0
का	Fi 2065-	ਹਰ ਹੇਣੀਇਸ	यस भौर खानि	क प.स्वर	गाइन (प्रक्रि					141	0-5-0
		-	भारतात्र धेनियम, 196							149	()= 3= ()
			वानसम, 1950 के द्राक्षीन							154	1-12-0
		•								156	0-15-0
		**	का. भ्रा.							169	0-10-0
			उस प्रधिसूचनः -> —€—								
	• • •		के ग्रधिकार							170	0-10-0
ाबछाने के	लिए मजिन	करने का अप	ता म्राशय घो	धन कर	ादया था।					191	0-0-15
और सन	ाः सक्षम प्रःवि	ध्रकारी ने उक	त मधिनियम	की धारा	6 की उप-					193	0-0-10
			ग्पिंट दे दी							194	1-0-10
` ′			. 6							179	0-18-1

भीर स्रागे यतः केन्द्रीय सरकार ने उत्तर रिपोर्ट पर विचार करने के

पण्चात् इस अधिसूचना से सलग्न प्रनुसूची में विनिदिन्ट भृमियों में उपयोग

का ग्रिप्तकार ग्रजित करने का विनिश्चय किया है।

0-4-0

180

<sup>[</sup>सं. O-14016/297/84-जी. पी ]

S.O. 2065.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4059 dated 1-12-84 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50) of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira	Bareilly	Jagdishpur I	Pipe Line Pr	oject	
Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired
1	2	3	4	5	
				No	Acquired
				169	0-10-0
				170	0~0~10
				191 193	0-0-15 0-0-10
				193 194 <b>K</b> a	1-4-0
				179	0-18-1

[No. O-14016/297/84-GP]

0-4-0

180

का. था. 2066.—यन : पेट्रोलियम श्रीर | खितिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के श्रिकार का श्रर्जन) श्रीधित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारन सरकार के पट्टोलियम मलालय की श्रीधमुचना का. था. स. 4408 तारोख 3-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीधमुचना से संतरन अनुसूचों में विनिधिष्ट भिमयों के उपयोग के श्रीधकार को पाइप लाईनों का बिळा। के लिए श्राजन करने का अन्ता श्रामाय घोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्क अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के भ्रधीन सरकार को स्पिटिंदे दा है।

भीर आगे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिर्माट पर विवार |करने के पण्चात इस अधिसूचना से संतरन अनसूची में विनिर्दिश्ट भूमियों में उत्योग का अधिकार अर्जिन करने का विनिष्कय किया है।

शब, अतः उक्त प्रथितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त पाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतक्द्रारा घोषित करती है कि इस प्रथिसूचना में सप्तरन प्रतसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोगन के निए एतक्द्रारा प्रजिस किया जाता है।

श्रीर भागे उस धारा की उपकारा (4) द्वारा प्रश्न पश्चियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकारण लि. में सभी बाधार्थों से मक्त रूप में, घीषणा के प्रकागन की इस सारीख को निहित होगा।

धनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाईन बिछाने के निए

राज्य	गुजरान	जिला पंचमहल	तालुका	कार	लोल
 गांव		— — . सर्वे.न.	हे	मार	म .
ऐराल			1	98	<u></u>
		508	0	32	00
		50 7पी	0	03	00
		505/1	0	17	00
		506	0	04	00
		502/2	0	01	00
		499/ <del>Ý</del> í	0	28	0.0
		499 पी	0	34	50
		488/14	0	20	50
		488/1	0	0 9	0.0
		488/2	0	03	00
		488/3	0	01	0.0
		487	0	23	00
		191	0	23	00

[म. O-14016/373/84-जीपी]

S.O. 2066.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 4408 dated 3-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Compent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, subimtted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user

in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquireed for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall insted of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Kalol

Village	Survey	Hec-	Are	Cen-
	No.	tare		tiare
Eral	190/P	1	98	50
	508	0	32	00
	507/P	0	03	00
	505/1	0	17	00
	506	0	04	00
	502/2	0	01	00
	499/P	0	28	00
	499/P	0	34	50
	488/14	0	20	50
	488/1	0	09	00
	488/2	0"	03	00
	488/3	0	01	00
	487	0	23	00
	191	0	23	00

[No. O-14016/373/84-GP]

का. आ. 2067.—यन पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ. मं. 4578 तारीख 22-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन मरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निभार करने के परचात् इस अधिनुचना से संलग्त अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अभिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: जक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदत शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घाँषिस करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त हप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

		ঞ	नुसूची		
	<b>हाजि</b> रा	बरेली	जगदीय	तपुर पा <b>र्</b> प	लाइन प्रोजेक्ट
जिला	तहमील	परगना	ग्रामा का नाम	गाटा सं ०	निया गया र <b>क</b> वा
1	2	 3	4		6 7
उन्नाव	पुरवा	मारावा	भन्दाना	210	0-1-5
				211	0-0-13
				214	0-5-0 0-5-0
				213	0-0-14
				228 226	0-0-14 0-3-0
				227	05-0
				230	0-0-3
				232	0-2-10
				239	0-1-15
				240	0-0-15
				241	0-0-5
				242	0-0-1
				233	0-8-0
				234	0-0-2
				236	0-1-5
				237	0-5-0
				238	0-1-10
				267	0-10-0
				268	0-10-17
				269	0-1-10
				271	0~0~10
				273	0-10-10
				274	0-0-2
				275	0-5-0
				277	0-0-3
				278	0-4-10
				279	0-0-10
				280	0-6-0
				281	0-1-0
				478	0-7-5
				479	0-6-0
				480	<b>d</b> -1-0
				491	0-0-10
				493	0-0-2
				498	2-14-0
				499	1-2-0
				536	0→0→3
				537	0-0-3
				538	0-2-0
				2870	
				535	1-16-0
				533	0-2-10
				584	0-1-0
				531	0-18-0
				530	0-0-15
				686	$0 \rightarrow 3 \rightarrow 0$
				685	0 9 0
				687	0-6-12

 3	 5	6	_1	2	3	4			6
	683	0-1 t-8		_			1265	0-	0-5
	684	0-1-10					1266	0-	0-4
	689	0-0-5					1267	0-1	4 5
	690	0-18-0					1263	0-8	<b>⊢</b> 10
	682	0-1-10				<del></del>	[d - O :		
	691	0-1-0					fas O-1	413/41	। 3/84-अति <b>प</b>
	853	0- 1 <b>7- 5</b>	S.C	). 20	67Whe	ress by n	otification	of the	Governm
	854	0-10-16	of It	i aibr	n the M	inistry of	Petroleum	Š. O.	4518 da
	855	0-7-15					of Section		
	857	0-7-10	Act,	1962	(50 of 1	962), the (	Central Gov	ernmen	t declared
	856	0-2-10					of user in t		
	861	0-9-10		кипеці g pipe		ided to tr	at notificat	юп тог	purpose
	1010	0-5-0	- '	_ , ,	•			•. •	-
	1009	0-0-1					ent Author e said Act		
	1002	1 0 1 €			nment;	on o or th	c said fier,	34011111	ica repor
	1003	0-3-15							
	1001	0-0-5					Central Go lecided to :		
	1000	1-0-5	user	in th	e lands		the schedu		
	864	0→0−5	notifi	ication	1;			•	
	995	0-0-2	N	ow tl	crefore	in exercise	of the pow	er confe	erred by
	997	0-8-5	section	on (I)	of the	Section 6	of the said	d Act,	the Cen
	998	0-1-0					hat the righ le appended		
	999	0-6-0				laying the		10 1111	s normea
	989	0-15-0	<b>.</b> _						1
	988	0-2-0					power conf a! Governm		
	000	0 2 0					ids shall in		
	987	0-5-0							
	987 985	0-5-0 2-8-0	Centr	ral G	overnmen	t vests on	this date o	f the p	ublication
	985	2-8-0	Centr this	ral G decla	overnmen	t vests on the Gas		f the p	ublication
	985 982	2-8-0 0-1-15	Centr this	ral G decla	overnmen ration in	t vests on the Gas	this date o Authority o	f the p	ublication
	985 982 971	2-8-0 0-1-15 0-6-5	Centr this	ral Go decla encu	overnmen ration in mbrances	t vests on the Gas SCHE	this date of Authority of DULE	of the p of India	ublication Ltd.
	985 982 971 972	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10	Centr this	ral Go decla encu	overnmen ration in mbrances	t vests on the Gas SCHE	this date o Authority o	of the p of India	ublication Ltd.
	985 982 971 972 975	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0	Centr this	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances	t vests on the Gas SCHE	this date of Authority of DULE	of the p of India	ublication Ltd.
	985 982 971 972 975 1163	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8	Centr this from	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Barc	t vests on the Gas SCHE	this date of Authority of DULE shour Pipe	of the post india	ublication Ltd. Project
	985 982 971 972 975 1163 1172	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15	Centr this from	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Barc	t vests on the Gas SCHE	this date of Authority of DULE shour Pipe	of the post indiangle in the post indicates the post in the post i	ublication Ltd. Project
	985 982 971 972 975 1163 1172	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	t vests on the Gas  SCHE  billy—Jagdis  Pargana	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	of the post indianal state of the plot No.	ublication Ltd. Project Area Acquire
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0	Centr this from	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Baro Tchsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE  Shpur Pipe Village	Line Plot No.	Project Area Acquire
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	t vests on the Gas  SCHE  billy—Jagdis  Pargana	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5	Project Area Acquire 6
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No.	Project Area Acquire 6
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213	Project Area Acquire  6  0-1-5 0-0-1: 0-5-0 0-5-0
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228	Project Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-14
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226	Project Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307	2-8-0 0-1-1 f 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 1-5-5 0-3-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227	Project  Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-3-0 0-5-0 0-5-0
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226	Project  Area Acquire  6  0-1-5 0-0-1; 0-5-0 0-5-0 0-3-0 0-5-0 0-0-3
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239	Project  Area Acquire  6  0-1-5 0-0-1; 0-5-0 0-5-0 0-3-0 0-5-0 0-0-3 0-2-16 0-1-15
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-5-0 0-0-15 0-0-15
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-1-5 0-3-13	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-5-0 0-1-15 0-0-15 0-0-5
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-3-12 0-2-10	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242	Project  Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-3 0-5-0 0-1-15 0-0-15 0-0-5 0-0-15 0-0-5
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-5-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-1
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5 0-12-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-5 0-1-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-4-15 0-1-5 0-1-5 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-5 0-1-5 0-1-5 0-1-5 0-3-0	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5 210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-1 0-8-0 0-0-2 0-1-5 0-1-5 0-1-5 0-1-10
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293 1287	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-3-12 0-2-10 0-8-5 0-12-5 (0-1-0 0-3-0 0-7-13	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5  210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238 267	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-1 0-8-0 0-0-2 0-1-5 0-1-10 0-10-0
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293 1287 1288	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-3-12 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-7 0-3-0 0-7-13 1-9-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5  210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238 267 268	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-1 0-8-0 0-10-0 0-10-0 0-10-0
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293 1287 1288 1289	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-0 0-3-0 0-7-13 1-9-5 0-4-0	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No.  5  210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238 267 268 269	Project Area Acquire 6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-1 0-1-10 0-10-0 0-10-1 0-1-10
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293 1287 1288	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-3-12 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-7 0-3-0 0-7-13 1-9-5	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5  210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238 267 268	Project Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-1-15 0-0-15 0-0-1 0-1-10 0-10-0 0-10-1 0-1-10 0-0-10
	985 982 971 972 975 1163 1172 1171 1174 1176 1177 1178 1309 1312 1307 1310 1306 1350 1353 1354 1355 1356 1357 1293 1287 1288 1289	2-8-0 0-1-15 0-6-5 0-4-10 0-2-0 2-1-8 0-7-15 0-3-5 1-1-0 0-9-5 0-0-15 0-9-0 0-1-0 1-5-5 0-3-5 0-4-15 0-1-5 0-3-13 0-2-10 0-8-5 0-12-5 0-1-0 0-3-0 0-7-13 1-9-5 0-4-0	Centr this from Dis	ral Godecia encur Ha	overnmen ration in mbrances jira—Bare Tehsil	sche Gas SCHE silly—Jagdis Pargana  Maura-	this date of Authority of DULE shpur Pipe Village	Line Plot No. 5  210 211 214 213 228 226 227 230 232 239 240 241 242 233 234 236 237 238 267 268 269 271	Project Area Acquire  6  0-1-5 0-0-13 0-5-0 0-5-0 0-0-14 0-3-0 0-5-0 0-1-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-15 0-0-2 0-1-5

<del></del>										<del></del>
1	2	3	4	5 6	1	2	3	4	5	6
<del></del>			277	0-0-3	-	<u></u>			1306	0-1-5
			278	0-4-10					1350	015
			279	00-10					1353	0-3-12
			280	0-6-0					1354	0-2-10
			281	0-1-0					1355	0-8-5
			478	075					1356	0-12-5
			479	0-6-0					1357	0-1-0
			480	0-1-0					1293	0-3-0
			491	0-0-10					1287 1288	0-7-15 1-9-5
			493	0-0-2					1289	0-4-0
			498 499	2-14-0 1-2-0					1257	0-3-10
			536	0-0-3					1259	0-8-0
			537	0-0-3					1264	0-14-0
			538	0-2-0					1265	0-0-5
				·— <u>-</u>					1266	004
			2870						1267	0~14–5
			535	1160					1263	0-8-10
			533	0-2-10				[No. (	D-1401 <del>6</del> /4	13/84-GP]
			584 531	0-1 <b>-</b> 0 0-18 <b>-</b> 0						_
			530	0-0-15						
			686	0-3-0	w-T #**		ग-० वें चेक्किक		for our	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
			685	0-9-0			-यतः पेट्रोलियग 			
			687	0-6-12			र का मर्जन)			•
			683	0-11-8			की उपधारा (			
			684	0-1-10			प्रधिसूचना काः			
			689	0-0-5			उस ग्रधिसूचन			
			690	0-18-0	**		प्रधिकार की प			शाने के लिए
			682 691	0-1-10 0-1-0	<b>म्र</b> जित करने	का भपना	धाश्य घोषित ।	तर <b>विया</b> ४	स ।	
			853	0-17-5	और यह	• सक्षम प्र	गिधिकारी ने उ	क्त ग्रिकि	नयम की	भारा ६ इसी
			854	0-10-16			सम्कारकी वि			41(1 0 1/1
			855	0-7-15	•	•			•	_
			857	0-7-10			न्द्रीय सरकार			
			856	0-2-10			ासे संलग्न भा			: भूमियों में
			861	0-9-10	उपयोगका भ	धिकार मर्जि	ात करने का नि	ास्चय किय	Γ 🕏 ι	
			1010	0-5-0	रोस रीव	r :788 171	धिनियम की ध	TT 4 =	Tellmore 1	(1) 877
			1009 1002	0-0-2 1-0-10			त्यानसम्बन्धः इरते हुए केन्द्रीय			
			1002	0-3-15			-		-	
			1001	0-0-5			संलग्न धनुसू			
			1000	1-0-5			इपलाइन विछा	य क प्रया	जन काल	ए एतव्डारा
			864	0-0-5	भजित किया	जाता है।				
			995	0-0-2	ग्रीर ग्रा	ते उस धार	ताको उपधारा	(4) an	रा प्रदत्ते ।	सकित्यों का
			997	0-8-5			सरकार में नि	, ,		
			998 999	0–1–0 0–6–0			बाधिकों से मृत			
			989	0-6-0 0-15-0	माजनरणाल इस तारी <b>ख</b> ं			4 4 T TI		1747171 701
			988	0-2-0	वृत ताराज	איו ייוועָלו	Giri,			
			987	0-5-0			<b>घ</b> नुसू	ची		
			985	2-8-0			_			
			982	0-1-5	<b>ह</b> णीरा	से बरेली से	ा जनवीशपुर र	तक पाइप	लाइम विस	<b>गने</b> के लिए
			971	0-6-5	राज्य-गुजरास		शा-यंचमहल	तालुकान		
			972	0-4-10						
			975 1163	0-2-0 2-1-8	गोव		सर्वे	न. हिं⁴	स्टयर भार	सेन्टीयर
			1103	2-1-8 0-7-15	टीम्बी		16		0 2	6 00
			1172	0-3-5	WATER 1		14			3 00
			1174	0-1-0						
			1176	0-9-5			9			0 00
			1177	0-0-15			12			4 00
			1178	0-9-0			10			1 00
			1309	0-1-0 1 <b>4</b> -5			11			1 00
			1312 1307	1- <b>5-</b> 5 0-3-5			6		0 1	2 00
			1307	0-3-3	<del></del>		г	<del>й</del> О-1-	1018/42	7/84-जीपी]
			1510				L	,	•0101 #3	A A at an ini

S.O. 2068.—Whereas by notification of the Government of India in he Ministry of Petroleum S. O. 4535 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-secton (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira Bareilly Jagdishpur

State: Gujarat District: Panchamahal Taluka: Halol

Village	Survey No.	Hec- tare	Аге	Cen- tiare
Timbi	16	0	26	00
	14	0	33	00
	9	0	30	00
	12	0	24	00
	10	0	21	00
	11	0	21	00
	6	0	12	00

[No. O-14016/437/84-GP]

का. था. 2009: -- यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भिक्षितर का मर्जन) मिं जिप्योग के भिक्षितर का मर्जन) मिं मिं जिप्योग के भिक्षितर का मर्जन) की धारा 3 की उपधारा (1) के भिक्षीत भारत सरकार के पेट्रोलियम में जालय की मिं भूचना का थ्रा. सं. 4554 तारीखा 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मिं भूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के पिंकार की पाइप लाइनों को विद्यान के लिए प्रजित करने का मपना माक्य घोषत कर दियों था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भिधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

भीर मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उनत रिपोर्ट पर विश्वार करने के पक्षात् इस भिन्नसूजना से संसप्त प्रतुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मिक्षकार प्रजितं करने का विनिक्षय किया है।

भव, शतः उक्त धिविनयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है की इस अधिसूचना में संलग्न धनुसूची में किनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का धिकार पाइपलाइम बिछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्वारा धाँजत किया जाता है।

षौर थांगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाद्यांश्री से भूक्त रूप में, योषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**धनुसू**ची

हजीरा से बरेली से जगदीगपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए। राज्य-गुजरात जिला-पचमहाल तालुका-हालोल

	राज्य-गुजरात	जिला-पचमहाल	तालुका-हालोल			
— — गां <b>व</b>		≕सोक न.	हेक्टर ग्रार	सेन्टीयर		
1	~ * - <del></del> -	2	3	4	5	
ार <b>ब</b> डा		298	0	42	00	
		296	0	01	00	
		281/ए	0	16	53	
		280	0	27	14	
		279	0	21	93	
		278	0	19	14	
		276	0	44	υo	
		973	0	22	10	
		1	0	27	46	
		12	0	27	62	
		11	0	03	66	
		कार्ट द्रेक	O	05	00	
		50	O	16	72	
		107	0	04	84	
		कार्टं द्रेक	0	02	25	
		51	0	00	58	
		106	0	14	96	
		104	0	10	90	
		105	0	12	96	
		102	0	15	22	
		115	O	00	05	
		116	0	12	44	
		101	0	12	44	
		117	0	60	84	
		158	0	01	70	
		159	0	03	69	
		160	0	11	20	
		513	0	21	08	
		514	0	10	18	
		कानस	0	04	50	
		511	0	11	73	
		510	0	10	56	
		509	0	28	29	
		508	0	06	40	
		507	0	01	10	
		502	0	30	36	
		501	0	14	30	
		503	0	14	20	
		499	0	36	64	
		498	0	11	98	
		610	o	17	80	
		612	0			
		611	0	02 15	75 84	
		646/ <del>ए</del>	0	09	84	
		646/बी	0	09	15	
		647			78	
			0	08	26	
		644	0	53	90	
		643	0	18	06	
		650	0	15	57	
		652	0	37	80	

[414 11 -446 5(11)	<b>'</b> 1		•••		14 11) 1000 Hall	21,1307			
1	2	3	4		1	2	3	4	5
		_				101	0	12	44
	682	0	31	28		117	0	60	84
	681	U	31	90		158	0	01	70
	679	0	17	94		159	0	03	69
	680	0	00	50		160	0	11	20
	678	0	97	54		513	0	21	08
	651	0	22	08		514	0	10	18
	[ti.	O-14016	1 457 84	 -जीपी]		Kans	0	04	50
	•		,,	•		511	0	11	73
S.O. 2069.—Whe						510	0	10	56
of India in the Mi 10-12-84 under sub-						507	0	28	29
and Minerals Pipelin	ne (Acquisition of	Right of	User in	Land)		508	0	06	40
Act, 1962 (50 of 19	62), the Central C	overneme	nt decla	red its		507	0	Δ1	10

intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government bas, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur State: Gujarat District: Panchmahal Taluka: Halol

Village	Block No.	Hec- tare	Aro	Con- tiare
1	2	3	4	5
Tarkhanda	298	0	42	00
	296	0	01	00
	281/A	0	16	53
	280	0	27	14
	279	0	21	93
	278	0	19	14
	276	0	44	00
	973	0	22	10
	1	0	27	46
	12	0	27	62
	11	0	03	66
	Cart track	0	05	00
	50	0	16	72
	107	0	04	84
	Cart track	0	02	25
	51	0	00	58
	106	0	14	96
	104	0	10	90
	105	0	12	96
	102	0	15	22
	115	0	00	0.5
	116	0	12	44

उपयोग के ग्रिक्षिकार का मर्जन) ग्रिक्षिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंज्ञालय की अधिसूचना का.मा.सं. 4556 तारीख 10-12-84 क्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसुचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप शाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का प्रपना प्राप्य भोषित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी हैं।

मौर मागे, यतः केन्द्रीय सरकार में उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनसूची में विनिर्विष्ट समियों मे उपयोग का मधिकार मणित करने का विनियनय किया है।

भव, प्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है की इस प्रधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भनियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के योजन के लिए एतदब्रारा प्रजित किया जाता है।

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

भ्रनुसूची श्रहजीरा से बरेली से जगवीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य-गुजरात जिल् 	ना-पंचमहाल तालुका-हा				
पांच -	सर्वेन.	हेक्टेयर	भार सन्	टीयर	
1	2	3	4	5	
<b>व</b> ंदोज	कार्ट ट्रेक	O	02	00	
	602	0	05	00	
	390	0	22	20	
	कार्ट ट्रेक	0	01	28	
	608/2	0	17	0.0	
	407	0	11	0 (	
	610	0	03	0.0	
	611	0	22	0 (	
	507	0	45	O (	
	506	0	20	0.0	
	505	0	19	0.0	
	कार्ट ट्रेक	0	0.3	5 (	
	350/3	0	21	0.0	
	346/2	0	00	1	
	346/1	0	0.0	1 (	
	349/4	0	14	0.0	
	349/3	0	08	0.0	
	349/2	0	0.5	0.0	
	349/1	0	01	0	
	347/2	0	0.5	0	
	<b>347/</b> 1	0	18	O-	
	329/3	0	02	0	
	329/2	O	16	0	
	331/2	٠0	01	0	
	331/1	0	07	0	
	331/3	0	00	0:	
	330	0	24	0.0	
	326	0	45	0.0	
	327	0	01	0.0	
	322/2	0	10	0	
	322/3	0	01	0	
	323/1	0	26	0	
	314/2	O	05	0	
	314/1	0	11	0	
	315/2	O	06	1	
	312	0	07	0.0	
	308/पी	0	11	0	
	310/1	0	19	0	
	309	0	19	10	
	308/पी	0	04	0	
	302	Ü	27	10	
	295/3	U	01	0	
	295/2	0	14	0 (	
	241/2	0	0.5	0	
	241/1	0	11	01	

2	3	4	6
242	O	21	00
243/1	0	21	0.0
243/2	0	04	00
272	0	12	00
271	0	47	00
273	O	29	00
266/1	0	05	00
265	0	24	00
कोटार	0	28	0.0
	242 243/1 243/2 272 271 273 266/1 265	242 0 243/1 0 243/2 0 272 0 271 0 273 0 266/1 0 265 0	$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$

INo O-14016/459/84-जो पी

S.O. 2070.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4556 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 5 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE
Pippline from Hajira—Baroilly—Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Halol

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen-
1	2	3	4	5
Vintoj	Cart track	0	02	00
-	602	0	05	90
	390	0	22	20
	Cart track	0	01	28
	608/2	0	17	00
	407	0	11	00
	610	0	03	00
	611	0	22	00
	507	0	45	00
	506	0	20	00
	505	0	19	700
	Cart track	0	03	50
	350/3	0	21	00
	346/2	0	00	16
	346/1	0	00	16
	349/4	0	14	00
	349/3	0	08	00

349/2	0	05	00
349/1	0	01	00
347/2	0	05	00
347/l	0	18	00
329/3	0	02	00
329/2	0	16	00
331/2	0	01	οó
331/1	0	07	00
331/3	0	00	08
330	0	24	00
326	0	45	00
327	0	01	00
322/2	0	10	00
322/3	0	01	00
323/1	0	26	00
314/2	0	05	00
314/1	0	11	00
315/2	0	06	16
312	0	07	00
308/P	0	11	00
310/1	0	19	00
309	0	19	16
308/P	0	04	00
302	0	27	16
295/3	0	01	00
295/2	0	14	00
241/2	0	05	00
241/1	0	11	00
242	0	21	00
243/1	0	21	00
243/2	0	04	00
272	0	. 12	00
271	0	47	00
273	0	29	00
<b>2</b> 66/1	0	05	00
265	0	24	00
Kotar	0	28	00

[No. O-14016/459/84-GP]

का. श्रां, स. 2071:—यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मिश्रकार का ग्रर्जन) प्रिमित्मम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन मारत सरकार के पेट्रोलियम मंस्रालय की भिध्यसूचना का. ग्रां. सं. 4568 तारीख 10-12-84 द्वारा केम्ब्रीय सरकार ने उस ग्रिधसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्देष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रिधकार को पाइप लाहनों को विद्याने के लिये ग्रांजन करने का भ्रमना भ्राप्य योधिन कर दिया था।

मीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मिधिनियम की घार। 6 की उपधार। (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर भ्रागे, यक्षः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात इस भविसूचना से संलग्न श्रनुसूची मे विनिधिष्ट भूमियों मे उपयोग का भविकार भीजत करने का विनिग्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रिधितयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस श्रिअसूचना में संलग्न श्रनुमुकी में विनिधिष्ट उक्त भृषियों में उपयोग के श्रिक्षार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा श्रिक्ति किया जाता है।

श्रीर श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निश्ति होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी खाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकालन की इस तारीख को निह्नि होगा।

मनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये। राज्य–गुजरान जिला– पंजमहल ता~ लीमखेडा

गांव	सर्वे नं.	हे <b>क्टेयर</b>	प्रारे.	सेग्टीयर
कथोनिया	36		00	34
	37/2	0	38	45
	39/1	O	0.9	10
	39/4	O	21	24
	38	0	40	47
	35	0	06	80
	34/1	0	24	28
	34/2	0	23	27
	33/3	0	01	01
	33/2	0	39	46
	33/1	0	26	30
	33/5	0	11	40
	33/6	0	11	40
	33/7	0	12	60
	30/1	0	16	19
	15	0	00	32
	14	0	32	37
	13/1	0	30	3 5
	13/2	0	33	38
	3	0	12	15
	4/3	0	32	37
	4/2	0	24	29
	5 <b>/</b> 1	0	24	29
	30	0	41	48
	कोटर	0	09	10
	5/2	0	13	50
	5/3	0	13	50
	119/1	0	60	00
	83	0	62	10
	83/7	0	26	40
	83/8	0	40	70
	कार्ट ट्रेक_	O	0.5	0.0
	·	O-14016/	47 1/8	4जीपी <u>]</u>

[स. O-14016/471/84-जी पी]

S.O. 2071.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4568 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerasl pipelines (Aquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the righ of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Hajıra Bareilly Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Limkheda

Village	Survey No.	Hec-	Аго	Cen-
		tare	_	tiare
Katholiya	36	0	00	34
	<b>37/2</b>	0	38	45
	<b>39/</b> 1	0	09	10
	39/4	0	21	24
	38	0	40	47
	35	0	06	80
	34/1	0	24	28
	34/2	0	23	27
	33/3	0	01	01
	33/2	0	39	46
	33/1	0	26	30
	33/5	0	11	40
	33/6	0	11	40
	33/7	0	12	60
	30/1	0	16	19
	15	0	00	32
	14	0	32	37
	13/1	0	30	35
	13/2	0	33	38
	3	0	12	1.
	4/3	0	32	37
	4/2	0	24	29
	5/1	0	24	29
	30	0	41	48
	Kotar	0	09	10
	5/2	0	13	50
	5/3	0	13	50
	119/1	ŏ	60	00
	83	0	62	10
	83/7	0	26	40
	83/8	0	40	70
	Cart track	ő	05	e

[No. O-14016/471/84-GP]

का. श्रा. 2073 - - यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. श्रा. सं. 4571 नारीख 10-12-84 द्वारा केल्ब्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिद्धित्व भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विछाने के लिये अधित करने का अपना आस्य घोषित कर दिया था।

ग्नीर यनः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन मरकार को रिपोर्ट देवी हैं।

श्रीर द्यागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चान इस प्रधिसूचना में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजिन करने का विनिश्चय किया है।

भ्रम, भ्रत. उक्त अधिनियम, की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अजित किया जाना है।

श्रीर झागे उस क्षारा की उपकारा (4) हारा प्रदत्त सकिनयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण जि. में सभी बाधाओं से मुक्त कंप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये राज्य :--गुजरात जिला:-- पंचमहल तालुका:-- दाहोब

गोब	सर्वे नं .,.	हेक्टेयर	प्रार	सेन्टीयर
नानी खारज	6	0	09	00
	7	0	08	0.0
	कोटर	0	09	0.0
	9	0	44	0.0
	78	0	34	00
	74	0	45	0.0
	<b>7</b> 5	0	0.3	00
	81	0	03	0.0
	73	0	22	0.0
	67	0	28	00
	82	0	03	00

[सं. O-14016/474/84-जी पी]

S.O. 2072.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4571 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire he right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of Irdia Limited, free from engumbrances.

# **SCHEDULE**

Pipeline from Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat	District : Panchmahal	Taluka : Dahod			
Village	Survey No.	Hec- tare	Аге	Cen- tiare	
Nani Kharaj	6	0	09	00	
	7	0	08	00	
	Kotar	0	09	00	
	9	0	44	00	
	<b>7</b> 8	0	34	00	
	74	0	45	00	
	75	0	03	00	
	81	0	03	00	
	73	0	22	00	
	67	0	28	00	
	82	0	03	00	

[No. O-14016/474/84-GP]

# कृषि और ग्रामीन विकस मंत्रीलड

(कृषि और सहकास्तिः विसाग) ----नई दिल्ली, 22 धप्रैल, 1985

का. आ २०७३ — केन्द्रीय सरकार, ३० जुलाई, 1982 तक यथा संशोधित पशु कूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 5 की उपधारा (1) (एक) के उन्तरकों के अंतर्गत एसद्दारा डा. कैलास संख्ला को तत्काल से आगामी आदेणों तक भारतीय पशु कल्याण बोर्ड का सवस्य मामक्षव करती है।

> [सं 14--6/85-एस की i] के जी कृष्णभूति, उप मचिव

# MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL

#### DEVELOPMENT

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 22nd April, 1985

S.O. 2073.—Under provisions of Sub-Section (1) (h) of Section 5 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1950 as amended upto 30th July, 1982, the Central Government hereby nominate Dr. Kailash Sankhala as Member of the Animal Welfare Board of India with immediate effect and until further orders.

[No. 14-6/85·LD.I]

K G. KRISHNAMOORTHY, Dy Secy.

(संस्कृत विमाग)

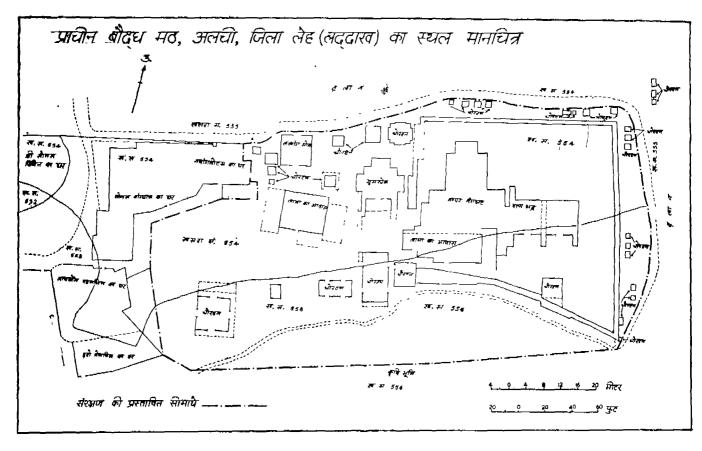
(भारतीय पुरानत्व सर्वेक्षण ) नई दिल्ली , 27 अप्रैन, 1985 (पुरान्द्व)

कांवभार 2074---केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध प्रतस्त्री में विनिदिन्द सम्मारक महत्व का है ---

भ्रतः, भ्रम, केनीय सरकार, प्राचीन सांस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल भीर भवगेव भिर्धानियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उनधारा (1) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत के राजपत्न भाग ii, खड़ 3, उपखंड (ii) नारीख़ 6 फरवरी, 1982 में प्रकाशित सम्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की भ्रधिसूचना स. का. भा. 450 तारीख़ 21 जनवरी, 1982 को अधिकांत्र करने हुए, उक्त सत्मारक को राष्ट्रीय महत्व का विधित करने के भ्रमने भागय की मूचना देती है।

नेन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के सरकारी राजपळ में जारी किए जाने की तारीख से दो मास की ग्रवर्ध के मी र उक्त संस्यारक में हिन्दाझ किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी प्राक्षेण पर विचार करेगी।

			<b>ग्रन्</b> भूची		
गुज्य	जি <b>ला</b>	नहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	मंरक्षत्र के मधीन सम्मिनित किया जाने वाला राजस्व प्लाट संख्योक
1	2	3	4	3	6
जम्मू कश्मीर्	লব্ <b>বাথা</b> লিচ ] য়াল <b>খ</b> ি		घाल ची_	नीचे दिए गण् रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लाट संख्याक 554 मी र 556 के भागों में समाविष्ट बौद्ध विहार	नीचे दिए गए रेखांक में दिशित सर्वेक्षण प्लाट स. 354 भीर 556 के भाग
	क्षेत्र		सीमा	स्वामितव	टिन्मियां
	7		8	4	10
n 409 <b>5हें स</b> टर		दक्षिण . सर्वेक्ष उत्तरः सर्वेक्ष	प्लाट संक्थांक 555 जिप्लाट संक्थांक 556 की जि जिप्लाट सं. 534 मीर 53 क्षिण प्लाट सं. 554 मीर 55	5	धार्मिक उपयोग में है ।
					[मं० 2/38/78-एम०]



एम, एस नामराजराव (सं. 2 38 78-एम.)

# DEPARTMENT OF CULTURE (Archaeological Survey of India) New Delhi, the 27th April, 1985 (ARCHAEOLOGY)

\$.O. 2074.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule anneed hereto is of national importance;

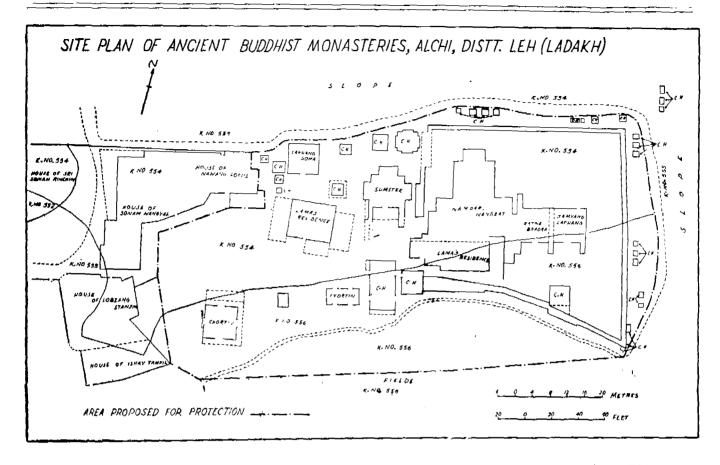
Now, therfore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains) Act, 1958 (24 of 1958)

and in supersession of the notification of Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S. O. 450 dated the 21st January, 1982 Published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 6th February, 1982, the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be considered by the Central Government.

## SCHEDULE

					SCHEDULE				
State	Distt.	Tehsil	Loca- lity	Name of monument	Revenue plat numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Owner- ship	Remark
1	2	3	4		6	7	8	9	
Jammu & Kashmir	Ladakh	Leh	Alchi	parts of survey	plot Nos. 354 and 556 as shown in the site plan re-	0.4095 Hectares	East.—Survey Plot No. 555  South.—Remaining portion of survey plot No. 556  North.—Survey Plot Nos. 534 and 535, West.—Remaining portions of survey plot Nos. 554 and 556.	Private	in religious use

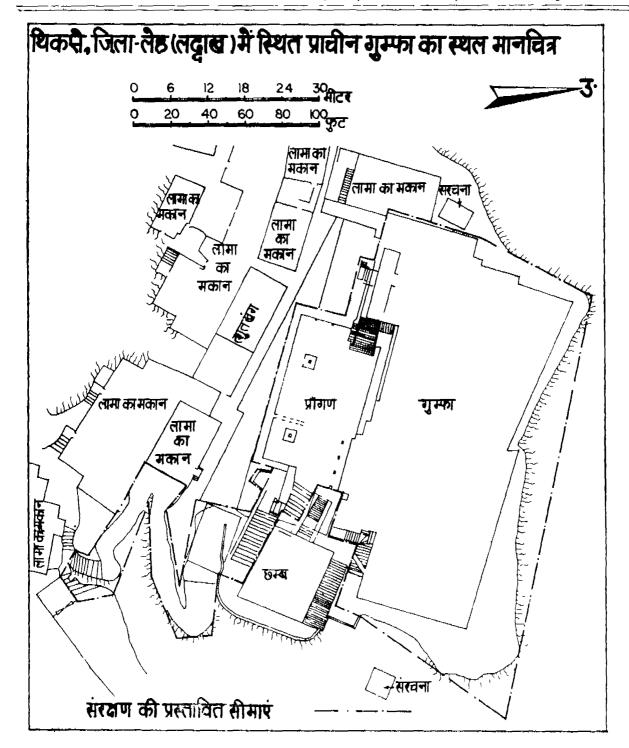


[No. 2/38/78-M

का. घा. 2075---केल्प्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उगाबद्ध घनुसूची में विविध्त सस्मारक राष्ट्रीय महस्य का है, भतः, भव, केन्दीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातस्वीय स्थल भीर भवशेष भिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदास शिव्यों का प्रयोग करते हुए भीर भारत के राजपन्न भाग II, खंब 3 (॥) ताीख 7 मई, 1983 में प्रकाशित संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातस्व सबैक्षण) की भिन्निस्मान सं. का. भा. 2057 तारीख 22 अप्रैल, 1983 की अधिकान्त करते हुए, उक्त संस्मारक को राष्ट्रीय मस्तृत्व का चोषित करने के भपने भावय की इस अधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख से, वो मास की सूचना देती है।

केन्द्रीय सरकार इस प्रकार विनिदिष्ट दो मास की प्रविध के भीतर उका संस्मारक में दिनवद किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी धाक्षेत्र पर विचार करेगी

		<b>भ</b> नुस्	ची					
राज्य	সিলা	तहसील	परिकेल	संस्मारक का नाम	संरक्ष किया प्लाट	गिके भ जाने संख्याक		मिलन (जस्ब
1	2	3	4	5	6			
जस्मू-कश्मीर	ল <b>ধ্</b> বা <b>তা</b>	लेह	थिक्से	-	ण प्लाटसं. 2040 के में वर्शीय गए नाविष्ट भू-भाग के साथ सं. 2040 क		सर्वे अप ग	
क्षेत्र			सीमा	स्वामित्व		टिप्गणिया <u>ं</u>		
7			8	9			10	
0.3172 हे क्टेंग	प्र	पूर्वः सर्वेक्षण प्ला	लाट सं. 2040 का में पंधान ट सं. 2040 का में पंधान लाट सं. 2040 का माप भाग	प्राइवेट स्वामिस्वाक्षीन	गुफा	घतभक	उपवाग	<del>i</del>
		पश्चिम: सर्वेकण	प्लाटसं. 2040 का मेव भाग					



[य. 2/16/89-एम ]

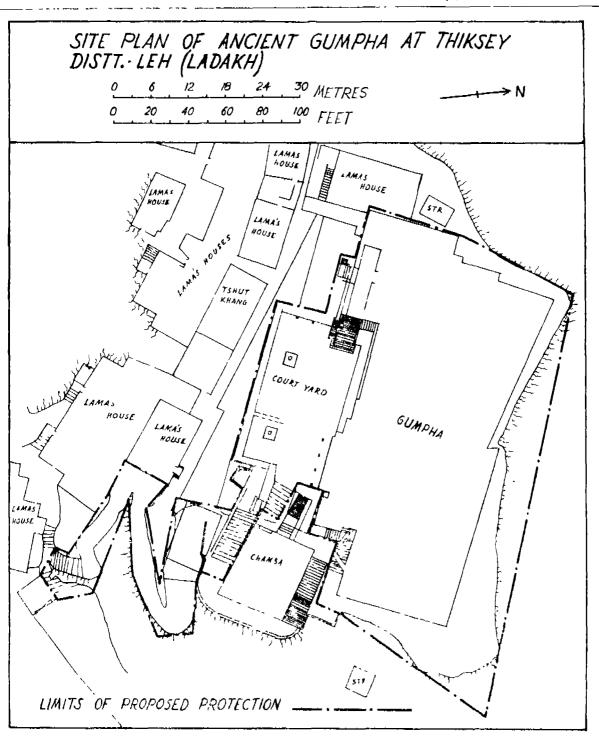
S.O. 2075.—Whereas the Centra' is of the opinion that the monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) and in superession of the notification of the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S. O. 2057 dated the 22nd Aptil, 1982, published in the Gazette of

India, Part II, Section 3 (ii) dated the 7th May 1983, the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said monument to be of national importance from tha date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection which may be received from any person interested in the said monument within a period of two months so specified will be considered by the Central Government.

					SCHEDULE				
State	Distt.	Tehsil	Loca- lity	Name of Monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Bouncaries	Owner- ship	Remarks
1		3	4	5	6	7	8	9	10
Jammu & Kashmir	Ladakh	. Leh	Thiksey	Ancient Gumpha along-with part of land comprised in part of survey plot No. 2040 as sh. wn in the site plan reproduced below.	Part of survey plot No. 2040 as shown in the site plan re- produced below.	Hectares	North.—Remaining portion of survey plot No. 2040.  Fast.—Remaining portion of survey plot No. 2040 South—. Remaining portion of survey plot No. 2040.  West.—Remaining portion of survey plot No. 2040.	Privately awned	Gumpha reli <b>gi</b> ous use

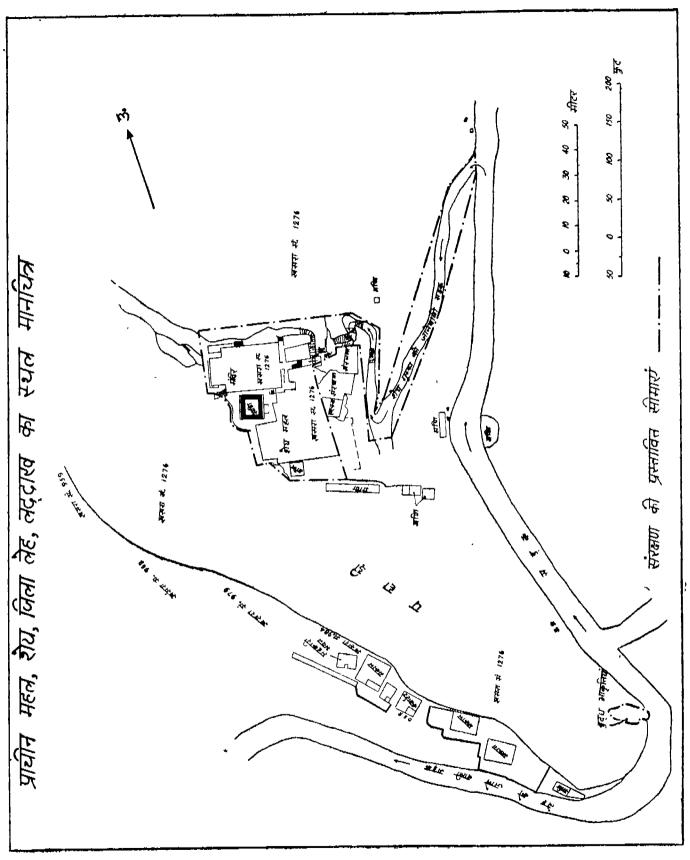


का. मा. 2076 — केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबत प्रनुसूची में विनिधिष्ट संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है,

धतः सक्ष, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थन भीर भवशेष मिलियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत के राजपन भाग 2 खड़ 3 (ii) तारीख 6 फरवरी, 1982 में प्रकाशित रिक्षा विश्वाम (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की मिलियमा स. का. भा. 421 तारीख 21 जनवरी, 1982 को मिलियमा करते हुए, उक्त सस्तारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषिन करने के अपने भागय की इस मिलियमा के राजपन में प्रकाशित होने की तारीख से, दो मास की सुवना देती है।

केन्द्रीय सरकार, इस प्रकार विनिर्दिष्ट वो माम की भवधि के भीतर उक्त संस्मारक में हिनशब्द किनी बनीन मे प्रान किना प्राक्षत पर विचार करेगी

			ग्र <b>न्</b> सूची				
राज्य	जिला	शहसील	परिकेन्न	संस्मारक का नाम	संरक्षत के घडीन सम्मिलित किये जाने वाला राजस्व प्लाट मंड्यांक		
1		2 3	4	5	6		
जम्मू-कश्मीर लेह		शेह	<b>से य</b>	नीचे दिए गए स्थल रेखां के में दर्शित सर्वेक्ष ५ प्लाट सं . 1276 के भाग में समाविष्ट मंलग्न क्षेत्र सहित प्राचीन महल, जिसके म्रोतर्गत पूजा स्थल भी हैं।	नीचे बिए गए स्थन रेखांक में दर्गित मर्देशा प्राट स. 1276 का भाग		
	<u>এ</u>	<del></del>	सीमा	स्वामित्व	<b>टि</b> प्नी <b>ग</b> या		
	7		8	9	10		
0.4013 हेक्टेय	₹	पूर्वः सर्वेक्ष मीर दक्षिणः सर्वे	ा प्लाट सं. 1276 का घोष धारा ग प्लाट मं. 1276 का घोष भाग मुख्य सड़क क्षण प्लाट सं. 1276 का घोष धा क्षण प्लाट सं. 1276 का घोष ध	ा ग	पूत्रन स्थन, धार्मिक उपयोग में हैं।		



[सं. 2/11/80-एम.)]

S.O.2076.—Whereas the Central Government is of opinion that the monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

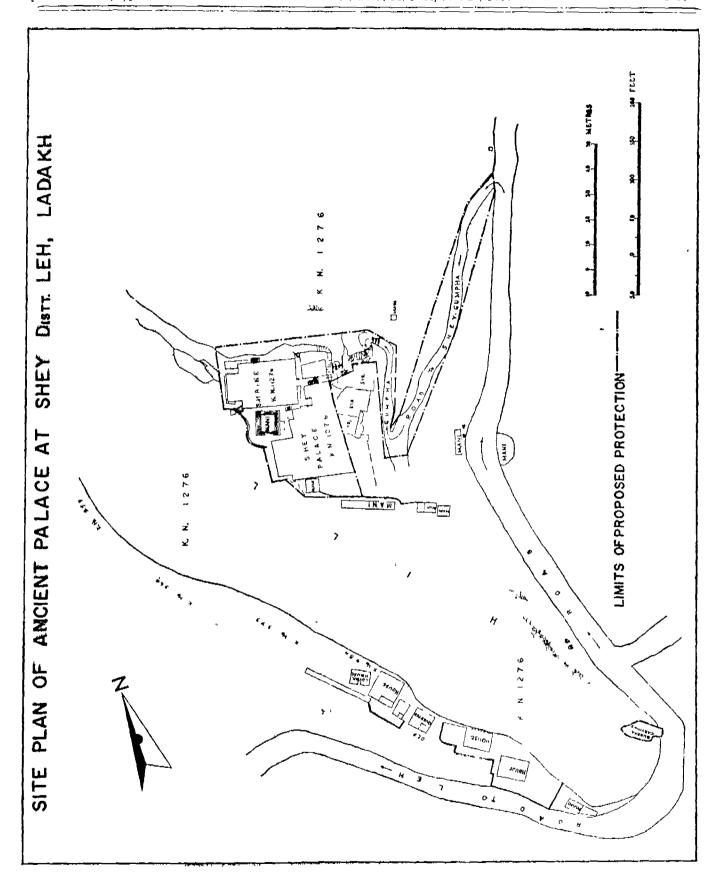
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) and in supersession of the notification of the Department of Culture (Archeologial Survey of India), No. S. O. 421, dated the 21st January, 1982 published in the Gazette of

India, Part II, Section 3(ii), dated the 6th February, 1982 the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said monument to be of national importance from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection which may be received from any person interested in the sald monument within a period of two monhs so specified will be considered by the Central Government.

#### **SCHEDULE**

State	Distt.	Tehsil	Loca- lity	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries 0	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Jammu & Kashmir	Leh	Leh	Shey	Ancient Palace including shrine to- gether with adja- cent area compri- sed in part of survey plot No. 1276 as shown in site plan repro- duced below.	Part of survey plot No. 1276 as shown in site plan reproduced below.	0.4013 Hectares.	North.—Remaining prion of survey plot No. 1276.  East.—Remaining portion of survey plot No. 1276 ar Main road.  South.—Remaining portion of survey plot No. 1276.  West.—Remaining portion of survey plot No. 1276	ey d d	Shrine in religi us use.



का. मा. 2077---केन्द्रीय सरकार ते, भारत के राजपत्न, भाग 2 जह 3, उपलाड (ii) में पृष्ट 492-493 पर प्रक्रशित नारत सरके र क्ष मंस्कृति विश्वाग (भारतीय पुरातत्व य सर्वेक्षण) की अधिमूचना स का आ 455 तारंख 21 जनवरी, 1982 द्वारा उक्त अधिमूचना से उपावद भनुसूची भ विनिदिष्ट प्राचीन सम्मारक कराष्ट्रीय महत्व ता बोधिन करते के प्राते आलाय की दो माम नो सूचना दी भी और प्राचीत मस्मारक कथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 को उपावतार (1) की अवेआतुनार उक्त अधिमूचना की एक प्रति उक्त प्राचीत सन्मार के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपकादी थी।

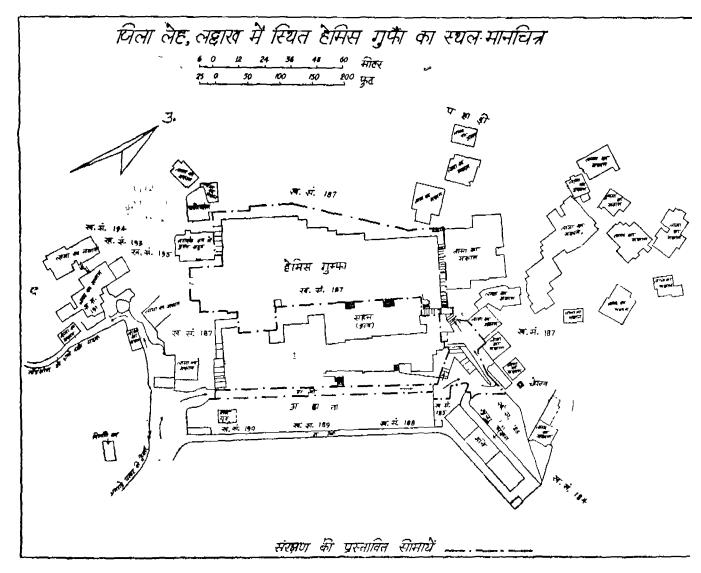
भीर उक्त राजपन्न की प्रतियां जनना को 11 फरकीरी, 1982 को उपलब्ध करा थी गई थी। भीर जनता से प्राप्त धाक्षेपों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

श्रत केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रश्नित्यम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदेश्त सक्तियों का प्रकोग करते हुए, इसमें उपावक श्रनुसूची ने विनिर्विक्ट उक्त प्राचीन संस्थारक को राष्ट्रीय महस्य का बोषित करती है।

	·	•	धन सूर्व	r			
राज्य	जिली	<b>गहमील</b>	ग्रबस्थ (यन	संस्मारक का नाम	सरक्षण के मधीन मप्मिकित किए,आने वाले सर्वेकण प्ताट मं,		
1 <u>2</u> अस्मू-कश्मीर लेह		3	4	5	6		
		लेह है मिस		हेमिस गुका और तीचे तिए गए स्थल रेखांक मे दशित सबैकण प्लाट स . 187 के भाग में समा- विष्ट 'गार्थस्थ भूमि	नीचे विष् गए स्थल रेखांक में वॉशन सबेंक्शण प्लाट नं. 187 का भाग		
<del>-</del>	क्षेत्र	मीमाए		स्बामित्व	टिप्पणी		
7			8	9	10		
· 53 <b>2हेस्ट</b> र			लाट स 187 का <b>शेव भा</b> टर्स. 187 मीर सर्वेक्सण		बार्मिक उपयोग मे		

भीर 186 का शेव भाग दक्षिण: सर्वेक्षण प्लाट सं. 187 का शेव भाग सर्वेक्षण

प्लाट सं. 188, 189 झौर 190 पश्चिम: सर्वेक्षण प्लाट सं. 187 का होष भाग



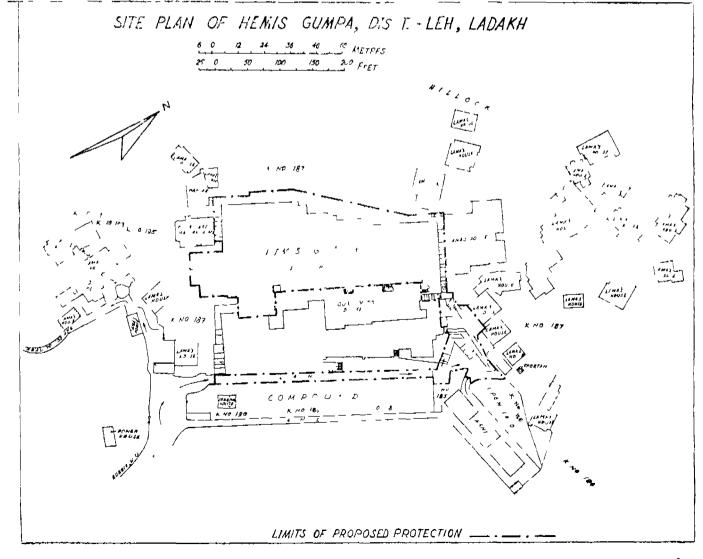
SO 2077—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India), No SO 455, dated the 21st January, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii), it pages 492493 the Central Government gave two months notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule annexed to the said notification and the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument, is required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958),

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 16th February, 1982.

And whereas objections received from the public have been duly considered by the Central Government,

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Schedule hereto annexed to be of national importance

					SCHEDULE				
State	Disti	Tehsil	Localit	y Name of monument	Revenue plot numbers included under portection	Area	Boundaries	Owner- ship	Remark
1	_, _	3	_ <sub>4</sub>	—— <sub>5</sub>	<del>-6</del>	- <del>,</del> -	8	9 -	10 -
Jammu & Kashmir	Leh	Leh	Leh	Hemis Gumoha and adjoining land comprised in part of urvey plot No 187 as shown in site plan repro- dured helow	Part of survey plot No 197 a shown in the site plant moduled below	0 532 Hertares	North—Remaining portion of survey plot No. 187. Last R. maining portion of survey plot No. 187. and survey plot No. 186. So th Remaining portion of purvey plot No. 188. 189. an. 190. We t Remaining portion of survey plot No. 187.	Hemis Gumpha	In religions nse



का. आ. 2078--केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसमे उपावद अनुमूची से विनिर्दिष्ट संस्मारक महत्व का है;

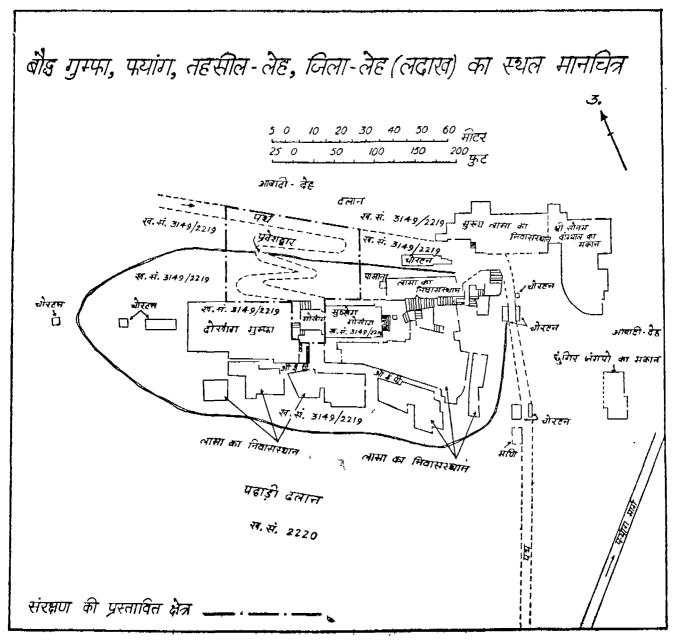
कत. अस केन्द्रीय सरकार, प्राचीन सस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की घारा 4 की उन्धारा (1) हारा प्रवरंत शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत के राजपन भाग 2 बांड 3 (ii) तारीका 19 जूर, 1982 में प्रकाशित सस्पृति विभाग (भारतीय पुरानत्व सर्भेक्षण) की अधिसूचना स. का.आ 2247 त.रीबा 19 जून, 1982 को प्रक्रिकाण करने हुए, उक्त सत्म रक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आगब की, इस प्रधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीका से, दो माम की सूचना देती है।

फेन्द्रीय सरकार, इस प्रकार विनिर्दिश्ट को मास की अवश्वि के भीतर उक्त सक्ष्मारक में हिराद्ध िया व्यक्ति से प्राप्त किसी अपनेर पर विवार करेगी।

			<b>ग्र</b> न्भूभी				
राजध	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	नस्मारसक्ताम	संस्क्षेत्र के भ्रष्टात सम्मिति किंग् जाते जाला राजस्व प्लाट संदर्गक		
1	2	3 4		5	6		
जम्मू-मधर्मार सेह (लद्दाख)		लेह (लद्वाखा) प्यांग		नीचे दिए गए स्थल रेखाक में दॉगा सर्वेजग प्लाट ने. उ. 1.5 2219 के भाग में समाविष्ट सनग्न क्षेत्र माह्मजन्द्व गुका	नाम बिए गए स्थन रेखाक में रागा पर्यतग न्याट स. 3149/2219 का भाग		
 એ			मोगा	स् ग्राभित्व	टिप्पणि यो		
	7			9	10		
11 हेक्टेंबर		पूर्व सर्वेक्षण प्लाट देक्षिणः सर्वेक्षण प्ल	टिस. 3149/2219 म. 3149/2219 क गटिस. 3149/2219 टिम. 3149/2319	ाणे <b>च</b> भाग प्रा <b>ट्वे</b> ट 9कालेचभाग	धार्मिक उपयोग मे		
<del>_</del>				<del></del>	— [सं 2/28/8७—एम]		

[सं 2/28/४७—एम]

एन० एस० नागराजाराय, समुक्त मन्त्रि पदेन



(स. 2/28/80-एम.)

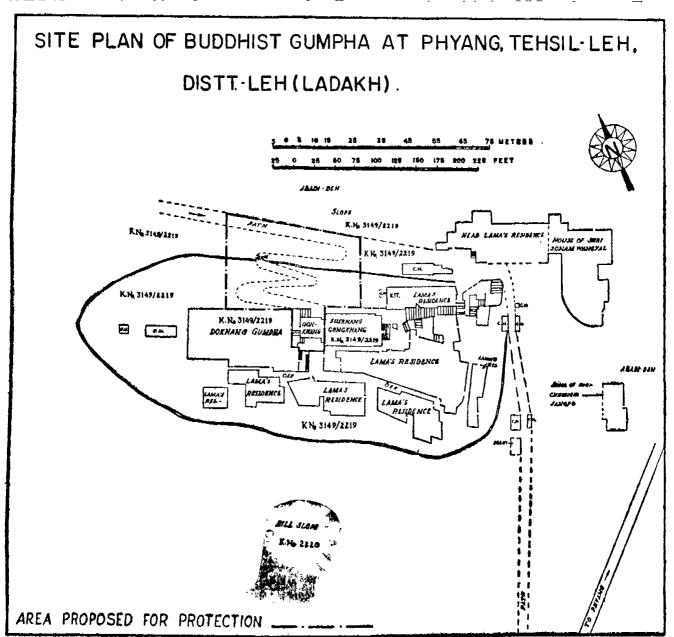
S.O. 2078.—Whereas the Central Government is of the opinion that the monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) and in supersession of the notification of the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O. 2247 dated the 9th June, 1982 published in the Gazette of India,

Part II, Section 3(ii) dated the 19th June, 1982, the Central Government hereby gives two months notice of its intention to declare the said monument to be of national importance from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection which may be received from any person interested in the said monument within a period of two months so specified will be considered by the Central Government.

					SCHEDULE				
State	Disti	fehsil	Lona- lity	Name of monument	Revenue plot numbers to be m, clude, a) 'er pr cesion.	7123	Boar ans,	Owner- hip	Remarks
1	2	3	4		6	7	8	9	10
Jammu & Kashmir	Loh (Ladakh)	Leh (Ludakha	Phyan:	Bu ldhist Gumpha together with ad- jacent are comprised in part of sur- vey plot No. 3149/ 2219 as shown in site plan repro- duced below	Part of survey plot No. 3149/2219 as shown in site plateons duced below.	0 11 Hootares	North Remaining portion of survey plot No. 3149/2219. East.— Remaining portion of survey plot No. 3149/2219 South. Remaining portion of survey plot No. 3149/219 West —Remaining portion of survey plot No. 3149/219.	Private	In religious usc
<del>-</del>	<u> </u>					-		-	<b>—</b>

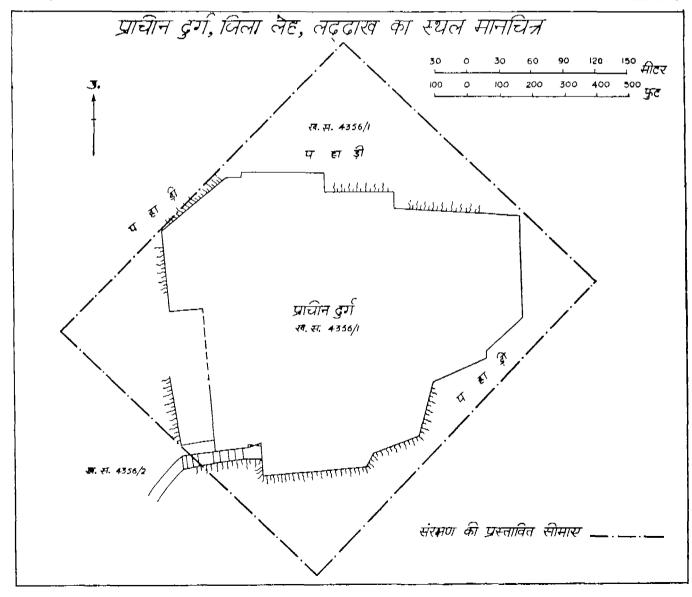


का. आ 2079 — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस उपायद अनुपूरी में विनिविच्ट सम्पारक राष्ट्रीय महत्व का है,

अतः, अब केस्ट्रीय मरकार, प्राचीन सम्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राभपक भाग,  $\Pi$  खंड 3, उपखाड़ ( $\Pi$ ), तार्र ख 6 फरवरी, 1932 में प्रकाणित संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं. का आ 451, तार्र ख 21 जनवरी, 1982 को अधिक्षांत करते हुए, उक्त सम्मारक को राष्ट्रीय महत्व को लोगित करते के अपने आग्रय को इस अधिसूचना वे राजपत्र में प्रकाणित होने की तारीख में दो माम की सूचना देती है।

केन्द्रीय सरकार, इस प्रकार विनिदिष्ट दो मास की अवधि के भीतर उका सस्मारक में दितबद्ध किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी।

					अनम <del>ूष</del> े		
राज्य	जिला	तहमील'	अवस्थान	अवस्थान संस्मारक का नीम		संस्थाण के अधीन सम्मिष्तिन किए कामे वाले राजस्व स्लाटकी सं	
l	3	3	4		5	6	
गम्म् काश्मीर 		 神 <b>宗</b>	— <u> </u>	सर्वेक्षण । मलग्न क्षेत्र	न्ताट मं॰ 4356/। में समाविष्ट व महित पुराना गढ	सर्वेञ्चण प्लाट म. 4356/1	
क्षेत्र	स्भा				 स्वाम <del>ित्य</del>	टिप्पणियाँ	
7	<del></del>	8		9		10	
0 , 0 7 हेक्टर	97 हेक्टर उत्तर 'पहाडी का अमर्वे पूर्व : पहाड़ी का अमर्वेकित दक्षिण : पहाड़ी का अमर्वे सर्वेक्षण प्लाट स . 4356 पक्ष्विम : पहाड़ी का अमर्वे प्लाट सं . 4356/2 का प		ो का असर्वेक्षित हाड़ी का असर्वेक्षि हाट स. 4356/ हाड़ी का असर्वेक्षि	क्षेत्र अत्र क्षेत्र और 2 का भाग क्षेत्र क्षेत्र और मर्बेक्षण		भाजामिक उपयोग में नहीं है।	



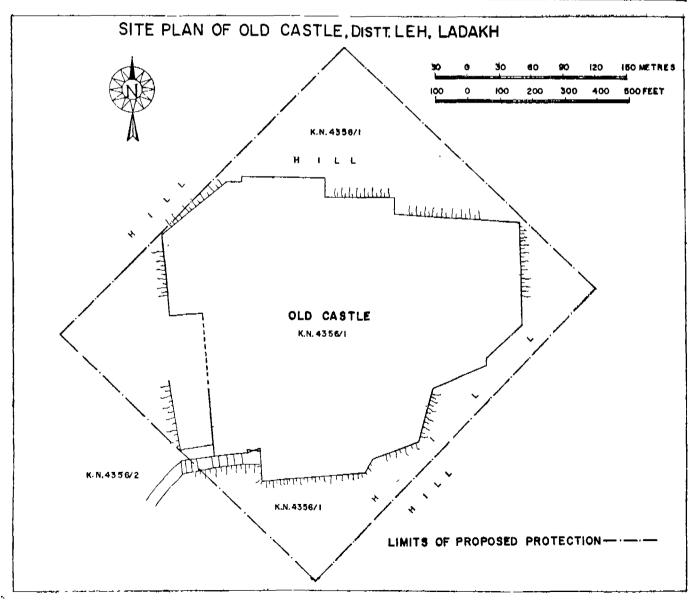
S.O. 2079.—Whereas the Central Government is of the opinion that the monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) and in supersession of the notification of the Department of Culture (Archaeological Survey of India), No. S.O. 451, dated the 21st January, 1982 published in the Gazette of

India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 6th February, 1982, the Central Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said monument to be of national importance from the date of publication of this notification in the Official Gazete.

Any objection which may be received from any person interested in the said monument within a period of two months so specified will be considered by the Central Government.

					SCHEDULE				
State	Distt.	Tehsil	Loca lity	Name of monument	Revenue plot numbers to be in- cluded under protection	Area	Boundaries	Owner- ship	Romarks
		3	4	5	6	7	8	9	10
Jammu & Kashmir	Leh 😘	Leh	Leh	- Old Castle along with adjoining area comprised in survey plot No. 4356/1		0.07 Heagtares	North.—Unsurveyed are of hill,  East.—Unsurveyed area of hill. South.—Unsurveyed area of hill and a portion of survey plo No. 4356/2.  West-unsurvedyed area of hill and a portion of survey plot No. 4356/2.	Private	Not in residen- tial use.



का, आ, 2080: — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे संसम्त अनुमूची में विनिर्दिष्ट संरक्षित संस्मारक के निकट या पार्यस्थ क्षेत्रों को खनन संक्रिया और निर्माण के प्रयोजनों के लिए प्रतिषिद्ध कर दिया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातस्त्रीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 के नियम 31 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 2222 तारीख 18-6-1957 का अतिक्रमण करते हुए, उका क्षेत्रों को प्रतिषिद्ध क्षेत्र घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती हैं;

जिस राजपत्र में यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है, उसकी प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर उक्त क्षेत्रों में हितबद्ध किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी आक्षेप पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

## अनुसूची

राज्य	জিলা	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम	प्रतिषिद्ध घोषित किए जाने वार क्षेत्र के भ्यौरे	ने टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
महाराष्ट्र	रायगढ	वनवेश	धारापुरी	<ul> <li>(i) ऐलीफेटा गुफाएं और</li> <li>(ii) ऐलीफेटा बीप से प्राचीन ईंटों मे बना स्तूप।</li> </ul>	सस्मारकों के संरक्षित क्षेत्र के चारों ओर का ऐलीकेंटा द्वीप का संपूर्ण क्षेत्र और द्वीप के चारों ओर एक किलोमीटर की परिधितक का तटीय क्षेत्र।	

टिप्पण : --अधिमूचना सं. का. नि. आ. 2222 तारीमा 18-6-1957, भारत राजपन्न, भाग II खंड 2, तारीख 6-7-1957 में प्रकाशित हुई थी।

[सं. 8/1/84-एम.]

S.O. 2080.—Whereas the Central Government is of opinion that the areas near or adjoining the protected monuments in the Schedule attached hereto be prohibited for purposes of mining opration and construction;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 31 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, the Central Government, in super-session of the notification of the Government of India in the

Ministry of Education and Scientific Research No. SRO 2222, dated 18-6-1957, hereby gives notice of its intention to declare the said areas as prohibited areas;

Any objection made by any person interested in the said areas within one month after the date on which the Gazette in which this notification is published is made available to the public will be considered by the Central Government.

## **SCHEDULE**

State	District	Tehsil	Locality	Name of Monuments	Details of the areas to be declared prohibited	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Maharashtra	Raigad	Panwal	Gharapuri	<ul><li>(i) Elephanta Caves and</li><li>(ii) Ancient Brick Stupa at Elephanta Island.</li></ul>	Entire area of the Elephanta Island surrounding the protected area of the monuments and coastal area upto the radius of 1 km all around the Island,	

Note: -Notification No. S.R.O. 2222, dated 18-6-1957 was published in Part I, Section 2 of the Gazette of India dated 6-7-1957.

[No. 8/1/84M]

सदी ।

का आ ४०२। --केल्ब्रय सरकार को राय है कि इससे उपाबद अनेमुच से वितिदित्त प्राचीन सस्मारक राष्ट्रीय महत्त्व ने है,

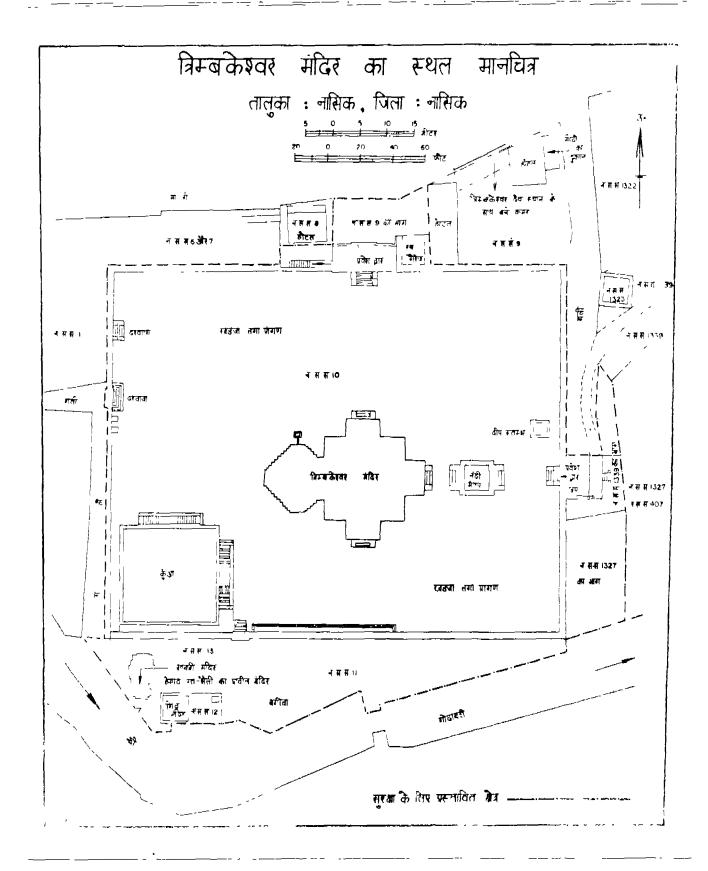
अन केन्द्रीय सरकार प्राचीन सम्मारक तथ पुरातत्वीय स्थल और अवशय अधिनियम 1959 (195% का 24) की धारा 1 का उपधारा (1) इत्या प्रदल शाक्तियों का प्रयाग करने इत और शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि (प्रातस्वा) विभाग के अधिसूचना सं एक 4-6( )41-गफ और एल , नारीबा 30 अप्रैल 1941 का अधिकार करते हुए उनर प्राचीन सम्मारको को इस अधिसूचना के राजपल में प्रकाशन के तार का से राष्ट्रीय महत्व वा घाषित करने के अपने आश्रय की दो मास के सुबता देत हैं।

कैंक्द्र'य सरकार देन प्रकार विनिर्देश्ट दो मास का अबधि के घोतर उक्त प्रचान सस्मारको में हि।वाद्ध किस थ ब्याने। के प्रप्प किस आक्षेत्र पर वधार करेगा।

#### अनुसुच

	— ——— जिला	नहस ल	अ <b>वस्य</b> न	सस्मारको का नाम	सरकाण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले राजस्व प्लाट सक्यांकि	क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7
महाराष्ट्र -	नास्मिक	नासिक नासिक	्रिया वक्त विकास	जियबंग्ध्यर भविर और उसमें लगे गायज्ञ और शिव मदिर और मर्बेक्षण प्लाट स 10 11 12, 13 और सर्बेक्षण 'लाट स 4 1327 और 1339 के भगा में समाजिष्ट केंद्र जो मीबे दिए गए स्थान रेखांक में दिखाए गए है।	13 और सर्वेक्षण प्ल∗ट स  9 1327 और 1339 का भाग,	7306 हेक्टर

	<del></del> <del></del> र्स माण	स्वामित्व	— — – – टिप्पणियाँ
		9	10
<del>ुभ</del> र		—— — — — ——— सरकार मिवाय सर्वेक्षण प्लाट सः 1327 के जो प्राइवेट स्वामित्व के अर्धात है।	——- पूजा के अभि है।
पूर्व	सर्वेक्षण प्लाटस 1339, 1327 और मार्वजनिक गर्लकामेषभाग।		
	सोदावरी नदी। - सर्वेक्षण प्लाट स ा. सार्वेजनिक भूमि और सोदावरो		



[स. 2/30/73-लम ]

S.O. 2081.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monuments specified in the Schedule annexed hereto are of national importance;

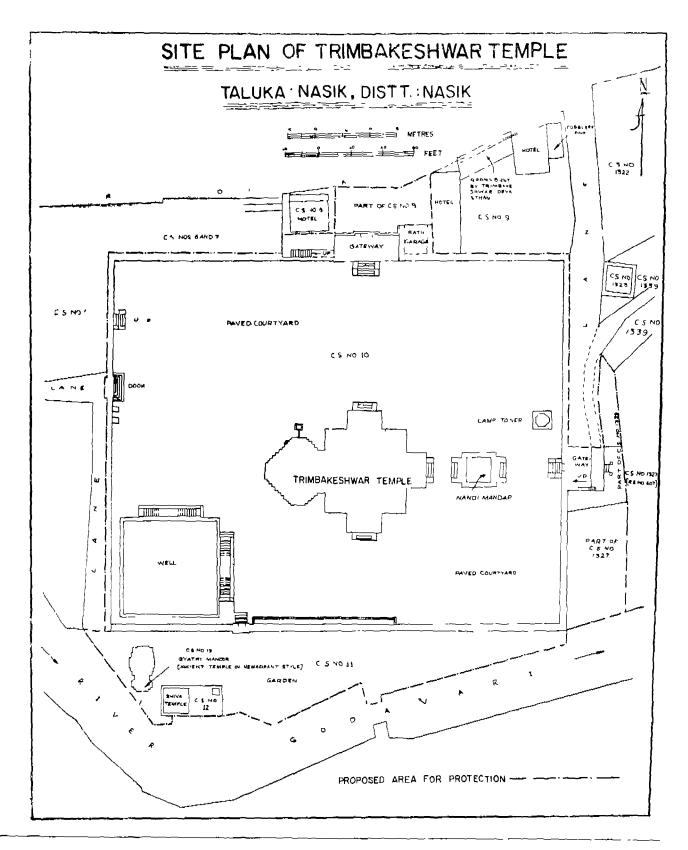
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), and in supersession of the notification of the Department of Education, Health and Lands (Archaeology), No. F. 4-6 (2)41 F. & L., dated 30th April, 194!, the Central Govern-

ment gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monuments to be of national importance from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection which may be received from any person interested in the said ancient monuments within a period of two months so specified, will be considered by the Central Government.

#### **SCHEDULE**

State	Distt.	Tehsil	Loca- lity	Name of monuments	Revenue plot numbers to be in- oluded under pro- tection	Area	Boundaries	Owner- ship	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Maharashtra	Nasik	Nasik	Tryambak	Tryambakeshwar	Survey plot Nos.	. 7306	North.—Survey plot	Govt.	Under
				Temple and adjo-	10, 11, 12, 13, and	Hectares	Numbers 6,7,8, and	except	Worship
				ining Gayatri and	part of survey plot		remaining portion of	survey	
				Shiv Temples	numbers 9, 1327,		survey plot numbers	plot No.	
				along with area	and 1339 as shown		9	1327	
				comprised in surve	y in the site plan		East.—Remaining	which is	
				plot numbers 10, 1	1, reproduced below		portion of survey	under Pv	t.
				12, 13 and parts			plot numbers 1339,	ownership	p
				of survey Plot			1327 and public lane		
				numbers 9, 1327,					
				and 1339 as show	n				
				in the site plan-			South.—River		
				reproduced below	<i>v.</i>		Godavari.		
							West.—Survey		
							plot number 1, pub-		
							lic land and river		
							Godavari.		



[No. 2/30/73-M]

M.S. NAGARAJA RAO, Director General

&

Ex-Officio Jt. Secy.

## निर्माण और आज्ञास मंत्रालय

## नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1984

का.आ. 2082---यतः निम्नोंकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन जिन्हें केन्द्रीय सरकार दिल्ली के लिए बृहत यात्रना क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तांवित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61वां) के खण्ड 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 24-12-83 के नाटिंग सक्या एफ-3(50)/78-एसपी द्वारा प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त अधिनियम की धांग 11 ए की उप धारा (3) में अधित आपित्वियां सुझाव इस नोटिस की तारीख से 30 दिनं की अबिध में आमित्वित किए गए थे।

और युप केन्द्रीय सरकार ने उक्त सक्तीबनों के बारे में आपस्तियों और नुसाबों पर विचार करने के पक्ष्मात दिल्ली। की बृहद योजना और क्षेतीय विकास योजना से सक्ताधन करने का निर्णय किया है।

अन अब केन्द्रीय सरकार निम्न उपबन्धा की मतं पर उनते अधिनियम की धीरा 11 ए की उपधारा (2) द्वारा प्रदश्त पानितयों का प्रयोग करते हुर् भारत के गजा हो में इस अभिनेत्रता के प्रकाशन की तारीख में दिन्तों की बृहद योजना में निम्निलिखिन संशोधन करती है

#### म् शोधन

जान सी.14 के लिए दिल्ली बृहन योजना तथा क्षेत्रीय विकास योजना में "मनोरजनारमक प्रयोग (जिला पाकं)" के लिए उद्दिष्ट 0.404 हे क्टेयर (1 एकड़) माप के तथा पूर्व की और राष्ट्रीय उपमार्ग (91:44 मीटर ओर/हबल्यू), दिल्लण की और मेगाजाहन रोड़/मनोरंजनारमक केन्न तथा उस्तर व पश्चिम में मनोरंजनारमक केन्न से विरे प्लांट सं.1 मेगाजाहन राड के भू-उपयोग को "सावंअनिक तथा अर्थ सावंजनिक मुबिधाओ" (मास्यानिक उपयोग) में बदला जाता है जैसा कि

बशर्ती कि विशेष मामले के कप में स्वीकृत भू-उपयोग भविष्य में अन्य मामलों के जिए उदाहरण न बन विशेषकर उन क्षेत्रों के लिए जो यमुना नदी के सामन मनोरंजनात्मक जीना में पहते हों।

[स. के-13011/16/80-श्री. की. II ए]

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

## New Delhi, the 31st December, 1984

S.O. 2082.—Whereas certain modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 3(50)/78-MP dated 24-12-1983 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by Subsection (3) of section 11-A of the said Act within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objection and suggestion have been received with regard to the said modulication;

Now therefore, in exercise of the powers conefined by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government subject to provisio below hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi and Zonal Development Plan with effect from the date of publication of this modification in Gazette of India, namely;

#### MODIFICATION

"The land use of plot No. 1, Magazine Road, earmarked for 'Recretional Use (District Park)" in Delhi Master Plan and Z.D.P. for Zone C-14 measuring 0.404 Hect. (1 acrc) and bounded by National Bye-Pass (91.44 metrs. R/W) towards East, Magazine Road/Recreational area towards South and Recreational area towards North and West is changed to "Public and Semi-Public facilities."

Provided that this change of land use which has been agreed to as a special case will not form precedent for other cases in future especially for areas falling in recreational zones fronting the river Yamuna.

[No. K-13011/16/80-DDHA]

## नई विच्लो, 22 **ग्रमैल**, 1985

का त्री. 3083 — यतः केन्द्रीय मरकार का दिल्ली बृहत योधना क्षेत्रीय विकास योधना में नीचे उतितिखत को नो के किश्य संशोधन करने का प्रस्ताव है तथा दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957(1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के धन्तर्गत दिनाक 16-10-1982 के नौटिस संख्या एफ-20 (17) /81-एम पी द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) में यथा प्रयोक्षित नोटिम की त्रारीख में 30 दिन के भीतर प्रक्षियों/ सुक्षावों का प्रामुख्यित करने के लिए प्रकाशित किया गया पा ——

और यन उक्त समोधनों के सम्बन्ध में ब्राक्षेप और सुझावों पर विचार करने के पश्चान् केन्द्रीय सरकार ने बृहन योजना और क्षेत्रीय विकास सोधना का संशोधन करने का निर्णय लिया है।

प्रवं भतः उक्त प्रधिनियमं को धार। 12-क की उप-धार। (2) के द्वारा प्रवन्त गिवनयों का प्रयाग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एवव्द्वारा दिल्ली की उक्त बृह्त यों केना भीर केन्नीय विकास योग्न, में भारत के राज्यप्रस में इस प्रधिसूबना के प्रकाशन की नारीख में निम्नलिखिन संशोधन करती है, नामन

## संशोधन

- (1) क्षेत्रिय एक -7 में पड़ने वाने लगभग 0.81 हे बट. (2.00 एकड़) क्षेत्र क्रिसके उत्तर-पश्चिम अं।र उत्तर-पूर्व में 'सामालिक एवम् सांस्कृतिक सस्थान' दक्षिण-पश्चिम को ओर 18,3 मी. (60 फुट) मार्गाधिकार की सड़क ओर भावासीय क्षेत्र (सुखदेन विहार) तथा वक्षिण-पूर्व में 18.3 मी. (60 फुट) मार्गाधिकार को सड़क है, का भूमि उप-योग सामाक्षिक और सास्कृतिक सस्थान से बदलकर भावासीय (समूह-भावास) किया का सा है।
  - (ii) अंत्रीय एक-7 मे पड़ते वाले लगनग 0.17 हेक्ट. (0.42 एकड़) अंत्र, जिस हे उत्तर-पिष्टिस और उत्तर-पूर्व में 'मामा- फिक और सास्कृतिक सम्थान' दक्षिण-पूर्व में 'मनोरक्षनास्मक' उपयोग की भूमि है, का भूमि उपयोग से 'मंबरण' से बदलकर मावासीय (समृह मावास) किया जाता है।
  - (iii) क्षेत्र एफ-7 में पड़ने वाले अगभग 7.01 हेक्ट. (17.33-एकड़) क्षेत्र किमके उत्तर पूर्व में मनोरक्षनात्मक उपयोग क्षेत्र, उत्तर-पश्चिम में 18.3 में. (60 फुट) मार्गाधिकार को सड़क और आवासीय क्षेत्र (सुखदेश बिहार), विक्षण-पश्चिम में क्षेणिक उपयोग) केन्द्र य महक अनुसन्धान सस्यान)और विक्षण-सूर्व में मनारक्षनात्मक उपयोग का क्षेत्र है, का भूमि उपयोग मनारका नात्मक से बंदलकर अन्वासीय (ममृह श्रावास) किया जाता है।

 $[\pi, \tilde{\pi}, -1.3011/8/81-\tilde{m}(.8), H-\eta]$ कृष्ण कुमार सन्सेन $^{\circ}$ , श्रंवर सन्बि

#### New Delhi, the 22nd April, 1985

S.O. 2083.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned here under, were published with Notice No. F. 20(17)/81-MP dated 16-10-1982 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act within thirty days from the date of the said notice.

And whereas, the Central Government after considering the objections and suggestions with regard to the said modifications have decided to modify the Master Plan and Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi and Zonal Development Plan with effect from the date of publication of this modification in Gazette of India, namely:—

#### **MODIFICATIONS:**

- (i) "The land use of an area measuring about 0.81 hects. (2.00 acres) falling in zone F-7 and bounded by the 'Social Cultural Institutions' towards its northwest and north-east 18.3 mts. (60 ft.) right-of-way road and residential area (Sukhdev Vihar) towards its South-West and 18.3 mts (60 ft.) right of way road on its South-Fast is changed from 'Social & Cultural Institutions' to 'Residential' (Group Housing)."
- (ii) The land use of an area measuring about 0.17 hect. (0.42 acre), falling in zone F-7, and bounded by Social & Cultural Institutions towards its North-West and North-East and recreational land use towards its South-East is changed from 'Circulation' to 'Residential' (Group Housing).
- (iii) The land use of an area measuring about 7.01 hects. (17.33 acres) falling in zone F-7 and bounded by recreational use towards its North-East, 18.3 mts. (60 ft.) road right-of-way and residential area (Sukhdev Vihar) towards its North-West, educational (Central Road Research Institute) towards it South-West and recreational area, towards its South-East is changed from 'Recreational' land use to 'residential' (Group Housing).

[No. K-13011/8/81-DDIIA]

K. K. SAXENA, Under Secy.

(यमर्स डिविजन)

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1985

कां अ10 2084 — गोंक परिसर (अतिधिकृत वखलकारों की बेदखली) अधिनित्रम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केरबीय सरकार निस्त नालिका के कालम 1 में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार राजावित अधिकारी होने के नाने, सम्बद्ध अधिकारी नियुक्त करती हैं जो उक्त तालिका के कालम 2 के तीं के की शिविष्ट में निर्धारित लोक परिसर के सम्बद्ध में स्थानीय सीमा के भीतर अपने केलेशिक र में शिक्तियों का उपयोग करेगा और उक्त अधिनियम में या उसके अन्तर्गत सम्यदा अधिकारी को वियो गये कर्तव्यों को निभायेगा और गक्तियों का उपयोग करेगा।

#### तालिका

अधिकारा का पदनाम			
1	2		
कार्यपालक इंजीनियर ''र्जा'' मण्डल केन्द्रीय लोक निर्माण जिसान, नई दिल्ला ।	निम्न अनुलग्नक में यथा उल्लिखित में सामान्यपुल कार्यालय बास तथा रिहायशी वास जिनका अनुरक्षण कार्यालक इंजा नेपर "जी" मंडल , केन्द्राय लाक निर्माण विभाग नई दिल्ली के पास है का छाउकर लोक परिसर		
	- ———— अनुभागक		

कायपालक इजीनियर "जी" मण्डल केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की दिल्ली के क्षेत्राधिकार के भीतर अतृरअणार्थ निम्नलिखित क्षेत्र कालोनिया आती है ।

 सरोजिनी नगर सभी सरकारी रिहायको बास, बाब् मार्कीट, समाज सदन, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सीअना औषधालय।

नौरोजी नगर 628 सामान्य पृत्र क्वार्टर।

3. चाणक्यपुरी नेहरू पार्क के सामने, सस्यमार्ग के चौराहे नक विनयमार्ग का क्षेत्र और डी-I तथा डी-II सरकारी क्लार्टर और सस्यमार्ग, नई दिल्ली के बाई ओर कस्ब, तथा चाणक्यपुरी पूछताछ कार्यांलय।

4. नेताजी नगर सभी टाइप का रिहायणी वास, समाज सदन क्षेत्रीय लेखन सामग्री क्रिपो और केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना ओषधालय।

5 आर.के.पुरम सेक्टर XIII उष्च अधिकारियों के लिए 138 टाईप्-5 तथा 115 टाईप्-5 क्वार्टर, केंद्रिय लोक निर्माण विभाग के स्टॉफ क्वार्टर और ऊपरी जल की टकी।

6 मोतीजांग मोती बाग, (चरण-I) नार्थ वैस्ट मोती बाग आई० बी०, कालोनी, पानी की दो बडी टकिया, के०स०स्वा० योजना औषधालय, और समाज सदन क्षेत्र ।

7. गुरू नानक पुरा सामान्यपूल क्वार्टर, पूछताछ कार्यालय, सैक्टर-12 के 1 से 16 तक डी-II क्वार्टर।

[फाइल सं० 20014/44/82-वि ०३/ई०डब्स्यू-2] आर० एल० परदीप, संयुक्त मचिव

(Works Division)

New Delhi, the 1st April, 1985

S. O. 2084:—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in the column I of the Table below, being gazetted officer of Government, to be estate officer who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officer by or under the said Act

within the Local Limits of his jurisdication in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said Table;

#### TABLE

Designation of officer

Categories of public premises and local limits of jurisdiction.

2

Executive Engieer,
'G' Division,
Central Public Works
Department, New Delhi.

l

The public premises excluding general pool office and residential accommodation, in the areas as mentioned in the Annexure below, the maintenance of which is under the jurisdiction of the Executive Engineer, 'G' Division, Central Public Works Department, New Delhi.

#### **ANNEXURE**

The following areas/colonies came under the jurisdiction of Executive Engineer, 'G' Division, Central Public Works Department, New Delhi for maintenance:

- Sarojini Nagar: All the Government residential accommodation Babu Market, Samaj Sadan, Central Government Health Scheme Dispensary.
- 2. Nauroji Nagar: 628 General pool quarters.
- 3. Chankyapuri: In front of Nehru Park, the area of Vinay Marg upto the crossing of Satya Marg and the D-I and D-II Government quarters and club on the right side of Satya Marg, New Delhi and Chankyapuri enquiry office.
- Netaji Nagar: All type of residential accommodation, Samaj Sadan, Regional Stationary Depot and Central Government Health Scheme Dispensary.
- R. K. Puram, Sector-XIII; 138 type-V and 115 type-VI quarters for high ranking officers, staff quarters of Central Public Works Department and a high water tank.
- Moti Bagh : Moti Bagh (Phase-I), North-West Moti Bagh, Information Bureau Colony, two big water tanks, Central Government Health Scheme Dispensary and Samaj Sadan area.
- Guru Nanak Pura: Central pool quarters, enquiry office, the D-II quarters Nos. from 1 to 16 in Sector-XII.

[F. No. 20014/44/82-W.3/EW.2]
R. L. PARDEEP, Jt. Secy.

## सई दिल्ली, 7 मई, 1985

का, आ. 2085.—राष्ट्रपित मूल नियम के नियम 45 के अनुमरण में सरकारी निवास स्थान आंबटन (दिल्ली में माधारण पृल)नियम, 1963 का ग्रीर मंगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी निवास स्थान आंबटन (বিফলী में साधारण पूल) संशोधन नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृश्त होंगें।
  2. सरकारी निवास स्थान आंबटन (विल्ली में साधारण पूल) नियम
  1963 में अनुप्रक नियम 317-ख-8 में, उप-नियम (3) के पश्चीत.
  निम्नलिखित परन्तुक जोडा आएगा, अर्थात्:—

'परन्तु यह कि अधिकारी मायधिक अधिकारी पूल से भी उस टाइप में निवास स्थान के आंबटन के लिए हकदार होगा जिस टाइप के लिए वह हकदार है।'

टिप्पणी — मूल नियम भारत सरकार के निर्माण धौर आवास तथा पुनर्वास मतालय (निर्माण धौर आवास विभाग) की अधिसृथन। स.का. आ. 1330 तारीख 6 सई, 1963 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

नियम, 1980 में (सितम्बर, 1979 तक संगोधित) पुन मृद्रित किए गए थे। उसके पश्चान, उनमे निष्नलिखन द्वारा संगोधन किया गया है: --

- (I) अधिमूचना सं. 17013(1)/81 निति II तारीख 14.4.82 का. अ. म. 1607 नारीख 24.4.82
- (II) सं. 12035(6)/75 नीति 11 (जिल्द II) तारीख 32-11-82का. आ. सं 4202 तारीख 18.12,1982
- (III). सं. 12035 (1)/82 नीति II तारीख 1.2.83 मा.का.नि. 159 तारीख 19-2-83

[फा.सं. 12034(1)/84 नीति II] वी.एस. रामन, संपदा उपनिदेशक (नीति)

New Delhi, the 7th May, 1985.

#### NOTIFICATION

- S.O. 2085.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General pool in Delhi) Rules, 1963, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General pool in Delhi) Amendment Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, in supplementary Rules 317-B-8, after sub-rule (3), the following proviso shall be added namely:—

"Provided the officers shall also be entitled to allotment of accommodation in the entitled type from Tenure Officers' Pool."

Note:—Principal rules were published under the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing and Rehabilitation (Department of Works & Housing) vide S.O. No. 1330 dated the 6th May

The rules were re-printed in 1980 (corrected upto September, 1979).

Subsequently amended by :-

- (i) Notification No. 17013(1)/81-Pol. II dated 14-4-82S.O. No. 1607 dated 24-4-82.
- (ii) No.12035(6)/75-Pol. II (Vol. II) dated 22-11-82 S.O. No. 4202 dated 18-12-1982.
- (iii) No. 12035(1)/82-Pol. II dated 1-2-83 GSR 159 dated 19-2-1983.

[File No. 12024(1)/84-Pol. II] V.S. RAMAN, Dy. Director of Estates (Policy)

## भौबहन और परिवहन संत्रालय

(परिवहन पक्षा)

नई दिल्ली, 27 अप्रैल 1985 प्रस्तिपव

का आ. १०४६.--भारत सरकार नोबहन और परिवहन महालय की अधिमूचना स. को आ 2950 दिनाक 24-11-1984 के जो भारत सरकार के राजपत्र के भाग II खड़ 3, उपखड़ (ii) में प्रकाणित हुई थी, साथ गंलरन अनुसूची में, मद संख्या तीन में, प्रत्येक ट्रेलर के स्वीकृत भार की सीमा के स्थान पर इस कार्य के लिए निस्तलिखित सीमा निश्चित की जाती है:--

समिने का एक्शल लोड

7 60

पीछे काए क्सल लोड

20.30

कुल लदा भार

27 90

[फाइन स टी. इब्ल्यू/टी.जी एम. (63) /84] प्रदीप सिंह, उप सचित्र

# MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 27th Aptil, 1985

#### CORRIGENDUM

S.O. 2086.—In the Government of India, Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) Notification No. S.O. 2950 dated 24-11-1984 published in the Gazette of India Part IL Section 3, sub-section (ii), in the Schedule appended thereto, in place of limits specified against item No. 3 relating to recommended load of each trailer, tollowing shall be substituted:—

Front axle load-7,60 t

Rear tandem axle load- 20.30 t

Gross laden weight-27.90 t

[File No. TW/TGM(63)/84] PRADEEP SINGH, Dy. Secy.

## सक्षमा और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, १५ अप्रैल, १९८५

का. आ 2087.--केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (सघ के प्राप्तकीय प्रयोजनो क लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उन-तियम (+) के अनुसरण में, पन्न सूचना कार्यालय के प्राख्ता कार्यालय का जिपके कर्मचारी बृन्द ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसृचित करनी है।

[सढ्या र्घ 11011/35/83-हिन्दो] इन्दु भृषण कर्ण, अवर समिव

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING New Delhi, the 19th April, 1985

S.O. 2087.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Branch Office, Kannur of Press Information Bureau, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E. 11011/35/83-Hindi] I. B. KARAN, Under Secy.

#### श्रम संत्रालय

नई विल्ली, ७३ अमेल १९८५

का था. 3088 --- आधारिक विवाद श्राधिनयम, 19-7 (1947 का 14) की झारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार धरमार्थंद कोलियरी नैसंक भारत कांकिंग काच लि. के प्रविधान से सम्बद्ध नियंकिकों और उनके कर्मकारों के बीच श्रनुबन्ध में निर्दिष्ट ओझारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधारिक श्रिधकारण, न. 2, धनवाद के पचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-4-85 को प्राप्त हुआ था।

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th April, 1985

S.O. 2088.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947.) the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanhad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dhaimaban, Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th April, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO 2) AT DHANBAD

#### PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer

Reference No. 82 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the ID. Act, 1947

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Dharmaband Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES:

On behalf of the employers—Shri G. Prasad, Advotate.

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated Dhanbad, the 15th April, 1985

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the ID. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. 1-24012(28)<sup>1</sup>84-D.IV(B) dated, the 31st October, 1984.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dharmaband Colliery of M/s. BCCL in dismissing Sti Bisunpat Singh is justified? If not, to what reflef the workman is entitled?"

The case of the management is that the concerned workman Shri Bisunpat Singh who was working as Switch Board Attendant absented from duty for more than 10 days since 10-9-80 and as such he was chargesheeted for misconduct under Clause 29(16) of the Standing Orders of the management. Inspite of several notices issued to the concerned workman rane of them were personally served on the concerned workman. The management came to the conclusion that the concerned workman was avoiding service of the notices of the enquiry proceeding and as such the enquiry proceeded against him exparte. The enquiry Officer found the concerned workman was dismissed from service by the Agent vide his letter dated 3/6-5-1982. The management or the Enquiry Officer were never informed of the whereabout of the concerned workman.

The case of the concerned workman is that he was originally appointed as Switchboard attendance in the year 1967 by the erstwhile management and that the said management had stopped the work of the concerned workman along with others for their trade union activities. An industrial dispute was raised by Bihar Colliery Kamgar Union challenging the termination of their services which was ultimately referred in Ref. The Presiding Officer of Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad made an Award in the said reference in favour of the concerned workman and others directing the management to reinstate them with full back In 1980 the concerned workman was reinstated Dharmaband Colliery in perusuance of the Award in Reference No. 23 of 1970. The case or the concerned workman further is that after his reinstatement, he started demanding wages as per the Award and started championing the grievances of the workmen. The management did not like the union activities of the concerned workman and as such a false chargesheet dated 5-5-80 was issued against him in order to harass but the concerned workman was absolved of the said charges. The management was always in the look out to dispense with the services of the concerned workman and when he was detained by the police under N. S. Act and absented from duties, the management issued chargesheeted against him and after holding an exparte enquiry proceeding dismissed him from ser-The management has never served any notice to the concerned workman in respect of the enquiry proceeding and he was not aware of the said enquiry proceeding. The concerned workman was released from detention on 1-11-81 and thereafter he reported for duty on 14-12-81. The management assured him to look into the matter and handed over the order of dismissal dated 3/6-5-82 instead of allowing him to resume his duties. At the time when the concerned workman was detained under N.S. Act, the Secretary of Bihar Colliery Kamgar Union had sent a letter dated 25-9-80 to the Manager, Dharmaband Colliery informing the management that the concerned workman was arrested by the police and as such he could not attend his duties from 10-9-80 and that leave may be granted to him and that he would join his duties after his release from Iail. It is submitted on behalf of the concerned workman that the said letter was received by the Head Clerk of Dharmaband Colliery and that verbally also the management was informed through some of the workmen about the detention of the concerned workman under N.S. The concerned workman and the union had requested the management to reinstate him and when he was not taken in employment, an industrial dispute was raised and on failure of the conditiation proceeding before the ALC(C), Dhanbad the present reference was made.

The management had raised a preliminary point before the Tribunal that in view of the fact that legality and propriety of the domestic enquiry was being challenged by the workmen, a preliminary enquiry may be made whether the domestic enquiry against the concerned workman was fair and proper and in case the domestic enquiry was not found to be fair and proper, the management may be given opportunity to lead evidence to justify the action taken by the management. The said prayer of the management was allowed and it was held on the aid preliminary point that the exparte domestic enquiry against the concerned workman was not fair and proper and the management was allowed to adduce evidence before the Tribunal to establish the charges against the concerned workman.

This award therefore deals with the merit of the case with reference to the evidence adduced by the parties before this Tribunal.

The only point to be determined in this case is whether the management has been able to justify the dismissal of the concerned workman.

The management has examined three witnesses in support of its case whereas the workmen have examined four witnesses in support of the case of the concerned workman. Besides that both the parties have produced documents which have been marked exhibits in this case.

The simple point to be decided in this case is whether the concerned workman had absented for more than 10 days with-

out permission and without satisfactory cause so as 10 find him guilty of misconduct as contemplated under clause 29(16) of the Standing Orders Ext. M-21 of the management.

There is no denial of the fact that the concerned workman had not absented from duty from 10-9-80. The management has produced attendance registers in Form E which is marked Ext. M-20 in this case which will show that the concerned workman absented from duty from 10-9-80. The concerned workman WW-1 Bisunpat Singh has stated that he had previously been arrested in connection with the case of murder of one N. Poddar of Sudamdih Washery and that while he was in jail in connection with that case he was served with N.S. Act detention order. The concerned workman has exhibited detention order. The concerned workman has exhibited detention order Ext. W-5 dated 27-12-80. This detention order shows that Shri Balram Singh son of Bijli Singh was detained under N.S. Aci, from first of November, 1980 to 31-10-1981. Ext. W-6 is a certificate from the Superintendent of Dhambad Jail dated 19-3-83 which shows that Balram Singh son of Bijli Singh of village Secunderpur, P. S. Arbal, Dist. Gaya present address Loco Bazar, Patherdih, District Dhanbad who was in custody in connection with another case was detained under NS. Act from 1-11-80 and was released on 1-11-81 after the expiry of the period of this detention and that the said Balram Singh was released in respect of other case afterwards. It is clear therefore from Ext. W-5 and W-6 that Balram Singh son of Bijali Singh of village Secunderapur, P.S. Arbal, District Gaya residing at I oco Bazar Patherdih, District Dhanbad had been de-tained under N.S. Act from 1-11-1980 to 31-10-81 and that he was also in custody in other criminal case even prior to the said detention. The case of the workmen is that the concerned workman is named Bisunpat Singh aliah Balram Singh and that the concerned workman who was popularly known as Balram Singh in the colliery was detained under N.S. Act. The case of the management on the other hand, is that Balram Singh was a different person than the concerned workman. We have therefore to find out whether the concerned workman Bisunpat Singh was also known as Balram Singh.

The concerned workman WW-1 has himself stated that there is no entry of his name as Balram Singh in any of the Register of the management. Ext. M-22 is the photo copy of the Form B Register in which the concerned workman has been shown as Bisunpat Singh son of Billi Singh of village Secunderpur, P.S. Arbal, District Gaya and is also signed by the concerned workman Bisunpat Singh. This entry in Form B Register shows that the concerned workman had declared his name as Bisunpat Singh and had not given his alias name as Balram Singh in the said register. As I have already stated above that the concerned workman has admitted that in none of the registers of the management his name has been stated as Balram Singh and as such the entries in Ext. M-22 do not completely negative the assertion of the concerned workman that he was also known as Balram Singh.

MW-1 who was the enquiry officer in this case has stated that the concerned workman was not known as Balram Singh. MW-2 has stated that he does not know if the concerned workman is known as Balram Singh in the colliery. MW-3 has stated that there is no person of the name of Balram Singh working in Dharamaband Colliery. Admittedly, the concerned workman was entered in the register of the management as Bisunpat Singh and not as Balram Singh and as such the statement of MW-3 does not eliminate the possibility of Bisunpat Singh having an alias name Balram Singh. The oral evidence of the concerned workman WW-I Bisunpat Singh is that he is also known as Balram Singh. It was suggested to him in the cross-examination that he was not Bisunpat Singh and that he was known only as Balram Singh to which the concerned workman had replied that it is not a fact that he was not Bisunpat Singh and that he was known only as Balram Singh. This suggestion put to the concerned work-man on behalf of the management has almost admitted the case of the concerned workman. By this suggestion it is admitted that the concerned workman was known as Balram Singh only Admitted the concerned worl man is named as Bisunpat Singh and this is not denied by the management in

his W.S. The suggestion that the concerned workman was known only as Balram Singh therefore shows that the concerned workman Bisunpat Singh was also known as Baham Singh. WW-2 is working as I amp Issue Clerk in Dharmaband Colliery. He has stated that the concerned workman Bisunpat Singh is also known as Balram Singh, WW-2 is Mukhiya of Deoghara Gram Panchayet and had issued a certificate under his signature Ext. W-4. The said certificate Ext. W-4 issued by WW-2 shows that Bisanpat Singh alias Balram Singh son of Bijali Singh of Village Secunderpur, Debai, P.S. Dist. Gaya presently residing at Loco Bazar Patherdth, District Dhanbad is known to him and that the concerned workman was in custody from 1-11-80 to November, 1981 in Dhanbad Jail. He has also attested the photograph pasted on Ext.W-4 that the said photograph is of Bisunpat Singh alias Balram Singh. WW-3 was working along with the concerned workman since the erstwhile management. He has stated that the concerned workman Bisunpat Singh was also known as Balram Singh. WW-4 a co-worker of the concerned workman has also stated that the concerned workman Bisunpat Singh was also known as Balram Singh. Thus the oral evidence on behalf of the workman shows that Bisunpat Singh was also known as Balram Singh in the colliery. But the most important document in this case in proof of the assertion of the concerned workman is Ext.W-7 which is a certified copy of FIR lodged by Shri D. N. Singh, Assistant Manager, Khas Dharmabad Colliery. The said FIR was lodged on 28-4-69. It will appear form the said FIR that Bisunpat Singh alias Baham Singh was also an accused along with others in that case again whom the Assistant Manager had lodged an information before the Police. The concerned workman Bisunpat Singh is described Manager in the year 1969 as Balram Singh by the Asstt. long before the present case and there appears to be no reason disbelieve the said FIR. An affidavit Ext.W-8 dated 23-3-85 has also been filed by M. Inamuddin, Pleader Dhanbad Court which shows that Shri Inamuddin identified the concerned workman Shri Bisunpat Singh alias Balram Singh and that he has also attested the photograph of the concerned Another important factor in workman pasted on Ext.W-8. this connection is that Bisunput Singh has been shown as son of Bijli Singh of village Secunderpur Debai P. S. Arbal, Distt: Gaya in Form B Register of the management. The Detention order Ext.W-8 has described Balram Singh as son of Bijli Singh, Ext.W-6 describes Balram Singh as son of Bijli Singh of village Secunderpur Debai, P. S. Arbal Dist. Gaya, these exhibits coupled with the oral evidence adduced on behalf of the concerned workman clearly establish that the concerned workman Bisunpat Singh had his alias name Balram Singh and that the concerned workman had been taken in custody under N.S. Act and criminal case since before 1-11-80.

The case of the workmen is that he was taken in custody in connection with a murder case and during that detention he was also detained under N.S. Act Act, from 1-10-80 and remained in custody under N.S. Act till 31.10-81. As the concerned workman was detained in custody it was not possible for him to attend to his work in the colliery. Ext. W-1 is a letter by the Secretary of Bihar Colliery Kamgar Union dated 25-9-80 by which the Manager of Dharmaband colliery was informed of the arrest of the concerned workman by the police from 10-9-80 due to which he was unable to attend his duties and that the Secretary of the Union had prayed for granting leave to the concerned workman and that the concerned workman would join his duties after release from jail. It is stated on behalf of the workmen that this letter MW-1 was filed in the office of the management. exhibited this W-1 and has stated that this letter was received by the Head Clerk of the colliery and the same bears the signature of the Head Clerk on Ext.W-1. WW-1 has stated that when he was produced before the Dy. Commissioner in the National Security Act case he had informed his union Secretary about the detention and requested him to inform the management about his detention under N.S. Act. WW-2 has stated that he had informed the Personal officer of the management that the concerned workman had been arrested and was in inil. WW-3 has stated that Fxt W-1 was given to him by Shii D. Mukherice Secretary. Bihar Colliery Kamear Union and that he had handed over Ext.W-1 to the Head Clerk WW-4 has also stated that he informed the Welfare Officer and Engineer regarding the arrest of the

concerned workman. It is thus clear that Ext.W-1 was handed over to the Head Clerk of the Dharmaband Colliery and that the management was informed of the detention of the concerned workman in the custody. It is true that the application for leave has to be made by the workman himself. But the question is whether the concerned workman has been able to show that he had absented on some reasonable ground, Ext.W-1 shows that the management was informed of the detention of the concerned workman and as such the concerned workman could not attend his duties in the colliery. MW-2 who is working as colliery engineer of Dharmaband has stated that the Head Clerk of Dharmaband Colliery looks after all the work of the colliery and that he had not enquired from the Head Clerk whether the Head Clerk had received any letter from the concerned workman regarding his leave. He has further stated that he did not know if the Head Clerk had received a letter on 25-9-80 which was sent on behalf of the concerned workman. If the engineer had dared to enquire from the Head Clerk he might have been informer about the detention of the concerned workman as an intimation had been sent to the office regarding the detention of the concerned workman in the jail.

The evidence discussed above will show that the cancerned workman had continuously absented from 10.9-80 for more then 10 days and the management was competent to chargesheet the cancerned workman for misconduct as the concerned workman had not taken any permission for leave. In the present case the concerned workman had not absented of his own accord. He was taken in custody first in connection with the murder of a person in a criminal case and thereafter he was detained under N.S. Act as such it was not possible for him to apply for leave. It will appear that the union Secretary had sent an information before the management regarding the detention of the concerned workman from 10-9-80 and had also requested the management to grant him leave. In my opinion the concerned workman has been able to give satisfactory cause for absenting for more than 10 days without permission and in the circumstances of the case it was too harsh on the part of the management to dismiss him from service on the allegation that he was absenting continuously for more than 10 days without permission when the concerned workman had absolutely no control of his own in respect of his detention in the custody under National Security Act and in connection with a criminal case. Now the entire matter has come to light and on the facts disclosed I do not think that the management was jusified in dismissing the concerned workman on account of his long absence without permission in the circumstances of the case.

In view of the consideration of the entire facts, evidence and circumstances of the case I hold that the action of the management of Dharmaband Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Ltd. in dismissing Shri Bisunpat Singh is not justified. The concerned workman, therefore, is entitled to be reinstated to his job. As he was in custody in jail and had reported for duty on 14-12-81 the concerned workman will not be entitled to the wages from 10-9-80 to 13-12.81 and will be entitled with all back wages and other benefits to which he may be entitled from 14--12-81. However, the period of the detention of the concerned workman from 10-9-80 to 13-12-81 will be treated on duty for the purpose of continuity of his services.

This is my Award,

I. N. SINHA Presiding Officer.
 [No. L-24012(28)[84-D.IV(B)]
 R. K. GUPTA, Desk Officer

## नई दित्ली 25 अप्रल 1985

का भा 40 ९० — आधानिक विवाद भ्रांतियम 1947 (1947 का 14) के भारा 17 के भ्रानुसरण में कन्द्रोय सरकार यूनियन वैक्षेत्राफ इंक्या के प्रवन्धत्व ने सम्बद्ध नियाजका और उनके क्ष्मकारों व बीच भ्रनुसर्व में निर्दिष्ट ओधानिक विवाद में बन्द्राय सरकार औद्योगिक भ्राधिकरण कानपुर ने पन्नद्ध का प्रकाणित करत है जो नन्द्राय भरकार का 12-4-85 का प्राप्त हुआ था।

## New Delhi, the 25th April, 1985

SO 2089—In presuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur, is shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Union Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on the 12th April, 1985.

BFFORE SHRI R B SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT, KANPUR

I D No 24 of 1983

In the matter of dispute between

Shii Algoo Ram Sub Staff, C10 The General Secretary Union Bank Employees Union, Union Bank of India Hazrat Ganj, Lucknow

#### AND

The Assti General Manager Union Bank of India Zonal Office, Hotel Clark Awadh, Haziat Ganj Lucknow

## AWARD

The Central Government Ministry of Labour, vide order No L-12|12|58|82-D II(A) dt 12th October, 1982 has refer red the following dispute for adjudication

'Whether the action of the management of Union Bank of India in relation to their Mardah Branch in not paying 1/31d of scale wages to Shii Algii Ram Part time Sweeper as well as not regularising him in that post is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

It is common ground that the workman Shri Algu Rom was appointed as part time sweeper in Mardah Branch of the Union Bank of India but according to the workman he is working since June 1972 when the branch of the bank was opened initially. Whereas according to the management the workman was appointed wie first October 1979. The workman has alleged that he was working for more than 6 hours per week and as per hipartite settlement he is entitled for 1/3 of the scale wages but according to the management he was paid Rs. 50 per month. As according to the terms of appointment he was returned to work 5.3/4 hours per week only. The obvious purpose was that it should not exceed 6 hours as in that case the management world be required to pay 1/3rd of the scale wages in view of the above said settlement. The branch manager had informed the workman that in all other days except Sunday he vill work for one hours be from 9. 1m to 10 am and on Saturday from 9. 1m to 9.45 am. The Union of the workman made demand for 1/3rd of scale of wages in June 1981 and thereafter Zonal. Office Villagosi recommended payment

of 1]3rd of scale of wages to the worknien. The appointment letter was so worded that the applicant may not gain one third of the scale of wages, that the management with a view to deprive the workman from one third scale of wages issued a appointment order that from saturday the workman should work for only 45 minutes and not for one hour. That the action of the management is a clear indication of unfair labour practice and the appointment order limiting the working hours of the workman to 53|4 hours per week on that account is illegal.

The management has filed three papers with list dated 9th May, 84 The flist letter of the branch manager shows that even in September 78 Algoo Ram was working as part time sweeper in the branch and his weekly hours of work was about 12 hours. As regards the date of the working hours the branch manager mentioned that the same was not traceable as he was not issued any appointment letter either by the branch or by Heid Office. In another of the branch manager Mardah Bran h dated 23rd September, 78 it is mentioned that actual date of start of work is not known He is working for the last four years period since when the workman could be deemed working comes to 74 Regarding working hours per week in this letter also it is mentioned that he is working The management has also filed the 12 hours in a week appointment letter dt 18 Oct, 79 which show that the work man was appointed we f 1st October 1979, meaning thereby that 17 days ahead of the issuance of the order which show that he was appointed we f 1st Oct 79 and was working in the bank from before As regards the date it is mentioned that as regards his duties, it is mentioned that the same would be cleaning and sweeping the office, furnitures and fixtures storing and supplying the drinking water and other work incidental to cleaning of the office premises It doesn't seems to reason that besides sweeping the office floor and dusting table chairs and other fixtures, the workman was required to store water and supplying it to the persons working in the bank and also the persons who are coming to the bank and all this was required to be done within one hour ic from 9 am to 10 am and on saturday even in shorter period of 45 minutes. The management has also filed the photo copy of the letter of the Development Manager with copy to the branch manager Mardah branch, Regional Mana ger, Zonal Manager and Suptt Zonal Office in which the workman was recommended higher wages. In his letter he mentioned as follows

If we take into con ideration the staff position and sitting arrangement in the brench Sri Algoo Ram is devoting much time than stipulated for cleaning and sweeping office furnitures and fixtures and supplying drinking water etc. We therefore recommend the age of Mi Algoo Ram for increasing monthly remuneration payable to him as part time on 1/3rd basis.

A similar letter was written from the branch manager to Head office on 29-8-81

In support of its contention the management examined two witnesses on affidavit MW 1 Shri M I Verma expressed his ignorance if the workman was working in the branch since June 72 or from before 1979. He further denied any knowledge about the letter written by the branch manager of Mardah branch recommending the case of Sri Algoo Ram that he was working for more than 12 hours in a week and from 1972 On the other hand the workman has examined two witnesses on affidavit one himself WW 2 and other Sri Priveen Rastogi WW 1 an employee of the bank Shri Rastogi has deposed that he himself has joined the Maidah branch in November 75 and staved there till April 83. He has further idmitted that it is correct that the carpet area of the Mardah branch is 819 sa ft. To a cross question of the management he replied that he did not know that the carpet area of the branch is more than 1000 So. Ft. 113rd scale of wages would not be applicable. The workman himself came into the witness box In the end he said that it would be wrong to say that he was working only for 5-2/4 hours in a week in the bank rather he was working for more than hours stipulited in the

appointment letter. In his affidavit Sri Algoo Ram has clearly stated that he was working in the bank management from June /2 when the branch was opened there at Mardah District Charpur and that approximately he was working more than 2 nours daily. He has further stated that from June 72 he was paid Rs. /5 per month and nor he was getting Rs. 125 per month. The workman has filed letter or the branch manager Chazipur dt, 13-9-79 where in particulars about part ume sweeper is mentioned. Another letter dt. 30-8-79 in the enclosure, it is mentioned that Sri Algoo Ram is working since June 72 at Rs. 50 per month and his duty hours per week is 6 hours. The workman has also filed photo copy of the letter of the branch manager Mardah Branch dt. 15-10-81 addressed to the Head Office Bombay recommending 1/3 scale to the workman. The third letter filed by the workman is the recommendation of the branch manager dt. 6-7-82 in which the branch manager had recommended that the workman be given 1/3rd of the basic pay. In bipartite settlement of 1966 para 4.5 (b) it is laid down "That a part time workman who are members of the subordinate staff shall be paid 1/3rd of the scale wages with proportionate annual increment of their normal daily working hours per week range between 6 hours to 13 hours". As per document No. 1 filed by the workman on 11-2-85 Algoo Ram is working since June 72 for 6 hours in a week in the bank. In the settlement it is not mentioned as to what should be the carpet area of the bank and payment is based on the area (carpet) of the bank. In view of these letters filed by the management and also by the admission made in the letters filed by the management it is clear that the workman is working in the bank from before his appointment since 1st Oct. 1979 for hours ranging between 6 to 12 hours per week and it is also clear in view of the statement of MW-2 Sri Rustogi who was at that time working in the said branch of the management

I, therefore, believing the workman and his witness, hold that the workman was working in the bank from June 72 and also that he was not working less than 6 hours per week in the bank. The workman is therefore, entitled to 1/3rd scale of wages in view of the Bi-Partite Settlement.

I, therefore, give my award that the action of the management of Union Bank of India, in relation to their Ghazipur Branch in not paying 1/3rd scale of wages to Sri Algoo Ram, Part-time Sweeper as well as not regularising him in that post is not justified. The workman Sri Algoo Ram will be entitled to the said regularisation w.e.f. June 1972 and shall get balance of amount found due on that account.

I, therefore, give my AWARD accordingly.

Let six copies of this AWARD be sent to the Government for publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/58/82-D.H(A)]

का था. 3090. जोद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की ध.ट: 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय भरकार, मेन्द्रल बैंक धाफ इंडिया के प्रवंधनत्न में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्माकरों के बीच अनुबंध में निविद्य औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पनाट को प्रकाणित करती है. जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-95 को प्राप्त हुआ था।

S.O.2090.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal. Kanpur as shown in the Annexute in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on the 19th April, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR, COURT KANPUR

I. D. No. 21 of 1983

In the matter of dispute between :-

Shri Daya Ram Misia, (Sub Staff), Clo Shri O. P. Nigam, Vice President UPBEC, 295|387, Deen Dayal Road, Lucknow.

#### AND

The Chief Manager, Central Bank Of India, Divisional Office, Gorakhpur.

#### AWARD

Shri : O. P. Nigam, representative for Workman, & Shri S. P. Trivedi, representative for the Management.

The Central Government Ministry of Labour vide its order no. L-12012(302)|81-D.H(A), dated 20th July, 1982, referred the following dispute for adjudication:—

"Whether the action of the management of Central Bang of India in relation to their Gorakhpur Branch office in not absorbing Shri Daya Ram Mishra Sub-staff in regular service of the bank is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

The case of the workman Shri Daya Ram Misra is that he was appointed as temporary peon in 1969 and continuously worked as such upto the year 1978 and during that span worked for full 1111 days. Out of the above said days he was paid total wages for 561 days in tially, and thereafter, for the next 550 days he get regular salary applicable to the healt stoff. thereafter, for the next 550 days he get regular salary appli-cable to the bank staff. According to the details supplied in the statement of claim from 1969 to 1975, he was given regular salary for 550 days and from 1974 to 1978, he was paid daily wages for 561 days. The bank opp. party was taking work from the workman in exigencies for bank work but the payment was made to him by bank through some other agency i.e. Zamadar of that bank on seperate voucher declaring labour wages which was malafide. That some other agency i.e. Zamadar of that pank on seperate voucher declaring labour wages which was malafide. That the management bank was exploiting the service of the workman by keeping him on daily wages on the assurances that he may be get permanent job in the bank and utilising him in vacancies at Gorakhpur Branch created on refinements on permanent hands during the period 1972 to 78 without making permanent arrangements to fill up those vacancies. Further the workman is an approved candidate and as he passed the written test and interview in 1972. his place being 143 in the merit list. Thus he was entitled for permanent absorption in view of the Head Office Circular No. 4 of 1968. The workman has shown that in the span from 22-9-76 to 13-8-77 which would be one continuous year, he worked for more than 240 days i.e. in all 255 days, but the management did not care to absorb him on the permanent cadre. It is further averred in the statement of claim that the workman was discreminated by the management bank in not allowing him to complete 240 days for permanent appointment in the bank and the persons below him in the panel list of 1972 were allowed to complete 240 days and laterly observed in the bank as permanent employees. The promote of four contracts manent employees. The names of four such persons are (i) S|Shri Anil Kumar Duta, (ii) Daya Nand Goswam, (iii) R. C. Bhatt and C. M. Tondon who were ranked in the merit list at serial nos 160, 167, 170 and 172 respectively. Further the approved list according to the Annexure M.I dt. 31st July, 1972 was to remain enforced upto 31st December, 1973, but Shri Chandia Prakash and Kushna Piasad temporary workman were taken in the employment just before the expiry date i.e. 31-12-73, and 1-5-73 and allowed to complete 240 days which was malafide and with a view to help some particular employees. Even if the lapse of time of merit list in December 73, persons were employed from that list in the year 1974, 75 and 76 to complete the back log of Schedule Caste and Schedule Tribe candidates. From the details supplied by the bank even general candidates were appointed from the said list in the year 1974, 75 and 76. Even according to the quota fixed for Schedule Caste and Schedule Tribe candidates, the back log on 31-12-77 show that only one S. C. and 5 S. T. were employed. Even

then the recruitment of 4 Scheduled Caste and 1 Scheduled Tribe was made in the year 1978 and 1979 which show that the merit list of July 72 was continued up to 1979, for recruitment of Scheduled Caste and Scheduled Tribe Candidates.

It is also averred that the bank management violated the provisions of article 14 and 16 of the Constitution of India and made discrimination by keeping alive the merit list of 1972 upto December, 1979, for the appointment of Scheduled Caste and Scheduled Tribe Candidates, but it was made non existing for the general candidates after December, 1973. In the end it is averred that the management did not give any letter in terminating the services of the workman and thus violated the mandatory provisions of the Shastri's Award and has prayed that the workman's termination be declared illegal and unjustified and orders be usued for permanent absorption of the workman with full back wages and other privilages.

The opposite party management bank raised preliminary objection in their written statement but did not press the same, hence no issue was framed on them. It is admitted that Shri Daya Shanker Misia worked in the bank from 17-2-69 as a sub-staff temporarily on leave vacancies and also on daily wages. He did not complete 240 days in all his continuous service hence he has no legal claim for appointment. The management has further admitted that some t mes outsiders were engaged on casual basis for work in the Gorakhpur Branch by Zamadar (Head Peon) of that branch and in such contingencies the zamadar could hire the services of any one on daily wages and payments was reimbursed to the zamadar It is not disputed and averred that zamadar might have engaged the workman but it does not confer any right to the casual labour who was so engaged to claim full time service or full time wages applicable to the regular employees of the bank staff (sub-staff) cadre. It is further admitted that the workman Shri Mishra appeared for written test for tel post of sub-staff on permanent basis in the year 1972. A panel of successful candidates was thereafter drawn and the workman Sri Daya Ram Misra stood at serial no. 143 in the general category. The said list is Annexure M-I of the written statement. It is further averred that according to the time limit given in he said list it was to remain enforced upto 31st December, 73 only and the workman could not be obsorbed by 31-12-72 and the panel was thereafter, scrapped. Thus according to the bank management the list prepared in the year 1972 outlived its operation and the workman could not claim any right on the basis thereof. It is further averred that mere impediment does not confer any right on the workman to be absorbed, in the bank service. The management has further admitted that Mr. Anil Kumar Dutta, Dayananad Goswami, R. C. Bhat and Chandra Mohan Toandon had completed 240 days in a calendar year, hence were given permanent appointment in the bank. It is further admitted that as per directives of the Govt. and obligations in the consitution, the bank had to fill the backlog of Scheduled Caste and Scheduled Tribe and hence the candidates belonging to such categories were given preference the management bank has averred that there was no obligation on the part of the management to declare vacancies and the recruitment was purely management's preprogative and no notice was required for termination of temporary service.

In the rejoinder it is averred on behalf of the workman that in the year 1976-77 during span of 22-9-76 to 13-8-77, the workman served in the bank for 255 days and thus completed more than 240 days in a year. The workman was appointed in the bank as peon, hence can not be equivated with casual labour and as he was performing the duties of peon in the branch. The bank was adopting unfair labour practice by paying the workman through Zamadar as streed labourers.

The workman representative referred me circular no. 4 of 68 of the management bank regarding the policy for recruitment of staff. In rule 3 of the said circular all vacancies of clerks and sub-staff was to be notified in press and in the end of the said circular it is mentioned that from the final list of the candidates selected the names of those candidates who have been approved but could not be given any appointment for want of vacancy will be kept on a

waiting list. Such a list will have to be prepared for each category of staff and any vacancy arising in these categories during the course of year should be first offered to such candidates whose names appeared in the waiting list in the order of ment. Temporary staff if required at any time, should also be strictly drawn from this list. The rule does not lay down that after completion of one year or from any particular date from 31-12-73, as mentioned in the instant case in Annexure M-1, will stand abrogated. The normal interpretation would be that the list was to subsist till a fresh list was prepared adjudging the requirements of the ensuing year. Thus during that period existence of vacancies gives no right to candidate for appointment and the management was free to decide as to how many appointments is to be made from the waiting list and that the names of the candidates appears in the list of approved candidates will not entitle him for appointment in the bank. The workman would be entitled if he can substantiate malafide on the part of management bank in appointing person junior to him in the approved list or showing that he had completed 240 days in one calendar year and yet was not absorbed on the regular side.

It has been argued on behalf of the management that in view of Annexure X & Y filed by the management bank, a back log of Scheduled caste and scheduled tribe was to be prepared and for the recruitment special recuitment test was to be held mentioning the number of vacancies for scheduled caste and scheduled tribe candidates. In Annexure Y it was mentioned that it would be futile to adverse for all type of post in clerk and sub cadre and thus maintaining a long list to fill the post in a year or so. If scheduled caste backlong was to be filled a fresh recruitment test should have been taken and the entire backlog would have filled from that and not from the list which was expected to come an end on 31st Dec. 73. The management bank hav conceded in cross examination with its witness that despite cancellation of list prepared in 72, the scheduled caste candidates were carried over as back log and were appointed subsequently. This shows that the annexure M-I, was not scrapped after 31st December, 1973, but the appointments of Scheduled caste and scheduled tribe candidates were candidates were made from that list till much later period. If this was the position and if no fresh examination of general candidates was held, the list should have been continued and not stopped after 31st December, 1973. Para 493 of the stopped after 31st December, 1973. Shastri's Award lais down as follows:-

"We also recommend that the bank should give first preference to those members of their retrenched staff who were then qualified to fill up the vacancies. The bank should also maintain register of candidates in which their names, qualifications, previous experience and special merit recommendations should be entered and such register should be periodically and kept upto date. Such register should also have the names of retrenched and temporary employee whose work has been found satisfactory".

No such register has been maintained by the bank management to ensure the principle of last come first go in the matter of retrenchment. The management bank has conceded that the list Annexure M-I was continued much after 31-12-73 and the persons from that list were appointed on compassionate ground. From their averments and the documents filed it also emerges that the persons of those list, who had completed 240 days of work were made regular and appointed even though they were junior to the workman Sri Daya Ram Misra A question arises why these juniors to Shri Daya Ram Misra were allowed to complete 240 days when the workman was working as temporary hand from before and was terminated, but if the termination was essential, the persons junior to him should have been terminated and not the workman. The practice of allowing the juniors from the merit list to complete 240 days and making them permanent shows the malafide in-tention of the management bank in giving preference to those who are not entitled to it and terminating the service of person senior in the merit list.

The representative for management bank has argued that all those temporary hands working in the bank from the above said list who had completed 240 days were made regular and permanent irrespective whether they were senior in the list or junior to Sri Daya Shankar Misra. On the said principle the workman who had completed 240 days during the span 22-9-76 to 13-8-77 should have been made regular and permanent. Further it has come in the evidence that one Ram Piakash Tewari whose names appear in the list of General Candidate was given appointment on 21-5-75 and was allowed to complete 240 days of work and was made regular. In not observing the principle of LAST COME FIRST GO, the management has infringed the provisions sec. 25(g) of the LD, Act and similarly employing persons junior to the workman after terminating his services treating him temporary infringes the provisions of section 25(h) of the said act. As no opportunity was given to the workman before employing the persons junior to him to ward off mole practice on the part of the management bank it was laid down in the last lines of paragraph 495 of Shastri's Award;

"We further direct that on a candidate's appointment as temporary employ of probationer or a permanet member of a staff, bank shall give him written order specifying the ground of appointments and the pay and allowances to which he would be entitled and that such a written order shall give on the appointment order or part time employee also,"

This was observed by the management bank in the case of the workman. My attention was also drawn to sub para 4 of para 522 of the Shastri's Award which lais down:

"The services of any employee thereafter then of a permanent employee or probationer may be terminated and he may leave after 14 days notice. Thus minmum 14 days notice of either said was a must which was not observed in the instant case."

The workman in his cross examination has mentioned the nature of his work in the bank which was to take drinking waters, of officials and customers and to do bank work of taking out vouchers other payment books taking ledgers and shorting out vouchers etc. He has admitted that at times he was paid but the rate was daily wages. He did not raised any objection as he was assured by the bank officials that his services would be regularised. He has stated that after 1977 he got payments through jamadar and prior to that year he used to get his payments under his signatures. It may be mentioned that it was on 13-8-77 counting from 22-9-76 that he had completed 240 days in span of one year and he has stated that he was not informed that the list of 1972 has exhausted and that he had to appear in the next test. The management witness Sri P. K. Dey has admitted in pra 4 of his affidavit that in view of the bank policy those temporary workmens who has completed 240 days services in 12 calender months should absorbed in the service of the bank and should be taken in the employment on probation. He has admitted that despite cancellation of the list 1972 the scheduled caste candidates were carried over as backlog and were appointed subsequently.

Before termination of the services of the workman, the Branch Manager, Gorakahpur, recommended the case of the workman wherein, he recommended that the workman is in the touch with the banking duties as a peon and is well conversant with the all banking rentine of the subordinate nature. As he is intelligent and labourious, he recommend his case for consideration. A similar representation was sent to the Assistant General Manager by number of staff members.

The workman vide application date 5-9-83 required the number of the appointments made from the list to fill up vacant existing vacancies with the date and place of appointment and also their names alongwith serial nos., given in the merit 1'st dt. 31-7-72. The management replied

by filing the documents on point no. 3 showing the number of appointments made from the merit list. From the list supplied on point no. 3 it appears that Shri Ram Prakash Tewari, who was at serial no. 9 in the merit list was appointed on 21-5-75. Sri Dayanand Goswami was also appointed but his date and place of posting of appointment has not been mentioned in the list, Sri R. C. Bhat and Sri C. Mr. Tondon, who were at sl. nos 170 and 172 were also appointed on 15-5-79 and 18-6-79 respectively. It is alleged that they were given appointments in the bank, as they have completed 240 days work, in view of the bank's direction photo copy of which has been filed by the bank management. The management bank in its circular dt. 21st September, 79, on the point of absorption of the temporary employees who had worked 240 days or above in a year as mentioned in para 1 as follows:—

"Those candidates who have passed the bank's written test and interview and were placed on the approved waiting list and have worked for 240 days or more in a period of 12 months will be taken up for appointment and the need that the appointments should have been spread over the 12 months will not be insisted upon in their case."

This circular clearly shows applied to the workman's case and he should have been made permanent. Thus in view of the matter and in view of the discussions made above, the workman should have been made permanent on the bas s of fact of having worked form more than 240 days as mentioned earlier.

I accordingly hold that the action of the management bank of Central Bank Of India in relation to their Gorakhpur Branch in not absorving Shri Daya Shanker Misra in regular service of the bank is not justified. As persons junior to the workman in the merit list were given permanent appointments in May or June 1979 and as the scrucies of the workman were terminated in 1978, he shall be absorbed in permanent appointment and shall be given the seniority from Janaury, 1979. He will be entitled to all back wages and benefits accuring to the case.

In view of the long contest and representation, the workman's representative shall get Rs. 100]- as cost, from the bank management.

I, therefore, give the AWARD accordingly.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer [No. I.-12012(302)[81 D II(A)]

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1995

का भा. 2091 — औद्योगिक विवाद भिवित्यम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भनुमरण में केन्द्रीय मरकार, स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र में मम्बद्ध नियोककों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रतृबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधि— करण, नई दिल्ल, के पंजाद को प्रकाशित करनी है, को केन्द्रीय सरकार को 13-4-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 26th April, 1985

S.O. 2091.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th April, 1985.

\_\_\_\_\_\_\_

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 183/83

In the matter in dispute between:

Shri K. K. Razadan Sio Shri Karta Kishan, R|o J-11|72, Rajouri Garden, New Delhi.

#### Versus

State Bank of India through The Chief Regional Manager, 11, Parliament Street, New Delhi.

 Regional Manager, State Bank of India Region III, New Delhi.

#### APPEARANCES:

Miss Deepika Law Assistant—for the Management.

#### AWARD

Central Government, Ministry of Labour in April,1983 vide Order No. L-12012(133)/82-D.ll.A. made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of India, in relation to their Delhi Region in refusing to correct the date of buth of Sri K.K. Razdan, Head Clerk at Region III, Delhi, Regional Office in the relevant records of the Bank on the basis of date of birth mentioned in his Matriculation Certificate is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

- 2. The workman K. K. Razdan raised dispute through to the State Bank of India Staff Association about his date of birth and consequently his date of retirement. He joined the Management on 23-3-1944 as a clerk and was retired on the basis of his date of birth recorded in the Imperial Bank of India Employees Provident Fund records as 1-11-25 in November, 1985. His claim is that his actual date of birth is 1-11-26 and he ought to be retired only on 30-10-86 in accordance with that date of birth recorded in the Punjab University Matriculation Examination Certificate. Sl. No. 2420 Roll No. 27978 issued on August 24 1955 Punjab University Solun as a result of examination held in 1943.
- 3. The matter has been tried and the Management's case is that their recent circular 13 that the date of birth recorded earlier shall not be disturbed whereas the workman's case is that correct date of birth is recorded in the Matriculation certificate of which he offered the duplicate because the original have been lost.
- 4. It is to be seen that the workman in his own hand filled the Imperial Bank Employees Provident Fund Form on 19-4-45 wherein he declared his date of birth as 1-11-25 and it is common knowledges that in the Matriculation or other records a later date of birth is recorded for obtaining certain advantages there is no evidence of anyone or any parent giving his date of birth and the arithrary date of birth written by him in his own matriculation certificate cannot have precedence over the date of birth given by him to the bank in writing on 19-4-55 and fault cannot be found with the management in insisting that the date of birth in their records should prevail. Accordingly the retirement by the Management the date of birth recorded with them since 1985 canont be said to be unjustified and the workman is not entitled to any relief.

April 15, 1985.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government fo necessary action at their and.

O. P SINGLA, Presiding Officer [No. L-12012/133/82-D.II(A)] N. K. VERMA, Desk Officer नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1985

#### आदेश

का० आ० :: 1092. --- समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 (1976 का 25) की धारा 12 की उपधारा (3) के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार, केन्नीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) को उक्त अधिनियम की धारा 10 के अधीन अपराधों के बारे में न्यायालय में शिकायते करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं०-एस-27013/1/85-महिला सैल] अणोक गुप्ना, सय्वत मंचिव

## New Delhi, the 26th April, 1985 ORDER

S.O. 2092.—In pursuance of sub-section 3 of Section 12 of the Equal Remoneration Act 1976 (25 of 1976), the Central Government hereby authorises the Regional Labour Commissioners (Central) to sanction the making of complaints in Court in respect of offences under section 10 of the said Act.

[No. S-27013/1/85-Women's Cell]
ASOK GUPTA, Jt. Secy.

## मई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1985

का० आ० 2093 — घोषोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय संस्कार, भारत कोकिंग कोल लिं॰ की मुर्गाईडीह कोलियरी के प्रबंधनत से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट घोषोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार घोषोगिक अधिकरण, नं॰ 2, धनबाद के पचाट की प्रकािष्त करती है, जो केन्द्रीय संस्कार को 24-4-1985 को प्राप्त हुआ था ।

#### New Delhi, the 26th April, 1985

S.O. 2093.—In pursuance of section 17 of the Industral Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in telation to the management of Muraudih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1985

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

## PRESENT:

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer

Reference No. 37 of 1983

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act. 1947

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES:

On behalf of the employers -Shri B. Joshi, Advocate

On behalf of the worke en-Shri B. K. Ghosh, Member, Executive Committee, Janta Mazdoor Sangh.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Coal.

2513

#### Dhanbad, the 18th April, 1985

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the LD. Act. 1247 has referred the following dispute to this Inbunal to adjudication under Order No. L-20012(469)[82-D.HI(A)] dated the 7th April, 1983.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Munardin Colliery of Messis. Bharat Coking Coal Limited in paying category-II wages plus some difference of wages to Shri Deva Bhuiya, Payloader Operator is justified in terms of the Joint Bipartite Committee for Coal Industry decision No. C5C/IBCCI[IR]94] IMP[1167 dt. 2-2-1981 annexure-B, on grading of Excavation employees? If not, to what iclief is the said workman entitled and from when?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Dev Bhuiya was originally a category II workman and was being deployed as Payloader operator. He was transferred to Muraidih Colliery Area No. I to work as Payloader operator and since then he is continuing the job of Payloader operator. During the period of his work at Nudkhurkee Colliery, Damoda Colliery and Muraidih Colliery he was sometimes mentioned as Payloader Khalasi/Helper and sometime as Payloader operator although he was taken the job of Payloader operator although. The Agent Muraidih Colliery by an office order dated 12-2-81 designated him as Payloader Operator but the management was paying him wages of Cat. II only upto March, 1982 and from April, 1982 he was sanctioned for payment of difference of wages between excavation Grade-D and Cat. II wages. The concerned workman is entitled to excavation Grade-D wages with effect from the date of operation of the decision of the Joint Bipartite Committee for the Coal Judustry. The action of the management in paying the concerned workman only Cat, II wages, and difference of wages for working as Payloader is not justified and that the concerned workman deserves the wages of excavation grade-B as per JBCCI recommendation with elect from its date of operation.

The case of the management is that the concerned workman was on time rated job in Cat.II before he was given the chance to work as Pay loader operator with effect from 12-2-81. The concerned workman was holding the substantive post of time rated workr in Cat. II and he was allowed to work as Payloader operator during leave and sick vacancies of permanent Payloader operators or during the period of necessity for extra hands. The concerned workman had not been permanently absorbed as Payloader operator. The concerned workman received the difference of wages between Excavation Grade-D and Cat.II wages during the period for which he worked as Payloader operator. Before the workman is confirmed as Payloader operator he is required to pass the requisite trade test. The concerned workman could not pass the trade test for his confirmation in Grade-D or promotion to higher grade and as such till such period of his promotion the concerned workman was to get only the difference of wages between Grade-D and Cat-II for the period he had worked as Payloader Operator. The concerned workman cannot claim as a matter of right to be permanently absorbed as Payloader Operator in Crade-D unless the management finds him suitable and confirms him. On the facts it is submitted on tehsif of the management that the claim of the concerned workman is not justified.

The point to be considered in this case is whether the concerned workman is entitled to the wages of Excavation grade-B, as per JBCCI recommendations.

The management examined one witness who is the Superintendent of Muraidih Colliery. He was cross-examined on behalf of the concerned workman. No witheses has been examined on behalf of the concerned workman. The management has got two documents exhibited as Ext. M-1 and M-2. The workman has also got two documents exhibited which are marked as Ext.W-1 and W-2.

It will appear from the evidence of MW-1 who is the Superintendent of Muraidih Colliery that the concerned work-127 GI|85-21

mail was knause in Cat.II and that the concerned workman was managered in 1982 from Muraidih Colliery to Barora walnesy as Ahalasi. He has stated that the concerned workman was authorised to work as Payloader operator in sick and leave vacancies and that the said authorisation was not the appointment of the concerned workman as Payloader Operator. He has stated that a Payloader Operator at the initial stage gets the vages of Grade-D excavation and that whenever the concerned workman had worked as Payloader Operator he was given difference of pay between Cat.II and Grade-D excavation. He has further stated that the concerned workman was not found in to work as Payloader Operator and therefore he was not regularised as Payloader Operator Ext.M-2 dated 12-2-81 is at office order issued by the Agent. Muraidih Colliery which shows that the concerned workman who was formerly working a Payloader Khalasi was authorised to work as Payloader Operator with immediate effect. Ext. M-1 dated 2-2-81 is the copy of circular of the Joint Bipartite Committee for the coal Industry which shows that Group-D Payloader operator Grade-III has to be skilled workman having two years coperience in heavy equipment and heavy vehicles and capable of operating all types of payloaders of capacity 2 C.M. and less and that he should have also knowledge of the mechanism of the equipment and should be able to undertake minor running repairs. He is also required to hold valid heavy vehicle driving licence. There is no evidence that the concerned workman was fulfilling all the qualifications required for a Payloader Operator. The evidence of MW-1 shows that the concerned workman was not found fit and therefore he was not required as Payloader Operator. therefore he was not regularised as Payloader Operator. Ext.W-1 dated 18-7-79 is an Office order which shows that the Manager of Nudkhurkee Colliery has directed the concerned workman who was working as Payloader Operator to report for his duty to the Superintendent, Damoda Colliery. Ext.W-2 is the original of Ext.M-2. There is no evidence to show that the concerned workman was permanently and regularly working as Payloader Operator. It also appears to be admitted from the W.S. of the concerned workman that he was paid the difference of wages between Cat.II to which he belonged and the wages of excavation Grade-D. MW-1 has also stated that the wages of excavation Grade-D. MW-1 has also stated that the concerned workman got the difference of wages whenever ho worked as Payloader Operator. It is clear, therefore that the concerned workman had not worked regularly as Payloader Development and the concerned workman had not worked regularly as Payloader Operator and that whenever he had worked as Payloader Operator he had been given the difference of wages of Excavation Grade-D.

A petition was filed on behalf of the concerned workman on 15-4-85 that the concerned workman had been transferred by the management to Barora Washery project where neither Payloaders are used nor the excavation grades are applicable and as such the workman is not interested.

Taking the entire facts and evidence into consideration I hold that the action of the management of Muraidih colliery of M|s.B.C.C.Ltd, in paying Cat. II wages plus difference of wages to the concerned workman while working as Payloader Operator was justified in terms of JBCCI decision dated 2-2-81 on grading of excavation employees and as such the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer [No. L-20012(469)|82-D.III.A] A.V.S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1985

का॰ आ॰ 2094 — भौद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैंनेजमैंट आफ आखड़ा वियास बोर्ड नागल के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट ग्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक अधिकरण, चंद्रींगढ़ के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 अप्रैल, 1985 को प्राप्त हुआ वा।

#### New Delhi, the 26th April, 1985

S.O. 2094.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board, Nangal and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th April, 1985.

#### **ANNEXURE**

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CHANDIGARH

Case No. I.D. 127/83 (Delhi), 77 of 1983 (CHD) PARTIES:

Employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board, Nangal Township, Nangal.

#### AND

Their workmen S/Shri Roshan Lal and Malik Singh.. APPEARANCES:

For the Employers—Shri R. L. Kaith, For the Workmen—Shri R. K. Singh.

ACTIVITY: Bhakra Beas Management Board.

AREA: Punjab.

#### AWARD

#### Dated the 11th of April, 1985

The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, hereinafter referred to as the Act, vide their Order No. L-42012(1)[82-D.II(B) dated the 23rd of August, 1982 read with S.O.No.S-11025 (2)/83 dated the 8th August, 1983 referred the following Industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of B.B.M.B. in promoting Shri Sat Pal Shah from the post of Supervisor to Chargeman w.e.f 1-9-78 while superseding S|Shri Roshan Lal and Malik Singh (Senior Supervisors) is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"
- 2. To trace a short history of the matter, petitioner Roshan Lal Token No.228-M and Malik Singh Token No.332-M joined service in the trade of Grouting Inspection Drill in workcharge capacity under the Respdt.Board w.e.f. 1-12-56 and 20-11-57 respectively, they were promoted as supervisors w.e.f. 1-5-60 and 1-3-61 respectively. The petitioners avered that they had a junior colleague in Shri Sat paul Shah Token No.337-M who also joined service in their trade on 8-1-1960 and was promoted as supervisor w.e.f. 1-5-61, It was complained that in flagtant violation of the promotion rules, practice and convention the Management superseded both of them and promoted the aforesaid Shil Sat Paul Shah as Chargeman Misc w.e.f. 1-9-78 even though the Chairman Bhakra Beas Management Board had aleady circulated his decision that seniority alone was to be the decisive factor to grant promotion unless there was anything inherently wrong with an employee. The petitioners complained that besides being junior to them Shil Shah did no field experience and had rather been working on the office seats.
- 3. They, therefore, raised a demand and it ed to impess upon the management the desirability of withdrawing the promotion order of Shri Sat Paul Shah and edgess their grievance on promoting them However the dispute could not be settled amicably despite the intervention of the A.I.C(C) in the Conciliation procedings and hence the reference.
- 4. Resisting the proceedings, the Management disputed the validity of Reference for want of an existing or apprehended dispute as well as locus standi of Shri Ram Kishan Singh

- to file the Claim Statement on petitioners' behalf. It was further pleaded that their cause was not properly espoused by the majority Union. Of course, most of averments of fact were left uncontroverted but it was seriously asserted that Shri Sat Paul Shah belonged, to an entirely different trade of Gunniting which had nothing in common with Grounting Inspection Drill and, as such, the petitioner's seniority in the later category was absolutely irrelevant for deciding the promotion matter of Shri Sat Paul Shah. As a necessary corrolary the Management denied having violated any rules, practice, convention or the instructions of the B.B.M.B. Chairman in dealing with the impunged promotion.
- 5. The parties were taken to trial on the following issues framed over and above the terms of Reference.
  - 1. Whether the reference is legally infirm and incompetent as alleged? OPR
  - 2. Whether the dispute is not properly espoused? OPR
  - 3. Relief.

In support of their respective versions the parties adduced verbal as well as documentary evidence which I have carefully perused and heard them at length. My issue-wise discussion and findings are as follows:—

#### Issue No. 1 & 2

- 7. Both these issues are interconnected and have been jointly argued before me, therefore, I propose to deal with them at a stroke. The Management had three fold arguments, firstly, that the petitioner's case was not espoused by a Union enjoying majority support, secondly, that their claim statement was not filed by a duly authorised person and thirdly, that there was no pending or apprehended did dispute to warrant adjudication.
- 8. A bare reference to the Claim-Statement alongwith the duly filled in from (F) under Rule 36 attached therewith should leave no manner of doubt that Shri R. K. Singh who was the General Secretary of the Nangal Bhakra Mazdoor Sangh and a member of the Executive Committee of the INTUC (Punjab), was duly authorised by them to file the Claim Statement as their representative in these proceedings. In the same sequence, parties correspondance at the demand stage and in the conciliation proceedings before A.L.C.(C) would suffice to establish the properiety of espousal of their cause by the Bhakra Beas Employees Union which was a recognised and registered body having considerable strength and support amongst the workmen, moreover its locus-standi was conceded even by the Management in the Conciliation proceedings.
- 9. Similarly it would be quite preposterous to say that there was no pending or apprehended dispute between the parties because a bare perusal of the pleadings would leave no matter of doubt that there was a long standing controversy between them on the point of petitioners' promotion, to fall with in the purview of an "industrial dispute" as defined by Section 2(k) of the Act. Accordingly on over ruling all the technical objections raised by the Management I answer both the issues against them.

## Terms of Reference and Relief

- argued that since Gunniting and Grouting Inspection Drill were two distinct and different trades, therefore, the petitioners effort in pressing home the point of their over all sensority on Shri Sat Pal Shah, to claim promotion, was thoroughly misconceived. Support was drawn from the testamony of Shri I. P. Sharda MW1 who was working as Officer Incharge in the designation of Junior Engineer (Mechanical) and looking after the performance of Shri Sat Paul Sah, who, in turn, was the sole supervisor in his trade Reliance was also placed on the relevant seniority list Ex. C2 to show that there was no other person in his trade to claim seniority over him.
- 1) Despite seeming attraction the submission falled to carry conviction with me primarily because the deposition

of Shri Sharda and the seniority list Ex. C2 were sought to be magnified in isolation. On the other hand when we appraise their evidenciary value in the context of seniority het of the Workcharged establishment circulated in March 1977 vide letter Lin. W5, we cannot possibly resist the interence that for all intents and purposes, Gunniting and Grouting Inspection Drill belong to the one and the same common Trade from which different channels in the shape of Guniffing etc, have been devised by the management; which might be for administrative convenience or some such other reason. To be precise, in this document Shri Sat Pal Shah has been shown to be a Supervisor in the parent Trade of Grouting Inspection Drill at serial no. 122 and significantly enough, the Management skipped over to reveal the names of any of his colleagues, senior or junior, employed in that As the risk of reptition it may also be pointed out that both in the matter of his initial recruitment as well as promotion to the post of a Supervisor, Shri Sat Paul Shah was admittedly junior to the petitioners. It. therefore, follow that despite his juniority he was allowed promotion to the rank of a Chargeman Misc. over and above the petitioners.

- 12. This directly confronts the Tribunal with the task of finding out as to how far such an action was justified. The Management had projected a sort of double defence one of which stands discarded as above. The second line of defence was that the promotion was regulated on seniority-cum-merit basis. However they did not elaborate as to on what basis Sat Paul Shah's service was assessed as qualitatively superior to that of the petitioners. Usually such assessment is based either on the past entries in service record, educational or professional efficiency, trade test or interview etc. but no such exercise was undertaken in the instant case. As a matter of fact it was not even propogated by the Management either by way of pleadings or evidence. On the other hand purusal of the minutes of a meeting held on 9-5-75 in the Board's office by the Chairman of the B.B.M.B. with the representatives of the Trade Unions, as circulated by their Secretary per his endst No. 384-86/B.B.M.B. with the representatives of the Trade Unions, as had to be regulated strictly in accordance to one's seniority where the person concerned was found unfit on the basis of his previous record, and it goes without saying that there was nothing wrong with the petitioners' record.
- 13. Thus sustaining the petitioners' cause I hold that the Management had no justification in superseding them while awarding the promotion to their junior colleague Shri Sat Paul Shah to the post of a Chargeman Misc.
- 14. Accordingly I return my award in their favour with a direction to the Management to re-examine and decide the entire case of promotions in the light of my aforesaid findings.

Dated 11-4-1985.

Chtandigarh

I. P VASISHTH, Presiding Officer[No. L-42012(1)/82-D.H(B)]

गावजाव 2095:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पी एण्ड टी, डिपार्ट-मेन्ट, उलसुर, भैगलोर टेलीफोन्स औंगलोर के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध मे निर्दिष्ट ग्रीधोगिक विवाद मे श्रीग्रोगिक अधिकरण, बैगलोर के पंचाट को प्रकाशित करती है, सो पेन्द्र के सरकार की 15 अभैल को प्राप्त हुआ दा।

S.O. 2095.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Governmen, hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between he employers in relation to the management of P&T Department Ulsoor, Bangalore Telephones, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th April, 1985.

## BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGLORE

Dated this the 30th day of March, 1985 PRESENT:

--- -----

, Sr. R. Ramakrishna, B.A., B.L., Presiding Officer. PRESIDING OFFICER

Central Reference No. 17 of 1984

I PARTY.

Smt. Polina, Clo Shri G. Isaac, No. 23, Kaliammal Koul Street, Ulsoor, Bangalore-560008.

-Vs-

II PARTY

\_ --

The Assistant Engineer,
P & T Department, Ulsoor,
II (Cross Bar), Bangalore
Telephones.

APPEARANCES:

For the I Party :--Sr<sub>t</sub> V. Gopala Gowda. Advocate Bangalore.

For the II Party :- None present

#### REFERENCE

(Government Order No. L-40012(6)[83-D.II(B) dated 7-6-1984).

#### AWARD

The Government of India in exercise its power conferred under Section 7A clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (short called as Act) has made his reference for adjudication of the existing industrial dispute between the parties. The points of dispute in the order of reference read as follows:

#### **SCHEDULE**

- "Whether the action of P&T Department in relation to their Assistant Engineer of Telephone Exchange, Bangalore in terminating the services of Smt. Polina, a casual labourer with effect from 16-9-82 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"
- 2. After receipt of this reference, notices are issued to both the parties on 14-6-84 posting the case to 30-6-84 and on that date one Mr. V. Gopala Gowda, filed Vakalat for the I Party and one Sri T. R. Rangaraju, filed Memo of appearance for the IInd Party. On 31st August, 1984 the I Party filed her claim statement and the case was adjourned for counter statement of the II Party and inspite of giving 8 adjournments the II Party neither appeared nor filed the counter statement and hence on 16-1-85 the II party has been placed ex parte. Thereafter, the I Party Smt. Polina has examined herself in support of her claim statement. In view of the continuous absence of the II Party, the case is proceeded further.
- 3. The I Party contended in her claim statement that she has been employed in the II Party-management on 1-8-1978 as a casual mazdoor with 7 hours duty per day and was drawing Rs. 3.96 per day. After giving one month's break in service she has again taken on 24-3-79 which is a clear case of unfair labour practice. During her second period of employment she was paid Rs. 4.81 per day and she was discharging her duties honestly and to the best satisfaction of her superiors.
- 4. She has further contended hat from June 1980 she was placed in 1st category as a full time casual mazdoor with 8 hours work per day with Rs. 172|- wages per month. On June 1981, she was promoted to 2nd category with a safary of Rs. 330|- per month. From then onwards she was doing her duties continuously without any break in srevce until she has been terminated by the II Party on 16-9-82 without any notice being served on her. She has further alleged that she has been victimised for demanding her ligitimate rights as the

- If Party was not provided basic amenities and she has been harassed mainly times morally and was extracting over time frequently without wages. She has not been given any labour statutory benefits, such as, provident fund, E.S.I. etc. for which a Government servant is entitled and she was placed continuously under the discretionery powers of the II Party-management for the whole service of 4 years rendered by her. She has further contended that the II Party-management developed an unreasonable and adament attitude towards her for having taken part in the trade union activities and finally terminated her.
- 5. She has further alleged that she has not been given any charge sheet, notice of termination and any reason for termination and no enquiry was held which goes to prove the determined and planned termination as a measure of victimisation for the trade union activities.
- 6. She has further contended that the refusal of employment is also violative of Sc tion 25-F clauses (a) and (b) and Section 25-G of the Industrial Disputes Act and further violative of natural justice, hence it is a clear case of unfair labour practice committed by the II Party. She has further contended that without assigning any reason refusing employment tantamounts to retrouchment which is defined under Sec. 2(00) of the Act. the II Party has not complied with the mandatory requirements of the Act which the conditions precedent before refusing employment.
- 7. She has further contended that she is a widow having one son and two daughter and finding it very difficult to keep her body alive. Hence the termination without taking into consideration is illegal, arbitrary, capricous, unjust, unreasonable and vixatious and the same is liable to be set aside. She has further contended that as per the latest decisions of all the Courts she must be confirmed having served 240 days continuously in a year, therefore an award has to be passed in her favour for reinstatement with continuity of service, full back wages and other consequential henciits with costs.
- 8. Since the II Party have failed to file their counter statement and failed to appear before this Tribunal an Interim Relief was granted by an Interim Award dated 26-12-1984.
  - 9. Now the only issue that arises for determination is '-
    - (1) Whether the H Party is justified in terminating the services of Smt. Polina with effect from 16-9-1982?
    - (2) What order?
- 10. Issue No. 1 :- Smt. Polina has adduced her oral evidence supporting her claim statement reiterating the allegations made by her and produced the appointment order dated 1/16-8-78 as Ext. W-1 and another appointment order dated 27-3-79 marked as Ext.W-2. She has further deposed that before her removal she has not been served with any charge sheet and she has been appointed after verifying the Employment f vehange eard which management kept in their custody. She has further deposed she has been victimised by the II Party when she started demanding her legitimate legal rights and she has not been provided the basic amenities and she has been harassed morally as she was the lowest paid employee and they were extracting overwas the lowest paid employee and they were extracting over-time work without any wages and hence she reported this matter to the union and thereafter she has been removed from service. She has further deposed that the union who have been appointed subsequently are continued in their work and if she was continued, her services would have been confirmed as a permanent employee from June 1983. She has further deposed that the bouns that was sanctioned to her was not paid by the management and her husband died during 1976 due to an accident leaving her three children and she was solely depending on the salary for herself and for her children and mayed for reinstatement with back wages and continuity of service.
- 11 In view of no rebuttal evidence by the II Party and non filing of counter statement the stand taken by the I Party is unchallenged. The allegations made in the claim statement and the evidence addited by the narty reveals a very sorry state of offairs on the nart of the II Party which has refused work without resorting to statutory provisions as contemplated in the Industrial law. This Tribunal is failed

- to understand the tendency adopted by the II Party in not co-operating for the progress of the case though 8 months have been lapsed from the date of reference to the date of final arguments.
- 12. The allegation of the I Party that she has not been served with any notice before refusal of work which amounts to termination without conducting any enquiry about any misconduct attract the provisions of Section 25-F and Section 2(00) of the Act, In a decision reported in AIR 1974 SC 1166 (M<sub>IS</sub> Willcox Buckwell India Ltd., vs. Jagannath & others) when some of the workmen were terminated on the ground of surplus labour it was held:—
  - "Termination of services even of a temporary employee on the ground of surplus labour amounts to retrenchment and the employee is entitled to claim retrenchment compensation. As that was not done, the Labour Court was fully justified in ordering their reinstatement".
- 13. In Mohan Lal, Bhatat I lectronics Ltd., reported in 1981 II I J., 70 Their Lordships of the Supreme Court when the services of a Salesman was abruptly terminated by a letter have held:—
  - "On facts, the termination of service of the appellant did not fail within any of the excepted, or to be precise, excluded categories. Undoubtedly, therefore, the termination would constitute retrenchment and by a catena of decisions it was well-settled that where prerequisite for valid retrenchment, as laid down in Section 25F had not been complied with, retrenchment bringing about termination of service was abinitio void."
- 14. This view was reiterated by the Hon'ble Supreme Court in AIR 1983 SC 1320 (Management of Karnataka State Road Transport Cornortion, Bangalore vs. N. Borotin and another) that where the dis harge of a probationer was held to be violative of Section 25 F of the Act and termination held to be bad
- 15 In view of the pleadings, evidence, documents and the decided case laws on this point, the termination or refusal of work of Smt Polina by the II Party is unjustified. Hence I make the following award:—

## AWARD

The Assistant Engineer of Telephone Exchange P & T Department. Banglore, in terminating the services of Smt. Pelina a casual labouter with effect from 16-9-32 is not justified. Consequently, it is ordered that she shaft be reinstated with back wages, continuity of service and other consequential benefits. The II Party shall also pay a cost of Rs 1000l. If any Interim relief has been not in view of an Interim Award passed by this Tribunal dated 26-12-1984 the same shall be adjusted in the arrears of her wages payable to her.

(Dictated to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer
[No. L-40012(6)'83-D.H(B)]

का० आ० १००६: - भौगोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 क 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरवार, डील्पी०भ्रो० एण्ड डील्एस० सी० नारदर्न रेलवे, लखनऊ वे प्रवंशत में सरकत नियं एकों भीर उनके कर्मकारों के बीच, अनुगंध में निद्दिष्ट भौगोगिक विवाद में में केन्द्रीय सरकार भौगोगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाणित करनी ह, जो केन्द्रीय सरकार को 12 अप्रैस को प्राप्त हुआ था।

S.O 2096.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D.P.O. and D.S.F.II, N. Railway. Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th April, 1985

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICEPR, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR, COURT, KANPUR

I.D.'s Nos. 3, 4 and 10 of 1984

In the matter of dispute between:

- 1. Shri Ram Chandra,
- 2. Shri Safiq Ahmad, &
- 3. Shri Umesh Changra

Workmen.

Through B. D. Tewari, 96/196. Roshan Bajaj Lane, Ganesh Ganj, Lucknow.

#### AND

The Divisional Manager, Northern Railway, Lucknow-

Management

Shri B. D. Tewari representative for the workmen & Shri B. P. S. Chauhan representative for the management.

#### AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide order No. L-41012|33|83-D-II-B, dated 7.1.84, order No. L.41012|32|83-D.II.B, dated 7-1-84 and order No. L-41012|35|83.D. II.B., dated 21st January 1984 referred the following dispute for adjudication:

- "Whether the action of the Railway Administration in relation to senior Civil Engineer, Northern Railway Charbagh, Lucknow in terminating the services of Shri Shafi Ahmad So Shri Habib Khan Khalasi w.e.f. 1-9-77 is jusified. If not, to what relief if any, is the workman concerned is entitled?"
- 2. "Whether the action of the Railway Administration in relation to the Divisional Superintending Engineer-Il Northern Railway Lucknow in terminating the services of Shri Ram Chander Slo Shri Babu I al. Khalasi w.e.f. 15-1-75 is justified? If not, to what relief if any is the workman concerned is entitled?"
- 3. "Whether the action of the Northern Railway Administration in relation to the Divisional Railway Manager, I ucknow is justified in terminating the services of Shri Urnesh Chand So of Shri Benchoo Lal, ES 79 casual labour under LOW. Locoworkshop Charbagh I ucknow w.e.f. 15-10-77? If not to what relief the concerned workman is entitled?"

The above three cases were consolidated on the request of the representative for the workmen as common question of fact and law arose in them and I.D. No. 4|84 was made the leading case.

The case of the workman Shafiq Ahmad is that he was recruited as casual labour on 2-12-72 and worked continuously upto 31-12-73. His services thereafter were terminated without compliance of Sec. 25(f) of the I.D. Act even though he had worked for 378 days.

Similarly workman Ram Chandra of the I.O No. 3/84 worked under Civil Engineer Charbagh as casual labour from 20-1-74 and continued till 14-1-75 when his services were terminated without naving retrenchment compensation though in fact he had worked continuously for 349 days.

Lastly in the case of Shri Umesh Chandra workman I.D. No. 10/84 the workman was appointed on 9-9-77 and worked upto 15-10-77 continuously. He was told not to come on duty on 15-10-77. At the time of termination he was not paid retrenchment compensation though he had completed 240 days of continuous service on one calender year.

The management despite notice of the cases did not file written statement or adduced any evidence to contest the case, consequently the case against the management proceeded exparte. Safig Ahmad, Ram Chandra and Umesh Chandra have filed affidavits in support of their case. Ram Chandra has filed photo copy of his casual labour card which corroborate his case that he from 21-2-71 to 14-1.75 which sub-

stantiate that he worked for more than 240 days in one continuous year counting backward from 14-1-75.

Workman Shri Shafiq Ahmad has supported his claims statement by affidavit and has filed Annexure A record of service as casual labour which on calculation comes to 260 days in one continuous year counting back from the date of termination i.e. 31-8-77.

Before a workman can complain of retrenchment being not in consonance with Sec. 25(F) he has to show that he has been in continuous settice for not less than 12 months under any employer who has retrenched him from service. Further the Sec. 25B (ii) prescribes a situation which is in the instant case where a workman is not under employment for a period of 12 calender months but has rendered services for a period of 240 days within the period of 12 calender months commencing and counting backward from the relevant date i.e. the date of retrenchment.

In Robert D'Souza Vs. Executive Engineer Southein Railway and another S.C. Cases (L&S) page 121, it was observed in para 12 thus:

The test provided in rule 2501 in chapter 15 of the Indian Railway Establishment Manual is that for the purposes of treating the eligibility of casual labour to be treated as temporary, the criterian should be the period of continuous work put in by each individual labour on the same type of work and not the period put in collectively by any particular gang or group of labours. Therefore, if a person belonging to the category of casual labour employed in construction work other than work charged projects renders six months continuous service without a break by operation of statutory rule the person would be treated as temporary continuous workman.

It was further observed in para 21:

"Although a casual labour employed in a project arespective of duration can be by virtue of rule 2501 (b)(i) even construction work does not imply project. Project is observed to a planned project in which the workman is treated as work-charged. Construction Unit is a regular unit all over Railways. It is a permanent unit and can not be equiated to project.

It was lastly observed in paragraph 27 as follows:

"Even assuming that he was a duly rated worker once le has rendered uninterrupted continuous service for a period of one year or more within the meaning of Sec. 25(F) of the Act and his services is terminated for any reason whatsoever, the case does not fall in any of the accepted category of Sec. 2600 of the 1D. Act notwithstanding the fact that rule 2505 would be attracted would have to be read subject to the provision of the Act. Accordingly the termination of the service in this case would constitute retrenchment and for not complying with the precondition to valid retrenchment, the order of termination would be illegal and invalid."

In the instant case the workman were casual labour of the construction division of railway and had worked more than 240 days in one continuous year. Thus they were temporal workmen of the Railway and reterinchment without paying retrenchment compensation, notice pay etc. as required under Sec. 25(F) of the Act, the retrenchment is void ab-initio.

The result is that the workmen are entitled to be reinstated in service with all back wages and full benefits

With the discussions made above I hold that the action of the management in terminating the services or the workmen are not justified and the workmen are entitled to be reinstated with full back wares and all benefits

I, therefore, give my Award accordingly,

Let 6 copies of this award be sent to the Government for Publication.

R B. SRIVASTAVA, Presiding Officer [No. 1,-41012(33)/83-D 11(B)] HARI SINGH, Desk Officer